■ सीईसी के साथ बैठक पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने बीच में छोड़ी- 12

■ वित्त मंत्री सीतारमण बोलीं- 7-8 % की वृद्धि दर कायम रखना शीर्ष प्राथमिकता - 12

■ ट्रंप को ईरान से समझौते की उम्मीद खामेनेई की युद्ध के विरुद्ध चेतावनी - 13

■ दिल्ली की नजरें लगातार चौथी बार फाइनल में पहुंचने पर- 14


आज का मौसम
22.0⁰ अधिकतम तापमान
12.0⁰ न्यूनतम तापमान
सूर्योदय 06.53
सूर्यास्त 05.53

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

# अमृत विचार

|कानपुर नगर|

www.amritvichar.com

2 राज्य | 6 संस्करण

■ लखनऊ ■ बरेली ■ कानपुर ■ मुरादाबाद ■ अयोध्या ■ हल्द्वानी

फाल्गुन कृष्ण पक्ष द्वितीया 12:40 उपरांत तृतीया विक्रम संवत 2082

मंगलवार, 3 फरवरी 2026, वर्ष 4, अंक 164, पृष्ठ 14 ■ मूल्य 5 रुपये


# आम बजट से प्रदेश को मिलेगी विकास की नई उड़ान : योगी

## सेमीकंडक्टर, रक्षा-एमएसएमई और इन्फ्रास्ट्रक्चर से यूपी बनेगा निवेशकों की पहली पसंद

- हाई-स्पीड रेल, फ्रेट कॉरिडोर व जलमार्गों से प्रदेश को मिलेगा लॉजिस्टिक्स हब का दर्जा

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

लखनऊ में बजट के संदर्भ में पत्रकारों से वार्ता करते मुख्यमंत्री योगी, साथ में वित्त मंत्री सुरेश खन्ना।

**अमृत विचार:** मुख्यमंत्री योगी ने आम बजट 2026-27 को उत्तर प्रदेश के लिए ऐतिहासिक बताते हुए कहा कि यह बजट राज्य के औद्योगिक, आर्थिक व सामाजिक विकास को नई गति देगा। उन्होंने कहा कि सुधार, वृद्धि व वित्तीय अनुशासन का संतुलित दस्तावेज होने के कारण यह बजट 'विकसित भारत-2047' के लक्ष्य में यूपी की भूमिका को और मजबूत करेगा।

सोमवार को आवास पर आयोजित प्रेस वार्ता में मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में देश ने जिस सुधारवादी विकास यात्रा को अपनाया है, उसका ठोस प्रतिबिंब इस बजट में दिखाई देता है। किसान, युवा, महिला, गरीब और मध्यम वर्ग सभी की आकांक्षाओं को केंद्र में रखकर बजट तैयार किया गया है। देश की सबसे बड़ी आबादी वाला राज्य होने के कारण यूपी को इसका सर्वाधिक लाभ मिलेगा। मुख्यमंत्री ने बताया कि एमएसएमई सेक्टर के लिए 10 हजार करोड़ के विशेष फंड की घोषणा यूपी के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। प्रदेश में करीब 96 लाख एमएसएमई इकाइयां कार्यरत हैं, जो लगभग तीन करोड़ लोगों को प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रोजगार देती हैं। यह प्रावधान ओडीओपी योजना को नई तकनीक, स्किल ट्रेनिंग, आधुनिक पैकेजिंग और वैश्विक निर्यात से जोड़ने में सहायक सिद्ध होगा। उन्होंने कहा कि 12.2 लाख करोड़ रुपये के रिकॉर्ड पूंजीगत व्यय से यूपी में सड़क, रेल, औद्योगिक और लॉजिस्टिक्स ढांचे को अभूतपूर्व मजबूती मिलेगी। ईस्टर्न और वेस्टर्न डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर के साथ-साथ हाई-स्पीड रेल कॉरिडोर से प्रदेश राष्ट्रीय लॉजिस्टिक्स हब के रूप में उभरेगा। बजट में घोषित सात हाई-स्पीड रेल कॉरिडोर में से दो उत्तर प्रदेश को मिलने से यात्रा समय घटेगा और उद्योग, व्यापार व पर्यटन को नई गति मिलेगी।

इनलैंड वाटरवे पर मुख्यमंत्री ने कहा कि वाराणसी-हल्दिया जलमार्ग पहले ही संचालित है और इसके विस्तार से माल ढुलाई की लागत में उल्लेखनीय कमी आएगी। वाराणसी में शिप रिपेयर और मेंटिनेंस इकोसिस्टम के विकास से प्रदेश का जलमार्ग नेटवर्क और अधिक सशक्त होगा। औद्योगिक विकास की चर्चा करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि सेमीकंडक्टर पार्क, डेटा सेंटर और बायो-फार्मा हब से उत्तर प्रदेश का औद्योगिक परिदृश्य तेजी से बदल रहा है। प्रदेश में 22 हजार करोड़ रुपये से अधिक के डेटा सेंटर निवेश हो चुके हैं। ललितपुर में बल्क ड्रग पार्क और गौतम बुद्ध नगर में मेडिकल डिवाइस पार्क यूपी को वैश्विक फार्मा हब की दिशा में आगे ले जा रहे हैं। पर्यटन, मेडिकल टूरिज्म और आयुर्वेद पर जोर देते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि बजट में 15 पुरातात्विक स्थलों के विकास का प्रावधान किया गया है, जिनमें सारनाथ और हस्तिनापुर शामिल हैं। इससे पर्यटन के साथ रोजगार के नए द्वार खुलेंगे। 10 हजार टूरिस्ट गाइडों के प्रशिक्षण से स्थानीय युवाओं को प्रत्यक्ष लाभ मिलेगा। इलेक्ट्रॉनिक मैन्युफैक्चरिंग में यूपी देश में अग्रणी बन चुका है। देश के 55 प्रतिशत मोबाइल फोन और 60% इलेक्ट्रॉनिक कंपोनेंट्स का निर्माण यहां हो रहा है। खेल उद्योग में मेरठ, आगरा और कानपुर तेजी से उभरते क्लस्टर बन रहे हैं। आम बजट 2026-27 यूपी को विकास, निवेश और विश्वास का केंद्र बनाते हुए विकसित भारत के लक्ष्य की ओर तेजी से आगे बढ़ाएगा।

### प्रत्येक जिले में इमरजेंसी व ट्रॉमा सेंटर

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पत्रकार वार्ता में कहा कि आम बजट के माध्यम से उत्तर प्रदेश के प्रत्येक जनपद में इमरजेंसी और ट्रॉमा केयर सेंटर खोलने की व्यवस्था सुनिश्चित की गई है। 'गोल्डन आवर' में समय पर उपचार मिलने से अनमोल जानें बच सकेंगी और जिला स्तर पर स्वास्थ्य सेवाएं मजबूत होंगी।

### पीडीए बहाना, असली लक्ष्य परिवारवाद

मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि पीडीए के नाम पर किए जा रहे राजनीतिक हमले केवल बहाना हैं, असली उद्देश्य परिवारवाद को बचाना है। उन्होंने कहा कि आज देश को परिवार मानकर गरीब, किसान, युवा और महिलाओं के हित में काम हो रहा है। यह बजट नए भारत और नए उत्तर प्रदेश का प्रतिबिंब है। जहां सड़कें भी हैं और गति भी, निवेश भी है और विश्वास भी, पहचान भी है और आत्मगौरव भी।

# चीन मुद्दे पर लोस में हंगामा

## नरवणे के संस्मरण को लेकर राहुल का सत्तापक्ष पर वार

- प्रधानमंत्री व रक्षा मंत्री पर निशाना साधा, सत्तापक्ष और कांग्रेस के बीच हुई तीखी नोकझोंक
- रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने कहा-नेता प्रतिपक्ष की बातें पूरी तरह से काल्पनिक

नई दिल्ली, एजेंसी

लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने सोमवार को सदन में पूर्व सेना प्रमुख के संस्मरण के मसौदे के कुछ अंश का हवाला देकर प्रधानमंत्री और रक्षामंत्री पर निशाना साधने का प्रयास किया, जिस पर सत्तापक्ष और कांग्रेस के सदस्यों के बीच तीखी नोकझोंक एवं हंगामा देखने को मिला तथा सदन की कार्यवाही बाधित हुई।

रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने आरोप लगाया कि नेता प्रतिपक्ष की बातें पूरी तरह से काल्पनिक हैं और वह सदन को गुमराह करने का प्रयास कर रहे हैं। सदन में गतिरोध बने रहने पर सभा की बैठक पहले अपराह्न दो बजकर नौ मिनट पर अपराह्न तीन बजे तक, दूसरी बार तीन बजकर आठ मिनट पर शाम चार बजे तक और फिर चार बजकर 10 मिनट पर मंगलवार सुबह 11 बजे तक के लिए स्थगित कर दी गई। कांग्रेस का कहना है कि नेता प्रतिपक्ष सदन में पूर्व सेना प्रमुख एम एम नरवणे की पुस्तक 'फोर स्टार्स ऑफ डेस्टिनी' के मसौदे के उस अंश को पढ़ना चाहते थे जिसमें 31 अगस्त, 2020 की एक घटना का उल्लेख है।

यह संस्मरण अभी प्रकाशित नहीं हुआ है। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने कांग्रेस नेता से कई बार यह अपील की कि वह पुस्तक या किसी पत्रिका को सदन में उद्धृत नहीं कर सकते, हालांकि राहुल गांधी ने पूर्व सेना प्रमुख का हवाला देते हुए चीन के साथ भारत के सैन्य तनाव का विषय उठाने का प्रयास किया और दावा किया कि पूर्व सेना प्रमुख ने प्रधानमंत्री मोदी और रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के चरित्र के बारे में भी बताया है। इस विषय पर कार्यवाही पहली बार स्थगित होने से पहले जब लोकसभा में गतिरोध जारी था तब प्रधानमंत्री मोदी भी सदन में मौजूद थे।

### नेता प्रतिपक्ष को व्यवस्था का पालन करना चाहिए

गृहमंत्री अमित शाह ने भी कहा कि सदन में पुस्तक और पत्रिका में प्रकाशित बातों को नहीं रखा जा सकता और नेता प्रतिपक्ष को व्यवस्था का पालन करना चाहिए। बिरला ने राहुल गांधी से कई बार कहा कि वह राष्ट्रपति के अभिभाषण पर अपनी बात रखें। जब राहुल इस संस्मरण के कुछ अंश सदन के पटल पर रखने पर अड़े रहे तो बिरला ने कहा, आप लगातार आसन की अवमानना कर रहे हैं। राहुल गांधी ने कहा कि वह आसन को चुनौती नहीं दे रहे हैं, बल्कि चीन के साथ भारत के रिश्ते के बारे में बात रखना चाहते हैं। सदन में लगातार गतिरोध बने रहने पर बिरला ने लोकसभा की बैठक अपराह्न दो बजकर नौ मिनट पर अपराह्न तीन बजे तक के लिए स्थगित कर दी। लोकसभा की बैठक पुन: शुरू होने पर नेता प्रतिपक्ष ने एक बार फिर इसी मुद्दे को रखने का प्रयास किया और कहा कि यह राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़ा विषय है।

## ब्रीफ न्यूज

### वायुसेना की सारंग हेलीकॉप्टर टीम सिंगापुर एयर शो में लेगी भाग

**नई दिल्ली।** भारतीय वायुसेना की सारंग हेलीकॉप्टर टीम तीन से आठ फरवरी तक आयोजित होने वाले सिंगापुर एयर शो 2026 में भाग लेगी। सारंग एरोबैटिक टीम का गठन 2005 में किया गया था जिसमें पांच अत्याधुनिक हल्के हेलीकॉप्टर शामिल हैं। अधिकारियों ने बताया कि भारतीय वायुसेना के हेलीकॉप्टर स्वदेशी रूप से डिजाइन और निर्मित एएलएच ध्रुव मॉडल पर आधारित हैं।

### रुपया 44 पैसे बढ़कर 91.49 प्रति डॉलर पर

**मुंबई।** आम बजट 2026-27 पेश होने के एक दिन बाद अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में सोमवार को डॉलर के मुकाबले रुपया 44 पैसे के सुधार के साथ 91.49 पर बंद हुआ। रुपये में यह बढ़त मुख्य रूप से कच्चे तेल की ऊंची कीमतों में आई गिरावट के कारण देखी गई। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने कहा कि आरबीआई 92 रुपये प्रति डॉलर के स्तर को बचाने के लिए पूरी मजबूती से सक्रिय नजर आया।

# महिला का अपहरण कर जबरन धर्म परिवर्तन कर किया निकाह

संवाददाता, सिंगाही (लखीमपुर खीरी)

- विरोध करने पर गाली गलौज कर धमकी देने का आरोप, रिपोर्ट दर्ज

**अमृत विचार:** थाना क्षेत्र निवासी एक व्यक्ति ने दूसरे समुदाय के युवक पर अपनी 20 वर्षीया पत्नी का अपहरण करने और जबरन धर्म परिवर्तन कर निकाह करने का आरोप लगाया है। पीड़ित की तहरीर पर पुलिस ने मुख्य आरोपी समेत तीन लोगों के खिलाफ एससी एसटी एक्ट और विधि विरुद्ध धर्म परिवर्तन समेत कई संगीन धाराओं में रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

थाना क्षेत्र के एक गांव निवासी युवक ने बताया कि वह अनुसूचित जनजाति (थारू) समाज से है। उसकी 20 वर्षीय पत्नी को सिंगाही के मोहल्ला गुड़ मंडी वार्ड संख्या 9 निवासी इरफान तीन दिन पूर्व बहला-फुसलाकर जबरन धर्म परिवर्तन कर मुसलमान बनाने के उद्देश्य से अपने साथ ले गया। पीड़ित के अनुसार पूरे प्रकरण में इरफान का भाई हनीफ और पिता नईम भी शामिल हैं। इरफान पहले से शादीशुदा है। जब उन्होंने आरोपी इरफान के घर जाकर पत्नी को वापस करने की बात कही तो आरोपियों ने उसे जातिसूचक शब्द कहते हुए मारपीट पर आमादा हो गए और गालियां देते हुए भगा दिया।

आरोप है कि 31 जनवरी को इरफान ने मैसेंजर आईडी के माध्यम से फोन कर जातिसूचक गालियां दीं और धमकी दी कि उसकी पत्नी का धर्म परिवर्तन कर निकाह कर लिया गया है। साथ ही शिकायत करने पर उसे और उसके बेटे को जान से मारने की धमकी भी दी गई। इसकी जानकारी जब बजरंग दल और विहिप के कार्यकर्ताओं को हुई तो वह थाने पहुंचे और कड़ा विरोध जताते हुए रिपोर्ट दर्ज कर कार्रवाई की मांग करने लगे। पुलिस ने पीड़ित की तहरीर पर इरफान, उसके भाई और पिता के खिलाफ एससी एसटी एक्ट, विधि विरुद्ध धर्म परिवर्तन प्रतिषेध अधिनियम के तहत रिपोर्ट दर्ज कर ली है।

## पैराग्लाइडिंग

हिमाचल प्रदेश के कुल्लू जिले में सोमवार को बर्फ से ढकी सोलांग घाटी में स्कीइंग और पैराग्लाइडिंग करते पर्यटक।

# आठ मेडिकल कॉलेजों में कार्यवाहक प्राचार्य नियुक्त

**लखनऊ।** प्रदेश सरकार ने राज्य के आठ स्वशासी राजकीय चिकित्सा महाविद्यालयों में कार्यवाहक प्राचार्यों की नियुक्ति कर दी है। इन चिकित्सा महाविद्यालयों में निवर्तमान प्राचार्यों का निर्धारित तीन साल का कार्यकाल बीते 20 जनवरी को पूर्ण होने के बाद नए प्रशासनिक नेतृत्व को जिम्मेदारी सौंपी गई है।

जिन महाविद्यालयों में कार्यवाहक प्राचार्यों की नियुक्ति की गई है, उनमें कानपुर देहात में उसी कॉलेज के उप प्राचार्य डॉ.हरप्रीत सिंह, सोनभद्र में उप प्रधानाचार्य डॉ.आनंद कुमार, अमेठी में पैथोलॉजी विभाग के प्रोफेसर डॉ.योगेश यादव , कुशीनगर में उप प्रधानाचार्य डॉ. सुभाष गुप्ता शामिल हैं। इसके अलावा बुलंदशहर में जनरल सर्जरी विभाग के प्रोफेसर डॉ.संजय कुमार मिश्र , गोंडा में बायोकेमिस्ट्री विभाग की डॉ.बीना सिंह, सुल्तानपुर में उप प्रधानाचार्य डॉ. प्रियांक वर्मा और बिजनौर में उप प्रधानाचार्य डॉ.तुहिन वशिष्ठ को भी वहीं का कार्यवाहक प्राचार्य बनाया गया है।

# सीबीआई ने साइबर वित्तीय अपराध के खिलाफ देशव्यापी कार्रवाई की, दो गिरफ्तार

नई दिल्ली, एजेंसी

- व्यापक बहुराष्ट्रीय कार्रवाई के तहत 10 राज्यों के 35 स्थानों पर व्यापक तलाशी अभियान चलाया

सीबीआई ने साइबर वित्तीय अपराधों पर व्यापक बहुराष्ट्रीय कार्रवाई के तहत देश में 35 स्थानों पर एक व्यापक तलाशी अभियान चलाने के बाद दो साइबर अपराधियों को गिरफ्तार किया है। 'ऑपरेशन साइस्ट्राइक' नाम से यह कार्रवाई 30 जनवरी को अमेरिका, ब्रिटेन, कुवैत, आयरलैंड और सिंगापुर की कानून प्रवर्तन एजेंसियों के साथ समन्वय में शुरू की गई थी।

सीबीआई अधिकारियों ने दिल्ली, बिहार, महाराष्ट्र, कर्नाटक, पंजाब, राजस्थान, उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, तेलंगाना और पश्चिम बंगाल सहित 10 राज्यों में 35 स्थानों पर तलाशी ली। इस अभियान के तहत देश में कई साइबर अपराध नेटवर्क के खिलाफ कार्रवाई की गई, जो अमेरिका, ब्रिटेन, कुवैत, आयरलैंड, सिंगापुर और भारत में लोगों को निशाना बनाते थे। सोमवार को सीबीआई ने बताया कि एजेंसी ने एक और अंतर्राष्ट्रीय साइबर वित्तीय अपराध नेटवर्क का भंडाफोड़ किया है, जो नयी दिल्ली, गाजियाबाद और कर्नाटक से संचालित हो रहा था।

### जाली कुवैती ई-वीजा व कई डिवाइस जब्त

यह नेटवर्क कुवैती ई-वीजा उपलब्ध कराने व पैसे के बदले कुवैत की प्रमुख कंपनियों में नौकरी दिलाने की आड़ में संचालित किया जा रहा था। अभियान के दौरान लैपटॉप, मोबाइल फोन, कंप्यूटर हार्ड डिस्क जैसे इलेक्ट्रॉनिक उपकरण जब्त किए गए, जिनमें जाली कुवैती ई-वीजा और प्रमुख कंपनियों में काम करने के लिए नियुक्ति पत्र थे। 60 लाख नकद भी बरामद किए हैं।

# तीसरे दिन चांदी 52,000 टूटी सोना 12,800 रुपये कमजोर

नई दिल्ली, एजेंसी

चांदी की कीमतें लगातार तीसरे दिन तेजी से गिरीं। सोमवार को राष्ट्रीय राजधानी के सर्राफा बाजार में यह 52,000 रुपये टूटकर 2.60 लाख रुपये प्रति किलोग्राम रह गई, जबकि कमजोर वैश्विक रुझानों और मजबूत डॉलर के बीच सोना टूटकर 1.52 लाख रुपये प्रति 10 ग्राम रह गया। अखिल भारतीय सर्राफा संघ के अनुसार, चांदी 52,000 रुपये, या लगभग 17 प्रतिशत टूटकर 2,60,000 रुपये प्रति किलोग्राम (सभी कर सहित) रह गई।

शनिवार को, चांदी 19 प्रतिशत, या 72,500 रुपये गिरकर 3.12 लाख रुपये प्रति किलोग्राम रह गई थी। पिछले तीन सत्रों में, चांदी की कीमतें 1,44,500 रुपये, या लगभग 36 प्रतिशत गिरकर 4,04,500 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर से नीचे आ गई हैं। 4,04,500 रुपये प्रति किलोग्राम का स्तर 29 जनवरी को दर्ज किया गया जो अब तक की सबसे ऊंची कीमत थी। 99.9 प्रतिशत शुद्धता वाले सोने की कीमत पर भी बिकवाली का असर पड़ा। सोमवार को यह 12,800 रुपये, या 7.73 प्रतिशत गिरकर 1,52,700 रुपये प्रति 10 ग्राम (सभी कर सहित) रह गया।

# कश्मीर में भूकंप के तेज झटके, रिक्टर स्केल 4.6 रहा

**श्रीनगर।** कश्मीर घाटी में सोमवार तड़के 4.7 तीव्रता का भूकंप आया जिससे बारामूला जिले के पट्टन व आसपास के इलाकों में लोगों में दहशत फैल गई। किसी प्रकार के जान-माल के नुकसान की तत्काल कोई जानकारी नहीं है। राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र के अनुसार भूकंप तड़के पांच बजकर 35 मिनट पर 10 किमी की गहराई में आया व इसका केंद्र पट्टन क्षेत्र में था, जो पर्यटक स्थल गुलमर्ग से 10 किलोमीटर उत्तर-पूर्व में है।

भूकंप के झटके करीब 20 सेकंड तक महसूस किए गए। कश्मीर घाटी एक अत्यंत सक्रिय भूकंपीय क्षेत्र में स्थित है। भारतीय मानक ब्यूरो द्वारा पिछले साल नवंबर में जारी राष्ट्रीय भूकंपीय जोखिम मानचित्र में कश्मीर समेत पूरे हिमालयी क्षेत्र को भूकंपीय जोन छह में रखा गया है।

सुझाव | जाति दर्ज करने की प्रक्रिया पर सवाल उठाने वाली याचिका पर सुनवाई से इन्कार करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने दिया निर्देश

# जनगणना के प्रश्न सार्वजनिक करने पर विचार करे सरकार

नई दिल्ली, एजेंसी

सुप्रीम कोर्ट ने 2027 की सामान्य जनगणना में नागरिकों की जाति संबंधी आंकड़ों को दर्ज करने, वर्गीकृत करने और सत्यापित करने के लिए अपनाई जाने वाली प्रक्रिया पर सवाल उठाने वाली जनहित याचिका पर सुनवाई से सोमवार को इन्कार कर दिया। हालांकि, शीर्ष अदालत ने केंद्र और भारत के महापंजीयक एवं जनगणना आयुक्त के कार्यालय को जनहित याचिका में इस मुद्दे पर दिए गए सुझावों पर विचार करने को कहा है।

शिक्षाविद् आकाश गोयल की ओर से दायर याचिका पर पक्ष रखते हुए वरिष्ठ अधिवक्ता मुक्ता गुप्ता ने कहा कि नागरिकों के जाति संबंधी विवरण को दर्ज करने, वर्गीकृत करने और सत्यापित करने के लिए उपयोग किए जाने वाले एक पारदर्शी प्रश्नपत्र को सार्वजनिक रूप से उपलब्ध कराया जाना चाहिए। पीठ ने याचिकाकर्ता से कहा कि जाति संबंधी आंकड़ों की पहचान के लिए पहले से तय कोई आंकड़ा नहीं है। जनगणना की प्रक्रिया जनगणना अधिनियम, 1958 और उसके तहत बनाए गए 1990 के नियमों के अनुसार संचालित होती है जो प्रतिवादी प्राधिकारियों को जनगणना करने के विवरण और तौर-तरीके तय करने का अधिकार देते हैं।

सीजेआई ने कहा, हमारे पास इस बात पर संदेह करने का कोई कारण नहीं है कि याचिकाकर्ता और ऐसे ही विचार रखने वाले कई और लोगों की ओर से जताई गई आशंका के मद्देनजर प्रतिवादी प्राधिकारी किसी भी तरह की गलती से बचने के लिए विशेषज्ञों की सहायता से मजबूत व्यवस्था विकसित कर चुके होंगे। हमें लगता है कि याचिकाकर्ता ने महापंजीयक को दिए गए प्रतिवेदन के जरिए कुछ प्रासंगिक मुद्दे भी उठाए हैं। पीठ ने कहा कि प्राधिकारी याचिका में उठाए गए सुझावों पर विचार कर सकते हैं।

### धर्मांतरण रोधी कानूनों के खिलाफ दाखिल याचिका पर केंद्र और 12 राज्यों को नोटिस

**नई दिल्ली।** सुप्रीम कोर्ट ने धर्मांतरण रोधी कानूनों की संवैधानिकता को चुनौती देने वाली नेशनल काउंसिल ऑफ चर्चेज इन इंडिया (एनसीसीआई) की नई याचिका पर सोमवार को केंद्र के साथ राजस्थान और अरुणाचल प्रदेश सहित 12 राज्यों को नोटिस जारी कर चार सप्ताह के भीतर जवाब मांगा है। एनसीसीआई की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता मीनाक्षी अरोड़ा के जरिए दाखिल इस याचिका में धर्मांतरण रोधी कानूनों के क्रियान्वयन पर तत्काल रोक लगाने का अनुरोध किया गया है। सीजेआई सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की पीठ ने एनसीसीआई की दलीलों पर संज्ञान लेते हुए नई जनहित याचिका को इसी मामले में दाखिल अन्य याचिकाओं के साथ संबद्ध करने का निर्देश देते हुए कहा कि तीन न्यायाधीशों की पीठ इन सभी पर एक साथ सुनवाई करेगी।

## न्यूज ब्रीफ

### माघ मेला में लगीं 3800 रोडवेज बसें

**अमृत विचार, लखनऊ:** प्रयागराज में आयोजित माघ मेला 2026 के दौरान उप्र. परिवहन निगम (यूपीएसआरटीसी) द्वारा श्रद्धालुओं को सुविधाजनक बस सेवाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। 1 फरवरी तक लगभग 10 लाख श्रद्धालुओं एवं पर्यटकों ने परिवहन निगम की बसों के माध्यम से प्रयागराज पहुंचकर संगम में स्नान का पुण्य लाभ प्राप्त किया। यह जानकारी परिवहन राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) दयाशंकर सिंह ने सोमवार को दी। उन्होंने बताया कि माघ मेले के दौरान प्रदेश भर से लगभग 3800 बसों को प्रयागराज के लिए लगाया गया। परिवहन मंत्री ने बताया कि 3 जनवरी से 1 फरवरी के बीच प्रतिदिन औसतन 1,178 बसों का संचालन किया गया और लगभग 10 लाख यात्रियों ने परिवहन निगम की सेवाओं का उपयोग किया।

### दो औद्योगिक इकाइयों को 2.70 करोड़ प्रतिपूर्ति

**अमृत विचार, लखनऊ:** औद्योगिक विकास मंत्री नंदी गोपाल गुप्ता नंदी ने निवेश एवं उद्योग को बढ़ावा देने की दिशा में अहम निर्णय लेते हुए दो वृहद औद्योगिक इकाइयों को प्रतिपूर्ति राशि और एक इकाई को ब्याजमुक्त ऋण देने की स्वीकृति प्रदान की है। डालमिया भारत शुगर एंड इंडस्ट्रीज लिमिटेड को 1,53,49,543 रुपये और कजारिया सेरामिक्स लिमिटेड को 1,17,34,221 रुपये की राशि प्रथम किस्त के रूप में देने के प्रस्ताव को मंजूरी दी गई है। इस प्रकार दोनों कंपनियों को कुल 2,70,83,765 की प्रतिपूर्ति राशि प्रदान की जाएगी। इसके साथ ही मंत्री नंदी ने चंदौली स्थित पावरकॉन सीमेंट प्राइवेट लिमिटेड को 1.48 करोड़ रुपये का ब्याजमुक्त ऋण दिए जाने के प्रस्ताव को भी स्वीकृति दी है।

### सूची से मतदाताओं के नाम काटने के आरोप

**अमृत विचार, लखनऊ:** सपा ने प्रदेश में मतदाता सूची से मतदाताओं के नाम अवैध रूप से हटाए जाने का आरोप लगाते हुए राज्य मुख्य निर्वाचन अधिकारी को ज्ञापन सौंपा है। सपा के प्रदेश अध्यक्ष श्याम लाल पाल की ओर से दी गई शिकायत में फार्म-7 के बड़े पैमाने पर दुरुपयोग का गंभीर आरोप लगाया गया है। सपा द्वारा दिए गए ज्ञापन में पार्टी ने आरोप लगाया कि कई जिलों में भाजपा की ओर से जिलाधिकारियों पर भी दबाव बनाया जा रहा है। ज्ञापन में लखनऊ, मिर्जापुर, सीतापुर, सोनभद्र, कानपुर देहात, बुलंदशहर, गाजीपुर, अमेठी और मथुरा सहित कई जिलों की विधानसभाओं में बड़ी संख्या में फार्म-7 जमा किए जाने का उल्लेख किया गया है। सपा ने मांग की है कि फार्म-7 जमा करने वालों की पहचान कर उनके खिलाफ एफआईआर दर्ज की जाए।

### सिंगापुर की कंपनी से निवेश पर चर्चा

**अमृत विचार, लखनऊ:** सिंगापुर की अग्रणी एकीकृत कंटेनर लॉजिस्टिक्स कंपनी एपी मोलर माएर्स्क के प्रबंध निदेशक रीन पील पेडरसन ने सोमवार को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से लखनऊ में शिष्टाचार भेंट की। इस दौरान प्रदेश में निवेश के विस्तार और भविष्य की संभावनाओं को लेकर विस्तार से चर्चा हुई। पेडरसन के साथ विवेक शर्मा, हेड बिजनेस डेवलपमेंट एवं रेगुलेटरी अफेयर्स (भारत, बांग्लादेश एवं श्रीलंका क्षेत्र) भी उपस्थित रहे। बैठक में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने एपी मोलर माएर्स्क को उत्तर प्रदेश में अपने निवेश का विस्तार करने का आमंत्रण देते हुए हरसंभव नीतिगत और प्रशासनिक सहयोग का भरोसा दिलाया। कंपनी प्रतिनिधि विवेक शर्मा ने बताया कि एपी मोलर माएर्स्क पिछले 20 वर्षों से अधिक समय से उत्तर प्रदेश में निवेश कर रही है और सरकार से लगातार सहयोग मिलता रहा है।

जनता दर्शन के दौरान बच्ची अनाबी अली से संवाद करते मुख्यमंत्री योगी।

## योगी ने सराही मासूम अनाबी की कविता, लोरेटो कॉन्वेंट में एडमिशन के निर्देश

- जनता दर्शन में मुख्यमंत्री ने सुनीं फरियादियों की समस्याएं

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

**अमृत विचार:** मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से सोमवार को 'जनता दर्शन' के दौरान एक मासूम बालिका अनाबी अली के प्रार्थना पत्र पर शहर के लोरेटो कॉन्वेंट स्कूल में एडमिशन कराने के निर्देश दिए। इससे पहले उन्होंने उसकी कविता हम शेर बच्चे हैं हम बड़े होकर देश की शान बढ़ाएंगे.. सुनकर मुख्यमंत्री ने प्रशंसा की। मुख्यमंत्री अपनी माताओं के साथ आए अन्य बच्चों से भी आत्मीय संवाद किया। साथ ही एक-एक कर सभी फरियादियों से मिले और समयबद्ध निस्तारण के निर्देश दिए। उन्होंने अवैध कब्जा की शिकायतों पर दोषियों के खिलाफ निरंतर सख्त कार्रवाई करने के निर्देश दिए।

जनता दर्शन में मुख्यमंत्री आवास पर अपनी मां के साथ बालिका अनाबी अली भी पहुंची। वह कान्वेंट स्कूल में एडमिशन की चाह लेकर आई थीं। इस दौरान उसने दिल को छू लेने वाली बातचीत की। उसकी बातें सुनकर योगी ने तत्काल उसका एडमिशन पक्का कराने के लिए अधिकारियों को आदेश दिया। योगी से मिलने के बाद अनाबी अली ने कहा कि ''मैं सीएम से मिली। उनसे लोरेटो कॉन्वेंट स्कूल में मेरा एडमिशन करवाने की रिक्वेस्ट की है। 'जनता दर्शन' में अवैध कब्जे से जुड़े कई प्रकरण सामने आए, जिन पर मुख्यमंत्री ने मौके पर ही कार्रवाई के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि शासन की प्राथमिकता है कि आम नागरिक को न्याय के लिए भटकना न पड़े।

जनता दर्शन में एक महिला अपने बच्चे के साथ पहुंचीं, जिनके बच्चे का इलाज केजीएमयू में चल रहा है। महिला ने आर्थिक सहायता की मांग की। मुख्यमंत्री ने संबंधित अधिकारियों को आवश्यक सहायता उपलब्ध कराने का निर्देश देते हुए कहा कि 25 करोड़ प्रदेशवासी मेरा परिवार हैं। धन के अभाव में किसी का इलाज नहीं रुकेगा। उन्होंने भरोसा दिलाया कि जरूरतमंदों को उपचार के लिए हरसंभव सहायता दी जाएगी।

## फसली खेती को मिशन मोड में करें लागू

### मुख्यमंत्री योगी ने समीक्षा बैठक में गन्ना के साथ तिलहन-दलहन की खेती को लेकर दिए निर्देश

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

लखनऊ में उच्चस्तरीय बैठक के दौरान अंत: फसली खेती को लेकर अधिकारियों को निर्देश देते मुख्यमंत्री योगी।

**अमृत विचार:** मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि प्रदेश में कृषि क्षेत्र को नई ऊंचाई देने का सबसे प्रभावी और व्यावहारिक रास्ता गन्ना आधारित तिलहनी-दलहनी अन्तःफसली खेती है। उन्होंने कहा कि यह मॉडल किसानों की आय को केवल दोगुना नहीं, बल्कि बहु-गुणित करने की क्षमता रखता है।

मुख्यमंत्री सोमवार को इस विषय पर आयोजित एक उच्चस्तरीय बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने स्पष्ट किया कि गन्ने के साथ सरसों, मसूर, उर्द और मूंग जैसी उच्च मूल्य वाली फसलों की अन्तःफसल अपनाने से किसानों को अतिरिक्त उत्पादन, कम लागत और पूरे वर्ष स्थिर नकदी प्रवाह मिलता है। इससे न केवल किसान की आर्थिक स्थिति मजबूत होती है, बल्कि एकल फसल पर निर्भरता घटने से जोखिम भी कम होता है। उन्होंने कहा कि यह मॉडल अतिरिक्त फसल, अतिरिक्त लाभ और अतिरिक्त सुरक्षा, तीनों एक साथ उपलब्ध कराता है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में कृषि योग्य भूमि का क्षैतिज विस्तार अब संभव नहीं है। ऐसे में इकाई क्षेत्रफल से अधिक उत्पादन ही ट्रिलियन डॉलर अर्थव्यवस्था के लक्ष्य की ओर बढ़ने का व्यावहारिक रास्ता है। कहा कि गन्ना आधारित अन्तःफसली खेती प्रदेश के कृषि भविष्य का नया मॉडल है।

मुख्यमंत्री योगी ने निर्देश दिए कि इस योजना को वर्ष 2026-27 से 2030-31 तक मिशन मोड में लागू किया जाए। वर्तमान में प्रदेश में लगभग 29.50 लाख हेक्टेयर क्षेत्र में गन्ने की खेती होती है, जिसमें 14.64 लाख हेक्टेयर नया बोया गया और 14.86 लाख हेक्टेयर पेड़ी क्षेत्र शामिल है। उन्होंने कहा कि इतने बड़े क्षेत्र में तिलहन-दलहन को व्यवस्थित रूप से जोड़ने से उत्पादन में उल्लेखनीय वृद्धि होगी और प्रदेश को तिलहन-दलहन में आत्मनिर्भरता की दिशा में निर्णायक बढ़त मिलेगी। मुख्यमंत्री ने निर्देश दिया कि अन्तःफसल का चयन वैज्ञानिक और व्यावहारिक आधार पर हो तथा कृषि विज्ञान केंद्रों (केवीके) और कृषि विश्वविद्यालयों के माध्यम से इसे खेत-स्तर तक पहुंचाया जाए। उन्होंने अनुसंधान संस्थानों की सिफारिशों के अनुरूप रबी में सरसों-मसूर और जायद में उर्द-मूंग को प्राथमिकता देने को कहा।

## आधुनिक बीज नीति बनाएं : मुख्यमंत्री

- 5 वर्षों में पांच 'सीड पार्क', हर क्लाइमेटिक जोन में बनेगा सेंटर ऑफ एक्सीलेंस

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

**अमृत विचार:** मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि कृषि उत्पादन की वास्तविक शक्ति उच्च गुणवत्ता वाले, भरोसेमंद और प्रमाणित बीजों में निहित है। भूमि जोत के लगातार घटते आकार को देखते हुए अब रकबे के बजाय प्रति हेक्टेयर उत्पादकता बढ़ाने पर फोकस करना होगा। इसी लक्ष्य के साथ उन्होंने प्रदेश के लिए एक नई, आधुनिक और भविष्य-दृष्टि वाली बीज नीति तैयार करने के निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री योगी ने सोमवार को आवास पर आयोजित बीज नीति को लेकर समीक्षा बैठक में स्पष्ट किया कि उच्च उपज, रोग-प्रतिरोधी और जलवायु-सहिष्णु किस्मों के विकास को प्राथमिकता देते हुए ऐसी नीति बने, जो बदलती जलवायु और बाजार की चुनौतियों का समाधान दे। बीज नीति पर चर्चा के दौरान मुख्यमंत्री ने अगले पांच वर्षों के लिए बीज उत्पादन क्षमता, गुणवत्ता और उपलब्धता को नए स्तर तक ले जाने का ठोस रोडमैप बनाने पर बल दिया।

मुख्यमंत्री ने भरोसेमंद आपूर्ति के लिए हर बीज की एंड-टू-एंड ट्रेसेबिलिटी अनिवार्य करने के निर्देश दिए। किसानों तक पहुंचने वाला हर बीज पैकेट परीक्षणित, प्रमाणित और मानक अनुरूप होना चाहिए। इसके लिए कृषि विश्वविद्यालयों, आईसीएआर संस्थानों, उपकार तथा निजी बीज उद्योग को एक मंच पर लाकर बीज अनुसंधान, नवाचार और किस्म-रिलीज प्रक्रिया को तेज करने को कहा गया। मुख्यमंत्री ने अगले पांच वर्षों में कम से कम पांच 'सीड पार्क' स्थापित करने की योजना पर तेजी से काम करने को कहा। ये पार्क उत्पादन, प्रसंस्करण, गुणवत्ता परीक्षण और भंडारण की एकीकृत सुविधाओं से लैस होंगे।

## रेशम उद्योग के लिए सेंटर ऑफ एक्सीलेंस स्थापित

- 'सॉइल टू सिल्क' की पूरी प्रक्रिया एक ही स्थान पर होगी प्रदर्शित

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

**अमृत विचार :** योगी सरकार ने रेशम उद्योग के लिए 'सेंटर ऑफ एक्सीलेंस' की स्थापना की है। इस सेंटर में एरी, शहतूती और टसर रेशम से संबंधित सभी आधुनिक और पारंपरिक प्रक्रियाओं को दर्शाया गया है। यहां रेशम कीट पालन, कोकून उत्पादन, धागा निर्माण और वस्त्र तैयार करने तक की पूरी श्रृंखला को जीवंत रूप में देखा जा सकेगा।

यह बात सोमवार को सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्री राकेश सचान ने इस केंद्र का उद्घाटन करने के बाद कहीं। उन्होंने बताया कि यह केंद्र रेशम उत्पादन की संपूर्ण प्रक्रिया 'सॉइल टू सिल्क' की अवधारणा पर आधारित है, जिसमें मिट्टी से लेकर रेशम धागा और वस्त्र निर्माण तक की हर अवस्था को एक ही स्थान पर प्रदर्शित किया जाएगा। बताया कि यह स्थल पहले अनुपयोगी स्थिति में था, जिसे अब आधुनिक स्वरूप देकर रेशम उद्योग की पहचान का केंद्र बनाया गया है।

एमएसएमई मंत्री ने एमएसएमई क्षेत्र को मजबूत करने के लिए 10 हजार करोड़ रुपये के ग्रोथ फंड की घोषणा का उल्लेख करते हुए कहा कि इससे प्रदेश के लघु उद्यमियों को बड़ा लाभ मिलेगा। कार्यक्रम में उद्यान एवं रेशम विभाग के अपर मुख्य सचिव, विशेष सचिव-निदेशक (रेशम) तथा केंद्रीय रेशम बोर्ड के अधिकारी उपस्थित रहे।

## 48 हजार कर्मचारियों का वेतन रोकने का आदेश

- मानव संपदा पोर्टल पर संपत्ति का विवरण न भरने पर सख्ती
- डीडीओ की जवाबदेही तय, नियमों के उल्लंघन पर कार्रवाई के निर्देश

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

**अमृत विचार:** प्रदेश सरकार ने राज्य कर्मचारियों में पारदर्शिता और अनुशासन सुनिश्चित करने के लिए सख्त कदम उठाया है। मुख्य सचिव एसपी गोयल के आदेश पर मानव संपदा पोर्टल पर चल-अचल संपत्ति का विवरण अपलोड नहीं करने वाले लगभग 48,000 राज्य कर्मचारियों का जनवरी 2026 का वेतन रोक दिया गया है। यह कार्रवाई राज्य सरकार की भ्रष्टाचार पर जीरो टॉलरेंस नीति के तहत की गई है।

अमृत विचार ने पहले ही शासन की ओर से दी गई चेतावनी से कार्मिकों को अवगत कराया था कि 31 जनवरी तक मानव संपदा पोर्टल पर चल-अचल संपत्ति का विवरण अपलोड नहीं कराने पर जनवरी माह का वेचन रुकेगा। अब मुख्य सचिव एसपी गोयल ने स्पष्ट किया है कि उत्तर प्रदेश सरकारी कर्मचारी आचरण नियमावली, 1956 के नियम-24 के अनुसार सभी राज्य कर्मचारियों के लिए अपनी चल (जैसे वाहन, बैंक बैलेंस, जेवर) और अचल (जैसे मकान, भूमि) संपत्तियों का विवरण हर वर्ष मानव संपदा पोर्टल पर दर्ज करना अनिवार्य है। इसके बावजूद समयसीमा के भीतर विवरण न देने वाले कर्मचारियों के विरुद्ध यह सख्त कदम उठाया गया है।

मुख्य सचिव की ओर से यह भी चेतावनी दी गई है कि यदि किसी ऐसे कर्मचारी का वेतन गलती से जारी हो जाता है, जिसने संपत्ति विवरण अपलोड नहीं किया है, तो इसकी पूरी जिम्मेदारी संबंधित आहरण-वितरण अधिकारी (डीडीओ) की होगी। ऐसे मामलों में डीडीओ के खिलाफ विभागीय जांच और रिकवरी की कार्रवाई की जाएगी।

शासन स्तर पर यह भी स्पष्ट किया गया है कि कुछ समाचार माध्यमों में 68 हजार से अधिक कर्मचारियों के वेतन रोके जाने की जो बात सामने आई है, वह सही नहीं है। राष्ट्रीय सूचना केंद्र के आंकड़ों के अनुसार 31 जनवरी 2026 तक कुल 47,816 कर्मचारियों ने ही संपत्ति विवरण पोर्टल पर दर्ज नहीं किया और इन्हीं कर्मचारियों का वेतन रोका गया है। इन कर्मचारियों को वेतन तभी मिलेगा, जब मानव संपदा पोर्टल दोबारा खोलकर वे अपना विवरण अपडेट करेंगे।

गौरतलब है कि शासन ने 24 नवंबर 2025 को आदेश जारी कर 31 दिसंबर 2025 तक अर्जित संपत्तियों का विवरण 31 जनवरी 2026 तक अपलोड करने का निर्देश दिया था। इसके बाद 6 जनवरी 2026 को स्पष्ट किया गया था कि जो कर्मचारी समय पर विवरण नहीं देंगे, उन्हें फरवरी में जनवरी का वेतन नहीं दिया जाएगा। मुख्य सचिव के ताजा निर्देशों में सभी विभागों से कहा गया है कि वे ऐसे कर्मचारियों की सूची तत्काल तैयार करें और यह सुनिश्चित करें कि कहीं भी नियमों का उल्लंघन न हो। यदि किसी विभाग ने गलती से वेतन जारी कर दिया है, तो उसकी रिपोर्ट के साथ एक सप्ताह के भीतर कार्रवाई विवरण शासन को भेजना होगा। साथ ही, संपत्ति विवरण न देने वाले कर्मचारियों के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।

देवगढ़ स्थित वन्य जीव अभ्यारण्य में बर्ड फेस्टिवल की शुरुआत करते मंत्री जयवीर सिंह।

## नेचर एंड बर्ड फेस्टिवल की शुरुआत

**अमृत विचार, लखनऊ :** विश्व वेटलैंड दिवस के अवसर पर ललितपुर के देवगढ़ स्थित महावीर स्वामी वन्य जीव अभ्यारण्य में 'उप्र. नेचर एंड बर्ड फेस्टिवल-2026' का आयोजन किया गया। पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने सोमवार को 'वेटलैंड एंड ट्रेडिशनल नॉलेजः सेलिब्रेटिंग कल्चरल हेरिटेज' थीम पर आधारित इस फेस्टिवल का उद्घाटन किया। मंत्री जयवीर सिंह ने ललितपुर और झांसी में लगभग 24 करोड़ रुपये की पर्यटन विकास परियोजनाओं का लोकार्पण एवं शिलान्यास भी किया।

## गबन सिद्ध होने पर वरिष्ठ सहायक की पदावनति

**अमृत विचार, लखनऊ :** गबन के आरोप में लखनऊ में मुख्य चिकित्सा अधिकारी कार्यालय में तैनात वरिष्ठ सहायक रेखा तोमर की पदावनति कर दी गई है। उन पर आरोप था कि उन्होंने रोगी कल्याण समिति में एकत्र सरकारी धनराशि, सरकारी खाते में जमा नहीं की थी। तत्कालीन निदेशक प्रशासन डॉ. राजागणपति द्वारा की जांच में गबन सिद्ध हो गया था, आज यह दंडात्मक कार्रवाई की गयी है।

पदावनति के बाद रेखा तोमर को अब कनिष्ठ सहायक के पद पर भेज दिया गया है। सोमवार को निदेशक प्रशासन द्वारा जारी किए गए दंडादेश में यह स्पष्ट किया गया कि यह कदम अनुशासनात्मक कार्रवाई के तहत उठाया गया है। पदावनति के साथ ही, यह भी कहा गया है कि यदि भविष्य में इस तरह के किसी अन्य मामले में लापरवाही या भ्रष्टाचार की पुष्टि होती है, तो कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाएगी। मालूम हो कि राजाजीपुरम स्थित रानी लक्ष्मी बाई संयुक्त चिकित्सालय में तैनाती के दौरान का यह मामला है।

प्रदेश कांग्रेस कार्यालय पर आयोजित कार्यक्रम में एकजुटता प्रदर्शित करते राष्ट्रीय महासचिव अविनाश पांडे, प्रदेश अध्यक्ष अजय राय व अन्य नेता। अमृत विचार

## मनरेगा कानून को बचाने की लड़ाई लड़ रही कांग्रेस : अविनाश पांडेय

**अमृत विचार, लखनऊ :** अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के महासचिव-प्रभारी उत्तर प्रदेश अविनाश पाण्डेय ने कहा कि आज जब हम मनरेगा जैसे जन प्रिय कानून को बचाने की लड़ाई लड़ रहे हैं तो एक बात स्पष्ट हो गई है कि पूरे देश में सिर्फ कांग्रेस के कार्यकर्ता ही जन भावनाओं को लेकर संघर्ष कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि मनरेगा कानून को कांग्रेस ने बनवाया था, जो ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करने का एक अहम कदम था। उन्होंने भाजपा सरकार पर आरोप लगाया कि वह इस जनप्रिय कानून को खत्म करने की कोशिश कर रही है। उप्र. प्रभारी, प्रदेश कांग्रेस कार्यालय में मनरेगा अधिनियम के 20 वर्ष पूरे होने के अवसर पर सोमवार को ''संविधान संवाद एवं राज्य स्तरीय मनरेगा बचाओ संग्राम'' कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि संगठन सृजन के माध्यम से आप सभी ने हमें एक बहुत बड़ी ताकत दी है और इस ताकत का सार्थक उपयोग करते हुए हम इस निरंकुश और तानाशाही सरकार को बदलने का काम करेंगे।

## अतिरिक्त बजट से उतरेगी करोड़ों की बकायेदारी

- लाखों श्रमिक परिवार और फर्मों को मिलेगी राहत

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

**अमृत विचार :** बजट में खासकर मनरेगा से जुड़े परिवार और फर्मों के लिए उम्मीदों से भरा है। केंद्र ने अतिरिक्त 30 हजार करोड़ का बजट दिया है। जो राज्यों में वितरित होने पर निर्माण सामग्री और श्रमिकों का बकाया भुगतान किया जाएगा। प्रदेश में इस वर्ष की करीब 1591.29 करोड़ के आसपास बकायेदारी बनी हुई। बजट से लोगों में भ्रम भी दूर हो गया है। इससे वित्तीय वर्ष 2026-27 में नई प्रक्रिया के तहत विकसित भारत-जी राम जी के कार्य शुरू होंगे। इसके लिए भी बजट का पिटारा केंद्र सरकार ने खोला है।

प्रदेश में इस वर्ष ग्राम पंचायत में मनरेगा के तहत कच्चे-पक्के कार्य कराए गए। निर्माण के लिए फर्मों से ईंट, मौरंग, सरिया, गिट्टी, बालू आदि खरीदी गई। जिसका भुगतान समय पर न होने से करोड़ों की बकायेदारी होती गई। बीच-बीच में पर्याप्त बजट न मिलने से बकायेदारी पूर्ण रूप से खत्म नहीं हो पाई। इसी तरह कुशल व अकुशल श्रमिकों को उनकी मजदूरी समय पर न मिलने से बकायेदारी बनी रही। जानकारों की मानें तो केंद्र ने बकायेदारी का ध्यान रखते हुए आकलन कराकर अतिरिक्त बजट निर्धारित किया है।

व्याख्यान

### लविवि में अर्थशास्त्र के नोबेल पुरस्कार विजेता प्रो. अभिजीत बनर्जी ने निर्धनता के पांच स्तंभों का किया विस्तार से वर्णन

## आय बढ़ाने की जगह प्राथमिकता और व्यवहार में परिवर्तन जरूरी

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

**अमृत विचार:** वर्ष 2019 में अर्थशास्त्र का नोबेल पुरस्कार विजेता प्रो. अभिजीत बनर्जी ने कहा कि आय बढ़ाने की तुलना में प्राथमिकताओं और व्यवहार में परिवर्तन लाना अधिक प्रभावी परिणाम दे सकता है। गरीबी को प्रभावित करने वाले पांच प्रमुख स्तंभ हैं। पोषण, सूक्ष्म ऋण (माइक्रोक्रेडिट), शिक्षा, गरीबी का जाल व छोटे प्रयास। उन्होंने भूख और वैश्विक गरीबी जैसी समस्याओं के समाधान हेतु प्रयोगात्मक दृष्टिकोण के अनुप्रयोग पर चर्चा की और कहा कि मौजूदा समय में व्यापक ढांचे की जगह जमीनी स्तर पर ध्यान देने से बेहतर परिणाम प्राप्त हो सकते हैं।

लखनऊ विश्वविद्यालय में नोबेल पुरस्कार विजेता अर्थशास्त्री प्रो. अभिजीत बनर्जी का स्वागत करते कुलपति प्रो. जेपी सैनी व प्रो. अरविंद मोहन। अमृत विचार

सोमवार को लखनऊ विश्वविद्यालय में आयोजित व्याख्यान के दौरान प्रो. बनर्जी ने 147 देशों में किए गए अपने एक क्षेत्रीय अध्ययन का उल्लेख करते हुए बताया कि यह धारणा सही नहीं पाई गई कि आय में वृद्धि होने से पोषण स्तर में सुधार हो जाता है। उन्होंने तर्क दिया कि अत्यधिक महत्वाकांक्षी पाठ्यक्रम और कठोर शिक्षण पद्धतियां ऐसे विद्यालयी तंत्र के निर्माण के लिए उत्तरदायी हैं, जो प्रतिभा की पहचान नहीं कर पाता और बहुत कम वास्तविक अधिगम उत्पन्न करता है।

**यह रहे कार्यक्रम में मौजूद :** यूपी के पूर्व मुख्य सचिव आलोक रंजन, रोहित नंदन, मनोज कुमार सिंह, पूर्व कृषि उत्पादन आयुक्त प्रदीप भटनागर, अपर मुख्य सचिव लीना जौहरी, अमित घोष, मुख्यमंत्री के सलाहकार अवनीश अवस्थी, पूर्व कुलपति जीबी पटनायक, कुलपति प्रो. जेपी सैनीव प्रो. अरविंद मोहन आदि कार्यक्रम में उपस्थित रहे।

### कर्ज की अनुपलब्धता फंसाती गरीबी में

ऋण की अनुपलब्धता लोगों को गरीबी के दुष्चक्र में फंसा देती है। उत्पादक परिसंपत्तियों के हस्तांतरण को तकनीकी प्रशिक्षण के साथ संयोजित करने वाले कार्यक्रम परिवारों को गरीबी से आत्मरोज़गार की ओर ले जाने में सहायक हो सकते हैं। सूक्ष्म वित्त के बारे में उन्होंने कहा कि पिछले 10 से 15 वर्षों में सूक्ष्म वित्त संस्थानों का तीव्र विस्तार हुआ है, फिर भी वे अब भी औसत व्यक्ति की पहुंच से बाहर हैं।

### सुशासन की नीतियां पर्याप्त नहीं

सुशासन, लोकतंत्र, विधि का शासन और व्यापार नीति अपने आप में नीति-निर्माण का मार्गदर्शन करने के लिए पर्याप्त हैं, सही नहीं है। नीति-निर्माण में जिस बात का अभाव है, वह सामाजिक नीतियों के क्रियान्वयन से संबंधित सूक्ष्म विवरणों पर स्पष्ट मार्गदर्शन है। यहीं "प्लम्बिंग" (कार्यान्वयन की बारीक प्रक्रिया) की आवश्यकता उत्पन्न होती है।

## न्यूज ब्रीफ

### दंपति समेत चार के खिलाफ एफआईआर

**रसूलाबाद।** सुजानपुर निवासी एक व्यक्ति ने पहाड़ीपुर निवासी पति-पत्नी व दो अज्ञात व्यक्तियों के विरुद्ध गत 18 जनवरी की शाम पहाड़ीपुर से घर जाते समय रास्ते में घेरकर अपशब्द कहने और मारपीट कर जान से मारने की धमकी देने की रिपोर्ट दर्ज कराई है। सुजानपुर निवासी आदर बाबू ने पुलिस को बताया कि गत 18 जनवरी को जब वह पहाड़ीपुर से अपने गांव सुजानपुर जा रहे थे तो रास्ते में पहाड़ीपुर निवासी पप्पू उर्फ चुर्र,उनकी पत्नी सुमन और दो व्यक्ति अज्ञात ने उन्हें रास्ते में घेर कर अपशब्द कहे। विरोध करने पर मारापीटा और जान से मारने की धमकी देते हुए चले गए। थाना प्रभारी सतीश कुमार सिंह ने बताया कि मामले की रिपोर्ट संबंधित धाराओं में दर्ज कर ली गई है।

### पुलिस में दर्ज कराई पुत्री को ले जाने की रिपोर्ट

**रसूलाबाद।** कस्बे के एक मोहल्ला निवासी एक व्यक्ति ने कस्बे के ही एक युवक के विरुद्ध उसकी नाबालिग पुत्री को गत 1 फरवरी को बहला फुसला कर कहीं गायब कर देने और खोजबीन के बाद उसकी पुत्री उसके घर से मिलने, प्रार्थी की पुत्री उसके साथ न जाने पर आरोपी युवक द्वारा उसके पुत्र को जान से मार देने की धमकी देने की रिपोर्ट थाने में दर्ज कराई है। व्यक्ति ने पुलिस को बताया कि एक युवक उसकी नाबालिग पुत्री को रविवार को बहला फुसला कर कहीं लिवा ले गया। काफी खोजबीन करने पर वह उसके घर में मिली तब उसने उसे अपने साथ ले जाने की बात कही। आरोपी युवक उसकी पुत्री को अलग-अलग नंबरों से फोन करके परेशान करता है और मना करने पर बराबर ब्लैकमेल करता है। तब उसकी रिपोर्ट दर्ज कराने थाने आया।

### स्कूल जाने को निकली छात्रा का सुराग नहीं

**कानपुर देहात।** रूरा क्षेत्र के एक गांव की दसवीं कक्षा की छात्रा का अब तक सुराग नहीं लगा है। परिजनों के अनुसार छात्रा गांव के ही एक युवक के साथ स्कूल को गई थी लेकिन स्कूल से घर वापस नहीं आई। जानकारी करने पर पता चला कि युवक छात्रा को बहला फुसला कर भगा ले गया है। इसकी शिकायत परिजनों की ओर से पुलिस में की गई। अब तक छात्रा के बारे में कुछ भी सुराग नहीं लगा है। पुलिस ने कहा लड़की को बरामद करने व आरोपियों को पकड़ने के लिए पुलिस जगह-जगह छापे डाल रही है।

### सीएमओ ऑफिस के स्टाफ ने कराया स्वल्पाहार

**कानपुर देहात।** सोमवार को सीएमओ कार्यालय परिसर में दिव्यांगजनों हेतु स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों एवं कर्मचारियों की ओर से नि:शुल्क भोजन व्यवस्था की गई। मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ एके सिंह के निर्देशन पर अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी व जिला कुष्ठ रोग अधिकारी, डॉ शलभ मोहन द्वारा पौष्टिक मटर, पनीर और चावल का वितरण कर शुभारंभ किया गया। कार्यालय में कार्यरत रत्नेश बाजपेयी एवं विजय मिश्रा ने व्यवस्था संभाली। आज के आयोजन में संजय यादव, लाल जी, विशाल कुशवाहा, ब्रजेश पांडे, अशोक कुशवाहा, शिवम् यादव, राजेश कश्यप आदि रहे।

# स्कूली वाहनों में टक्कर, चालक घायल, बाल-बाल बचे बच्चे

कार्यालय संवाददाता,कानपुर देहात

इलाज के लिए अस्पताल लाए गए चालक। अमृत विचार

**अमृत विचारः** राजपुर थाना क्षेत्र के करीमनगर डेरा के पास दो स्कूली वाहनों की आमने-सामने जोरदार भिड़ंत हो गई। हादसे में न्यू लाइट स्कूल की वैन बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई, जबकि वैन चालक गंभीर रूप से घायल हो गया। राहत की बात यह रही कि वैन में सवार करीब आठ छात्र-छात्राएं सुरक्षित हैं।

जल्लापुर सिकंदरा निवासी रवि पुत्र कमलेश न्यू लाइट स्कूल की वैन चलाता है। सोमवार सुबह छात्र-छात्राओं को लेकर विद्यालय जा रहा था। इसी दौरान कृष्णा पब्लिक स्कूल की बस बच्चों को लेने के लिए निकली थी। करीमनगर डेरा के पास दोनों वाहनों की आमने-सामने टक्कर हो गई। हादसे में वैन चालक रवि गंभीर रूप से घायल हो गया, दोनों वाहनों में सवार छात्र-छात्राओं को कोई चोट नहीं आई। घटना की सूचना मिलते ही 108 एम्बुलेंस मौके पर पहुंची और घायल चालक को पीएचसी राजपुर ले जाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद चिकित्सकों ने जिला अस्पताल रेफर कर दिया। घटना की खबर फैलते ही छात्र-छात्राओं के अभिभावकों में दहशत फैल गई और मौके पर बड़ी संख्या में ग्रामीण एकत्रित हो गए।

# कीचड़ भरे रास्ते से निकलने की मजबूरी

संवाददाता, रसूलाबाद

कीचड़ भरे रास्ते से होकर गुजरते राहगीर। अमृत विचार

**अमृत विचारः** रसूलाबाद विकासखंड क्षेत्र की ग्राम पंचायत मित्रसेनपुर कहिंजरी के मजरा हंसपुर का मुख्य मार्ग कीचड़ व गड्ढों से युक्त हो गया है। इससे आने जाने वाले लोगों को बड़ी कठिनाई का सामना करना पड़ता है। कुछ ही दूरी पर बने प्राथमिक विद्यालय में आने जाने वाले बच्चे तो गिरते हुए विद्यालय पहुंच पाते हैं। जिससे उनके कपड़े कीचड़ से भर जाते हैं।

जहां प्रदेश और देश की सरकार स्वच्छ भारत मिशन के साथ-साथ गड्ढा मुक्त सड़क बनवाने का वादा कर रही है वहीं ग्राम हंसपुर का मुख्य मार्ग लोगों के आवागमन के लिए प्रदेश सरकार के दावे को झुठला रहा है। गांव के निवासियों अखिलेश पाल, विमलेश पाल, सर्वेश पाल, दिनेश पाल, जगत पाल, उमेश पाल, राजेश पाल सहित अनेक लोगों ने बताया कि यह मार्ग उनके गांव को कहिंजरी,भगवंतपुर, औनहा, उसरी आदि मार्गों से जोड़ता है। हम लोग तो किसी तरह कीचड़ से होकर निकल जाते हैं परंतु छोटे-छोटे बच्चे, महिलाओं एवं बाहर से आने वाले लोगों को बड़ी समस्या होती है। बच्चे स्कूल जाने को तैयार नहीं होते हैं। कई बार जनप्रतिनिधियों एवं अधिकारियों से शिकायत की गई परंतु अभी तक कोई सुनवाई नहीं हुई है। ग्रामीणों ने बताया कि करीब एक दशक पूर्व सपा सरकार में तत्कालीन कैबिनेट मंत्री शिवकुमार बेरिया द्वारा इस कच्चे मार्ग पर खड़ंजा डलवाया गया था। जो अब पूरी तरह से उखड़ गया है और बड़े बड़े गड्ढे हो गए हैं। जिसमें पानी भर जाता है। इससे आवागमन में कठिनाई उठानी पड़ती। वहीं कुछ लोगों ने बताया कि अगर जल्द ही मार्ग निर्माण नहीं कराया जाएगा तो हम सब आगामी चुनाव में चुनाव बहिष्कार करने को बाध्य होंगे।

इस संबंध में ग्राम प्रधान पति विमल यादव ने बताया कि यह मार्ग पीडब्ल्यूडी के अधीन आता है। हमने भी कई बार उच्चाधिकारियों से समस्या से अवगत कराया परंतु आश्वासन ही मिला है।

# ट्रेन की चपेट में आए डायल 112 के आरक्षी की गई जान

## ललितपुर में तैनात थे तिलौची गांव के रहने वाले धीरेंद्र सिंह सेंगर, छुट्टी पर आए थे

संवाददाता, रनियां

आरक्षी धीरेंद्र सिंह।

कांस्टेबल की मौत के बाद घटना की जानकारी लेती पुलिस। अमृत विचार

**अमृत विचारः** कानपुर-झांसी रेलमार्ग पर एक सुपर फास्ट ट्रेन से कटकर ललितपुर में तैनात एक डायल 112 के आरक्षी की मौत हो गई। पहचान के बाद जानकारी मृतक के घर पहुंची तो कोहराम मच गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्ट मार्टम के लिए भिजवाया।

गजनेर थाना क्षेत्र के तिलौची गांव निवासी धीरेंद्र सिंह सेंगर उम्र करीब 40 साल पुत्र पंचम सिंह उत्तर प्रदेश पुलिस में नौकरी करता था। साल 2011 में वह पुलिस में भर्ती हुआ था। बताया कि वर्तमान समय में ललितपुर झांसी में डायल 112 में आरक्षी के पद पर तैनात था। बीते रविवार को ड्यूटी से पांच दिनों की छुट्टी पर वो घर आया था। सोमवार की दोपहर घर से पैदल निकले धीरेंद्र सिंह का क्षत-विक्षत शव घर से दो किलोमीटर दूर तिलौची हाल्ट के पास डाउन लाइन के किनारे खंभा नंबर 1331 के पास पड़ा मिला। राहगीरों की सूचना पर पहुंचे चौकी इंचार्ज ग्रोथ सेंटर कुलदीप सिंह ने शव की शिनाख्त के बाद घरवालों को जानकारी दी। जानकारी पर पहुंची मृतक की पत्नी रीना सिंह, मां लक्ष्मी का रो रोकर बुरा हाल था। ग्रामीणों ने बताया कि शादी के दस साल गुजर गए थे लेकिन उनके कोई संतान नहीं थी इससे वो काफी दुःखी रहते थे। घटना के संबंध में इंस्पेक्टर गजनेर जनार्दन प्रताप सिंह ने बताया कि फौती सूचना पर शव को पीएम के लिए भिजवाया गया है, पीएम रिपोर्ट आने तथा तहरीर मिलने पर अग्रिम कार्रवाई की जाएगी।

### बाइकों की भिड़ंत में तीन लोग घायल

- **कानपुर देहात :** कानपुर नगर के चौबेपुर निवासी अभय सिंह अपने साले आंसू के नहिली से वापस सिकंदरा की ओर लौट रहे थे। गुरदही नहर पुल के पास उनकी बाइक की टक्कर नैनापुर निवासी राजकुमार की बाइक से हो गई, जो सिकंदरा से अपने घर लौट रहे थे। हादसे में अभय सिंह, आंसू और राजकुमार गंभीर रूप से घायल हो गए। मौके पर मौजूद राहगीरों ने तत्काल एंबुलेंस को सूचना दी। घायलों को सीएचसी सिकंदरा पहुंचाया गया, जहां ड्यूटी पर मौजूद चिकित्सक डॉ. योगेन्द्र सिंह ने प्राथमिक उपचार किया। हालत गंभीर होने पर तीनों घायलों को जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया। डॉ योगेन्द्र सिंह ने बताया कि घटना की सूचना पुलिस को भी दे दी गई है।

# तालाब में मिला एक हफ्ते से गायब विक्षप्ति का शव, जांच में जुटी पुलिस

संवाददाता, शिवली

तालाब में शव मिलने के बाद मौके पर पहुंची पुलिस। अमृत विचार

घटना को लेकर गमगीन बैठीं महिलाएं। अमृत विचार

**अमृत विचारः** एक सप्ताह पूर्व कोतवाली क्षेत्र के बैरी बस्ता कॉलोनी से गायब हुए मानसिक रूप से कमजोर अधेड़ व्यक्ति का शव सोमवार को राम जानकी महाविद्यालय के पीछे तालाब में पड़ा हुआ मिला। शव मिलने से ग्रामीणों के बीच सनसनी फैल गई। घटना की जानकारी मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस ने घटना स्थल का निरीक्षण कर परिजनों से पूछताछ की।

कोतवाली क्षेत्र के बैरी बस्ता कालोनी गांव निवासी शिवम कमल ने पुलिस को सूचना देते हुए बताया कि उसके 50 वर्षीय पिता मलखान उर्फ विजय कमल काफी समय से मानसिक रूप से कमजोर है। वह अक्सर घर से बिना बताए चले जाते थे। बीती 26 जनवरी को उसके पिता बिना बताए घर से बाहर चले गए थे। उसने काफी पता लगाया। हालांकि कहीं पर पता नहीं चल सका। सोमवार की सुबह ग्रामीणों द्वारा जानकारी मिली कि एक व्यक्ति का शव रामजानकी महाविद्यालय के पीछे स्थित तालाब में पड़ा हुआ है। उसने मौके पर जाकर देखा तो वह उसके पिता का शव था। जानकारी मिलते ही कोतवाल पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंच गए और घटना स्थल का निरीक्षण कर है फोरेंसिक टीम को सूचना दी। फॉरेंसिक टीम में मौके पर पहुंचकर साक्ष्य संकलित किये। मृतक के पुत्र शिवम एवं पुत्री सीता तथा बहनों का रो-रो कर बुरा हाल था। कोतवाल प्रवीण कुमार यादव ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा है।

# औनहां के पार्क में मनाया वर्ल्ड वेटलैंड दिवस, दी जानकारी

संवाददाता, शिवली

- अधिक से अधिक पौधे लगाने का किया आह्वान
- डीएफओ व एसडीओ ने लोगों को किया जागरूक

**अमृत विचारः** वर्ल्ड वेटलैंड दिवस मैथा क्षेत्र के इंदिरा गांधी वन चेतना पार्क एवं मनोरंजन केंद्र औनहां में मनाया गया।

सोमवार को मैथा क्षेत्र के औनहां स्थित वन चेतना पार्क एवं मनोरंजन केंद्र में विश्व वेटलैंड दिवस पर पहुंचे डीएफओ अजय कुमार पाण्डेय ने कार्यक्रम में कहा कि हम सभी को शपथ लेनी चाहिए कि पर्यावरण जलवायु के साथ कोई खिलवाड़ न करें। अधिक से अधिक वृक्षों को लगाएं। जल का संरक्षण करें। अनावश्यक जल को बर्बाद करने से परहेज करें। वेट लैंड की उपयोगिता को समझाते हुए उन्होंने कहा कि भूमि की मिट्टी किसी झील नदी तालाब के किनारे का वह हिस्सा है। जहां बहुत ज्यादा मात्रा में नमी पाई जाती है। यह काफी फायदेमंद होती है इसका उद्देश्य उन आर्द्र क्षेत्र से है जो विलुप्त होने की कगार पर है। इसकी सुरक्षा के प्रति हमें सजग होने की आवश्यकता है।

एसडीओ अपूर्वा पाण्डेय ने बताया कि यह दिवस आर्द्र भूमि के संरक्षण और बहाली को बढ़ावा देता है। जो जीव विविधता और जलवायु विनयमन के लिए महत्वपूर्ण है। आर्द्र भूमि विभिन्न प्रकार की प्रजातियों का घर है। इस मौके पर बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे।

# आम बजट 2026: किसी ने सराहा तो किसी ने बताई सुधार की गुंजाइश

संवाददाता, रसूलाबाद

सोनू शुक्ला।

**अमृत विचारः** केंद्र सरकार द्वारा लाए गए बजट के प्रति जहां मध्यम वर्गीय लोगों इस बजट में मध्यम वर्ग के लोगों के लिए कुछ खास ना होने के कारण इसे निराशा जनक बताया है वही किसानों ने बजट में उनका ध्यान रखे जाने की बात कही है। नार खुर्द निवासी सोनू शुक्ला ने बताया कि बजट में किसानों का ध्यान रखा गया, लेकिन मध्यम वर्ग के लोगों को निराशा ही हाथ लगी है। सरकार द्वारा कैंसर जैसी गंभीर बीमारियों का इलाज सस्ता करना सराहनीय कार्य है।

### सरकार का दूरदर्शी बजटः ओम शंकर

- कहिंजरी निवासी हर्षित मेडिकल स्टोर के स्वामी ओम शंकर द्विवेदी ने बताया कि यह दूरदर्शिता पूर्ण बजट है जिसका लोगों को प्रभाव देर में प्रतीत होगा। कैंसर जैसे कठिन रोगों की महंगी दवाइयां को सस्ती किए जाने की उन्होंने प्रशंसा की और किसानों के लिए इसे उपयोगी बजट बताया।

### कम होंगे सोलर पैनल के दामः पवन दीक्षित

- बरईझाल निवासी पवन दीक्षित ने बताया कि इस समय महंगे बिजली के बिलों से त्रस्त लोगों के लिए इस बजट में सोलर ग्लास में कमी किए जाने से पैनल के भाव कम होंगे जिससे पैनल के दामों में कमी होने से राहत मिलेगी और ग्राम्य में अंचलों में लोग सौर ऊर्जा का उपयोग कर आर्थिक बचत होगी।

### बजट प्रशंसनीयः दीपिका मिश्रा

- आजाद नगर निवासी गृहिणी दीपिका मिश्रा को बजट में सरकार से रसोई गैस सस्ती होने की उम्मीद थी किंतु मूल्य में स्थिरता को अच्छी बात बताया है। उन्होंने बजट में महंगी दवाओं को सस्ता किए जाने व आधुनिकता पर जोर देने को सरकार का प्रशंसनीय कार्य कहा है।

# सत्संग से ईश्वर दर्शन और मुक्ति भी संभव

संवाददाता, रसूलाबाद

**अमृत विचारः** भक्ति का मार्ग अत्यंत कठिन है। हानि लाभ, जीवन मरण में भी जो ईश्वर का आश्रय नहीं छोड़ता है वही भक्त प्रहलाद जैसी स्थिति को प्राप्त होता है। उसी को ईश्वर के साक्षात दर्शन होते हैं। पृथ्वी पर मनुष्य को सत्संग से मोक्ष अर्थात जन्म मृत्यु के बंधन से मुक्ति मिल जाती है।

यह बात बारापुर स्थित जखई बाबा देवस्थान परिसर में हो रही नौ दिवसीय श्रीमद् भागवत कथा के चौथे दिन कथावाचक आचार्य सोनू शास्त्री ने प्रहलाद की कथा के प्रसंग में कही। कहा कि हिरण्यकश्यिपु अपने भाई की मौत का बदला भगवान विष्णु से लेने के लिए ब्रह्माजी की तपस्या करने के लिए एक वट के नीचे बैठ गया। जहां देव गुरु वृहस्पति तोता का रूप धारण कर वृक्ष पर बैठ गए। नारायण नाम की रट लगाने लगे। आजिज हिरण्यकश्यिपु तपस्या छोड़ कर घर आ गया। पत्नी ने पूछा कि आप तपस्या छोड़कर क्यों चले आए तो तोता की बात बताई। पत्नी ने भी भगवान के नाम का जप किया और गर्भ ठहर गया और भक्त प्रहलाद के रूप में बालक का जन्म हुआ। इस अवसर पर परीक्षित जगदीश यादव, रामखिलावन पूर्व प्रधान,मलखान सिंह, बृजकिशोर, हरिनंदन, टिंकू यादव, कौशल किशोर, कमलेश पाल,धनीराम कुरील, विश्राम, कुलदीप, सत्यपाल, सुभाष, झल्लू आदि मौजूद रहे।

## श्रद्धा

### हर-हर महादेव और जय भोलेनाथ के जयकारों से गुंजायमान हुआ टोल प्लाजा

# महादेव के दर्शन कर लौटे भक्तों को कराया भोजन

कार्यालय संवाददाता,कानपुर देहात

एजीएम मनोज शर्मा ने टोल प्लाजा पर रुके तीर्थ यात्रियों के लिए कराई व्यवस्था। अमृत विचार

**अमृत विचारः** पंजाब के भठिंडा और लुधियाना से काशी विश्वनाथ के दर्शन को निकले महिला एवं पुरुष श्रद्धालुओं के लिए बारा टोल प्रबंधन ने सोमवार को भंडारे का इंतजाम कराया। टोल के अधिकारियों और कर्मचारियों ने संपूर्ण श्रद्धाभाव से श्रद्धालुओं की आव भगत की और उन्हें सम्मान पूर्वक भोजन कराया। इस दौरान हर हर महादेव और जय शिव शंभू के जयकारे लगे।

बारा टोल प्लाजा के एजीएम मनोज शर्मा के साथ पूरा टोल परिवार श्रद्धालुओं की सेवा के लिए एक पांव पर खड़ा नजर आया। सुखदेव सिंह, बादल सिंह, हरप्रीत सिंह, गुरदेव सिंह, महेंद्र सिंह, गुरसहाय सिंह, भीम सिंह, तरसेम सिंह, मनप्रीत कौर, सुमनप्रीत कौर, सोनी, गुरमीत, चंद्रकमल आदि सहित एक सैकड़ा से अधिक महिला और पुरूष श्रद्धालुओं के लिए रूकने और विश्राम करने का इंतजाम किया गया। हर हर महादेव और जय-जय काशी विश्वनाथ के जयकारों के बीच तीर्थ यात्रियों की सेवा की गई। आनन-फानन में सभी के भोजन-पानी का इंतजाम किया गया। श्रद्धालुओं के साथ टोल के अधिकारियों और कर्मचारियों ने भी प्रसाद रुपी भोजन ग्रहण किया। व्यवस्था से संतुष्ट श्रद्धालुओं ने टोल प्रबंधन के अधिकारियों और कर्मचारियों को आशीर्वाद प्रदान किया।

सभी के चेहरे पर खुशी की मुस्कान दिखी। एजीएम मनोज शर्मा ने कहा कि इस प्रकार के कार्य सभी को करने चाहिए। श्रद्धालु तो भगवान के दरबार से वापस लौट रहे थे, उनकी चरण रज पाकर हम सभी लोग धन्य हो गए हैं। उन्होंने सहयोग करने के लिए सभी अधिकारियों और कर्मचारियों को धन्यवाद ज्ञापित किया। इस दौरान नीरज त्रिपाठी, विनीत यादव, सुधीर कुमार, संदीप यादव आदि रहे।

### अभियान चलाकर दो सौ से ज्यादा वाहनों के किए चालान

**कानपुर देहात।** पुलिस अधीक्षक श्रद्धा नरेन्द्र पाण्डेय के निर्देशन में अपराधियों पर नियंत्रण और यातायात व्यवस्था को लेकर अभियान चलाया जा रहा है। इसी कड़ी में सोमवार को जिले के अलग-अलग थाना क्षेत्रों में पुलिस ने वाहनों की जांच और संदिग्धों से पूछताछ की। बिना नंबर प्लेट के वाहन, ट्रिपल राइडिंग, हेलमेट न पहने, बिना ड्राइविंग लाइसेंस के वाहन चलाने आदि यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहन चालकों के खिलाफ कार्रवाई की गई। अनियमितताओं पर कुल 206 वाहनों का चालान किया गया। इसके साथ ही, पुलिस ने वाहन चालकों से यातायात नियमों का पालन करने की अपील की। एसपी ने बताया कि अभियान जनपद में सड़क सुरक्षा को बढ़ावा देने और दुर्घटनाओं को कम करने के लिए निरंतर जारी रहेगा।

विजेता टीम के कप्तान को ट्राफी देते आयोजक। अमृत विचार

# भेवान को हरा औरंगाबाद जीता फाइनल

संवाददाता, शिवली

**अमृत विचारः** मैथा तहसील क्षेत्र के भोला नेवादा गांव में प्रमुख समाजसेवी राजू तिवारी द्वारा क्रिकेट टूर्नामेंट का आयोजन किया जा रहा है। इसमें सोमवार को फाइनल मैच खेला गया। फाइनल मैच का उद्घाटन क्षेत्र के समाजसेवी अमित तिवारी ने फीता काटकर किया। फाइनल मैच में क्षेत्र के औरंगाबाद गांव की क्रिकेट टीम ने भेवान गांव की क्रिकेट टीम को हरा दिया।

टॉस जीतने के बाद औरंगाबाद क्रिकेट टीम के कप्तान बृजेंद्र ने पहले बॉलिंग करने का निर्णय लिया और भेवान की टीम को 95 रन पर समेट दिया जवाब में उतरी औरंगाबाद के खिलाड़ियों ने आखिरी ओवर में 96 रन बनाकर मैच जीत लिया। मैन ऑफ द मैच धर्मवीर यादव को चुना गया वहीं मैन ऑफ द सीरीज मृदुल को चुना गया। मैन ऑफ द सीरीज चुने गए खिलाड़ी मृदुल को एलसीडी प्रदान की गई। टूर्नामेंट के आयोजक द्वारा विजेता टीम के कप्तान बृजेंद्र को 51 हजार रुपए की चेक एवं शील्ड तथा उपविजेता टीम के कप्तान अमन तिवारी को 21 हजार रुपए की चेक एवं ट्रॉफी प्रदान की गई वही विजेता एवं उपविजेता टीम के प्रत्येक खिलाड़ी को भी शील्ड दी गई।

इस दौरान प्रमुख रूप से राम जी अवस्थी, सत्यम दीक्षित, भूपेंद्र सिंह गौर, सप्पू कटियार, निर्मल, अमर सिंह, ज्ञान सिंह, दीनदयाल, अलबेला आदि लोग मौजूद रहे।

## न्यूज ब्रीफ

### भूमि विवाद में चले धारदार हथियार आधा दर्जन घायल

**शिवराजपुर।** क्षेत्र के सुक्खा नेवादा गांव में भूमि विवाद को लेकर दो पक्षों में जमकर मारपीट हो गई, जिसमें आधा दर्जन लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। सूचना पर पहुंची पुलिस ने दोनों पक्षों के सभी घायलों को सीएचसी शिवराजपुर में भर्ती कराया। वहां पर डॉक्टरों द्वारा सभी का इलाज चल रहा है। वहीं गंभीर रूप घायल तीन लोगों को प्राथमिक उपचार के बाद कानपुर रेफर कर दिया गया। मारपीट में घायल हुए रामू व लवकुश, ज्ञान सिंह, सोनू यादव, कुलदीप यादव, पप्पी का इलाज किया गया। वहीं मारपीट में गंभीर रूप से घायल रामू, लवकुश व ज्ञान सिंह को कानपुर के जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया।

### छत तोड़ते श्रमिक गिरा कंधे में घुसी सरिया

**हमीरपुर।** कस्बे के वार्ड नंबर नौ निवासी असलम के यहां भवन निर्माण चल रहा है। भवन निर्माण में मोहल्ले का दिहाड़ी मजदूर बच्चू लाल अहिरवार (50) भी कार्य कर रहा था। भतीजे शेरा ने बताया कि बच्चूलाल भवन की पुरानी छत तोड़ रहा था, तभी संतुलन बिगड़ने से नीचे पड़ी सरियों में आकर गिर गया, जिससे एक सरिया उसके कंधे से आर पार हो गई। रविवार शाम भवन निर्माण कर रहा दिहाड़ी मजदूर संतुलन बिगड़ने से सरियों के ऊपर आ गिरा। जिस पर एक सरिया उसके कंधे में जा घुसी। सरिया को काटकर उसे निजी अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने ऑपरेशन कर सरिया निकाली। अब हालत में सुधार है।

### छात्रा से मनचले ने की छेड़खानी, रिपोर्ट दर्ज

**हमीरपुर।** ललपुरा थानाक्षेत्र के एक गांव की छात्रा के साथ युवक ने छेड़छाड़ कर दी। छात्रा के चिल्लाने पर आरोपी भाग गया। सोमवार को करीब दो बजे आरोपी राजकुमार शर्मा ने छात्रा को ललपुरा बस स्टैंड से अपनी बाइक में बैठाकर खेतों की ओर ले जाकर छेड़छाड़ करने लगा। छात्रा के शोर मचाने पर खेतों में काम कर रही महिलाएं दौड़ीं तो आरोपी की धमकी देते हुए भाग गया।

### फोटो खींचने के विवाद में युवक को पीटा

**हमीरपुर।** कोतवाली क्षेत्र के टीकुर गांव में मोबाइल पर फोटो खींचने पर हुए मामूली विवाद में चचेरे भाई और भतीजे ने युवक के साथ गाली गलौज कर लाठी डंडों से पिटाई दी। टीकुर निवासी रविंद्र कुमार ने बताया कि मोबाइल फोन में फोटो खींचने को लेकर हुए मामूली विवाद के चलते उसके परिवार के दो लोगों ने गाली-गलौज कर लाठी डंडों से पिटाई कर घायल कर दिया।

### मौरंग खनन में दो को तमंचा के साथ दबोचा

**हमीरपुर।** थाना क्षेत्र में बेतवा नदी से मौरंग निकालकर रात में ट्रैक्टरों से महंगे दामों में बेची जा रही है, जिसमें छुटभैया माफिया हर गांव में लोकेटर बनाए हैं, जो लोगों से मौरंग डलवाने का सौदा करते हैं। सोमवार को पुलिस ने कंडौर गांव में मौरंग लोड करवा रहे राघवेंद्र उर्फ रघु पुत्र शिवशेर सिंह निवासी कंडौर व सचिन उर्फ रामू पुत्र बलराम निवासी अछपुरा बहदीना थाना ललपुरा को घेराबंदी कर पकड़ा। तलाशी में दोनों के पास तमंचा बरामद हुए। जांच की जा रही है।

# यातायात नियमों का पालन कर अपना व दूसरे का जीवन बचायें

## डीसीपी ट्रैफिक रविंद्र कुमार ने सड़क सुरक्षा जीवन रक्षा के तहत लोगों को किया जागरूक

संवाददाता, शिवराजपुर

कार्यक्रम में पहुंचे बच्चों को बैग वितरित करते डीसीपी ट्रैफिक रविंद्र कुमार व अन्य।

**अमृत विचार।** राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा के तहत क्षेत्र के नेवादा टोल प्लाजा के पास लोगों को यातायात नियमों के प्रति जागरूक करने के लिए बैठक का आयोजन किया गया। यहां पर पहुंचे डीसीपी ट्रैफिक रविंद्र कुमार ने लोगों को जागरूक किया। उन्होंने लोगों से कहा कि सड़क पर चलते समय यातायात नियमों का पालन करें। ताकि आपका और सड़क पर चलने वाले दूसरे व्यक्ति का भी जीवन सुरक्षित रहे।

सोमवार दोपहर नेवादा टोल प्लाजा परिसर में सड़क सुरक्षा जीवन रक्षा के तहत एक बैठक का आयोजन किया गया। यहां पर मौजूद एसडीएम बिल्हौर संजीव दीक्षित ने कहा कि इंसान का जीवन बहुत कीमती है। उन्होंने एनएचएआई के एंबुलेंस कर्मचारियों की सराहना करते कहा कि एम्बुलेंस घायल व्यक्तियों को उचित स्थान पर पहुंचा कर अपने कर्तव्यों का पालन करते हैं। वहीं डीसीपी ट्रैफिक रविन्द्र कुमार ने अपने संबोधन में बताया कि अधिकतर घटनाएं बाइक सवारों द्वारा होती हैं, जिसमें प्रदेश में एक्सीडेंट में मारे जाने वालों में अधिकतर नई उम्र के ही युवक होते हैं। जान का खतरा होने के बाद भी नए बच्चे हेलमेट लगा कर नहीं चलते हैं। दो सवारी की जगह बाइक में तीन और चार सवारी बैठकर चलते हैं और आगे निकलने की होड़ में वह एक्सीडेंट कर बैठते हैं। उन्होंने कहा कि यदि कोई आदमी सड़क पर घायल होकर पड़ा है तो उसे बिना किसी डर के आप सरकारी या प्राइवेट अस्पताल में पहुंचा दें। बाद में पुलिस आपसे न तो कुछ पूछेगी और न ही परेशान करेगी। वहीं अब सरकार की तरफ घायल को अस्पताल ले जाने वाले व्यक्ति को 25000 रुपये का इनाम व एक सर्टिफिकेट दिया जाएगा। साथ ही सड़क पर घायल हुए अज्ञात व्यक्ति का सरकार के द्वारा डेढ़ लाख रुपये तक का इलाज फ्री में एक सप्ताह तक किया जाएगा। वहीं वहां पर मौजूद एसओ शिवराजपुर अमित सिंह ने कहा कि बाइक चलाते समय मोबाइल का प्रयोग बिल्कुल भी न करें। वही कार में बैठते समय सीट बेल्ट का प्रयोग जरूर करें।

वहीं स्कूली बच्चों द्वारा यातायात नियमों से संबंधित तमाम तरह की पेंटिंग बनाई गई थीं। कार्यक्रम में प्रमुख रूप से एनएचएआई पीडी आलोक कुमार, एसीपी मंजय कुमार, मीडिया प्रभारी सुधीर कुमार श्रीवास्तव, चौबेपुर एसओ दुर्गेश मिश्रा, अमित सिंह समेत तमाम लोग मौजूद रहे।

## वाईब्रेटर मशीन में करंट दौड़ने से मजदूर की मौत

**मौदहा (हमीरपुर)।** छत ढलाई के समय बाईब्रेटर मशीन में करंट दौड़ने से मजदूर की मौत हो गई। हादसे से हड़कंप मच गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

कोतवाली क्षेत्र के ग्राम खंडेह निवासी शपथ कुमार (36) पुत्र छेदीलाल गांव में ही मजदूरी करता था। सोमवार सुबह गांव के लक्ष्मण के घर की छत की ढलाई हो रही थी। जिसमें वह वाईब्रेटर मशीन चला रहा था। तभी अचानक मशीन में करंट उतर आया। इस घटना में मजदूर शपथ कुमार की मौत हो गई। सूचना पर पहुंची कोतवाली पुलिस ने शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। मृतक अपने पीछे पत्नी और तीन साल के मासूम बच्चे को रोता बिलखता छोड़ गया है। इस हृदयविदारक घटना से परिजनों में कोहराम मचा है। इस सम्बन्ध में कोतवाल संतोष सिंह ने बताया कि मामला संज्ञान में आया है संबंधित उपनिरीक्षक को भेजा गया है। पंचायतनामा के बाद पोस्टमार्टम की कार्रवाई की जा रही है।

# शिवदत्तापुर में वर्षों से बंद नाली कराई कब्जा मुक्त

संवाददाता, बिल्हौर

- सोशल मीडिया पर की गई थी शिकायत
- भारी पुलिस बल देखकर लोगों ने नहीं किया विरोध

**अमृत विचार।** जिलाधिकारी कानपुर नगर के कड़े निर्देशों और उप जिलाधिकारी बिल्हौर के आदेश के अनुपालन में तहसील प्रशासन ने अवैध कब्जों के खिलाफ प्रभावी कार्रवाई की। बिल्हौर तहसील के अंतर्गत आने वाले ग्राम शिवदत्तापुर में लंबे समय से बंद पड़ी सार्वजनिक नाली को राजस्व विभाग और पुलिस बल की संयुक्त टीम ने मौके पर पहुंचकर खुलवाया और क्षेत्र को अतिक्रमण मुक्त कराया।

सोशल मीडिया के माध्यम से नाली बंद होने की शिकायतें प्रशासन तक पहुँच रही थीं। मामले की गंभीरता को देखते हुए नायब तहसीलदार चंद्र प्रकाश राजपूत के नेतृत्व में एक विशेष टीम का गठन किया गया।

इसमें क्षेत्रीय लेखपाल पंकज सोनकर एवं स्थानीय पुलिस बल मौजूद रहा। सोमवार को कार्रवाई के दौरान राजस्व टीम ने सबसे पहले मौके का पैमाइश कर नाली के वास्तविक स्वरूप को चिह्नित किया। इसके उपरांत, पुलिस बल की मौजूदगी में अवरोधों को हटाकर नाली की सफाई कराई गई। प्रशासन की इस त्वरित सक्रियता के कारण पूरी प्रक्रिया शांतिपूर्ण और व्यवस्थित ढंग से संपन्न हुई। भारी पुलिस बल को देखते हुए किसी ने भी किसी तरह का विरोध नहीं किया।

वहीं एसडीएम संजीव दीक्षित ने स्पष्ट करते हुए कहा कि सार्वजनिक संपत्तियों और जल निकासी मार्गों पर किसी भी प्रकार का अवैध कब्जा स्वीकार नहीं किया जाएगा। भविष्य में भी इस तरह की शिकायतों पर तत्काल और कठोर दंडात्मक कार्रवाई की जाएगी। इस कार्रवाई के बाद ग्रामीणों ने राहत की सांस ली है और प्रशासन के इस कदम की सराहना की है।

विवादित जगह का मुआयना करते अधिकारी। अमृत विचार

# घाटमपुर में शौंच को गई किशोरी से खेत में दुष्कर्म, मुकदमा दर्ज

संवाददाता, घाटमपुर

**अमृत विचार।** घाटमपुर में 15 वर्षीय किशोरी शौंच के लिये खेत में गई थी। तभी गांव का रहने वाले युवक ने उसे दबोच लिया और उसके साथ दुष्कर्म की घटना को अंजाम दिया।

वहां से आने के बाद उसने परिजनों को घटना के बारे में बताया। किशोरी के परिजन युवक के घर शिकायत करने पहुंचे तो परिजनो ने उनके साथ अभद्रता की, इसके बाद मां ने थाने पहुंचकर युवक और उनके परिजनों के खिलाफ तहरीर दी है। पुलिस ने गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज कर घटना की जांच पड़ताल करने के साथ आरोपी की तलाश शुरू की है।

घाटमपुर थाना क्षेत्र के एक गांव की रहने वाली महिला ने घाटमपुर थाने पहुंचकर पुलिस को शिकायत पत्र देकर बताया कि उनकी 15 वर्षीय नाबालिग बेटी गांव के किनारे स्थित खेत में शौंच के लिए गई थी, आरोप है, कि तभी गांव क रहने वाले युवक रवि यादव ने उनकी बेटी के साथ जबरन दुष्कर्म की घटना को अंजाम दिया। उनकी बेटी ने घर आकर आप बीती बताई तो वह शिकायत करने युवक के घर पर पहुंची। इस पर युवक के परिजनों ने उनके साथ अभद्रता की इसके बाद उन्होंने पतारा चौकी पहुंचकर शिकायत की लेकिन चौकी पुलिस ने जांच के नाम पर उन्हें टरका दिया। इसके बाद उन्होंने घाटमपुर थाने पहुंचकर तहरीर दी। तहरीर के आधार पर पुलिस ने युवक और उसके परिजनों के खिलाफ पाक्सो एक्ट समेत अन्य गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज कर घटना की जांच पड़ताल शुरू कर दी है। पुलिस ने नाबालिग को मेडिकल के लिए भेजा है।

घाटमपुर एसीपी कृष्णकांत यादव ने बताया कि तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर घटना की जांच पड़ताल की जा रही है। आरोपी की तलाश की जा रही है जल्द ही उसे गिरफ्तार कर जेल भेजा जायेगा।

# स्वास्थ्य उपकेंद्र को चोरों ने बनाया निशाना

संवाददाता, घाटमपुर

- फ्रिज, इन्वर्टर समेत तमाम सामान ले गए चोर
- पुलिस ने बताया जानकारी हुई है जांच पड़ताल की जा रही है

**अमृत विचार।** घाटमपुर के सजेती में स्वास्थ्य उपकेंद्र सेंटर को चोरों ने निशाना बनाया है। चोर यहां से फ्रिज, इन्वर्टर समेत अन्य समान चोरी कर ले गए है। स्वास्थ्य अधिकारी ने थाने पहुंचकर घटना की शिकायत पुलिस से की है। मौके पर पहुंची पुलिस घटना की जांच पड़ताल में जुटी है।

सजेती थाना क्षेत्र के सिधौल स्थित स्वास्थ्य उपकेंद्र सेंटर में तैनात स्वास्थ्य अधिकारी निखिल सिंह ने पुलिस को तहरीर दी। उन्होंन बताया कि स्वास्थ्य उपकेंद्र का मेन गेट तोड़कर चोर सेंटर के अंदर रखे फ्रिज, इन्वर्टर, जांच किट समेत अन्य समान अपने उठा ले गए है। जब वह केंद्र पर पहुंचे तो उन्हें चोरी की घटना की जानकारी हुई। उन्होंने सजेती थाने पहुंचकर पुलिस को तहरीर देकर घटना की जानकारी दी है। जानकारी मिलते सजेती पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल की जांच पड़ताल में की। सजेती थाना प्रभारी अनुज भारती ने बताया सूचना मिली थी, घटना की जांच हो रही है।


**यू०पी० प्रोजेक्ट्स कॉरपोरेशन लि०**
कार्यालय परियोजना प्रबन्धक, निर्माण इकाई–10, कानपुर (केन्द्रीय भण्डार)
(उ०प्र० सरकार का उपक्रम)
उद्योग कुंज रोड नियर हलुआखाड़ा (रजवाहा)
नौरैया खेड़ा (नहर कोठी), दादा नगर, कानपुर–208022
CIN : U15209UP1976SGC004285

पत्रांक:– 2696/पी.सी.एल./पी.एम.–10/कानपुर दिनांक: 02.02.2026

**अल्पकालीन ई-निविदा सूचना**

Installation Work of New Transformer for Electric Connection of Newly Constructed Burn Unit Building of G.S.V.M. Medical College Kanpur Nagar, U.P. हेतु इस कार्यालय की ई-निविदा सूचना सं0-20/PM-10/UPPCL/2025-26 दिनांक 02.02.2026 द्वारा ई-निविदा आमंत्रित की जाती है। उक्त निविदा http://etender.up.nic.in की वेबसाइट पर दिनांक 04.02.2026 से दिनांक 11.02.2026 के अपराह्न 03:00 बजे तक डाउनलोड/अपलोड की जा सकती है। ई-निविदा से सम्बन्धित अन्य विवरण, नियम एवं शर्तें कारपोरेशन की वेबसाइट www.upprojects.org पर दिनांक 04.02.2026 से देखी जा सकती है।

परियोजना प्रबन्धक,
निर्माण इकाई–10, कानपुर


# सुमेरपुर-बांदा मार्ग के मकान गिराने की नोटिस से हड़कंप

कार्यालय संवाददाता, हमीरपुर

- चौड़ीकरण को लेकर कार्यदायी संस्था ने जारी की नोटिस
- गांव वालों ने एडीएम को ज्ञापन सौंप लगाई न्याय की गुहार

**अमृत विचार।** सुमेरपुर-बांदा मार्ग के चौड़ीकरण के लिए पंधरी गांव में सड़क किनारे बने मकानों को गिराए जाने को लेकर कार्यदायी संस्था ने लोगों को नोटिस दी है। इसको लेकर ग्रामीणों ने नाराजगी जताते हुए सोमवार को कलेक्ट्रेट में अपर जिलाधिकारी को ज्ञापन सौंप न्याय की गुहार लगाई है।

पंधरी निवासी संजय प्रजापति, सुरेंद्र कुमार, पुन्नू लाल, रामप्रकाश, पुष्पेंद्र, रामप्रकाश, बरदानी लाल, मोहित, जगदीश प्रसाद आदि ने दिए ज्ञापन में बताया कि सुमेरपुर-बांदा मार्ग किनारे उनके 100 वर्ष पुराने कच्चे पक्के आशियाने हैं। मार्ग चौड़ीकरण को लेकर उनके पुस्तैनी मकान गिराने के बावत पीडब्लूडी विभाग ने नोटिस जारी की है।

जिसमे उन्होंने एक सप्ताह का समय निर्धारित किया है। जिसके चलते वह राहत के लिए जिलाधिकारी के पास गुहार लगाने पहुंचे जहां उन्होंने अपने पुश्तैनी आशियानों को बचाने के लिए प्रशासन से गांव के अंदर बने मकानों को छोड़कर सड़क को चौड़ीकरण कराने की मांग की है।

# भीतरगांव में हुआ विराट हिंदू सम्मेलन

संवाददाता, घाटमपुर

**अमृत विचार।** आरएसएस के स्थापना के सौ वर्ष पूरे होने पर घाटमपुर में विराट हिन्दू सम्मेलन का आयोजन भीतरगांव के श्रीकृष्ण लीला मैदान में सम्पन्न हुआ। यहां पर मुख्य वक्ता के रूप में बालयोगी अरुण पुरी महाराज सिद्धनाथ धाम रहे। सम्मेलन में वक्ताओं ने हिन्दू समाज की एकता, संस्कारों और समाज की मजबूती पर जोर दिया।

आरएसएस के स्थापना के सौ वर्ष पूर्ण होने पर विराट हिंदू सम्मेलन का आयोजन किया गया। वहां पर मौजूद वक्ताओं ने कहा कि सनातन धर्म सबसे प्राचीन धर्म है इसमें हम पूरे विश्व को एक परिवार की तरह देखते हैं। साथ ही वक्ताओं ने हिंदू समाज से छुआछूत मिटाने और सभी संगठित रहने का आह्वान किया।

इस मौक़े पर दीपक बाजपेई, रवीश तिवारी, गुड्डू सिंह, संजू सिंह, लल्ला सिंह, दिलीप सैनी, अभिषेक गुप्ता, प्रांजुल, प्रियांशु, धीरेन्द्र सिंह, श्याम जी, राम जी, मयंक कुमार सहित संघ के जिला प्रचारक आशीष, शिवाकांत, कृष्ण गोपाल, सुरेश कुमार आदि लोग मौजूद रहे।

### शिवहरी धाम में 6 से श्रीराम कथा का होगा शुभारम्भ

रक्षा द्विवेदी जी।

आचार्य जी।

घाटमपुर। तहसील क्षेत्र के अंतर्गत शिवहरी धाम मदनपुर में प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी श्रीमद् भागवत महापुराण के साथ श्रीराम कथा का आयोजन 6 फरवरी से किया जायेगा। यहां पर कथा का रसपान रक्षा द्विवेदी जी और श्री अयोध्या धाम के मुखर बिंदु से कराया जाएगा। कथा का समापन 15 फरवरी को होगा। शिवहरी धाम मंदिर सेवा समिति के ट्रस्टी पंडित शिवकुमार द्विवेदी ने उक्त जानकारी देते हुए बताया कि मंदिर के महंत श्री श्री 1008 अभय दास जी महाराज जी की गरिमामय उपस्थिति में यह आयोजन किया जायेगा। साथ ही उन्होंने बताया कि महाशिवरात्रि को विशाल भंडारे का भी आयोजन किया जायेगा।

**आतंक** — सुमेरपुर कस्बे में छत पर खेलते समय पालतू कुत्ता अचानक हुआ हमलावर

# प्रतिबंधित रॉटविलर डॉग के हमले से बालक घायल

संवाददाता, सुमेरपुर (हमीरपुर)

- गंभीर हालत में सीएचसी से सदर अस्पताल के लिए किया रेफर
- बसपा नेता का बताया जा रहा कुत्ता, पुलिस से शिकायत

**अमृत विचार।** कस्बे के वार्ड संख्या 8 विंध्यवासिनी मार्ग पर रविवार की देर शाम प्रतिबंधित रॉट विलर डॉग (कुत्ते) ने हमजोली दोस्त के साथ छत पर खेल रहे बालक पर हमला कर लहुलुहान कर दिया। कुत्ते के हमले से बालक की हालत गंभीर बताई जा रही है। सीएचसी में प्राथमिक उपचार के बाद उसे सदर अस्पताल रेफर किया गया है। हमला करने वाला कुत्ता बसपा नेता का बताया जा रहा है। बताते हैं कि इसके पहले भी यह कुत्ता कई लोगों को काट चुका है। मामला पुलिस के पास पहुंचा है।

कस्बे के वार्ड संख्या-8 विंध्यवासिनी मार्ग पर रविवार की देर शाम दोस्त के घर की छत पर खेल रहे राजेंद्र गौतम के पुत्र अंश (12) पर रॉटविलर डॉग ने एकबारगी हमला कर दिया, जिससे वह लहूलुहान हो गया। कुत्ते ने अंश की छाती और हाथ में बुरी तरह चबाया।

अचानक हुई इस घटना से मोहल्ले में हड़कंप मच गया। बालक के चीखने-चिल्लाने की आवाज सुनकर परिवार के लोग दौड़े और किसी तरह हमलावर कुत्ते से बालक को बचाया। कुत्ते के हमले से बालक बुरी तरह सहम गया। परिवार के लोग फौरन उसे लेकर अस्पताल की तरफ भागे। सीएचसी में प्राथमिक उपचार के बाद उसे सदर अस्पताल रेफर कर दिया गया।

मां अनीता गौतम ने बताया कि बेटा अंश अपने हमजोली दोस्त आदित्य के साथ छत पर खेल रहा था, तभी रॉटविलर कुत्ते ने उस पर हमला बोल दिया और छाती व हाथ में बुरी तरह चबा लिया। बालक के पिता राजेंद्र गौतम ने बताया कि उन्होंने घटना की सूचना पुलिस को दी है, लेकिन अभी तक प्राथमिकी दर्ज नहीं हुई है। उन्होंने बताया कि हमला करने वाला रॉटविलर डॉग एक बसपा नेता का है, जो पहले भी कई लोगों पर हमला कर चुका है।

### भारत सरकार ने लगा रखा प्रतिबंध

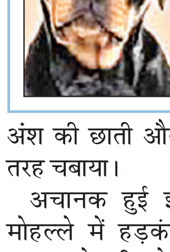

भारत सरकार ने रॉटविलर सहित 23 आक्रामक विदेशी डॉग ब्रीड्स के प्रजनन, बिक्री और पालने पर प्रतिबंध लगा रखा है। इस सिलसिले में भारत सरकार ने पहले ही राज्यों को निर्देश दे रखा है। भारत सरकार ने यह कदम पालतू कुत्तों के हमलों में वृद्धि और घातक घटनाओं के बाद उठाया था। प्रतिबंध लगाते समय यह भी प्रावधान किया गया था कि जिनके पास पहले से ये कुत्ते हैं, उन्हें उनकी नसबंदी करानी होगी, ताकि इनकी संख्या बढ़ नहीं सके।

### रॉट विलर डॉग की अनुमति लेना जरूरी

नगर पंचायत के अधिशासी अधिकारी दिनेश आर्य का कहना है कि रॉटविलर डॉग प्रतिबंधित प्रजाति का है। इसको पालने के लिए अनुमति लेना जरूरी है। उन्होंने कहा कि अभी तक उनके पास कोई शिकायत नहीं आई है। अगर इस तरह की कोई शिकायत आती है तो जांच कर कार्रवाई की जाएगी।

www.amritvichar.com पर भी खबरें पढ़ें

# डंपर ने बच्चे की जान ली, मां-बेटी घायल

संवाददाता, बिवांर (हमीरपुर)

**अमृत विचार।** थाना क्षेत्र के छानी गांव के निकट हमीरपुर-राठ स्टेट हाईवे पर तेज रफ्तार डंपर ने बाइक सवार को पीछे से टक्कर मार दी। हादसे में बाइक सवार के साथ उसकी पत्नी, पुत्री और पुत्र गंभीर रूप से घायल हो गए। नाजुक हालत में चिकित्सालय ले जाते समय उसके पांच वर्षीय बच्चे की मौत हो गई, जिससे परिजनों में कोहराम मच गया। गंभीर रूप से घायल पत्नी व पुत्री को सदर चिकित्सालय में भर्ती कराया गया है। वहीं बाइक चालक को हल्की चोंटे आई हैं।

बिवांर थाना क्षेत्र के कल्ला गांव के रहने वाले राजकुमार पुत्र आनंद सिंह सोमवार को बाइक पर पत्नी सावित्री, पुत्री शिवानी और पुत्र मोहित को लेकर हमीरपुर से घर लौट रहा था, तभी छानी गांव के पास तेज रफ्तार डंपर ने बाइक में पीछे से जोरदार टक्कर मार दी। इस हादसे में बाइक सवार सभी लोग सड़क पर गिरकर बुरी तरह से घायल हो गए। इनमें पांच वर्षीय पुत्र मोहित को गंभीर चोट आई।

हादसे के बाद बाइक चालक राजकुमार ने यूपी 112 नंबर पर फोन किया। मौके पर पहुंची पुलिस ने घायलों को छानी चिकित्सालय पहुंचाया, जहां हालत नाजुक होने पर सभी लोगों को सदर चिकित्सालय रेफर कर दिया गया। एंबुलेंस से चिकित्सालय ले जाते समय स्वासा गांव के पास मोहित ने दम तोड़ दिया। इससे परिजनों में कोहराम मच गया। घायल पुत्री और पत्नी को सदर चिकित्सालय में भर्ती किया गया है। पुलिस डंपर सहित घाटमपुर क्षेत्र के गुच्चुपुर के चालक शमशाद को हिरासत में लेकर थाने लाई। थानाध्यक्ष नंदराम प्रजापति ने बताया कि तहरीर मिलने पर रिपोर्ट दर्ज कर कार्रवाई की जाएगी।


**अमृत विचार क्लासीफाइड**

विज्ञापन हेतु अमृत विचार कार्यालय में सम्पर्क करें

**सूचना**

मै **सीता देवी पत्नी कमलेश, निवासी–ग्राम मैता सरायं कटियान, पो0– अटेसुवा जिला उन्नाव,** हम पति–पत्नी अपने पुत्र आलोक कुमार को अपनी चल व अचल सम्पत्ति से बेदखाल कर रहे है। आलोक कुमार द्वारा यदि किसी प्रकार का कोई लेन देन किसी भी व्यक्ति से करता है तो उसके वह स्वयं जिम्मेदार होगें। हम पति–पत्नी से किसी प्रकार का कोई लेना देना नहीं है। क्योकि हमारा पुत्र हम पति व पत्नी का कहना नही मानता है।

**सूचना**

रिजवान सोलंकी पुत्र मुस्ताक सोलंकी निवासी 180 D डिफेंस कालोनी योजना संख्या 39 कानपुर नगर उपरोक्त प्रापर्टी का मूल लीज डीड (डाक्यूमेंट नं0 582 दिनांक 17.09.1982) कही खो गया है जिसका प्रयोग किसी अन्य के द्वारा अवैध माना जाएगा। मो. 9415051613

**सूचना**

मैं **गुफराना औबेद निवासी 10/137 मदनी नगर शुक्लागंज, नेतुवा गंगाघाट उन्नाव,** ये सूचित करती हूं कि मेरा नाम गुफराना से गुफराना औबेद हो गया। अब मैं गुफराना औबेद के नाम से जानी जाउंगी। मैं भविष्य में इसी नाम से जानी व पहचानी जाउंगी

**सूचना**

मै अविलास पुत्र मैकू नि. खरौध तह0 मानिकपुर जिला चित्रकूट मेरी पुत्री महेक (MAHEK) का आधार कार्ड अनामिका के नाम से जारी हुआ है, जो कि त्रुटिपूर्ण है। मेरी पुत्री के अन्य समस्त अभिलेखो में सही नाम महेक अंकित है जो कि सही है। अत: पुत्री के आधार कार्ड में सही नाम महेक अंकित किया जाय।

**सूचना**

मैने अपना नाम जावेद अख्तर (JAVED AKHTAR) से बदलकर जावेद अख्तर (JAVED AKHTER) रख लिया है अब भविष्य में मुझे जावेद अख्तर (JAVED AKHTER) के नाम से जाना व पहचाना जाये। **जावेद अख्तर पुत्र मो0 सलीम निवासी भाटिया पेट्रोल पम्प के सामने पक्का बाग थाना इकदिल जिला इटावा।**

**सूचना**

मैने अपना नाम मोहम्मद सालिम (MOHAMMAD SALIM) से बदलकर मो0 सलीम (MOHD SALEEM) रख लिया है अब भविष्य में मुझे मो0 सलीम (MOHD SALEEM ) के नाम से जाना व पहचाना जाये। **मो0 सलीम पुत्र मो0 अली बहादुर निवासी देसरमऊ पिलखर थाना इकदिल जिला इटावा**

**सूचना**

मैं शुभमराज पुत्र श्री राजेश कुमार, निवासी कंचौसी बाजार तहसील विधूना जिला औरैया। मैने इंटरमीडियट की परीक्षा सन् 2016 में उत्तीर्ण की थी जिसका अनुक्रमांक 1339800 है का अंक पत्र वास्तव में खो गया है।

**सूचना**

मै अविलास पुत्र मैकू नि. खरौध तह0 मानिकपुर जिला चित्रकूट मेरी पुत्री खुशबू (KHUSHBU) का आधार कार्ड शिवानी नाम से जारी हुआ है, जो कि त्रुटिपूर्ण है। मेरी पुत्री के अन्य समस्त अभिलेखो में सही नाम खुशबू अंकित है जो कि सही है। अत: पुत्री के आधार कार्ड में सही नाम खूशबू अंकित किया जाय।

**Public Notice**

It is hereby informed to the general public that I, Lalti Devi, W/o Chaman Lal, R/o Kakwan, Kanpur Nagar, am the same person who is erroneously recorded as Malti Devi, W/o Shyam Sundar in my bank account. Both these names belong to one and the same person. Henceforth, I should be known and recognized as Lalti Devi, W/o Chaman Lal for all future purposes.

**सूचना**

मै **मुनेश्वर सिंह भदौरिया पुत्र जागेश्वर सिंह भदौरिया निवासी ग्राम शरीफपुर पोस्ट मुर्रा थाना सकरावा जनपद कन्नौज** मेरे दो पुत्र है जिनमें अनुराग सिंह बड़ा है एवं अनुभव सिंह छोटा है छोटे पुत्र अनुभव सिंह व छोटी पुत्र वधू श्रीमती दिव्या पत्नी अनुभव सिंह का चाल चलन अच्छा नहीं है एवं गलत आचरण के कारण घर में अकारण लड़ाई झगड़ा करते रहते हैं और किसी की भी कोई भी बात नहीं मानते है उक्त लोगें के कृत्यों से तंग आकर अपने पारिवारिक सम्बन्ध विच्छेद कर अपनी सम्पत्ति से बेदखल कर दिया हैं। उक्त लोगों के किसी भी प्रकार के लेन देन एवं नैतिक व अनैतिक एवं अपराधिक कार्यो से मेरा व मेरे परिवार के अन्य सदस्यों का कोई लेना देना नहीं है तथा अनुभव सिंह व पुत्र वधू दिव्या द्वारा किये किसी भी जायज व नाजायज कृत्य के लिये वह स्वयं जिम्मेंदार होगें।

अनुराग हेल्थ केयर प्रा.लि.

•ICU •NICU DIALYSIS •MODULAR OT

दूरबीन विधि से आपरेशन अब कम खर्च में

सीजीएचएस, मेडीक्लेम व आयुष्मान कार्ड मान्य

117/क्यू/702, शारदा नगर, कानपुर

9889538233, 7880306999


# हाईस्पीड ट्रेन छलावा, कानपुर को बॉय-बॉय करते निकल जाएगी

## बिल्हौर के पास मकनपुर, अरौल से होकर बांगरमऊ के रास्ते लखनऊ जाएगा ट्रैक

बजट-2026

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

**अमृत विचार।** केंद्रीय बजट में नई दिल्ली से वाराणसी तक हाईस्पीड ट्रेन चलाने की घोषणा से कानपुर वासियों की खुशी कॉरिडोर का ट्रैक मैप सामने आते ही काफूर हो गई। यह हाईस्पीड ट्रेन कानपुर के लिए छलावा साबित होगी और बिल्हौर में मकनपुर-अरौल के पास से टाटा-बॉय-बॉय करते निकल जाएगी। इस ट्रेन के लिए दिल्ली से वाराणसी तक अधिकतर एलीवेटेड ट्रैक बनेगा जिसका बड़ा हिस्सा आगरा-लखनऊ एक्सप्रेस-वे के समानांतर होगा।

यह एलिवेटेड ट्रैक कानपुर के बिल्हौर के पास गांवों से होते हुए गुजरेगा जिसका सर्वे कई चरणों में पूरा हो चुका है। प्रस्तावित हाईस्पीड एलिवेटेड ट्रैक के रूट में 12 स्टेशन हैं, हाईस्पीड ट्रेन दिल्ली के सराय काले खां से शुरु होकर बनारस के मडुआडीह तक चलेगी। मार्ग में नोएडा, मथुरा, आगरा, इटावा, कन्नौज, लखनऊ, रायबरेली, प्रयागराज, भदोही और वाराणसी स्टेशन होंगे। यह हाईस्पीड ट्रेन जेवर एयरपोर्ट से जुड़ेगी तथा अयोध्या के लिए लखनऊ से कनेक्टिविटी प्रदान की जाएगी।

### मकनपुर व अरौल में किसानों से बातचीत और सर्वे हो चुका

- दिल्ली-वाराणसी हाई-स्पीड रेल कॉरिडोर कानपुर में बिल्हौर के पास से होकर गुजरेगा। इसके लिए सर्वे एजेंसी कई चरणों में सर्वे के बाद फिजिबिलिटी रिपोर्ट तैयार करके सौंप चुकी है। उम्मीद है जल्द ही काम आगे बढ़ेगा। बीते वर्ष टीम ने मकनपुर, बरंडा, अरौल, गिलवट अमीनाबाद व भीटी हवेली गांव के किसानों से बात करके उन्हें योजना और सर्वे के बारे में जानकारी दी थी। हाईस्पीड ट्रेन का रूट कन्नौज से कानपुर के अरौल व मकनपुर होते हुए उन्नाव के बांगरमऊ से लखनऊ के लिए निकल जाएगा। ऐसे में औद्योगिक शहर होने के चलते इस रूट से कानपुर शहर अछूता ही रह जाएगा। इससे शहरवासियों में मायूसी भी है।

### डीपीआर तैयार, स्टेशन तय, 2030 से संचालन का इरादा

- जनवरी 2021 में इस प्रोजेक्ट के लिए लेजर तकनीक सर्वे शुरू किया गया था। नवीनतम जानकारी के अनुसार नेशनल हाई स्पीड रेल कारपोरेशन लिमिटेड (एनएचएसआरसीएल) ने इस हाईस्पीड ट्रेन रूट के लिए डीपीआर तैयार करके रेलवे बोर्ड को सौंपी है। डीपीआर पर चर्चा के बाद अंतिम रूट और स्टेशनों के लिए स्थल चयन किया जा चुका है। अब सिर्फ इस सारी कवायद पर अंतिम मुहर लगनी बाकी है। फिलहाल इस रूट पर हाईस्पीड ट्रेनों का संचालन शुरू करने के लिए लक्ष्य वर्ष 2030 रखा गया है।

### ... तो इसलिए कानपुर नहीं आ पाएगी हाईस्पीड ट्रेन

- उत्तर मध्य रेलवे के जनसंपर्क अधिकारी का कहना है कि ये बड़ा प्रोजेक्ट है, जिस पर रेल मंत्रालय सीधे निगाह रख रहा है। ऐसे में पूर्व निर्धारित रूट से छेड़छाड़ संभव नहीं है। हाईस्पीड ट्रेन की स्पीड अधिक होती है। ऐसे में इसे ज्यादा कर्व (घुमाव) नहीं दिया जा सकता है। इसे सीधा रखना मजबूरी है। कानपुर शहर लाने के लिए रूट को मोड़ना पड़ेगा जो ट्रेन की स्पीड को देखते हुए व्यवहारिक नहीं है।

# नई रणनीति से पहले कानपुर चमकेगा फिर रखेगा ग्रेटर भविष्य की नींव

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- अर्बन चैलेंज फंड की घोषणा और सिटी इकोनॉमिक रीजन जैसी योजनाएं बदलेंगी तस्वीर
- ग्रेटर कानपुर योजना के धरातल पर उतरकर फायदा मिलने की तैयार हो जाएगी मजबूत नींव

**05** वर्षों में अर्बन चैलेंज फंड से मिलेगी रकम

**05** हजार करोड़ रुपये से होगा कायाकल्प

**अमृत विचार।** शहरी विकास की नई रणनीति के तहत केंद्रीय बजट में सिटी इकोनॉमिक रीजन और कानपुर जैसे टीयर-2 शहरों के लिए अर्बन चैलेंज फंड की घोषणा से अगले पांच वर्षों में मिलने वाले पांच हजार करोड़ रुपये से शहर की तस्वीर बदल सकती है। यह उम्मीद बलवती हो गई है।

इसकी बड़ी वजह इस धनराशि को चैलेंज मोड में सड़कों, जल निकासी और पेयजल सुविधा बढ़ाने पर खर्च किया जाना है। ऐसे में ग्रेटर कानपुर की महत्वाकांक्षी योजना का धरातल पर उतरकर फायदा मिलने में अभी वक्त लग सकता है, लेकिन इतना जरूर है कि इसके लिए नींव तैयार हो जाएगी।

केंद्र सरकार ने कानपुर को उन प्रमुख शहरों में शामिल किया है जिन्हें ''सिटी इकोनॉमिक रीजन'' के रूप में विकसित किया जाएगा। इस योजना के तहत कानपुर की आर्थिक क्षमता को अनलॉक करने के लिए अगले 5 वर्षों में भारी निवेश किया जाएगा, ताकि कानपुर की औद्योगिक पहचान को आधुनिक बुनियादी ढांचे के साथ जोड़ा जा सके।

प्रदेश सरकार पहले ही कानपुर को सिटी इकोनॉमिक रीजन के रूप में विकसित करने की योजना को हरी झंडी दिखा चुकी है, जिसमें कानपुर और उसके आसपास के क्षेत्रों को दिल्ली-एनसीआर की तर्ज पर एक व्यवस्थित औद्योगिक और आर्थिक केंद्र बनाना है।

### प्रदेश के बजट में क्रीडा को आगे बढ़ाने की उम्मीद

- कानपुर के औद्योगिक स्वरूप को नए आयामों के साथ गति देने के लिए ही कानपुर रीजनल इंटीग्रेटेड डेवलपमेंट अथॉरिटी (क्रीडा) का गठन किया गया है। यह प्राधिकरण कानपुर नगर, कानपुर देहात, उन्नाव, फतेहपुर और आसपास के आठ जिलों में विकास कार्यों की निगरानी करेगा। इस बीच कानपुर के लिए एक अत्याधुनिक जीआईएस-आधारित मास्टर प्लान 2051 तैयार किया जा रहा है, जो अगले 25-30 वर्षों की जरूरतों के अनुसार बुनियादी ढांचे का विस्तार करेगा।

### एरो सिटी, नॉलेज सिटी, ईवी पार्क और मेडिसिटी प्रोजेक्ट

- विशेष आर्थिक क्षेत्र (स्पेशल इकोनॉमिक जोन) के तहत शहर में औद्योगिक निवेश को बढ़ावा देने के लिए एरो सिटी, नॉलेज सिटी, ईवी पार्क और मेडिसिटी जैसे विशेष प्रोजेक्ट्स पर पहले ही काम चल रहा है। शहर को जाम मुक्त करने और आर्थिक गतिविधियों को गति देने के लिए 93 किमी लंबा आउटर रिंग रोड तेजी से बनाया जा रहा है।

## सिटी ब्रीफ

### मौसम ने ली करवट आज बूंदाबांदी होने के आसार

**कानपुर।** पश्चिमी उत्तर प्रदेश में मौसम के करवट लेने का असर मंगलवार को शहर में भी दिखेगा। सोमवार शाम से ही आसमान पर बादलों ने डेरा जमा लिया है। मंगलवार को गरज-चमक के साथ मौसम विभाग ने बूंदाबांदी और बौछारों के आसार जताए हैं। मौसम विभाग का कहना है कि उत्तरी पाकिस्तान के ऊपर सक्रिय पश्चिमी विक्षोभ के असर से दक्षिणी हरियाणा के आसपास चक्रवाती सिस्टम बन हुआ है। इसके असर से पश्चिमी यूपी में हल्की बारिश शुरू हुई है। यह बारिश सोमवार देर रात से मंगलवार सुबह तक प्रदेश के मध्यवर्ती और सटे हुए पूर्वी हिस्सों तक पहुंच सकती है, जिसका असर दो दिन तक रहने की संभावना है। इस बीच सोमवार को सुबह कोहरे के बाद धूप निकलने से लोगों ने राहत ली। अधिकतम तापमान भी 23 डिग्री सेल्सियस से ऊपर दर्ज किया गया। लेकिन बादलों के कारण मंगलवार को अधिकतम तापमान में गिरावट की संभावना है।

### राजमिस्त्री को डंपर ने कुचला

**कानपुर।** सचेंडी थानाक्षेत्र के भैरमपुर निवासी राजमिस्त्री सुरेंद्र कुमार गौतम (45) कुलगांव मोड़ स्थित साइट से काम खत्म करके रविवार शाम घर लौट रहे थे। भाई अरविंद ने बताया कि वह अभी चकेरी में हाईवे पर हवा महल रेस्टोरेंट के सामने पहुंचे ही थे कि डंपर ने कुचल दिया। हादसे में उनकी मौके पर ही जान चली गई। हादसे में मौत के बाद मां रामप्यारी बदहवास हो गई। इसी तरह महाराजपुर थानाक्षेत्र में रविवार रात रूमा हाईवे पर टयूलिप गार्डेन के सामने हाईवे पार करते समय कार की टक्कर से घायल जाजमऊ गौशाला निवासी रोहित यादव (28) की उपचार के दौरान हैलट में सोमवार सुबह मौत हो गई। वह अपने दोस्त हाथीपुर गांव निवासी अरविंद कुशवाहा (30) के साथ हाईवे पार कर ढाबे में खाना खाने जा रहा था। तभी फतेहपुर से चकेरी की ओर जा रही तेज रफ्तार कार ने दोनों को कुचल दिया था।


www.amritvichar.com पर भी खबरें पढ़ें


# शहर की तीन डीपीएसयू को मिले 341 करोड़

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

**अमृत विचार।** शहर में स्थित तीन प्रमुख रक्षा सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों एडवांस्ड वेपन्स एंड इक्विपमेंट इंडिया लिमिटेड (एडब्ल्यूईआईएल), ग्लाइडर्स इंडिया लिमिटेड और ट्रूप कम्फर्ट्स लिमिटेड (टीसीएल) को आधुनिकीकरण, अनुसंधान एवं विकास तथा उत्पादन क्षमता बढ़ाने के लिए केंद्रीय बजट में 341 करोड़ रुपये की राशि का आवंटन हासिल हुआ है। इसमें सबसे बड़ा हिस्सा एडब्ल्यूईआईएल का है, जिसे अकेले 328 करोड़ से ज्यादा की राशि मिली है। कंपनी छोटे हथियारों और तोपखाना प्रणालियों की प्रमुख निर्माता है। इस धनराशि से कंपनी की उत्पादन क्षमताओं का तकनीकी उन्नयन होना तय है। कंपनी की देश भर में कुल आठ उत्पादन इकाईयां हैं, जिनमें तीन फील्ड गन फैक्ट्री, ऑर्डनेंस फैक्ट्री तथा स्मॉल आर्म्स फैक्ट्री कानपुर में स्थि हैं।

आधिकारिक सूत्रों के अनुसार ग्लाइडर्स इंडिया को ढाई करोड़ तथा टीसीएल को 10 करोड़ रुपये मिलेंगे। ग्लाइडर्स इंडिया मुख्य रूप से विभिन्न श्रेणियों के पैराशूट बनाती है, हाल ही में कंपनी को वियतनाम से एसयू-30 लड़ाकू विमानों के लिए ब्रेकिंग और सुरक्षा पैराशूट का 30 करोड़ का आर्डर मिला है। जबकि ट्रूप कम्फर्ट लिमिटेड सैनिकों के लिए वर्दी, जूते तथा युद्धक साजो-सामान का उत्पादन करती है। ये सभी फैक्ट्रियां पहले ऑर्डनेंस फैक्ट्री बोर्ड का हिस्सा थीं।

# एमएसएमई और मैन्युफैक्चरिंग को मिलेगी नई रफ्तार

संवाददाता, कानपुर/लखनऊ

- आईआईए लखनऊ व कानपुर में बजट पर हुई चर्चा, उद्यमियों ने बताया भविष्योन्मुखी और विकास-संचालित बजट
- बैंकिंग समिति के चेयरमैन ने जेम को ट्रेड से जोड़ने की घोषणा को अहम सुधार बताया

**अमृत विचार।** इंडियन इंडस्ट्रीज एसोसिएशन (आईआईए) ने आईआईए भवन, लखनऊ व कानपुर में केंद्रीय बजट पर चर्चा हुई। इस दौरान आईआईए के पदाधिकारी, उद्योगपति, चार्टर्ड अकाउंटेंट्स और नीति विशेषज्ञ मौजूद रहे। कार्यक्रम के दौरान कहा गया कि यह बजट एमएसएमई और मैन्युफैक्चरिंग को रफ्तार प्रदान करेगा।

चर्चा के दौरान आईआईए के राष्ट्रीय सचिव प्रमित कुमार सिंह, डिविज़नल चेयरमैन (अयोध्या) कैप्टन राजेश कुमार तिवारी, लखनऊ चैप्टर चेयरमैन विकास खन्ना, एसके गुप्ता, अविरल कुमार, अक्षय कुमार सहित अनेक पदाधिकारी व उद्योगपति मौजूद रहे। समीक्षा में आईआईए के राष्ट्रीय अध्यक्ष दिनेश गोयल ने कहा कि केंद्रीय बजट सभी क्षेत्रों में भारतीय अर्थव्यवस्था और एमएसएमईज के विकास के प्रति सरकार की मज़बूत प्रतिबद्धता को दर्शाता है। आईआईए के राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष अवधेश अग्रवाल ने कहा कि हाई-प्रिसिजन कंपोनेंट्स के लिए हाई-टेक टूल रूम की स्थापना, चैंपियन एमएसएमईज का निर्माण और रेयर अर्थ मैग्नेट पर नए सिरे से फोकस, एडवांस्ड मैन्युफैक्चरिंग में घरेलू क्षमताओं को काफी बढ़ाएगा। बैंकिंग समिति के चेयरमैन केके अग्रवाल ने जेम को ट्रेड से जोड़ने की घोषणा को अहम सुधार बताया। जीएसटी समिति के चेयरमैन कपिल वैश्य ने कहा कि तैयार माल के बजाय कंपोनेंट्स पर कस्टम ड्यूटी कम करना, हाल ही में घोषित ईयू-एफटीए के अनुरूप है। चेयरमैन अंतर्राष्ट्रीय व्यापार नीतियां, फाइनेंस और टैक्सेशन शशांक शेखर गुप्ता ने कहा कि बजट में इंडस्ट्रियल ग्रोथ और मैन्युफैक्चरिंग पर दिया गया है। कानपुर में आईआईए भवन में हुए आयोजन में आईआईए के पूर्व अध्यक्ष सुनील वैश्य, चेयरमैन आरके अग्रवाल, हर्षित अग्रवाल, विक्रांत अग्रवाल, आलोक अग्रवाल, तरुण खेत्रपाल, नवीन खन्ना, मनमोहन राजपाल, संजय जैन व रमेश गुलाटीने कहा कि यह बजट भविष्य का बजट है।

बजट पर विचार रखते पदाधिकारी। अमृत विचार

## पुलिस ने किया रूट मार्च

शब-ए-बारात को लेकर पुलिस ने रूट मार्च किया। इसमें पुलिस अधिकारियों के साथ कई थानों का फोर्स मौजूद रहा। शहर वासियों को पुलिस ने दिलाया सुरक्षा का एहसास। रूट मार्च बजरिया थाना क्षेत्र से शुरू हुआ। ● अमृत विचार

# 35 साल से फरार कत्ल का आरोपी गिरफ्तार

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- 1990 में जमानत मिलने के बाद से फरार था

**अमृत विचार।** कर्नलगंज पुलिस ने हत्या के मामले में 35 साल से फरार चल रहे 50 हजार रुपये के इनामिया आरोपित को गिरफ्तार किया। आरोपित न्यायालय से वर्ष 1990 में जमानत मिलने के बाद से अपना नाम बदलकर पुलिस को चकमा दे रहा था। डीसीपी सेंट्रल अतुल कुमार श्रीवास्तव ने बताया कि कर्नलगंज थानाक्षेत्र अन्तर्गत वर्ष 1984 में दो पहलवानों के गुटों की रंजिश में सुल्तान कादिर की घर के गेट पर गोली मारकर हत्या की गई थी। जिस मामले में हत्यारोपित शौकत निवासी साहिबाबाद चमनगंज को गिरफ्तार कर जेल भेजा गया था। न्यायालय से वर्ष 1990 में जमानत मिलने के बाद आरोपित शौकत फरार चल रहा था। वह न्यायालय में हाजिर नहीं हो रहा था। जिस पर आरोपित के खिलाफ न्यायालय में गैर जमानती वारंट जारी किया था। आरोपित की तलाश में टीम चमनगंज पहुंची तो पता चला कि वह किराये पर रहता था। अब यह मकान छोड़कर चला गया है। तब कानपुर कमिश्नरेट पुलिस ने आरोपित पर 50 हजार रुपये का इनाम घोषित किया था।हत्यारोपित को सजा के दौरान गोण्डा जेल स्थानांतरित किया गया था। आरोपित की तलाश में टीम गोण्डा जेल पहुंची। जहां एक अन्य मुकदमे में जेल जाने पर आरोपित का गोण्डा के ग्राम ददरा का पता व मोबाइल नंबर मिला। पुलिस आरोपित को तलाशते हुए वहां पहुंची तो पता चला कि वह अपनी पहचान छिपाकर वहां रह रहा था। पुलिस के पहुंचने पर आरोपित वहां से भी फरार हो गया। पुलिस टीम को पता चला कि आरोपित बेटे के साथ कानपुर के चकेरी में रहने वाले रिश्तेदार के घर जा रहा है।

### कानपुर सेंट्रल से अहमदाबाद के लिए विशेष ट्रेन कल

**कानपुर।** कानपुर से अहमदाबाद के लिए बुधवार को विशेष ट्रेन चलाने की घोषणा की गई है, ये ट्रेन केवल कानपुर से जाएगी। इस टेन में स्लीपर श्रेणी के 15 डिब्बे, पार्सलयान के2 डिब्बे होंगे। गाड़ी संख्या 01903 बुधवार को दोपहर 3 .50 बजे रवाना होगी। इटावा सायं 5 .30 बजे, टूंडला सायं 7 .20 बजे, ईदगाह (आगरा) रात 8 बजे, गंगवापुर सिटी रात 00 .05 बजे, कोटा रात 2 .20 बजे, रतलाम प्रात: 7 .15 बजे, अहमदाबाद दोपहर 2 बजे पहुंचेगी।

# असिस्टेंट प्रोफेसर के बंद घर में चोरी

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- सोने-चांदी के जेवर, बर्तन समेत करीब 5 लाख का माल पार एफआईआर दर्ज

**अमृत विचार।** गोविंद नगर मे चोरों ने बीती रात असिस्टेंट प्रोफेसर बंद पड़े घर का ताला तोड़कर सोने-चांदी के जेवरात, बर्तन व अन्य कीमती समान समेत लगभग 5 लाख का माल पार कर दिया। पड़ोसियों से मिली घटना की जानकारी पर लौटे पीड़ित ने पुलिस की चोरी की सूचना दी। पुलिस को मकान में लगे कैमरे बंद मिले। पुलिस ने मामले मे तहरीर के आधार पर रिपोर्ट दर्ज कर चोरों की तलाश शुरू कर दी है।

सेवाग्राम कॉलोनी निवासी जयप्रकाश श्रीवास्तव मध्य प्रदेश के शिवपुरी में पीजी कॉलेज में असिस्टेंट प्रोफेसर है। उन्होंने बताया कि विपिन बिहारी श्रीवास्तव मां नगीना देवी के साथ यहीं कॉलोनी में रहते है। बीती 26 जनवरी को वह माता-पिता को अपने साथ मध्य प्रदेश लेकर चले गए थे। पड़ोसी दिलीप कुमार वर्मा ने चोरी की जानकारी दी, तो होश उड़ गए। सोमवार सुबह एमपी से लौटकर देखा कि घर के मेन गेट समेत तीन कमरे और अलमारी का ताला टूटा हुआ था। अलमारी में रखा जेवर समेत अन्य कीमती सामान गायब मिला। जबकि कमरे से गैस सिलेंडर, चांदी बर्तन समेत अन्य कीमती सामान चोरी हो गया था। मकान में लगे कैमरे खराब होने के चलते बंदे थे। वहीं गोविंद नगर थाना प्रभारी रिकेश के सिंह ने बताया कि तहरीर के आधार पर चोरी की रिपोर्ट दर्ज कर ली गई है।

बाजार

एक दिन में चांदी के भाव 52 हजार और सोना के 14 हजार नीचे आए

# चांदी ढाई लाख और सोना डेढ़ लाख पर आया

विशेष संवाददाता,कानपुर

- अंतर्राष्ट्रीय हालात के बीच सटोरियों का गजब खेल निवेशक रहे झेल
- पांच दिनों में चांदी के भाव डेढ़ लाख और सोने के 32 हजार रुपये गिरे

**अमृत विचार।** जिस तेजी से सोने और चांदी के भाव ऊपर जा रहे थे, अब उससे ज्यादा रफ्तार से नीचे आते नजर आ रहे हैं। मात्र पांच दिन में ही चांदी के भाव डेढ़ लाख और सोने के 32 हजार रुपये कम हो गए हैं, जो गिरावट का नया रिकार्ड हैं। 24 घंटे के भीतर चांदी 52 हजार और सोना 14 हजार रुपये सस्ता हुआ है।

कानपुर सराफा बाज़ार में सोमवार को सोना 1,50,500 रुपये का 10 ग्राम और चांदी 2,50,000 रुपये प्रति किलो रही। पांच दिन पहले चांदी 4 लाख रुपये किलो और सोना 1,82,000 रुपये प्रति 10 ग्राम था। दोनों कीमती धातुओं का ट्रैक रिकार्ड बताता है कि पिछले एक महीने में इस तरह से भावों में उतार-चढ़ाव कभी नहीं हुआ।

विशेषज्ञों का कहना है कि भाव में इस तरह के उतार-चढ़ाव के पीछे अंतर्राष्ट्रीय हालात के साथ बड़ा खेल सटोरियों का है। पहले भाव उठाकर लालच बढ़ाया फिर मुनाफा वसूली के बाद दाम ठंडे कर दिए। इससे हर रोज पैसा लगाने और बड़े पैमाने पर निवेश करने वाले तबाह हो गए। बजट के ठीक पहले बड़ा खेल हुआ फिर बजट के बाद मुनाफा वसूली ने छोटे निवेशकों को कहीं का नहीं छोड़ा।

जिन निवेशकों के पास खासी पूंजी और धैर्य है, वह ख़ामोशी से सोना-चांदी बेचने के बजाये दबाए बैठे हैं, ताकि दाम चढ़ने पर मुनाफा कमाया जा सके। यह भी तथ्य है कि सोने और चांदी के दाम चाहे जितने घट जाएं, कुछ समय बाद अपनी पिछली ऊंचाई को पार जरूर करते हैं, लेकिन इस बार जिस झटके से भाव गिरे हैं, इन्हें रिकार्ड ऊंचाई पर जाने में खासा वक्त लग सकता है।

चांदी कारोबारी विकास ओमर का कहना है कि चीन और अमेरिका के बीच तनातनी, कुछ बड़े देशों के बीच युद्ध की आशंका और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर चल रहे ट्रेड वॉर दोनों धातुओं के दाम में उतार-चढ़ाव का कारण हैं, इसके साथ ही इसके पीछे सट्टे का भी बड़ा खेल है।

उत्तर प्रदेश सराफा एसोसिएशन के मंत्री राम किशोर मिश्र का कहना है कि दाम में गिरावट से आम आदमी को राहत मिली है। सराफा बाजार में ग्राहकों की संख्या बढ़ी है। अब बेहद हल्के गहने की मांग ज्यादा है। अगर बजट में इन धातुओं पर टैक्स कम कर दिया जाता तो आम आदमी को ज्यादा राहत मिलती।

# शहर को सौगात



# 33 वार्डों में शुद्ध पेयजल के लिए बिछेगी लाइन

## बजट में धनराशि के आवंटन से अब दूर होगी पेयजल समस्या

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

**अमृत विचार।** शहर के उस्मानपुर, कृष्णानगर, गांधीग्राम, श्यामनगर सुजातगंज, केडीए कॉलोनी दहेली सुजानपुर आदि क्षेत्रों में पेयजल लाइन बिछाने के लिए तैयार किए गए प्रोजेक्ट पर जल्द ही काम शुरू होगा। 316.68 करोड़ रुपये के इस प्रोजेक्ट को कैबिनेट की मंजूरी पहले ही मिल चुकी थी। अब केंद्र सरकार से बजट स्वीकृत हो गया है। ऐसे में शुद्ध पेयजल उपलब्धता की राह में कोई बाधा नहीं रह गई है। जल निगम ने कुल 33 वार्डों में पेयजल लाइन बिछाने का प्रस्ताव भेजा था जो मंजूर हो गया है।

जवाहरलाल नेहरू नेशनल अर्बन रिन्यूवल मिशन (जेएनएनयूआरएम) के तहत 18 साल पहले शहर में पेयजल लाइनें बिछाई गईं थीं लेकिन कुछ ऐसे इलाके थे जहां पाइप लाइन नहीं डाली जा सकी थी। अब अटल नवीकरण और शहर रूपांतरण मिशन 2.0 (अमृत योजना 2.0) योजना के तहत पाइपलाइन विस्तार का कार्य होना है। इके लिए जलनिगम ने 316.68 करोड़ रुपये का प्रोजेक्ट तैयार किया है। इसमें केंद्र सरकार 76.10 करोड़ रुपये, राज्य सरकार 182.64 करोड़ और निकाय की तरफ से 45.66 करोड़ रुपये का अंशदान दिया जाना है। राज्य सरकार 11 फरवरी को बजट पेश करेगी। इस बजट में परियोजना के लिए अपने हिस्से का धन आवंटित करेगी, जबकि केंद्र सरकार से बजट की घोषणा हो चुकी है। अब जल निगम टेंडर प्रक्रिया शुरू करेगा। पाइप लाइन पड़ने से पूरब और पश्चिम क्षेत्र के 33 वार्डों में शुद्ध पेयजल मिल सकेगा। जेएनएनयूआरएम के तहत 869 करोड़ रुपये से पेयजल योजना में 20-20 करोड़ लीटर क्षमता के दो वाटर ट्रीटमेंट प्लांट बनाए गए थे। दोनों प्लांटों से अभी भी छह करोड़ लीटर पानी की ही सप्लाई हो पा रही है। पाइप लाइन बिछ जाने के बाद पानी की आपूर्ति और बढ़ेगी।

- पिछले माह ही शासन ने दे दी थी पेयजल लाइन के प्रोजेक्ट को मंजूरी

### इन मोहल्लों के लोगों को फायदा

- पशुपतिनगर, बसंत बिहार, दामोदरनगर नौबस्ता ईस्ट, उस्मानपुर, कृष्णानगर, गांधीग्राम, श्यामनगर सुजातगंज, केडीए कॉलोनी दहेली सुजानपुर, यशोदानगर वेस्ट, रविदासपुरम, जरौली साउथ, सनिगवां, बर्रा गांव, कर्रही प्रथम, जरौली, पहाड़पुर, छेदी सिंह का पुरवा, बर्रा ईस्ट प्रथम, रतनलालनगर, जरौली नार्थ आदि क्षेत्र लाभांवित होंगे।

# कल्याणपुर से अटल घाट तक आरसीसी ड्रेन

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

**अमृत विचार।** बारिश में जलभराव से निजात दिलाने के लिए नगर निगम ने डीपीएस कल्याणपुर से अटल घाट तक 6.99 किलोमीटर लंबी आरसीसी ड्रेन के निर्माण की परियोजना है। जिसके माध्यम से वर्षा जल को कलेक्शन वेल एवं पम्पिंग सिस्टम द्वारा गंगा नदी में प्रवाहित किया जाएगा। 207.27 करोड़ रुपये की लागत वाला यह प्रोजेक्ट मंजूर हो चुका है। इसके साथ ही जल निकासी और सीवर की समस्या के समाधान के लिए कई और परियोजनाएं तैयार की गई हैं। इन परियोजनाओं को केंद्रीय बजट में धनराशि मिलने की उम्मीद है।

डीपीएस कल्याणपुर से अटल घाट तक प्रस्तावित नाले का कैचमेंट एरिया 26.42 वर्ग किलोमीटर है, जिससे नारामऊ, कल्याणपुर नॉर्थ, विनायकपुर, ख्योरा, नवाबगंज, विष्णुपुरी, गीता नगर एवं ओल्ड कानपुर क्षेत्र लाभान्वित होंगे। इसके साथ ही किदवई नगर बाईपास से पांडु नदी तक प्रस्तावित सीओडी ड्रेन निर्माण परियोजना को भी बजट मिलने की आस जगी है। 6.20 किलोमीटर लंबी आरसीसी ड्रेन का निर्माण करके जलभराव से निाज दिलाने की योजना है। इसके निर्माण में 199.49 करोड़ रुपये खर्च होंगे। इसका कैचमेंट एरिया 18.88 वर्ग किलोमीटर है, जिससे नगर निगम के 26 वार्ड आंशिक रूप से लाभान्वित होंगे तथा लगभग 1.34 लाख की आबादी को प्रत्यक्ष लाभ मिलेगा।

इसी तरह मैनावती मार्ग पर स्थित डीपीएस स्कूल के सामने स्थित नाला जो आशाराम बापू आश्रम के पीछे से होते हुए वाटर पार्क की तरफ जाता है उसका भी निर्माण होगा। इससे मकड़ीखेड़ा नई बस्ती, एनआरआई सिटी, गंगापुर, पहलवानपुरवा समेत आसपास के बड़े क्षेत्र में बरसात में होने वाले भीषण जलभराव से निजात मिलेगी। इन नालों के निर्माण के लिए धन आवंटन होने के आसार हैं क्योंकि केंद्रीय बजट में शहरी इंफ्रास्ट्रक्चर के विकास के लिए बड़े पैमाने पर धन आवंटन किया गया है।

मैनावती मार्ग नाला पक्का होगा। अमृत विचार

**207.27**

करोड़ रुपये की परियोजना जलभराव से निजात दिलाएगी

### अमृत योजना से बिछेंगी सीवर लाइनें

- अमृत योजना- 2 के तहत सात वार्डों में 342 करोड़ रुपये से सीवर लाइन डाली जानी है। इससे पश्चिम क्षेत्र के सात वार्डों की तीन लाख आबादी को सीवर समस्या और जलभराव से निजात मिलेगी। 200 किमी सीवर लाइन डाले जाने की योजना है। साथ ही तीन पंपिंग स्टेशन भी बनेंगे। सीवर के पानी को शोधन के लिए पनका में बने सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट भेजा जाएगा। इसके बाद इसे पांडु नदी में पानी डाला जाएगा।

### बोले लोग

बजट से कर्मचारियों एवं सेवानिवृत्त कर्मियों को घोर निराशा हुई है, कोई मांग पूरी नहीं हुई। लगभग 95 लाख सेवानिवृत्त कर्मियों को बड़ा झटका है। इस बजट से परिवारों को गहरा आघात पहुंचा है। इसपर पुन: विचार करना चाहिए।

**आनंद अवस्थी, महामंत्री, पेंशन फोरम**

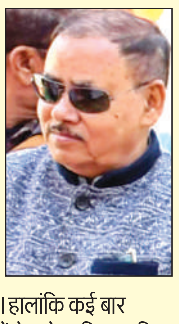

बजट अत्यंत निराशा जनक, ईपीएस 95 की न्यूनतम पेंशन में इस बार भी कोई बढ़ोत्तरी नहीं की गई। हालांकि कई बार केंद्रीय मंत्रियों ने भरोसा दिलाया कि बजट में न्यूनतम पेंशन 7500 रुपये हो जाएगी लेकिन कुछ नहीं मिला।

**अशोक गुप्ता, पूर्व उपमहामंत्री, रोडवेज कर्मचारी संयुक्त परिषद उत्तर प्रदेश**

# विकास का बजट पर जीने को भी तो कुछ चाहिए

कानपुर जैसे टियर-2 शहर में रहने वाला एक बैंक अधिकारी होने के नाते मैं बजट को अपने घर और अपने जैसे मध्यम वर्गीय परिवारों पर उसके असर के आधार पर देखता हूं। यह राहत का बजट नहीं, बल्कि निवेश और विकास का बजट है। सरकार का इंफ्रास्ट्रक्चर और कैपेक्स पर जोर है। सड़कें, रेलवे कॉरिडोर, औद्योगिक हब और एमएसएमई सेक्टर में निवेश का मतलब है कि नौकरियां, व्यापार के मौके और आय में स्थिरता। होम लोन, एमएसएमई लोन और व्हीकल फाइनेंस की मांग इस बजट के बाद बढ़ेगी। स्वास्थ्य क्षेत्र में भी एक ठोस राहत दिखती है। कैंसर और जरूरी दवाओं पर कस्टम ड्यूटी में छूट सीधे-सीधे इलाज की लागत कम करती है। मध्यम वर्ग, जो अक्सर बीमा और बचत के बीच फंसा होता है, उसके लिए यह बेहद व्यावहारिक फायदा है। इनकम टैक्स स्लैब में कोई बदलाव नहीं किया गया है। महंगाई, बच्चों की पढ़ाई, ईएमआई और मेडिकल खर्च लगातार बढ़ रहे हैं, लेकिन टैक्स बोझ वही का वही है। हर साल मध्यम वर्ग से 'देश के विकास में योगदान' की उम्मीद रखना, बिना कोई सीधी राहत दिए, अब थकाने लगा है। इसमें बहुत कुछ सुधार की जरूरत है। पहला सुधार मध्यम वर्ग के लिए टार्गेटेड टैक्स राहत, खासकर शिक्षा, स्वास्थ्य और हाउसिंग पर होनी चाहिए। दूसरा सुधार रिटायरमेंट और लॉन्ग-टर्म सेविंग्स के लिए बेहतर इंसेंटिव। तीसरा सुधार टियर-2 शहरों में सुविधाओं और आधारभूत ढांचे पर ज़्यादा फोकस।

पुलक भट्टाचार्य, पूर्व बैंक प्रबंधक।

# आत्मनिर्भर भारत की दिशा में महत्वपूर्ण कदम

संसद में प्रस्तुत केंद्रीय बजट को आर्थिक स्थिरता, दीर्घकालिक विकास और आत्मनिर्भर भारत की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम के रूप में देखा जा रहा है। यह बजट केवल वर्तमान आवश्यकताओं तक सीमित न रहकर भविष्य की चुनौतियों और अवसरों को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है। सरकार ने स्पष्ट संकेत दिया है कि उसका उद्देश्य विकास की गति बनाए रखते हुए समाज के सभी वर्गों को साथ लेकर आगे बढ़ना है।

बजट में बुनियादी ढांचे के विकास को प्रमुख स्थान दिया गया है। सड़क, रेल, परिवहन और ऊर्जा जैसे क्षेत्रों को मजबूत करने पर विशेष जोर दिया गया है, ताकि देश की आर्थिक गतिविधियों को नई गति मिल सके। बेहतर कनेक्टिविटी से व्यापार, उद्योग और पर्यटन को बढ़ावा मिलने की उम्मीद है, जिसका सीधा लाभ रोजगार सृजन के रूप में सामने आ सकता है।

तकनीक और नवाचार इस बजट के महत्वपूर्ण स्तंभ के रूप में उभरे हैं। सरकार ने आधुनिक तकनीकों को अपनाने, घरेलू उत्पादन को प्रोत्साहित करने और भारत को वैश्विक प्रतिस्पर्धा के लिए तैयार करने की दिशा में अपनी मंशा स्पष्ट की है। इससे युवाओं को नई तकनीकी क्षमताएँ विकसित करने और भविष्य के रोजगार के लिए तैयार होने का अवसर मिलेगा।

कृषि और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को लेकर बजट में सकारात्मक दृष्टिकोण दिखाई देता है। किसानों की आय बढ़ाने, कृषि को लाभकारी बनाने और ग्रामीण क्षेत्रों में आजीविका के नए साधन विकसित करने पर जोर दिया गया है। कृषि से जुड़े सहायक क्षेत्रों को सशक्त करने की दिशा में भी सरकार ने अपनी प्रतिबद्धता दोहराई है, जिससे ग्रामीण विकास को मजबूती मिलेगी।

छोटे और मध्यम उद्योगों को अर्थव्यवस्था की रीढ़ मानते हुए बजट में उनके लिए सहयोग और समर्थन की बात कही गई है। इन उद्योगों के विस्तार से न केवल स्थानीय स्तर पर रोजगार बढ़ेगा, बल्कि देश की उत्पादन क्षमता भी सुदृढ़ होगी। सरकार का मानना है कि उद्यमशीलता को बढ़ावा देकर आत्मनिर्भरता के लक्ष्य को प्राप्त किया जा सकता है।

पर्यावरण संरक्षण और सतत विकास को भी इस बजट में महत्व दिया गया है। विकास के साथ पर्यावरण संतुलन बनाए रखने की आवश्यकता को स्वीकार करते हुए स्वच्छ ऊर्जा और हरित पहलों को आगे बढ़ाने का संकेत दिया गया है। यह दृष्टिकोण आने वाली पीढ़ियों के लिए सुरक्षित भविष्य की नींव रखने में सहायक हो सकता है।

आम नागरिकों के हितों को ध्यान में रखते हुए कर प्रणाली को सरल बनाने और आर्थिक प्रक्रियाओं को पारदर्शी बनाने की दिशा में भी कदम उठाने की बात कही गई है। शिक्षा, स्वास्थ्य और कौशल विकास जैसे सामाजिक क्षेत्रों पर ध्यान देकर मानव संसाधन को सशक्त बनाने का प्रयास इस बजट की एक और महत्वपूर्ण विशेषता है।

अंततः हम कह सकते है यह केंद्रीय बजट एक संतुलित और दूरदर्शी सोच को दर्शाता है। यह विकास, रोजगार, आत्मनिर्भरता और सामाजिक समावेशन के बीच संतुलन बनाने का प्रयास करता है। यदि घोषित नीतियों को प्रभावी ढंग से लागू किया जाता है, तो यह बजट देश की अर्थव्यवस्था को मजबूत आधार प्रदान करने और भविष्य के भारत की दिशा तय करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है।

**• राहुल चंद्रा पूर्व महामंत्री, कानपुर इनकम टैक्स बार एसोसिएशन**

राहुल चंद्रा।

# देश की अर्थव्यवस्था को मजबूती देने वाला बजट

यह बजट भारत को स्मार्ट और सस्टेनेबल मोबिलिटी का ग्लोबल हब बनाने की दिशा में निर्णायक कदम है। बजट में प्रतिस्पर्धात्मकता, रणनीतिक मैन्युफैक्चरिंग और समावेशी विकास पर जोर दिया गया है। रोजगार सृजन और क्षेत्रीय विकास को बढ़ावा मिलेगा। एआई, एडवांस्ड मैन्युफैक्चरिंग, सेमीकंडक्टर, बैटरी सप्लाई चेन, 10,000 करोड़ रुपये का एमएसएमई ग्रोथ फंड और ऊंचा कैपेक्स ईवी इकोसिस्टम को मजबूती देंगे। ऐसे में यदि कहें कि विकसित भारत 2047 के लक्ष्य की दिशा में यह बजट स्पष्ट रोडमैप देता है। साथ ही एमएसएमई व इंडस्ट्रियल क्लस्टर पर फोकस लोकलाइजेशन और स्किलिंग को मजबूती प्रदान करने में अहम भूमिका निभाएंगे। यह बजट देश के लंबे समय के विकास को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है। किसानों के हितों का भी ध्यान रखा गया है, जिससे ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलेगी। इंफ्रास्ट्रक्चर पर विशेष फोकस किया गया है। इससे अर्थव्यवस्था के लिए मजबूत आधार तैयार होगा। हाई स्पीड रेल कॉरिडोर से कनेक्टिविटी मजबूत होगी। बजट आत्मनिर्भर भारत की दिशा में बड़ा कदम है, जो आने वाले समय में भारत को और मजबूत बनाएगा। फ्रेट और लॉजिस्टिक्स नेटवर्क पर जोर से सड़कों पर वाहनों का उपयोग बढ़ेगा।

**• सुरेंद्र गुप्ता गोल्डी संस्थापक चेयरमैन, गोल्डी समूह**

सुरेंद्र गुप्ता गोल्डी।

# लेदर को दोहरा लाभ, एफटीए के बाद उत्पाद कॉस्ट भी कम

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

**अमृत विचार।** शहर के लेदर सेक्टर से जुड़े निर्यातकों को बजट से दोहरी सहूलियत मिली है। लेदर से जुड़े कच्चे माल पर कस्टम ड्यूटी परिवर्तित होने से अब उन्हें विदेशी प्रोडक्ट के मुकाबले कम कीमत पर अपने उत्पादों को ऑफर करने की सहूलियत मिली है। निर्यात विशेषज्ञों का मानना है कि इससे एफटीए वाले देशों में शहर के लेदर प्रोडक्ट की और अधिक पकड़ बन सकेगी।

शहर में लेदर सेक्टर से जुड़ा लगभग 65 सौ करोड़ रुपये का निर्यात कारोबार है। हाल ही में इस सेक्टर को एफटीए के रूप में कई देशों में सस्ता उत्पाद उतारने की सहूलियत मिली थी। यूरोपीय संघ से हुए मदर ऑफ एफटीए के तुरंत बाद कच्चे माल की आवक पर लगने वाले टेक्स में छूट मिलने के बाद अब उत्पादों की कॉस्ट भी कमी इस निर्णय के बाद बताई जा रही है। ऐसे में निर्यात विशेषज्ञों का मानना है कि लेदर सेक्टर से जुड़े निर्यातक नई बाजार में एफटीए की सहूलितयत के अलावा भी कम कॉस्ट के उत्पाद विदेशी खरीदार को ऑफर कर सकेंगे। इससे विदेशी खरीदार उत्पादों की ओर अधिक आकर्षित हो सकेंगे। कम कीमत में मिलने वाले उत्पादों की बाजार भी एफटीए के देशों में अधिक हो सकेगी। फेडरेशन ऑफ इंडियन एक्सपोर्ट ऑग्रनाईजेशन के सहायक निदेशक आलोक श्रीवास्तव ने बताया कि बजट में कच्चे माल पर इंपोर्ट ड्यूटी पर हुई घोषणा से उत्पादों की कीमत पर सीधा असर पड़ेगा। अमेरिका के लगाए टैरिफ के बाद जब निर्यातक नई विदेशी बाजार तलाश रहे हैं ऐसे में यह छूट राहत भरी है।

| | |
|---|---|
| **65** सौ करोड़ रुपये का सालाना निर्यात | **02** लाख लोगों को यह सेक्टर सीधे दे रहा रोजगार |
| **129** छोटे निर्यातक शहर से कर रहे कारोबार | **25** हजार कुशल कारीगर युनिट्स से सीधे जुड़े |
| **08** सौ बड़े निर्यातक लेदर कारोबार से जुड़े | **220** युनिट्स लेदर सेक्टर के निर्यात से सीधे जुड़ीं |

### मंदी होगी दूर, बढ़ेगा उत्पाद

- बजट से मिली दोहरी सहूलियत से शहर के चमड़ा उद्योग में टैरिफ के बाद की मंदी दूर होने की संभावना जताई जा रही है। विशेषज्ञ मान रहे हैं कि इसमें लगभग सालभर का समय लगेगा बावजूद इसके लेदर यूनिट्स में उत्पाद तेज होगा। शहर के उत्पादों के विदेशी ऑर्डर बढ़ने से युनिट्स में उत्पादन भी अधिक होगा। इससे युनिट्स और एक्सपोर्ट मार्केट में रोजगार के अवसर भी बढ़ सकते हैं।

### घरेलू बाजार में फायदा

- लेदर सेक्टर से जुड़े विशेषज्ञों का यह भी मानना है कि लेदर के कच्चे माल से उत्पादों की कीमत में 2 फीसदी तक की कमी आंकी जा रही है। यह कमी कितनी होगी यह तो बजट से मिली छूट का पैमाना सामने आने के बाद ही साफ हो सकेगा।

### निर्यात अवधि बढ़ी

- निर्यातकों को अब कच्चे माल का आयात करने के बाद उससे तैयार उत्पादों के निर्यात की समय सीमा भी 6 महीना अतिरिक्त मिल सकेगी। बजट से पहले सिर्फ छह महीने ही थी। इस सहूलियत से छोटे निर्यातकों को बड़ा फायदा माना जा रहा है। नए विदेशी बाजार की तलाश कर रहे ऐसे छोटे निर्यातक जिनके पास संसाधनों की कमी की वजह से तय समय पर वे निर्यात ऑर्डर पूरा नहीं भेज पाते थे वह भी अब हाथ से फिसल रहे ऑर्डर हासिल कर सकेंगे।

“यह बजट दूरदर्शी है। इससे उद्योगों को लाभ होगा। कैंसर जैसी गंभीर बीमारियों के लिए दवाओं को सस्ता करने का फैसला बहुत ही सराहनीय है। सरकार ने प्रत्येक वर्ग को खुश करने का फैसला किया है।

**– पुष्कर विश्नोई, सीए**

सरकार ने शिक्षा, चिकित्सा, उद्योग, कारोबार हर सेक्टर का ध्यान रखा है। यह बजट बहुत ही दूरदर्शी है। सरकार ने रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने के लिए बड़ा कदम उठाया है। यूं कहें तो यह सर्वजन हिताय वाला बजट है।

**–सोमदत्त अग्निहोत्री, महंत हनुमान मंदिर कलक्टरगंज**

भविष्य का बजट है। एमएसएमई के लिए 10 हजार करोड़ के प्रावधान से एमएसएमई सेक्टर के उद्योगों को लाभ मिलेगा। बाजार की उत्पादन क्षमता बढ़ेगी। युवाओं को रोजगार के अवसरों के खुलने का लाभ हासिल होगा।

**– अमन घई, उद्यमी**

“गंभीर बीमारियों के उपचार के लिए दवाओं को सस्ता किया जाना बड़ा कदम है। उद्योग, कारोबार, युवा सबके हित वाला बजट है। हाईस्पीड कॉरिडोर का फैसला तो बहुत ही अच्छा है। बजट शानदार है।

**– अमित नारायण, सीएमडी, नारायना मेडिकल कॉलेज**

बजट में उच्च शिक्षा और केंद्रीय विश्वविद्यालयों के लिए बढ़ा हुआ आवंटन शोध एवं नवाचार के लिए सकारात्मक संकेत है। इससे विश्वविद्यालयों में अधोसंरचना, शोध परियोजनाओं और अकादमिक गुणवत्ता को नई गति मिलेगी।

**–दिनेश यादव, शोध छात्र, वीएसएसडी कॉलेज**

राहत | उद्यमियों ने कहा, इंफ्रास्ट्रक्चर सुधरने पर राह होगी और आसान

# कॉरपोरेट मित्र से एमएसएमई की कठिनाई होगी दूर

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

**अमृत विचार।** बजट में एमएसएमई सेक्टर के लिए कॉरपोरेट मित्र जैसी योजनाओं को उद्यमियों ने लाभकारी बताया। इसके अलावा 'चैंपियन' और आत्म निर्भर भारत कोष सहित अन्य योजनाओं के जरिए एमएसएमई सेक्टर की कठिनाईयां दूर करने की बात कही गई। बताया कि एमएसएमई सेक्टर सीधेतौर पर निर्यात कारोबार से भी जुड़ा है। ऐसे मे उस सेक्टर से जुड़ी सहूलियत का भी इस सेक्टर को लाभ होगा।

शहर में लगभग सवा लाख इकाइयां एमएसएमई सेक्टर की हैं। इनमें लगभग 40 फीसदी निर्यात कारोबार से जुड़ी हैं। उद्यमियों ने कहा कि यदि बजट में सभी घोषणाओं की समीक्षा की जाए तो इस सेक्टर के लिए प्रत्यक्ष व अप्रत्यक्ष रूप से काफी कुछ मिला है। खासतौर पर कॉरपोरेट मित्र का ऐलान होने के बाद अब इस सेक्टर में उत्पादक और बाजार के बीच के गैप को भरा जा सकेगा। कॉरपोरेट मित्र के जरिए अब सरकार की ओर से तैयार किया गया एक दस्ता तैयार करेगी।

जो उत्पादक की बाजार संबंधी समस्याओं का समाधान करेगा। सेवा क्षेत्र के लिए 'सेवा से रोजगार और उद्यम' पर भी फोकस है। जिससे नए उद्यमी इस सेक्टर में उभर सकेंगे। यहां पर निर्यात से जुड़ी सहूलियत मिलने पर पैकेजिंग और सर्विस सेक्टर को लाभ होगा।

“एमएसएमई सेक्टर किसी भी औद्योगिक शहर की रीढ़ होती है। इस बार निर्यात को काफी प्रोत्साहित किया गया है। उसका असर सीधेतौर पर एमएसएमई सेक्टर पर पड़ेगा। इसके अलावा कॉरपोरेट मित्र जैसी योजनाएं दूरगामी लाभ देंगी।

**–अंकुर अंशवानी, उद्यमी**

“शहर के एमएसएमई सेक्टर में सर्विस सेक्टर को इस बजट से लाभ होगा। सर्विस सेक्टर में काफी संभावनाएं हैं, अब सरकार का भी फोकस है। इसके अलावा अन्य सेक्टर की बात की जाए तो उत्पादन व रोजगार शहर में बढ़ेगा।

**–शुभांग गुप्ता, उद्यमी**

“बजट के प्रावधान शहर में एमएसएमई सेक्टर में नए उत्पादों का उत्पादन करने के लिए प्रोत्साहित करेगी। कई नए युवा भी अपना कारोबार आसानी से शुरू कर सकेंगे। इससे इस सेक्टर का विस्तार हो सकेगा।

**–प्रणव चावला, उद्यमी**

“शहर में एमएसएमई सेक्टर की सबसे बड़ी समस्या बाजार का न मिलना है। कॉरपोरेट मित्र जैसी योजनाओं से अब आसानी से बाजार हासिल हो सकेगा। उद्यमी को राय मिल सकेगी। नए उद्यमी भी उभर सकेंगे। खासतौर पर युवा उद्यमियों की राह शहर में ही आसान हो सकेगी।

**–मंजरी गुप्ता, उद्यमी**

## सिटी ब्रीफ

### रालोद में नरेंद्र क्षेत्रीय अध्यक्ष मनोनीत

**कानपुर।** राष्ट्रीय लोकदल उत्तर प्रदेश ने कानपुर के नरेंद्र यादव को उनके सामाजिक कार्य को देखते हुए उन्हें क्षेत्रीय अध्यक्ष मनोनीत किया है।

### सरिता पांडेय प्रदेश सचिव मनोनीत

**कानपुर।** युवा लोक जनशक्ति पार्टी (राम विलास) के प्रदेश अध्यक्ष सिद्धिनाथ मिश्रा (सिद्धांत) ने केशवपुरम निवासी सरिता पांडेय को प्रदेश सचिव मनोनीत किया गया है।

### दहेज लोभी नशेड़ी पति ने पत्नी का सिर फोड़ा

**कानपुर।** नौबस्ता थाना क्षेत्र में पीड़िता आयशा उर्फ इरशा ने पति रफी उर्फ शाका व सास नफीसा पर दहेज प्रताड़ना और मारपीट की रिपोर्ट दर्ज कराई है। बताया कि उसकी शादी 6 मार्च 2021 को हुई थी और शादी के बाद से पति नशा करता है तथा मायके से रुपए लाने का दबाव बनाता था। अपराधिक गतिविधियों में लिप्त है। आरोप है कि 30 जनवरी को नशे में विवाद के दौरान पति ने डंडे से सिर पर वार कर उसे घायल कर दिया। सूचना पर पुलिस आरोपी को थाने ले गई। मामले की जांच जारी है।

### निर्माणाधीन मकान से सामान चोरी

**कानपुर।** बर्रा थाना क्षेत्र के विश्व बैंक कॉलोनी स्थित एक निर्माणाधीन मकान से चोरों ने औजार व बिजली का सामान पार कर दिया। पुलिस ने मामले में एफआईआर दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। मूलरूप से जाजमऊ निवासी आनंद पहारिया के अनुसार 24 जनवरी 2026 की शाम करीब 6:30 बजे वह मकान पहुंचे तो बड़े कमरे का ताला टूटा मिला। अंदर अलमारी खुली थी और ड्रिल मशीन, पत्थर कटिंग मशीन, पंखा व बिजली के तार सहित अन्य सामान गायब था। पुलिस चोरों की तलाश कर रही है।

### तलवार लहराते हिस्ट्रीशीटर का वीडियो वायरल

**कल्याणपुर।** पनकी में 26 जनवरी को निकाली गई एक रैली का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। वायरल वीडियो में रैली के आगे चल रही बाइक पर पीछे बैठा पनकी थाने का हिस्ट्रीशीटर खुलेआम तलवार लहराते हुए दिखाई दे रहा है। साथ ही रैली में शामिल कई बाइक सवार यातायात नियमों की भी अनदेखी करते हुए नजर आ रहे हैं। रैली में शामिल किसी युवक ने यह वीडियो बना अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर अपलोड कर दिया। पनकी थाना प्रभारी ने बताया कि वायरल वीडियो की जांच कर विधिक कार्रवाई की जाएगी।

### बोर्ड परीक्षा की तैयारी

**कानपुर।** यूपी बोर्ड परीक्षा की तैयारी जिले में शुरु हो गई है। इन तैयारियों में सोमवार को परीक्षा के दौरान केंद्र का कार्य संभाल रहे केंद्र व्यवस्थापको को प्रशिक्षण दिया गया। इस दौरान परीक्षा के समय जरूरी नियम भी बताए गए। जीआईसी सभागार में हुई इस बैठक में जिले के 124 केंद्र व्यवस्थाक शामिल हुए।

# तेज रफ्तार लोडर ने पति-पत्नी को रौंदा, मौत

## चकेरी के मंगलाविहार अंडरपास के पास हुआ हादसा, चालक लोडर छोड़कर हुआ फरार, पुलिस कर रही तलाश

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

**अमृत विचार।** चकेरी थाना क्षेत्र के मंगलाविहार अंडरपास के पास रविवार देर शाम जेठ के घर जा रहे बाइक सवार दंपति को तेज रफ्तार लोडर ने रौंद दिया। हादसे में जहां पति की मौके पर ही मौत हो गई वहीं पत्नी ने अस्पताल में उपचार के दौरान दम तोड़ दिया। घटना के बाद परिवार में चीखपुकार मच गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव पोस्टमार्टम भेज दिया।

22 चकेरी चकेरी सनिगवां निवासी चंद्रपाल सिंह यादव (43) रूमा स्थित फैक्टरी में काम करते थे। बेटे आशीष ने बताया कि पिता, मां अनीता देवी (40) के साथ रविवार देर शाम बर्रा के दामोदर नगर में रहने वाले अपने जेठ नवल किशोर के घर जा रहे थे। अभी माता पिता मंगला विहार बड़ी पुलिया अंडरपास के पास पहुंचे ही थे कि तभी रामादेवी की ओर से जा रहे तेज रफ्तार लोडर ने पीछे से बाइक में टक्कर मार दी।

राहगीरों के शोर मचाने पर चालक पकड़े जाने के डर से दंपती को रौंदते भागने लगा। इस दौरान चंद्रपाल की मौके कर ही मौत हो गई, जबकि अनीता को नाजुक हालत में कांशीराम अस्पताल भेजा गया। वहां डॉक्टर ने हैलट रेफर कर दिया। वहां उपचार के दौरान महिला ने कुछ देर बाद दम तोड़ दिया। चकेरी इंस्पेक्टर अजय प्रकाश मिश्रा ने बताया कि चालक लोडर छोड़कर भाग निकला है। परिजनों की तहरीर मिलने पर रिपोर्ट दर्ज की जाएगी।

## नशेबाजों की दबंगई, मेट्रो मार्शल को पीटा, कार चढ़ाने का प्रयास

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- थाना बर्रा की जनता नगर चौकी के पास की घटना, वीडियो में दिखी गुंडई
- पकड़ने के बाद आरोपित को चौकी से छोड़े जाने का भी आरोप लगाया

**अमृत विचार।** साउथ सिटी में लगातार गुंडई जारी है जिसकी बानगी बर्रा और किदवई नगर क्षेत्र में बीते दिनों हुई घटनाओं मे दिखी। इसके बाद भी असामाजिक तत्वों के हौसले पस्त नहीं हुए हैं। कानून व्यवस्था पर सवाल खड़े करते हुए शुक्रवार देर रात जनता नगर चौकी के पास नशे में धुत कार सवार युवकों ने खुलेआम उत्पात मचाया। बैरीकेटिंग हटाने के विवाद में निर्माणाधीन मेट्रो में तैनात मार्शल को बेरहमी से पीटा गया और उस पर कार चढ़ाने तक की कोशिश की गई, जिससे मौके पर अफरा-तफरी मच गई। वहीं जब पकड़े गए आरोपी को बिना कार्रवाई के चौकी से छोड़ दिया गया, तो पीड़ित ने ऑनलाइन शिकायत दर्ज कराई है।

नौबस्ता हंसपुरम निवासी अनमोल गुप्ता ने बताया कि वह शास्त्री चौक पर ड्यूटी पर तैनात थे। मेट्रो निर्माण कार्य के चलते बर्रा की ओर जाने वाले वाहनों को डायवर्ट किया जा रहा था। रात करीब 12:30 बजे एक कार में सवार चार युवक पहुंचे और बैरीकेड हटाकर जाने की जिद करने लगे। मना करने पर गाली-गलौज शुरू कर दी। दो युवक कार से उतरकर जबरन बैरीकेडिंग हटाने लगे। रोकने पर मारपीट शुरू कर दी। शोर सुनकर सुरक्षा में तैनात गार्ड बचाव को आया तो उसे भी पीटा गया। गार्ड ने घटना का वीडियो बनाने की कोशिश की, लेकिन आरोपितों ने मोबाइल छीनकर सड़क पर पटक दिया, जिससे वह टूट गया। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक युवक काफी देर तक हंगामा करते रहे। जाते-जाते आरोपितों ने कार तेजी से आगे बढ़ाकर दोनों को टक्कर मारने की कोशिश की, लेकिन वे किनारे हटकर बच गए। पीड़ित का आरोप है कि पुलिस एक युवक को पकड़ने के बाद में बिना कार्रवाई छोड़ा दिया। न मेडिकल परीक्षण कराया गया और न ही तत्काल मुकदमा दर्ज हुआ। पीड़ित ने ऑनलाइन शिकायत दर्ज कर न्याय की गुहार लगाई है। बर्रा थानाप्रभारी रवींद्र कुमार श्रीवास्तव ने कहा कि मामला जानकारी में नहीं है। मुकदमा दर्ज कर आरोपितों पर विधिक कार्रवाई की जाएगी।

नए वाहनों को रवाना किया गया। अमृत विचार

# पुलिस को मिले 20 नए दोपहिया वाहन

**कानपुर।** यूपी-112 आपात सेवाओं के अंतर्गत कमिश्नरेट कानपुर पुलिस को त्वरित सेवाओं के लिए दोपहिया एवं चारपहिया वाहन उपलब्ध कराए गए थे, जो वर्तमान में सक्रिय रूप से कार्यरत हैं। कमिश्नरेट कानपुर के पास पूर्व में 46 दोपहिया वाहन थे, अब 20 नए दोपहिया वाहन और प्राप्त हुए हैं। इस प्रकार अब कुल 66 दोपहिया वाहन उपलब्ध हो गए हैं।ये वाहन त्वरित गति से किसी भी स्थान पर आसानी से एवं शीघ्रता से पहुंच सकते हैं, जिससे आमजनमानस की शिकायतों को तुरंत अटेंड करने में सहायता मिलेगी। यूपी-112 का मोटो त्वरित पुलिस आपके द्वार को प्रभावी रूप से लागू करने में ये वाहन पूर्णतः सहायक सिद्ध होंगे।

# सवर्ण समाज के हितों के लिए बनी कमेटी

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- यूजीसी के नए नियम में संशोधन करने और सवर्ण आयोग गठन करने की हुई मांग
- राष्ट्रीय अध्यक्ष ज्ञानेश मिश्र व राष्ट्रीय वरिष्ठ महामंत्री संतोष अवस्थी बनाए गए

**अमृत विचार।** शहर से सवर्ण आयोग की मांग उठाई गई है। इसके लिए एक कमेटी का भी गठन किया गया है। राष्ट्रीय स्तर की इस कमेटी ने यूजीसी के नए नियमों में संशोधन के लिएभी संघर्ष करने का आह्वान किया है। सवर्ण स्वाभिमान समिति के राष्ट्रीय अध्यक्ष ज्ञानेश मिश्र व राष्ट्रीय वरिष्ठ महामंत्री संतोष अवस्थी बने हैं। सम्मेलन में जल्द ही जिलास्तरीय कमेटियों का गठन किए जाने की बात कही गई है।

कमेटी का पहला संवाद किदवई नगर में हुआ। इस दौरान अन्य शहरों से भी सवर्ण समाज से जुड़े कई संगठन के लोग शामिल हुए। इस दौरान राष्ट्रीय अध्यक्ष व राष्ट्रीय वरिष्ठ महामंत्री के साथ ही राष्ट्रीय महामंत्री लखनऊ से कुलदीप तिवारी व कानपुर से संजय सिंह भदौरिया, राष्ट्रीय वरिष्ठ उपाध्यक्ष बुन्देलखण्ड से बनवारी लाल गुप्ता व राष्ट्रीय उपाध्यक्ष बरेली से अनिल अग्रवाल और राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष कानपुर से मनीष गुप्ता सलोने बनाए गए। संवाद व पंचायत में मनोनीत किये गये सवर्ण स्वाभिमान समिति के राष्ट्रीय अध्यक्ष ज्ञानेश मिश्र ने कहा कि आजादी की लड़ाई से लेकर देश की अर्थव्यवस्था को पटरी पर ले जाने का कार्य सवर्ण समाज के लोगों ने किया है। वर्ष 2026 में दुनिया कितनी आगे बढ़ रही है और ऐसे में हम भारत के लोगों को अभी भी वर्ण व जाति में बांटा जा रहा है। हम बंटना नहीं चाहते हैं लेकिन यूजीसी के नए नियमों ने हमें बदलाव होना चाहिए इसके लिए सवर्ण समाज को एक होना होगा। कार्यक्रम में अशोक शुक्ला , कमल त्रिपाठी, केके गुप्ता , नितिन अग्निहोत्री , जितेंद्र सिंह, अरविंद गुप्ता, शरद गुप्ता,सुयश त्रिवेदी ,पवन गौड़ ,सुशील तोमर सहित अन्य मौजूद रहे।

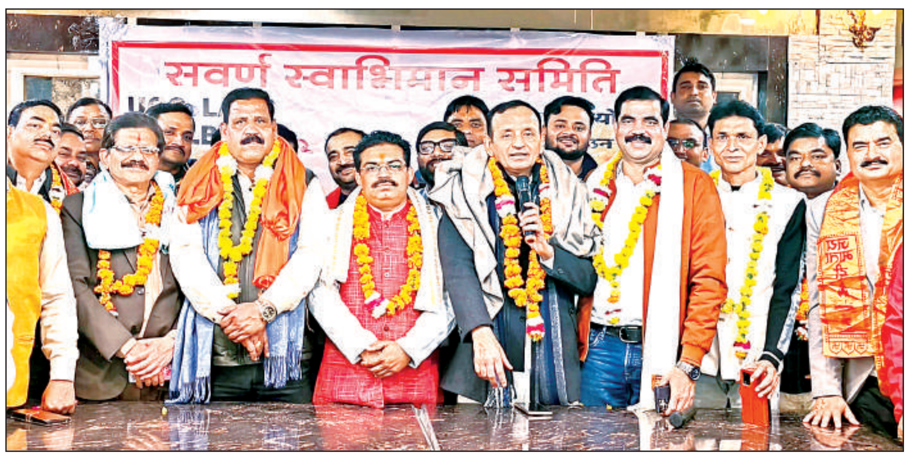


सवर्ण स्वाभिमान समिति के पदाधिकारी बनाए गए। अमृत विचार

# कल्याणपुर में दबाव में नहीं आए पंडित जी, फिर बैठक और चर्चा

विशेष संवाददाता, कानपुर

- कल्याणपुर के गुबा गार्डन में जुटे ब्राह्मण समाज के लोग, इस बार महिलाएं भी आईं
- भाजपा के दो पदाधिकारी भी मौजूद रहे, स्वयं सेवक संघ से जुड़े लोगों ने भी की शिरकत

**अमृत विचार।** भारी दबाव के बावजूद कल्याणपुर क्षेत्र में ब्राह्मण एकत्रीकरण जारी है। इस बार तो महिलाएं भी बड़ी संख्या में मौजूद रहीं। भाजपा के दो पदाधिकारी, स्वयं सेवक, उद्यमी और कारोबारी भी शामिल हुए। सम्मेलन खुले पार्क में हुआ। चोखा-बाटी की दावत के बीच ब्राह्मण एकता पर ज़ोर दिया गया और कहा गया कि राजनीति में बड़ी हिस्सेदारी ज़रूरी है।

यूजीसी के नए नियमों पर चर्चा हुई और सुप्रीम कोर्ट से मिली राहत पर ख़ुशी जताई गई। कहा गया कि एकता रही तो कहीं कोई उपेक्षा नहीं कर सकता। संस्कारों के पालन पर बल दिया गया। अपने बच्चों को इसकी शिक्षा दी जाए। राजनीतिक दलों तक ज़रूर यह बात पहुंचाई जाए कि इस बार ब्राह्मण को टिकट दिया जाए। इस क्षेत्र में 35 साल से कोई ब्राह्मण विधायक नहीं हुआ। बताया जाता है कि क्षेत्र में ब्राह्मण सम्मेलन रोकने के लिए भारी दबाव बनाया गया लेकिन बात नहीं बनी। कुछ बड़े नेता नहीं शामिल हुए, जो पिछली बैठकों में अगुवाकार थे। इसमें विधानसभा का चुनाव लड़ चुके नेता भी हैं जो नहीं आए। पार्षद भी नदारद रहे। संघ से जुड़े लोगों को भी ऐसे सम्मलेन से दूर रहने की हिदायत दी गई थी। यह बैठक एक स्कूल में होनी थी, लेकिन एनवक्त पर स्थान बदल दिया गया। उल्लेखनीय है कि इस बार जिले के दो भाजपा पदाधिकारी दूसरे जिले के एक सांसद के जनसंपर्क अधिकारी के अलावा सपा के नेता भी शामिल हुए। यह भी कहा जा रहा है कि भाजपा के दो पदाधिकारियों को जानबूझकर भेद लेने के लिए भेजा गया था। खास बात यह कि इन सम्मेलनों का प्रचार नहीं किया जाता। अब तक आठ बैठकें हो चुकी हैं।

### चूना छिड़कने से इंकार किया

- बताते हैं कि सम्मेलन स्थल के आसपास सफाई और चूना छिड़काव के लिए नगर निगम के सफाई कर्मचारी से आयोजकों ने संपर्क किया, लेकिन उसने हाथ खड़े कर दिए। इसके बाद आयोजकों ने खुद इसका इंतज़ाम किया। अब अगली बैठक फिर किसी खुले स्थान पर होगी।

कुजीन रेस्टोरेंट का शुभारंभ हुआ। अमृत विचार

## कुजीन रेस्टोरेंट की हुई शुरुआत

**कानपुर।** शास्त्री नगर स्थित प्रभु आस्था अपार्टमेंट में कुजीन रेस्टोरेंट की शुरुआत हुई। कार्यक्रम की शुरुआत मुख्य अतिथि अजित अग्रवाल, मैनेजर एसजीएम इंटरनेशनल स्कूल एवं सेक्रेटरी वात्सल्य न्यास तथा कृष्ण कुमार दुबे, महामंत्री कानपुर स्कूल्स वेलफेयर एसोसिएशन ने किया। इस दौरान रेस्टोरेंट में उपलब्ध भोजन की गुणवत्ता की सराहना की। इस मौके पर बताया गया कि रेस्टोरेंट में बिना किसी प्रिज़र्वेटिव, कृत्रिम रंगों अथवा हानिकारक तत्वों के पूरी साफ-सफाई से तैयार किए गए स्वच्छ एवं पौष्टिक भोजन तैयार होता है। कार्यक्रम में संचालक रोहित शर्मा, सोनाली शर्मा, सुमित अग्रवाल व रीतिका अग्रवाल मौजूद रहे।

## मनरेगा सम्मेलन में कानपुर की मजबूत भागीदारी

**कानपुर।** लखनऊ में प्रदेश स्तरीय संविधान संवाद एवं राज्य स्तरीय मनरेगा सम्मेलन में कानपुर की मजबूत भागेदारी रही। निर्णय लिया गया कि 13 फरवरी को प्रदेश के हर जिले में मनरेगा के मुद्दे पर बड़ी पदयात्रा का आयोजन होगा और उसके बाद 17 फरवरी को लखनऊ में विधानसभा का घेराव भी किया जाएगा।

सोमवार को लखनऊ स्थित कांग्रेस प्रदेश मुख्यालय पर आयोजित सम्मेलन में कानपुर महानगर अध्यक्ष पवन गुप्ता की अगुवाई में काफी संख्या में कांग्रेसजन लखनऊ पहुंचेसम्मेलन में संविधान और हक की रक्षा के लिए हुंकार भरी गई।

# जीएमसी लॉबी में मेन्स यूनियन का प्रदर्शन

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

**अमृत विचार।** ऑल इंडिया रेलवे मेन्स फेडरेशन के महामंत्री कामरेड आरडी यादव के आह्वान पर सेंट्रल शाखा कानपुर ने जीएमसी लॉबी पर अपनी विभिन्न मांगो को लेकर विरोध प्रदर्शन किया।

सोमवार को आयोजित विरोध प्रदर्शन की अध्यक्षता प्रयागराज मंडल के अध्यक्ष मनोज त्रिपाठी जबकि संचालन कार्यकारी अध्यक्ष ब्रिज मोहन माथुर ने की। मुख्य वक्ता शाखा मंत्री कामरेड महेंद्र यादव ने राष्ट्रीय मांगों को लेकर सरकार के रूख से नाराजगी जताते हुए सरकार से लंबित मांगों को पूरा करने की बात कही। मांग की गई कि 8वें पे कमीशन को समय से लागू किया जाए।

शाखा अध्यक्ष मान सिंह, संयुक्त शाखा सचिव राजकुमार, सहायक शाखा मंत्री पीसी चौधरी, उपाध्यक्ष आशीष और एजीएम मेम्बर हर्षित गुप्ता, महेंद्र यादव, अमन श्रीवास्तव, नबी उल्लाह, अनिल राजेश, वेद प्रकाश, सोनू यादव, अनूप अभिषेक, राजदीप आदि मौजूद रहे।

प्रदर्शन करते कर्मचारी। अमृत विचार

समस्या

जूही खलवा पुल पर भीषण जाम में फंसे कई स्कूली वाहन

# ऐसा कोई बचा नहीं, जिसे जाम ने जकड़ा नहीं

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- टाटमिल का जाम अफीमकोठी पहुंचा, यू टर्न बना मुसीबत

**अमृत विचार।** सोमवार को अचानक यातायात का दबाव बढ़ गया जिससे दिनभर लाखों लोग परेशान रहे। मुख्य मार्ग छोड़कर जिन लोगों ने गलियों, तंग रास्तों से निकलने की कोशिश की, वहीं फंसकर रह गये। दोपहर में तो पूरे शहर का बुरा हाल हो गया। उन रास्तों पर घंटों लोग फंसे रहे, जहां कभी जाम ही नहीं लगा। जाम को यू टर्न ने और विकराल बनाया।

अपने शहर में चौराहों का जाम छुड़ाने के लिए चौराहे से 50 से 100 मीटर की दूरी पर यू टर्न बना दिया गया है, आप यू टर्न लोकर चलिए लेकिन ये ये टर्न अब मुसीबत बन चुका है। दोपहर 2 बजे जूही खलवा पर भीषण जाम लगा जिसमें हजारों एक दूसरे में उलझे रहे। इसी जाम में कई स्कूली बसें भी फंसी रही। टाटमिल पर तो ऐसा भीषण जाम लगा कि ये जाम अफीम कोठी चौराहा तक पहुंच गया। यहां टाटमिल चौराहा पार करने में लोगों को एक एक घंटे का समय लगा। अफीम कोठी चौराहा बंद है, ऐसे में पेट्रोल पंप के सामने से यू टर्न लेकर ही कोई जूही ढाल की ओर जा सकता है। ये यू टर्न अब मुसीबत बन चुका है। हर्ष नगर में पेट्रोल पंप के सामने का रास्ता बंद कर दिया गया है, अब आप बीएनएसडी शिक्षा निकेतन के सामने से यू टर्न लेकर ही चुन्नीगंज की ओर जा सकेंगे। इस मार्ग पर बजरिया में दो ऐंबुलेंस फंसी रही। इसी प्रकार जरीब चौकी चौराहा का चारों ओर से बेरीकेडिंग करके अफीम कोठी की ओर धर्मकांटा के सामने से यू टर्न लेकर ही कोई जरीब चौकी क्रासिंग या जीटी रोड पर जा चल सकता है, अब इस यू टर्न पर भीषण जाम लग रहा है। ऐसे ही जरीब चौकी मुख्य मार्ग के जाम से बचने के लिए हजारों लोगों ने लेनिन पार्क होकर निकलने की कोशिश की तो ये रुट भी जाम हो गया।

इसी प्रकार संगीत टाकीज के सामने से लेनिन पार्क तक वाहन रेंगते रहे। घनी आबादी वाले क्षेत्र रुपम चौराहा से पानी की टंकी, रहमानी मार्केट, तलाक महल होते हुए यतीमखाना जाने वाला मार्ग बुरी तरह ई रिक्शों की अराजकता से जकड़ा रहा। रुपम से दलेलपुरवा, इफ्तिखाराबाद, लाटूश रोड, सादिक शाह बाबा रोड भी बुरी तरह जाम में कई घंटे जकड़ा रहा।

परेड में लगा भीषण जाम। अमृत विचार

## एयरफोर्स अधिकारी से मारपीट कर तोड़ी चेन

**कल्याणपुर।** भारतीय वायुसेना के अधिकारी ने एक युवक पर मारपीट करने व गले में पड़ी चेन तोड़ने का आरोप लगाते हुए दो माह बाद रावतपुर थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है। घटना के बाद पीड़ित ड्यूटी पर चला गया था।

मूलरूप से जालौन के जगमनपुर गांव निवासी सुबोध कुमार मिश्रा भारतीय वायु सेना में वारंट ऑफिसर के पद पर जम्मू-कश्मीर के पुलवामा में तैनात है। सुबोध के मुताबिक वह एक दिसंबर 2025 को छुट्टी पर कानपुर आए थे। इस दौरान वह एक मित्र के साथ विजय नगर जा रहे थे। तभी रास्ते में रास्ते एक दुकान पर वह सिगरेट लेने के लिए रुके, जहां मौजूद नशे में धुत एक युवक बेवजह उनके साथ गाली गलौज करने लगा। विरोध करने पर आरोपी ने मारपीट कर उनके गले में पड़ी सोने की चेन तोड़ ली थी। घटना के बाद वह ड्यूटी पर चले गए। वापस छुट्टी पर आने के बाद उन्होंने मामले की शिकायत पुलिस आयुक्त से की।

# टेंट हाउस व्यापारी के पिता ने की आत्महत्या

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- चकेरी थाना क्षेत्र के केडीए कालोनी की घटना

**अमृत विचार।** चकेरी थाना क्षेत्र में टेंट हाउस व्यापारी के पिता ने सोमवार सुबह फंदा लगाकर जान दे दी। परिजनों ने शव लटकते देखा तो पुलिस को सूचना दी। पुलिस व फॉरेंसिक टीम ने जांच कर शव पोस्टमॉर्टम भेज दिया।

केडीए कालोनी देहली सुजानपुर निवासी सूर्यकांत झा (57) ने सोमवार सुबह फंदा लगाकर जान दे दी। परिजनों के अनुसार बेटा गोविंद टेंट हाउस चलाता है वहीं पिता ई-ऑटो रिक्शा चालक थे। परिवार में पत्नी अनिला, बेटी ज्योति व आरती हैं।

भांजे शिवशंकर झा ने बताया कि रविवार रात मामा ने परिवार के अन्य सदस्यों के साथ खाना पीना खाया। इसके बाद अपने कमरे में सोने चले गए। उस वक्त भी किसी प्रकार का कोई तनाव जैसा कुछ नहीं लगा। देर रात भी मामी ने मामा को बिस्तर पर सोते पाया। तब भी कहीं कोई बात नहीं थी। सुबह 4.30 बजे के बाद उन्होंने गलत कदम उठा लिया। फंदे पर शव लटकता देख चीखपुकार मच गई। सूचना पर पुलिस और फॉरेंसिक टीम ने जांच पड़ताल की। इसके बाद शव पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया।

परिजनों के अनुसार बेटा गोविंद टेंट हाउस संभालता है। घर पर किसी प्रकार की कोई दिक्कत नहीं थी फिर भी खुदकुशी की इससे वह लोग खुद हैरान हैं। चकेरी इंस्पेक्टर अजय प्रकाश मिश्रा ने बताया कि परिजन आत्महत्या के पीछे के कारण नहीं बता सके हैं। मामले की जांच की जा रही है।

www.amritvichar.com पर भी खबरें पढ़ें

अमृत विचार

कानपुर, मंगलवार, 3 फरवरी 2026



## सिटी ब्रीफ

### इन्दिरा आईवीएफ अब साकेत नगर में

**कानपुर।** इन्दिरा आईवीएफ हॉस्पिटल लिमिटेड ने नए फर्टिलिटी सेंटर की शुरुआत साकेत नगर में की है। बताया गया कि जुही कलां, रेलवे ग्राउंड के सामने साकेत नगर में स्थित यह नया सेंटर अत्याधुनिक तकनीक और इन्दिरा आईवीएफ के स्टेण्डर्ड क्लिनिकल प्रोटोकॉल से लैस है। यहां मरीजों को फर्टिलिटी और असिस्टेड रिप्रोडक्टिव टेक्नोलॉजी से जुड़ी सभी सेवाएं व केयर एक ही छत के नीचे उपलब्ध होंगी। इस दौरान विशेष अतिथियों में डॉ. रमेश चिंटक और डॉ. सुषमा सिंह मौजूद रहे। इन्दिरा आईवीएफ कानपुर सेंटर हेड डॉ. प्रतिभा सिंह और साकेत नगर सेंटर हेड डॉ. तनुज लवानिया ने सेंटर के बारे में बताया। मुख्य अतिथि शिवराम सिंह रहे। इन्दिरा आईवीएफ हॉस्पिटल लिमिटेड के मैनेजिंग डायरेक्टर नितिज मुर्डिया ने कहा कि हमारा लक्ष्य विश्वसनीय, सुलभ और समान फर्टिलिटी केयर उपलब्ध करवाना है।

### पीएम सम्मान निधि में समस्या हो तो संपर्क करें

**कानपुर।** उप कृषि निदेशक डॉ. आरएस वर्मा ने जनपद के समस्त किसानों से आग्रह किया है कि प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजनान्तर्गत पात्र लाभार्थियों को कतिपय कारणों से किश्त प्राप्त करने में जो समस्याएं आ रही हैं, उनके समाधान हेतु विभाग द्वारा मोबाइल नंबर 8077643960 एवं 9956937788 जारी किए गए हैं।

# आज पूवर्जों की कब्र पर फातिहा पढ़ने जाएंगे लोग

## सफाई, मार्ग प्रकाश के लिए डीएम को ज्ञापन दिया गया, ज्वाइंस सीपी ने किया पैदल मार्च, आज रात कई रूटों पर डायवर्जन

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

**अमृत विचार।** मंगलवार को शबे-बरात के मौके पर लोग रातभर इबादत करके अपने गुनाहों से माफी मांगेंगे और अपने पूवर्जों की कब्र पर फातिहा पढ़ने के लिए लाखों लोग कब्रिस्तान जाएंगे। जिसके चलते कई रूटों पर डायवर्जन रहेगा। सुरक्षा के लिहाज से ज्वाइंट सीपी ने पैदल मार्च किया।

शहर के विभिन्न कब्रिस्तान में लाखों लोग मंगलवार की शाम से रातभर फातिहा पढ़ने के लिए जाएंगे। शहरकाजी हाफिज अब्दुल कुद्दूस हादी ने ज्वाइंट पुलिस कमिश्नर आशुतोष कुमार से मुलाकात की और शबे-बरात पर सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने की मांग की। उधर शहरकाजी साकिब मिस्बाही की अगुवाई में एक प्रतिनिधि मंडल ने जिलाधिकारी जितेंद्र प्रताप सिंह से मुलाकात की और उन्हें व्यवस्थाओं को लेकर ज्ञापन सौंपा। नायब काजी कारी सगीर आलम हबीबी महबूब आलम खान कारी अब्दुल रहीम महताब आलम अंसारी मोहम्मद वसीम आदि मौजूद थे।

डीएम को ज्ञापन देते शहरकाजी। अमृत विचार

### आज शाम 5 बजे से रूट डायवर्जन

- शबे-बरात पर मंगलवार को शाम 5 बजे से बुधवार को प्रात: 5 बजे तक कई मार्गों पर रूट डायवर्जन रहेगा। ये जानकारी डीसीपी ट्रैफिक रवींद्र कुमार ने दी। सड़क पर यदि कोई एम्बुलेंस दिखे तो प्राथमिकता देते हुए उसे तुरंत रास्ता दें।
- ईदगाह चौराहा से ईदगाह की तरफ कोई भी वाहन नहीं जा सकेंगे, ऐसे वाहन हर्षनगर चौराहा होते हुए अपने गंतव्य को जा सकेंगे।
- रामबाग चौराहा से कोई भी वाहन थाना बजरिया की तरफ नहीं जा सकेगें, ऐसे वाहन चमनगंज होकर अपने गंतव्य को जा सकेंगे।
- सीसामऊ का बड़ा चौराहा व काली मठिया की तरफ से आने वाले वाहन बजरिया चौराहा की तरफ नहीं जा सकेगें, ऐसे वाहन रुपम टाकीज चौराहा, चमनगंज होते हुए अपने गंतव्य को जा सकेंगे।
- रूपम टाकीज चौराहा से कोई भी वाहन बजरिया थाना की तरफ नहीं जा सकेगें, ऐसे वाहन रूपम टाकीज चौराहा से हलीम कॉलेज चौराहा तथा यतीम खाना होते हुए अपने गंतव्य को जा सकेगें।
- मोतीझील से आने वाले वाहन ईदगाह की तरफ नहीं जा सकेगें, ऐसे वाहन बेनाझावर तिराहा से बाएं मुडकर छ: बगलिया चौराहा होते हुए अपने गंतव्य को जा सकेंगे।
- कायस्थाना चौराहा (राजू चायवाला) की तरफ से कोई भी वाहन बकरमंडी के तरफ नहीं जा सकेंगे।
- चुन्नीगंज (कर्नलगंज चौराहा) से कोई भी वाहन बकरमंडी की तरफ नहीं जा सकेंगे, ऐसे वाहन शनिदेव मंदिर होकर अपने गंतव्य को जा सकेंगे।

किसी समस्या पर यातायात की हेल्पलाइन से संपर्क करें

1. ट्रैफिक कंट्रोल रूम : 9305104340
2. ट्रैफिक हेल्पलाइन नंबर : 9305104387

# शबे-बरात की पूरी रात इबादत कर अल्लाह को राजी करें

संवाददाता, कानपुर

**अमृत विचार।** शबे-बरात जैसी महत्वपूर्ण रात गुनाहों से तौबा करने की रात है, इस रात को बर्बाद नहीं करें, रातभर स्टंट करने वाले युवा अपनी हरकतों से बाज आएं, चाय पान की दुकानों पर सियासी या किसी प्रकार की बहस करने के बजाए रातभर इबादत करके अपने अल्लाह को राजी करें।

यूथ मोहम्मदी ग्रुप की कर्नलगंज में बैठक हुई जिसकी अध्यक्षता करते हुए अखलाक अहमद चिश्ती ने नगर आयुक्त से मांग की है कि मंगलवार को शबे-बरात है लेकिन मुस्लिम इलाकों में कई स्थानों पर मार्ग प्रकाश नहीं है। कब्रिस्तान के आसपास सफाई नहीं है। सड़कें खराब हैं जबकि लाखों लोग इस रात अपने पूर्वजों की कब्र पर फातिहा पढ़ने के लिए कब्रिस्तान जाएंगे। चिश्ती ने कहा कि तकिया बिसाती, तकिया छेदी शाह, तकिया नब्बू शाह, नगर निगम कब्रिस्तान, तकिया कागजी मोहाल, रावतपुर, काकादेव, विजयनगर, बाबूपुरवा, ट्रांसपोर्ट नगर, सुजातगंज, नवाबगंज, अशरफाबाद, जाजमऊ दादामियां, कब्रिस्तानों व मस्जिदों खानकाहों के आस पास गंदगी की भरमार है जिसे ठीक कराया जाए। बैठक में मोहम्मद आरिफ, रऊफ अंसारी, परवेज आलम वारसी, अलीमुज्जफर, मोहमद आतिफ, फिरोज आलम, सैय्यद मोनिस, जमालुद्दीन फारुकी, मोहम्मद हफीज, अफजाल अहमद आदि मौजूद थे।

### शबकदर पर इसका ख्याल रखें मुसलमान

- शब-ए-बारात की रात शबकदर में अदब-ओ-अहतराम के साथ कब्रिस्तान फातिहा पढ़ने जाएं।
- गरीबों, बेसहारा, असहाय की मदद करें, उन्हें अच्छा खाना खिलायें
- राशन सामग्री सही हकदार तक पहुंचें। आतिशबाजी नहीं छुड़ायें।
- बच्चों को भी पटाखा नहीं छुड़ाने दें, फिजूलखर्ची से बचें।
- इधर उधर घूमने के बजाए मस्जिद या घर में इबाद करें
- युवा बाइकों से स्टंट करने से बाज आएं।

# हज आजमीन को एहराम बांधना सिखाया

**कानपुर।** इस साल हज पर जाने वालों को एहराम बांधना सिखाया गया और ये बताया गया कि खान-ए-काबा और मदीना में कहां कितनी रकआत नमाज अदा करना है।

तंजीम खुद्दाम आजमीन-ए-हज की ओर से गरीब नवाज हॉल बासमंडी में ट्रेनिंग कैंप लगाया गया। काजी फैजान अली ने कुरआन पाक की तिलावत की। अब्दुल हई हाशमी ने एहराम बांधने का तरीका बताया और आजमीन-ए-हज को हज करने का तरीका बताया।

हज कमेटी ऑफ इंडिया द्वारा नियुक्त हज ट्रेनर आतिफ सिद्दीकी एवं मोहम्मद इरफान ने आजमीन को बताया कि लखनऊ से शुरुआती फ्लाइट मदीना एयरपोर्ट तक जाएगी। वहां से आजमीन को बस के जरिए होटल ले जाया जाएगा। होटल में थोड़ा आराम करने के उपरांत पाक साफ होकर वजू बनाकर मस्जिदए-नबवी में नमाज अदा करेंगे। प्रशिक्षक ने आजमीन को बताया कि रियाजुल जन्ना और असहाबे सुफा पर ज्यादा से ज्यादा नमाज अदा करें। कोशिश करें कि 40 वक्त की फर्ज नमाज जमात के साथ मस्जिए-नबवी में अदा करें। मुफ्ती इकबाल कासिमी ने बताया कि हज तीन तरह के होते है पहला हज इफराद दूसरा हज किरआन जो कि ज्यादा मुश्किल है।

# छात्रों की आत्महत्या पर मांगी रिपोर्ट

- पुलिस कमिश्नर व आईआईटी के निदेशक से जांच रिपोर्ट मांगी
- 16 फरवरी तक देनी होगी रिपोर्ट याचिका पर हुई कार्रवाई

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

**अमृत विचार।** आईआईटी कानपुर में आत्महत्याओं के मामले पर राज्य मानवाधिकार सक्रिय हो गया है। आयोग ने सेन्ट्रल बार एसोसिएशन के महामंत्री की याचिका पर संज्ञान लिया है। इसके तहत आईआईटी के निदेशक व पुलिस कमिश्नर से रिपोर्ट मांगी है।

कानपुर स्थित आईआईटी में लगातार हो रही आत्महत्याओं पर सेन्ट्रल बार एसोसिएशन की ओर से राज्य मानवाधिकार आयोग में याचिका दाखिल की गयी थी। आयोग ने मामले मे तत्काल संज्ञान लेते हुये पुलिस कमिश्नर कानपुर व आईआईटी निदेशक से आवश्यक जांच कर16 फरवरी तक आख्या तलब की है। महामंत्री अधिवक्ता प्रवीण फाइटर ने राज्य मानवाधिकार आयोग में दाखिल याचिका में आयोग को अवगत कराया कि बीते 25 महीनों के अन्दर अब तक 9 छात्र-छात्राये आत्महत्या कर चुकी है। जनवरी महीने में एक महीने के अन्दर ही दो शोधार्थी छात्र आत्महत्या कर चुके हैं। 20 जनवरी को आईआईटी में हॉस्टल की छठी मजिल से राजस्थान के चुरू जिले के निवासी शोधार्थी छात्र रामस्वरूप ईसराम ने कूदकर दिन में लगभग 1.30 बजे आत्महत्या कर ली। इसी प्रकार 19 दिसम्बर 2023 को डा पल्लवी ने 10 जनवरी को एमटेक छात्र विकास मीणा ने 18 जनवरी 2024 को शोधार्थी छात्रा प्रियंका जायसवाल ने 10 अक्टूबर 2024 को शोधार्थी छात्रा प्रगति हरया ने, 10 फरवरी 2025 को शोधार्थी स्कालर अकिंत यादव ने, 25 अगस्त 2025 को साफटवेयर डेवलपर दीपक चौधरी ने, एक अक्टूबर 2025 को बीटेक छात्र धीरज सैनी ने व 29 दिसम्बर 2025 को बीटेक अन्तिम वर्ष के छात्र जय सिंह मीणा ने आत्महत्या कर ली थी। आयोग में सुनवाई के दौरान अधिवक्ता प्रवीण फाइटर ने कहा कि. यह चिन्ता व गहन जांच का विषय है कि ऐसा कौन सा कारण है जिससे लगातार छात्र-छात्राओं द्वारा आत्महत्या की जा रही है। उन्होंने इसे देश की बौद्विक सम्पदा का नुकसान बताया। आयोग के सदस्य जस्टिस आरएल मेहरोत्रा ने पुलिस आयुक्त कानपुर एवं आईआईटी के निदेशक को रिपोर्ट देने का आदेश दिया है। अगली सुनवाई 18 फरवरी को होगी।

# गुरु वंदना, महिमा का पाठ और खिचड़ी बांटी

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

**अमृत विचार।** संत शिरोमणि सद्गुरु रविदास मंदिर अर्मापुर में संत जी का 649 वां जन्मोत्सव समारोह मनाया गया जिसमें कक्षा 3 से स्नातकोत्तर तक के छात्र-छात्राओं ने सामान्य ज्ञान, निबंध लेखन एवं चित्रकला प्रतियोगिता में भाग लिया। इस अवसर पर गुरु वंदना, गुरु महिला का पाठ हुआ और खिचड़ी वितरित की गई।

डॉ. अरुण कुमार यादव, डॉ. प्रदीप कुमार यादव, मनोज यादव, विजय कुमार मिश्र द्वारा कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर 10 समाजसेवियों डॉ. राजीव यादव, शैलेन्द्र भारती, डॉ. एसबी शर्मा, प्रणव कुमार सिंह, राम बहादुर, मोहन राम, राज बहादुर बौद्ध, अर्जुन प्रसाद, सुरेश साहनी, बृजेश कुमार गौतम आदि को रविदास रत्न से सम्मानित किया गया। संत रविदास सेवा समिति एवं अर्पण सेवा संस्थान द्वारा संयुक्त रूप से समारोह में गरीब कन्याओं के विवाह भी कराये गये। मुख्य अतिथि आलोक कुमार मुख्य महाप्रबन्धक, आयुध निर्माणी, कानपुर थे। विशिष्ट अतिथि कुमार राकेश सिन्हा, मुख्य महाप्रबन्धक, फील्ड गन निर्माणी, आदि उपस्थित रहे। मुख्य वक्ता जितेन्द्र त्रिवेदी, महाप्रबन्धक, एडब्लूईआईएल मुख्यालय, कानपुर मंच संचालक डॉ. धीरेन्द्र कुमार दोहरे, अध्यक्ष प्रवेश कुमार, महामन्त्री पारस नाथ, दिनेश कुमार नीरज रहे।

संत रविदास जयंती पर विवाह कराया गया। अमृत विचार

संत रविदास मंदिर में हुई आरती। अमृत विचार

### ब्रह्मनगर स्थित संत रविदास मंदिर में आरती

**कानपुर।** ईदगाह चौराहे ब्रह्मनगर स्थित संत रविदास मंदिर में संत शिरोमणि रविदास जी की प्रतिमा पर अनुभव चक (सदस्य-हिंदी सलाहकार समिति, संसदीय कार्य मंत्रालय भारत सरकार) ने पुष्प अर्पित किया एवं आरती उतारी। कार्यक्रम में प्रमुख रूप से संदीप गौतम, अमित गौतम, बबलू पासवान, विश्वजीत कुरील, जे.पी.सोनकर, रचना कुरील आदि प्रमुख रूप से उपस्थित थे।

### एमएसएमई की दो दिवसीय एक्सपो आज से

**कानपुर।** एमएसएमई-विकास कार्यालय, 107 औद्योगिक आस्थान, कालपी रोड, कानपुर में 03 फरवरी, 2026 को प्रात: 11:00 से दो दिवसीय विक्रेता विकास कार्यक्रम सह एमएसएमई-एक्सपो 2026 का शुभारंभ किया जा रहा है। इस एक्सपो में लगभग 60 से अधिक विक्रेता प्रतिभाग करेंगे। मुख्य अतिथि के. विजयेन्द्र पांडियन, आयुक्त, उद्योग निदेशालय, उत्तर प्रदेश सरकार होंगे।

### छात्रों ने किया प्रतिभा का प्रदर्शन

**कानपुर।** एमएचएम पब्लिक स्कूल आवास विकास हंसपुरम नौबस्ता में विद्यार्थियों की रचनात्मक प्रतिभा को प्रोत्साहित करने के लिए आर्ट प्रतियोगिता आयोजित की गई जिसमें शहर के 25 विद्यालयों के छात्र-छात्राओं ने प्रतियोगिता के लिए विद्यार्थियों को "यूनिटी इन डायवर्सिटी", "इंडिया इन 2047", "वूमेन एंपावरमेंट" तथा "फेस्टिवल ऑफ इंडिया" जैसे समसामयिक और राष्ट्रीय महत्व के विषय पर सहभागिता की और अपनी कलात्मक अभिव्यक्ति से सभी को प्रभावित किया। स्कूल के प्रबंधक अशफाक सिद्दीकी ने बच्चों को पुरस्कृत किया।

### पेचबाग में चौकी प्रभारी ने कंबल वितरित किया

**कानपुर।** पार्षद हाजी अफजाल अहमद ने बताया कि मड़ा मंडी पेचबाग में बेसहारा लोगों को चौकी प्रभारी यतीमखाना राम पूजन बिंद द्वारा कंबल वितरित किये गये। इस अवसर पर आरिफ मॉल्टन प्रबंधक निजामुल उलूम जूनियर हाईस्कूल मोहम्मद हसीब मोहम्मद नईम, जावेद रजा, मोहम्मद वसीम इदरीसी आदि थे।

टीएसएच की टीम पदकों के साथ। अमृत विचार

# जिला कराटे में टीएसएच की टीम ने जीते 32 स्वर्ण पदक

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

**अमृत विचार।** बाल निकुंज, स्वरूपनगर में आयोजित आठवीं जिला कराटे चैंपियनशिप में टीएसएच (द स्पोर्ट्स हब) के खिलाड़ियों ने वर्चस्व कायम किया। इस जिला स्तरीय प्रतियोगिता में शहर के कुल 130 बच्चों ने भाग लिया, जिसमें टीएसएच के 59 खिलाड़ी शामिल थे। टीएसएच के खिलाड़ियों में 12 एकेडमी तथा शेष ईडब्ल्यूएस वर्ग के खिलाड़ी थे। प्रतियोगिता में टीएसएच के खिलाड़ियों ने कुल 59 पदक अपने नाम किए, जिनमें 32 स्वर्ण, 19 रजत और 8 कांस्य पदक रहे। स्वर्ण पदक जीतने वालों में मेहर भट्टर, अनन्या गुप्ता, रिधिमा सरावगी, हितिका काया, आयांश गुप्ता, हर्षिका वामन, रिद्धि बख्शी, काव्या सक्सेना, श्रृष्टि, आरुषि वर्मा, आराध्या राज, आदित्य कुमार, आरव कुमार, रोमन जायसवाल, रिदम सिंह, अभिनव मिश्रा, श्रेयांश गुप्ता, जुनैद रज़ा, आदर्श कुमार, अंशिका कुशवाहा, काइरा विश्वास, सगुन सिंह, वृद्धि द्विवेदी, कृतिका वर्मा, प्रज्ञा कुमारी, वाणी श्रीवास्तव, रियान अहमद, अफान अहमद, अंश यादव, ध्रुवी, अम्रिशा तथा कृष शामिल रहे, जबकि तन्वी गुप्ता, गौरव अग्रवाल, इशिका, अंशिका, आराध्या तिवारी, सौम्या एवं पूतम, अवंतिका जायसवाल, सत्यम गुप्ता, शिखर मिश्रा, आरनव कुमार, हरिओम, आरनव मिश्रा, श्रेया वर्मा, शिवांगी, प्रियंका कुमारी, खुशी गौतम, मुस्कान श्रीवास्तव, अनमोल कुमार तथा वर्धन यादव ने रजत पदक प्राप्त किया। कांस्य पदक आयरा गुप्ता, आर्यन जायसवाल, ज़लमार फातिमा, विन्शी वामन, स्नेहा, अंजलि शर्मा, समृद्ध वर्मा तथा आरुषि को मिला।

विकास

कॉरिडोर -1 के अप-लाइन पर ट्रैक निर्माण के बाद अब थर्ड रेल इंस्टॉलेशन का कार्य भी पूरा

# मेट्रो : अप-लाइन पर नौबस्ता तक टेस्ट रन की तैयारी हुई पूरी

- सेंट्रल से स्वदेशी कॉटन मिल रैम्प के बीच अप-लाइन टनल में थर्ड रेल इंस्टॉलेशन का कार्य पूरा

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

**अमृत विचार।** मेट्रो कारपोंशन ने कॉरिडोर-1 (आईआईटी - नौबस्ता) के कानपुर सेंट्रल - नौबस्ता के अंतर्गत लगभग 3 किमी लंबे अंडरग्राउंड सेक्शन (कानपुर सेंट्रल - स्वदेशी कॉटन मिल रैम्प) में थर्ड रेल सिस्टम इन्स्टॉल करने का कार्य पूरा कर लिया। इसके साथ ही अब कानपुर सेंट्रल से नौबस्ता तक अप-लाइन पर मेट्रो ट्रेनों को चलाने के लिए ट्रैक के समानांतर ही थर्ड रेल पूरी तरह से तैयार है। कानपुर मेट्रो की ट्रेनें 750 वोल्ट डीसी थर्ड रेल से चलती हैं। इन्हें मेट्रो स्टेशनों पर स्थापित ट्रैक्शन सब-स्टेशन से ऊर्जा मिलती है।

कॉरिडोर-1 के लगभग 8 किमी लंबे शेष सेक्शन (कानपुर सेंट्रल से नौबस्ता) के अप-लाइन पर मेट्रो ट्रेनों के टेस्टिंग से पहले की तैयारी लगभग पूरी की जा चुकी है। इसके लिए उक्त सेक्शन के लगभग 3 किमी लंबे अप-लाइन टनल में ट्रैक निर्माण पूरा करने के बाद आज थर्ड रेल इंस्टॉलेशन का कार्य पूरा कर लिया गया। बारादेवी से नौबस्ता तक लगभग 5.30 किमी लंबे एलिवेटेड सेक्शन में ट्रैक निर्माण, थर्ड रेल और सिग्नलिंग उपकरणों के इंस्टॉलेशन के कार्य पहले ही पूरे किए जा चुके हैं। उत्तर प्रदेश मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन लिमिटेड (यूपीएमआरसी) के प्रबंध निदेशक सुशील कुमार ने कहा कि, कानपुर मेट्रो ने कॉरिडोर-1 (आईआईटी - नौबस्ता) के अंतर्गत लगभग 8 किमी लंबे बैलेंस सेक्शन (कानपुर सेंट्रल - नौबस्ता) के अप-लाइन में थर्ड रेल सिस्टम इंस्टॉल करने का काम पूरा कर लिया है। इसके साथ ही अब कानपुर सेंट्रल से नौबस्ता तक अप-लाइन पर मेट्रो ट्रेनों की टेस्टिंग प्रक्रिया आरंभ की जा सकेगी।

थर्ड रेल सिस्टम का काम पूरा। अमृत विचार

### थर्ड रेल की विशेषता

- थर्ड रेल प्रणाली में पारंपरिक तौर पर प्रयोग होने वाली ओएचई (ओवर हेड इक्युपमेंट) प्रणाली की जगह पर ट्रैक के समानांतर बिछी हुई थर्ड रेल का प्रयोग किया जाता है। 750 वोल्ट डीसी करंट पर चलने वाली कानपुर मेट्रो ट्रेनें परिचालन हेतु इसी थर्ड रेल का प्रयोग करती हैं। इस सिस्टम का मेंटेनेंस कम होता है क्योंकि ट्रैक के समानांतर बिछे होने के कारण इसमें पतंगबाजी आदि कारणों से बिजली की सप्लाई ट्रिप या बाधित होने की आशंका नहीं होती। साथ ही साथ इस प्रणाली की वजह से बिजली के तारों का कोई सेटअप बाहरी तौर पर दिखाई नहीं देता, जिससे शहर के इन्फ्रास्ट्रक्चर को सुंदर बनाए रखने में मदद मिलती है।

### 16 किमी में यात्री सेवाएं संचालित

- आईआईटी-नौबस्ता कारिडोर पर वर्तमान में लगभग 16 किमी (आईआईटी-कानपुर सेंट्रल) तक यात्री सेवाएं संचालित हैं। कॉरिडोर-1 के बैलेंस सेक्शन (कानपुर सेंट्रल - नौबस्ता) के साथ-साथ लगभग 8.60 किमी लंबे कॉरिडोर-2 (सीएसए - बर्रा-8) का सिविल निर्माण कार्य भी तीव्र गति से जारी है।

एसआईएस अस्पताल में हुआ समारोह। अमृत विचार

# वार्षिकोत्सव का आयोजन

**कानपुर।** कल्यानपुर आवास विकास 3 अम्बेडकरपुरम स्थित एसआईएस हॉस्पिटल एण्ड रिसर्च सेंटर में साई नाथ महाराज की मूर्ति की स्थापना के तृतीय वर्षगांठ पर विशेष उत्सव का आयोजन किया गया। जिसमें कथा व पूजा अर्चना की गयी। सभी ने पूजा हवन में हिस्सा लिया। इसके बाद संगीतमय सुन्दरकाण्ड का आयोजन हुआ। इस दौरान इकबाल सिंह सेवा समिति की ओर से कम्बल वितरण विकास सिंह भोले द्वारा किया गया। हॉस्पिटल के डायरेक्टर हरिनंदन सिंह, डा. आदित्य त्रिपाठी, मंत्री राकेश सचान, विधायक राहुल बच्चा सोनकर, संदीप शुक्ल, वीके मिश्रा, अनूप टण्डन, राजेश मौजूद रहे।

## न्यूज ब्रीफ

### स्ट्रांग रूम में रखे गए बोर्ड के प्रश्नपत्र

**उन्नाव, अमृत विचार :** माध्यमिक शिक्षा परिषद प्रयागराज की हाईस्कूल व इंटर की परीक्षाएं 18 फरवरी से होनी हैं। इसके लिए सोमवार को बोर्ड के प्रश्नपत्र आ गए हैं। जिन्हें स्ट्रांग रूम में डीआईओएस की उपस्थिति में रखवाया गया। वहां पर 24 घंटे पुलिस का पहरा रहेगा। हाईस्कूल व इंटर के प्रश्नपत्रों के कार्टून बॉक्स को सुरक्षित इस बार राजकीय बालिका इंटर कॉलेज में स्ट्रांग रूम बनाकर रखा गया और उन्हें चारों ओर से सीज कर दिया गया।

### बाढ़ प्रभावित क्षेत्र का किया निरीक्षण

**उन्नाव, अमृत विचार :** लखनऊ से आई एनडीआरफ टीम के कमांडर निरीक्षक दीपक कमलिया, कानपुर से एसडीआरएफ टीम के टीम कमांडर निरीक्षक अमित भार्गव व उन्नाव के अधिकारियों के साथ सदर तहसील में एसडीम क्षितिज द्विवेदी के समक्ष फैमेक्स के संदर्भ में मीटिंग की। मीटिंग में बताया गया कि तहसील सदर की सबसे अधिक बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों परियर में लेखपाल प्रदीप कुमार के साथ भ्रमण किया व बाढ़ आपदा से संबंधित जानकारियां प्राप्त कीं। जिससे वास्तविक आपदा की स्थिति में प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित की जा सके।

### आत्महत्या का प्रयास

**उन्नाव, अमृत विचार :** पुरवा कोतवाली क्षेत्र के केसरीखेड़ा गांव निवासी काजल (19) सोमवार दोपहर घर के बरामदे में रस्सी के फंदे से लटक गई। कस्बा से लौटी मां रामेश्वरी ने उसे लटका देख शोर मचाया। इस पर पहुंचे पड़ोसियों ने उसे सीएचसी पहुंचाया। जहां से उसे जिला अस्पताल रेफर किया गया।

# आम बजट को किसी ने सराहा, किसी ने नकारा

## वर्ष 2026-27 के बजट को लेकर कस्बे के वरिष्ठ लोगों ने व्यक्त की अपनी- अपनी राय

सफीपुर उन्नाव

**अमृत विचार:** वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण ने बीते रविवार वर्ष 2026-27 के लिए मोदी सरकार के तीसरे कार्यकाल का अंतरिम बजट पेश किया। इसमें वित्तमंत्री ने सरकार की उपलब्धियां भी गिनाईं। केंद्र सरकार की केंद्रीय वित्तमंत्री द्वारा बीते रविवार आम बजट पेश किया गया। इसमें पूर्व की ही तरह 12 लाख तक की वार्षिक आय पर टैक्स नहीं लगेगा। इस बार बजट में सरकार का कुल खर्च लगभग 53.5 लाख करोड़ रुपये रहेगा। बजट को लेकर कस्बे के वरिष्ठ लोगों ने अपनी रॉय व्यक्त की।

केंद्र सरकार का यह बजट ऐतिहासिक है इसमें समाज के सभी वर्गों का ध्यान रखा गया है। स्वास्थ्य, सड़क, बिजली, ग्रामीण विकास, पेयजल, जरूरतमंदों, किसानों व शिक्षा क्षेत्र का ध्यान रखते हुए आत्मनिर्भर भारत बनाने में सहयोग से परिपूर्ण ऐतिहासिक बजट है।

**सौरभ बाजपेयी, चेयरमैन प्रतिनिधि सफीपुर।**

यह बजट विकसित भारत के चार स्तंभ युवा, गरीब, महिला, किसान को सशक्त करेगा। युवाओं व किसानों का बेहद ध्यान रखा गया है। यह बजट वास्तव में ऐतिहासिक है।

**हरिपाल सिंह, किसान।**

केंद्र का यह बजट निराशापूर्ण है। लोगों की उम्मीद के अनुरूप इसमें ऐसा कुछ नहीं है जिसकी प्रशंसा की जाए। यह सिर्फ झूठे सपनों से भरा है। इसमें मध्यमवर्गीय परिवारों व व्यापारियों को उपेक्षित किया गया है। यह बजट देखकर निराशा हुई।

**दीपेंद्र सिंह ठाकुर, नेता कांग्रेस।**

सैन्य क्षेत्र में यह बजट भारत की सुरक्षा के लिए मजबूती वर्धन साबित होगा। हालांकि पैरामिलिट्री फोर्सेस के लिए इस बजट के माध्यम से वन रैंक वन पेंशन सहित पुरानी पेंशन योजना के लाभ को भी शामिल किया जा सकता था।

**अवधेश सिंह, पूर्व फौजी।**

बजट में हर वर्ग के कल्याण के लिए कई योजनाएं हैं। इसमें इनकम टैक्स स्लैब में बदलाव न करने के साथ फंड व फंड्स स्टार्टअप इंडिया महिला उद्यमियों का मुद्रा लोन जीएसटी के एक राष्ट्र एक बाजार एक कर सहित महत्वपूर्ण योजनाएं समस्त देशवासियों को लाभान्वित करेंगे। **राजू चौहान भाजपा नेता।**

बजट पढ़ने से यह जाहिर होता है कि यह केवल एक छलावा है। इसे युवाओं, गरीबों, महिलाओं व किसानों का बजट बता उन्हें धोखा दिया जा रहा है। सरकार केवल जुमलेबाजी का बजट भी प्रस्तुत कर रही है।

**मकसूद अली सपा विधानसभा अध्यक्ष।**

# जान जोखिम में डालकर बनाई रील, जांच में जुटी पुलिस

- ट्रांस गंगा सिटी में स्टंट करते युवकों का वीडियो वायरल

**संवाददाता शुक्लागंज (उन्नाव) अमृत विचार :** गंगाघाट कोतवाली क्षेत्र स्थित ट्रांस गंगा सिटी में लग्जरी कारों के साथ खतरनाक स्टंट करने का मामला सामने आया है। सोमवार को सोशल मीडिया पर 39 सेकेंड का एक वीडियो तेजी से वायरल हुआ, जिसमें कुछ युवक तेज रफ्तार कारों के काफिले के साथ सड़कों पर स्टंट करते नजर आ रहे हैं। वीडियो में युवक कारों की खिड़कियों से बाहर लटकते, सनरूफ से निकलकर सेल्फी लेते और पंजाबी गानों पर रील बनाते दिखाई दे रहे हैं। वायरल वीडियो में कुछ युवक कार की छत पर बैठकर झूमते नजर आ रहे हैं, जबकि कुछ खिड़कियों से आधे बाहर निकलकर खतरनाक अंदाज में वीडियो शूट कर रहे हैं। इतना ही नहीं, एक-दो युवक फायर गन चलाते हुए भी दिख रहे हैं, जिससे आम लोगों की सुरक्षा पर सवाल खड़े हो गए हैं। वीडियो वायरल होने के बाद प्रशासन ने मामले का संज्ञान लिया है। अधिकारियों ने कारों के नंबर के आधार पर कार्रवाई के निर्देश गंगाघाट पुलिस को दिए हैं। कोतवाली प्रभारी अजय कुमार सिंह ने बताया कि स्टंट करने वाले युवकों की पहचान करने का प्रयास किया जा रहा है। प्रारंभिक जानकारी में कुछ युवकों के उन्नाव के एक विद्यालय से जुड़े होने की बात सामने आई है। पुलिस ने स्पष्ट किया है कि यातायात नियमों का उल्लंघन और सार्वजनिक सुरक्षा से खिलवाड़ करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। हालांकि, वायरल वीडियो की पुष्टि आपका अमृत विचार अखबार नहीं करता है।

# आग की चपेट में आए वृद्ध की मौत

संवाददाता शुक्लागंज (उन्नाव)

**अमृत विचार:** गंगाघाट कोतवाली क्षेत्र की बिंदा नगर चौकी अंतर्गत कंचन नगर में रविवार देर रात एक 75 वर्षीय वृद्ध की आग से झुलसकर मौत हो गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। घटना से परिजनों में कोहराम मच गया।

कंचन नगर निवासी मो. इस्माइल (75) पुत्र अबरार उर्फ झब्बन घर पर अकेले रहते थे। उनके चार पुत्रों में मो. मोनिस खान और आजम जाजमऊ में, मुजाहिद्दीन रावतपुर कानपुर में तथा दानिश मुंबई में रहते हैं। उनकी दो बेटियां भी हैं। बताया जाता है कि रविवार रात वह घर के भीतर अलाव ताप रहे थे। इसी दौरान उन्हें झपकी आ गई और करीब एक बजे वह जलते अलाव की चपेट में आ गए। कपड़ों में आग लगने से वह गंभीर रूप से झुलस गए। बचाव के लिए वह मुख्य गेट तक पहुंचे और मदद के लिए आवाज लगाई, लेकिन अंदर से कुंडी बंद होने के कारण दरवाजा नहीं खोल सके। सूचना पर पहुंची पुलिस ने दीवार तुड़वाकर दरवाजा खुलवाया और उसे इलाज के लिये जिला अस्पताल भेजा। जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई।

घर के बाहर मौजूद परिजन व अन्य महिलाएं एवं इनसेट में मो. इस्माइल की फाइल फोटो।

- अलाव तापते समय हुआ हादसा परिजनों में मचा कोहराम

### राज्य आयुक्त के समक्ष दिव्यांग रखेंगे समस्याएं

**उन्नाव, अमृत विचार :** जिला पिछड़ा वर्ग कल्याण अधिकारी/प्रभारी अधिकारी दिव्यांग जन सशक्तीकरण अधिकारी ज्योति त्रिवेदी ने बताया कि राज्य आयुक्त दिव्यांगजन उप्र हिमान्शु झां की अध्यक्षता में 3 फरवरी को विकास भवन सभागार में 10 से 4 बजे तक मोबाइल कोर्ट आयोजित होगी। इसमें जिले के सुदूरवर्ती पिछडे क्षेत्रों/ग्रामीण इलाकों में रह रहे दिव्यांगजनों की समस्याओं के निस्तारण हेतु दिव्यांगजन अधिकार अधिनियम-2016 की जानकारी दी जाएगी तथा समाज में उनके साथ हो रहे भेदभाव समाप्त कराते हुये पूर्ण व प्रभावी भागीदारी दिलाने व इस सम्बन्ध में उनकी शिकायतों व समस्याओं का त्वरित रूप से निपटारा किया जाएगा। दिव्यांगजनों से कहा गया कि वे अपनी शिकायतों व समस्याओं को मोबाईल कोर्ट में प्रार्थनापत्र के साथ उपस्थित होकर अपनी निस्तारण करा सकते हैं।

# शुक्लागंज के हास्य कलाकार चमके

- गंगापारी बकैत को मिला बेस्ट सोशल मीडिया ग्रुप क्रिएटर 2026 का अवॉर्ड

संवाददाता शुक्लागंज (उन्नाव)

**अमृत विचार:** उन्नाव स्थित एक होटल में रविवार को आयोजित इन्फ्लुएंसर आइकन अवॉर्ड शो 2026 में शुक्लागंज में रहने वाले कुछ हास्य कलाकारों सोशल मीडिया पर गंगापारी बकैत के नाम से वीडियो बना रहे हैं। जो लोगों को बहुत गुदगुदा रहा है। उसी को लेकर गंगापारी बकैत को 'बेस्ट सोशल मीडिया ग्रुप क्रिएटर 2026' के अवॉर्ड से सम्मानित किया गया।

इस कार्यक्रम में देशभर से चयनित 25 टॉप इन्फ्लुएंसर्स को सम्मानित किया गया, जिसमें गंगापारी बकैत टीम ने अपनी अलग पहचान बनाई। नगर के युवाओं द्वारा गठित इस टीम ने महज पांच महीनों में इंस्टाग्राम और फेसबुक पर साफ-सुथरे कॉमेडी कंटेंट के माध्यम से बड़ी लोकप्रियता हासिल की है। टीम के सदस्यों ने बताया कि उनका उद्देश्य मनोरंजन के साथ सकारात्मक संदेश देना है। आयोजकों ने टीम के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि कम समय में इस तरह की उपलब्धि हासिल करना गर्व की बात है। अवॉर्ड मिलने पर गंगापारी बकैत टीम ने नगर वासियों और अपने दर्शकों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह सम्मान पूरे शहर का है। उन्होंने भविष्य में भी बेहतर और स्वच्छ मनोरंजन प्रस्तुत करने का संकल्प दोहराया।

बेस्ट सोशल मीडिया ग्रुप क्रिएटर अवॉर्ड के साथ गंगापारी बकैत की टीम।

# महिला की मौत के मामले में कोर्ट के आदेश पर 6 के विरुद्ध रिपोर्ट

**संवाददाता शुक्लागंज (उन्नाव)**

**अमृत विचार:** गंगाघाट कोतवाली क्षेत्र के गंगा नगर में अक्टूबर 2025 में हुई एक महिला की संदिग्ध मौत के मामले में न्यायालय के आदेश पर पुलिस ने पांच नामजद व एक अज्ञात व्यक्ति के विरुद्ध रिपोर्ट दर्ज की है।

गंगा नगर निवासी अब्दुल हामिद ने बताया कि उनकी पत्नी नफीसा बेगम के नाम 50 गज का एक प्लॉट था, जिसे उन्होंने अलाउद्दीन को बेचा था। आरोप है कि जमीन की बिक्री के 75 हजार रुपये बकाया थे। जब उनकी पत्नी पैसे की मांग करती थीं तो अलाउद्दीन टालमटोल करता रहता था। पीड़ित ने बताया कि पत्नी की तबियत खराब होने पर पैसों की मांग की। 25 अक्टूबर 2025 को अलाउद्दीन उसे कचहरी ले गया, जहां उसे पचास हजार रुपये दिये, और कहा कि मकान अगर किसी और को बेचा तो जान से मारने की धमकी दी। लौटने के बाद बीमार पत्नी को इसकी जानकारी दी। मकान को जाता देख सदमें में आने के कारण पत्नी की मौत हो गई। पीड़ित ने कोतवाली गंगाघाट व उच्चाधिकारियों से शिकायत की, लेकिन कार्रवाई न होने पर न्यायालय की शरण ली। अदालत के आदेश पर पुलिस ने अलाउद्दीन, जियाउद्दीन, सूफियान, आजाद, शकील व एक अज्ञात के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

### दुकानदार से मारपीट करने वाले चार युवक पकड़े गए

**उन्नाव, अमृत विचार :** सदर कोतवाली क्षेत्र के रामलीला मैदान के पास बीती 28 जनवरी को बिरयानी खाकर रुपये न देने व दुकानदार से मारपीट करने का वीडियो वायरल हुआ था। दरोगा अंजनी सिंह ने बताया कि वायरल वीडियो के आधार पर मारपीट करने वाले युवकों की तलाश शुरू की गई थी। कड़ी मशक्कत के बाद सोमवार को मारपीट के आरोपी सुरेश कश्यप पुत्र शीतल निवासी अहिरवा थाना चकेरी, विशाल कश्यप पुत्र रामशंकर निवासी आंबेडकर नगर सरकारी फार्म थाना चकेरी, अभिषेक पुत्र रामबाबू करीब अहरिवां व सोनू कुशवाहा पुत्र सज्जन लाल बीबीपुर थाना चकेरी कानपुर नगर को पकड़ा गया है। आरोपियों व उनके परिजनों ने भविष्य में ऐसी गलती न करने की बात कही। इस पर पुलिस ने उनका शांतिभंग में चालान किया है।

# आनंद घाट आरती स्थल का निर्माण शुरू

संवाददाता शुक्लागंज (उन्नाव)

**अमृत विचार:** शासन की महत्वाकांक्षी योजना के तहत शुक्लागंज स्थित आनंद घाट पर बनारस की तर्ज पर निर्माणाधीन भव्य आरती स्थल का कार्य सात माह के लंबे विराम के बाद पुनः प्रारंभ हो गया है। जुलाई माह में गंगा नदी में आई अचानक बाढ़ के कारण यह निर्माण कार्य पूरी तरह से ठप हो गया था। जिसके बाद सोमवार को दोबारा यह काम शुरू हुआ है।

इस परियोजना का शुभारंभ पिछले वर्ष 6 मार्च को सदर विधायक द्वारा भूमि पूजन के साथ किया गया था। राज्य सरकार द्वारा 1 करोड़ 6 लाख रुपये की लागत से प्रस्तावित यह आरती स्थल 25 मीटर लंबा और 11 मीटर चौड़ा होगा। उत्तर प्रदेश राज्य पर्यटन विकास निगम की निगरानी में लखनऊ की एक कार्यदायी संस्था ने 15 जून से पिलर पाइलिंग का कार्य शुरू किया था। हालाँकि, जून अंत से गंगा के बढ़ते जलस्तर ने कार्य में बाधा डालनी शुरू कर दी और 4 जुलाई को कार्यस्थल पूरी तरह जलमग्न हो गया था। सोमवार को पालिकाध्यक्ष प्रतिनिधि संदीप पांडे मौके पर पहुंचे और कार्य को लेकर कार्यदायी संस्था से जानकारी ली।

नवीन पुल के नीचे आरती स्थल के लिये होता कार्य। • अमृत विचार

- सात माह के अवरोध के बाद फिर से शुरू हुआ परियोजना का कार्य

# एनडीपीएस एक्ट के दोषी को मिली दो साल की सजा

- कोर्ट ने दोषी पर 20 हजार रुपये का जुर्माना भी लगाया

कार्यालय संवाददाता उन्नाव

**अमृत विचार:** मादक पदार्थ की तस्करी में पकड़े गए व्यक्ति को कोर्ट ने अंतिम सुनवाई के बाद दोषी ठहराते हुए 2 साल की सजा सुनाई है। कोर्ट ने उस पर 20 हजार का जुर्माना भी लगाया।

बता दें कि गंगाघाट कोतवाली पुलिस ने चेकिंग के समय 1 अप्रैल-2022 को क्षेत्र के आजाद नगर निवासी अनीस रावत को रोककर तलाशी ली थी। इसमें उसके पास डेढ़ किलो गांजा मिला था। पूछताछ में उसने मादक पदार्थ की तस्करी करने की बात कबूली थी। इस पर पुलिस ने एनडीपीएस एक्ट की कार्रवाई कर उसे जेल भेजा था। एसआई मोहित कनौजिया ने साक्ष्य एकत्र कर 15 अप्रैल-2022 को कोर्ट में चार्जशीट पेश की थी। सोमवार को एडीजे-7 की कोर्ट में मुकदमे की अंतिम सुनवाई हुई। इसमें शासकीय अधिवक्ता विनय प्रकाश शुक्ल द्वारा पेश की गई दलीलों व साक्ष्य के आधार पर जज जयवीर सिंह नागर ने अनीस रावत को दोषी ठहराते हुए 2 साल की सजा सुनाई।

# वक्तव्य के लिए चुने गये 10 युवा

कार्यालय संवाददाता, उन्नाव

**अमृत विचार:** डीएसएन कॉलेज में भारत सरकार के खेल मंत्रालय द्वारा विकसित भारत जिला स्तरीय यूथ पार्लियामेंट कार्यक्रम 2025-26 का आयोजन हुआ। इसमें जिले के 18 से 25 वर्ष के 30 युवाओं द्वारा वक्तव्य दिए गए। उनमें 10 युवाओं का चयन विधानसभा उत्तर प्रदेश में वक्तव्य देने के लिए किया गया।

कार्यक्रम का शुभारंभ भारत सरकार से क्षेत्रीय निदेशक समरदीप सक्सेना, युवा अधिकारी राजेश तिवारी द्वारा दीप प्रज्वलन कर किया गया। निर्णायक मंडल में भाजपा जिलाध्यक्ष अनुराग अवस्थी, सदर विधायक प्रतिनिधि प्रखर गुप्ता, नायब तहसीलदार यशवंत सिंह, राजकीय डिग्री कॉलेज की प्राचार्या प्रोफेसर मीता अरोड़ा रहे। कार्यक्रम में महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. राजेश श्रीवास्तव, डा. रचना त्रिवेदी, संजय मिश्रा, डॉ. विपिन सिंह, आशीष शुक्ला, अमित अवस्थी, हरि शंकर यादव ने अतिथियों का स्वागत किया। संचालन डॉ. आकांक्षा श्रीवास्तव, डॉ. रेनू गुप्ता व डॉ. तूलिका रानी ने किया। भाजपा जिलाध्यक्ष व नायब तहसीलदार यशवंत सिंह ने कहा कि युवा ही देश का भविष्य है। बच्चों को संगठन बनाकर रहने की सीख दी।

प्रशस्ति पत्र के साथ मौजूद युवा व अतिथि। • अमृत विचार

- विकसित भारत जिला स्तरीय यूथ पार्लियामेंट कार्यक्रम आयोजित

### जिम्मेदार अधिकारी न मिलने पर लौटे मतदाता

**औरास उन्नाव, अमृत विचार :** मतदाता पुनरीक्षण कार्यक्रम के तहत मतदाताओं के फार्म में गड़बड़ी होने की नोटिस का जवाब देने के लिए मतदाता काउंटर पर पहुंचे। किंतु काउंटर पर कोई जिम्मेदार न मिलने से कुछ मतदाताओं का जवाब दाखिल हो सका जबकि, कुछ बिना दाखिल किये वापस लौटे गए। ब्लॉक सभागार औरास में मतदाता पुनरीक्षण अभियान के तहत जिन मतदाताओं का फार्म में गड़बड़ी थी। उनको शासन प्रशासन द्वारा नोटिस भेजी गई थी। इसका जवाब देने के लिए मतदाता अपने प्रपत्र लेकर ब्लॉक सभागार पहुंचे। किंतु दोपहर 12 तक कोई अधिकारी-कर्मचारी जो काउंटर पर लगाए गए थे वह नदारद रहे। जिससे मतदाता नोटिस का जवाब नहीं दे सके और वापस लौट गए। मतदाता अभियान की नोटिस के जवाब के लिए जो भी काउंटर ब्लॉक क्षेत्र में खोले गए हैं उनमें अधिकांश काउंटर पर खानापूर्ति की जा रही है।

# एक दर्जन विद्यालयों में नहीं हो पाई प्रयोगात्मक परीक्षाएं

- अंतिम तिथि समाप्त होने से अधर में लटक गया है छात्रों का भविष्य

कार्यालय संवाददाता उन्नाव

**अमृत विचार:** माध्यमिक शिक्षा परिषद प्रयागराज की इंटर की प्रयोगात्मक परीक्षाएं 24 जनवरी से 1 फरवरी तक होनी थीं। लेकिन, जिले के 208 में 12 विद्यालय ऐसे पाए गए जहां प्रयोगात्मक परीक्षाएं संपन्न नहीं हो पाईं। जिससे उन विद्यालयों के छात्रों का भविष्य अधर में लटक गया है।

बता दें कि माध्यमिक शिक्षा परिषद द्वारा प्रयोगात्मक विषयों के लिए परीक्षकों की नियुक्ति की जाती है तथा उनकी सूचना उन विद्यालयों को भी दी जाती है। जहां से उसे परीक्षा लेने जाना है। इसमें 24 जनवरी से 1 फरवरी तक सीसीटीवी की निगरानी में प्रयोगात्मक परीक्षाएं होनी थीं। इंटर में भौतिक विज्ञान, रसायन विज्ञान, जीव विज्ञान, गृह विज्ञान, भूगोल व सिलाई सहित करीब एक दर्जन विषयों की प्रयोगात्मक परीक्षाएं होनी थीं। जिले के 208 में 192 विद्यालयों की सभी विषयों की प्रयोगात्मक परीक्षाएं 1 फरवरी तक संपन्न हो गईं। जबकि 4 विद्यालयों के प्रधानाचार्य ने पहले ही लिखकर भेज दिया कि उनके यहां भौतिक विज्ञान का परीक्षक आने में असमर्थता जता चुका है। इसलिए बोर्ड ने उसे संज्ञान में ले लिया है जबकि 12 विद्यालय ऐसे हैं जिनकी विभिन्न विषयों की परीक्षाएं अंतिम तिथि बीतने के बाद भी नहीं हो पाई है। जिन विद्यालयों में परीक्षा नहीं हो पाई उनमें जवाहरलाल नेहरू इंटर कॉलेज कांथा गृह विज्ञान की 19 छात्राएं, एमआरआरएस इंटर कॉलेज पुरवा के भूगोल के 68 छात्र, सुभाष इंटर कॉलेज संदाना में भूगोल के 40 छात्र, चंद्रशेखर इंटर कॉलेज बिरसिंहपुर में गृह विज्ञान की 74 छात्राएं, नव चेतना इंटर कॉलेज हिलौली में भूगोल के 30 छात्र, रमाशंकर दीक्षित इंटर कॉलेज शिरधरपुर में गृह विज्ञान की 13 छात्राएं, जगन्नाथ प्रसाद इंटर कॉलेज गुलाब खेड़ा की सिलाई की 24 छात्राएं, ज्वाला देवी इंटर कॉलेज लगलेसरा की गृह विज्ञान की 31 छात्राएं, सविता इंटर कॉलेज हिंदपाल खेड़ा की भौतिक विज्ञान के 70 छात्र, महावीर सिंह शुघर सिंह इंटर कॉलेज बिरसिंहपुर के गृह विज्ञान की 81 छात्राएं, रामसहाय इंटर कॉलेज कुसलपुर के भौतिक विज्ञान के 58 छात्र व आरकेडी इंटर कॉलेज भूभवार के भौतिक विज्ञान के 127 छात्रों की परीक्षा नहीं हो पाई है। कंट्रोल प्रभारी रामचंद्र सिंह ने बताया कि नेहरू इंटर कॉलेज पहाड़पुर सुबस के भौतिक विज्ञान के 110, विद्याशरण इंटर कॉलेज हड़हा के भौतिक विज्ञान के 87, पंडित अवध बिहारी इंटर कॉलेज अचलगंज के भौतिक विज्ञान के 49, मां पूर्णा इंटर कॉलेज मुकुंद खेड़ा के भौतिक विज्ञान के 65 छात्रों की प्रयोगात्मक परीक्षा न होने पर उन्होंने बोर्ड सचिव को अवगत करा दिया है कि उनके परीक्षक में कह दिया है कि हम इंटर भौतिक विज्ञान की परीक्षा के लिए योग्यता नहीं रखते हैं इसलिए वह परीक्षा कराने नहीं जाएंगे।

**सख्ती** सदर तहसील क्षेत्र के दयाल खेड़ा गांव में उपजिलाधिकारी के निर्देश पर की गई कार्रवाई

# सरकारी भूमि पर किए गए अवैध कब्जे पर गरजी जेसीबी

कार्यालय संवाददाता उन्नाव

**अमृत विचार:** सदर तहसील क्षेत्र के दयाल खेड़ा गांव में ग्राम समाज की भूमि पर अवैध कब्जा कर कराए गए निर्माण को एसडीएम के निर्देश पर जेसीबी से ध्वस्त किया गया। साथ ही अफसरों ने हिदायत दी कि यदि पुनः कब्जे का प्रयास हुआ तो कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

बता दें कि सदर तहसील व कोतवाली क्षेत्र के मगरवारा गांव के मजरा दयाल खेड़ा में खाली पड़ी ग्राम समाज की भूमि संख्या 606 पर गांव के मेवालाल ने अवैध कब्जा कर निर्माण शुरू कराया था। ग्रामीणों की शिकायत पर पहुंची तहसील टीम ने निर्माण रोकने की चेतावनी दी थी। लेकिन फिर भी निर्माण जारी रहने पर लोगों ने एसडीएम सदर क्षितिज द्विवेदी से शिकायत की। एसडीएम ने जांच कराई तो अवैध कब्जे की बात सही निकली। सोमवार को एसडीएम के निर्देश पर नायब तहसीलदार धीरज त्रिपाठी व लेखपाल आशु श्रीवास्तव तहसील अमले व जेसीबी के साथ पहुंचे। जहां नापजोख के बाद अवैध निर्माण ध्वस्त किया गया। कार्रवाई के दौरान कोई व्यवधान न आए इसके लिए मगरवारा चौकी इंचार्ज रवि पांडेय कोतवाली की फोर्स के साथ मौजूद रहे। नायब तहसीलदार ने बताया कि एसडीएम के निर्देश पर अवैध कब्जा ध्वस्त किया गया है।

अवैध निर्माण को ढहाती जेसीबी। • अमृत विचार

### हाईकोर्ट के आदेश पर हटाया गया अतिक्रमण

**हसनगंज, उन्नाव :** तहसील क्षेत्र के फरहदपुर गांव में मोहान-अजगैन मार्ग की गाटा संख्या-322 रास्ते के नाम दर्ज हैं। जिस पर कुछ लोगों ने अवैध अतिक्रमण कर दुकानें बना ली थीं। जिस पर हाईकोर्ट ने जनहित याचिका पर सुनवाई करते हुए आदेश दिया था कि तत्काल प्रभाव से रास्ते की जमीन को अतिक्रमण मुक्त किया जाए। उसके बावजूद भी अतिक्रमण मुक्त नहीं किया जा रहा था। जिस पर हाईकोर्ट ने हसनगंज एसडीएम को 6 फरवरी की दोपहर 2 बजे अतिक्रमण न हटाने को लेकर स्वयं कोर्ट में उपस्थित होकर स्पष्टीकरण तलब किया था। जिसे लेकर हसनगंज एसडीएम ने राजस्व कर्मी, पुलिस फोर्स व लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों को मौके पर भेज कर जेसीबी मशीन से रास्ते की जमीन पर पक्का निर्माण व अन्य अतिक्रमण को गिरा दिया। जिससे सड़क किनारे किए हुए अतिक्रमण कारियों में हड़कंप मच गया। इस संबंध में एसडीएम हसनगंज प्रज्ञा पांडे ने बताया कि जनहित याचिका पर हाईकोर्ट ने अवैध अतिक्रम हटाने का आदेश दिया था। कोर्ट के आदेश पर अतिक्रमण हटाया गया है।

# कल्लू पुरवा गोलीकांड में चार आरोपियों के विरुद्ध रिपोर्ट दर्ज

**संवाददाता शुक्लागंज (उन्नाव)**

**अमृत विचार:** गंगाघाट कोतवाली क्षेत्र के कल्लू पुरवा गांव में रविवार रात नशेबाजी का विरोध करने पर अधेड़ को गोली मारने के मामले में पुलिस ने चार आरोपियों के विरुद्ध रिपोर्ट दर्ज की है।

कल्लू पुरवा निवासी ओम प्रकाश पुत्र बुद्धिलाल अपने बेटे के साथ बहू को विदा कराने जा रहे थे। गांव के पास स्थित एक चौराहे पर शिवम, विकास, विशाल और बुद्धिलाल सड़क के बीच बाइक खड़ी कर गाली-गलौज कर रहे थे। ओम प्रकाश ने जब युवकों से बाइक किनारे लगाने को कहा तो आरोप है कि वे भड़क उठे और गाली-गलौज शुरू कर दी। विरोध करने पर आरोपियों ने मारपीट करते हुए तमंचे से फायर कर दिया। फायरिंग के दौरान गोली ओम प्रकाश के गले और कंधे को छूते हुए निकल गई, जिससे वह घायल हो गए। सूचना पर पहुंची पुलिस ने उन्हें तत्काल जिला अस्पताल में भर्ती कराया, जहां उनका उपचार चल रहा है। घायल की पत्नी जानकी की तहरीर पर पुलिस ने चारों नामजद आरोपियों के खिलाफ हत्या के प्रयास समेत अन्य धाराओं में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। कोतवाली प्रभारी ने बताया कि आरोपियों के विरुद्ध रिपोर्ट दर्ज कर गिरफ्तारी के लिये दबिशें दी जा रही हैं।

## महत्वाकांक्षी बजट

यह बजट एक नियमित विशिष्ट वित्तीय दस्तावेज़ से कहीं अधिक व्यापक अर्थ रखता है। यह उस दीर्घकालिक राष्ट्रीय दृष्टि का हिस्सा है, जिसके केंद्र में 'विकसित भारत' का लक्ष्य है। वैश्विक आर्थिक अनिश्चितताओं, आपूर्ति शृंखलाओं के पुनर्संतुलन, तकनीकी बदलावों और भू-राजनीतिक तनावों के बीच प्रस्तुत यह बजट संकेत देता है कि भारत केवल परिस्थितियों के अनुरूप ढलने की नहीं, बल्कि उन्हें आकार देने की तैयारी में है। इस बजट की बुनियादी विशेषता इसका संतुलित राजकोषीय दर्शन है। सरकार ने एक ओर पूंजीगत व्यय को ऐतिहासिक स्तर पर बढ़ाकर 12.20 लाख करोड़ रुपये तक पहुंचाया है, तो दूसरी ओर राजकोषीय घाटे को सकल घरेलू उत्पाद के 4.3 प्रतिशत तक सीमित रखने का लक्ष्य रखा है। यह संयोजन दर्शाता है कि विकास और अनुशासन को परस्पर पूरक तत्व के रूप में देखा जा रहा है।

एक दशक पूर्व लगभग दो लाख करोड़ रुपये के आसपास रहा पूंजीगत व्यय आज जिस स्तर पर पहुंचा है, वह अवसंरचना-आधारित विकास मॉडल के प्रति सरकार की स्पष्ट प्रतिबद्धता का संकेत है। अवसंरचना निवेश का उद्देश्य केवल सड़कों, जलमार्गों या लॉजिस्टिक्स गलियारों का विस्तार भर नहीं है, बल्कि भारत के आर्थिक भूगोल को पुनर्परिभाषित करना है। समर्पित माल ढुलाई गलियारे, राष्ट्रीय जलमार्ग और 'पूर्वोदय' जैसी परियोजनाएं उत्पादन, वितरण और निर्यात की लागत को कम कर प्रतिस्पर्धात्मकता बढ़ाने की दिशा में निर्णायक साबित हो सकती हैं। दीर्घकाल में यही निवेश निजी क्षेत्र के लिए गुणक प्रभाव उत्पन्न करेगा। विनिर्माण क्षेत्र में बजट का रुख स्पष्ट रूप से रणनीतिक आत्मनिर्भरता की ओर है। रक्षा विनिर्माण में आयात शुल्क में दी गई रियायतें घरेलू उत्पादन को प्रोत्साहित करने के साथ-साथ तकनीकी क्षमताओं के विकास का आधार बन सकती हैं। यह दृष्टिकोण आर्थिक नीति को सामरिक नीति से जोड़ने का संकेत देता है। सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों के लिए प्रस्तावित त्रिपक्षीय रणनीति, विकास कोष, डिजिटल प्लेटफॉर्म के माध्यम से नकदी प्रवाह सुगमता और छोटे शहरों में व्यावसायिक मार्गदर्शन तथा रोज़गार सृजन की रीढ़ को मजबूत कर सकती है। सरकार विकास को केवल बड़े उद्योगों तक सीमित नहीं रखना चाहती। सेवा और डिजिटल अर्थव्यवस्था के क्षेत्र में कर अवकाश, डेटा केंद्रों और क्लाउड सेवाओं को प्रोत्साहन तथा चिकित्सा पर्यटन व आयुर्वेद के आधुनिकीकरण की योजनाएं भारत को वैश्विक डिजिटल और वेलनेस हब के रूप में स्थापित करने की दिशा में रणनीतिक कदम है। कृषि क्षेत्र में बजट की दृष्टि उत्पादन-केंद्रित सोच से आगे बढ़कर पारिस्थितिकी-तंत्र निर्माण की ओर है। कृत्रिम मेधा आधारित पहल और उच्च मूल्य फसलों के लिए समर्पित मिशन किसानों को उद्यमी बनाने की संभावना रखते हैं।

यदि इन पहलों का प्रभावी क्रियान्वयन हो, तो ग्रामीण आय और मूल्य संवर्धन दोनों में वृद्धि संभव है। हालांकि, किसी भी बजट की वास्तविक परीक्षा उसके क्रियान्वयन में निहित होती है। पूंजीगत व्यय का समयबद्ध निष्पादन, राज्यों के साथ सहकारी संघवाद और नियामकीय प्रक्रियाओं का सरलीकरण इसकी सफलता की शर्तें होंगी, इन्हें सुसंगत रूप से धरातल पर उतारना आवश्यक है।

### प्रसंगवश

## डीप फेक का निशाना बनते चर्चित लोग

डीप फेक तकनीक के बढ़ते दुरुपयोग ने डिजिटल दुनिया में एक नई और गंभीर चुनौती खड़ी कर दी है। आर्टिफ़िशियल इंटेलिजेंस और मशीन लर्निंग के ज़रिये तैयार किए जा रहे फर्जी वीडियो और ऑडियो अब इतने वास्तविक लगते हैं कि आम व्यक्ति के लिए सच और झूठ में अंतर कर पाना लगातार कठिन होता जा रहा है। हाल के दिनों में इस तकनीक का इस्तेमाल कर देश-दुनिया की कई प्रतिष्ठित हस्तियों को निशाना बनाया गया है, जिससे न केवल उनकी छवि को नुकसान पहुंचा है, बल्कि आम लोगों को आर्थिक क्षति भी उठानी पड़ी है।

हाल ही में राज्यसभा सांसद, प्रसिद्ध लेखिका और समाजसेवी सुधा मूर्ति भी डीप फेक का शिकार हुई हैं। उनकी आवाज़ और चेहरे का इस्तेमाल कर बनाए गए फर्जी वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुए, जिनमें उन्हें विभिन्न वित्तीय योजनाओं का प्रचार करते हुए दिखाया गया। इन वीडियो ने देखते ही देखते बड़ी संख्या में लोगों तक अपनी पहुंच बना ली, जिससे भ्रम की स्थिति उत्पन्न हो गई।

धनीश शर्मा

लेखक

इन घटनाओं के बीच सुधा मूर्ति स्वयं सामने आईं और इन वीडियो को पूरी तरह फर्जी बताया। उन्होंने स्पष्ट किया कि इंटरनेट पर उनकी आवाज़ और चेहरे का इस्तेमाल कर बनाए जा रहे सभी वीडियो तकनीक के दुरुपयोग का परिणाम हैं। उन्होंने लोगों से अपील की कि ऐसे किसी भी विज्ञापन या संदेश पर भरोसा न करें और सतर्क रहें। उनका कहना था कि वे कभी भी किसी निवेश योजना या पैसों से जुड़े प्रचार का हिस्सा नहीं रही हैं।

वहीं फेसबुक और अन्य सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर उनके नाम से दो-तीन वीडियो तेज़ी से वायरल होते रहे, जिनमें यह दावा किया गया कि यदि कोई व्यक्ति 200 डॉलर या 20,000 रुपये का निवेश करता है, तो उसे दस गुना तक रिटर्न मिलेगा। सुधा मूर्ति ने इन दावों को पूरी तरह झूठा और भ्रामक बताया। उन्होंने कहा कि इस तरह के लालच भरे संदेशों का उद्देश्य केवल लोगों को ठगना है। सुधा मूर्ति इन्फ़ोसिस के संस्थापक एनआर नारायण मूर्ति की पत्नी हैं और इन्फ़ोसिस फ़ाउंडेशन की संस्थापिका रही हैं। कॉरपोरेट जगत के साथ-साथ उन्होंने शिक्षा, स्वास्थ्य, ग्रामीण विकास और महिला सशक्तिकरण जैसे क्षेत्रों में उल्लेखनीय योगदान दिया है।

डीप फेक केवल किसी एक व्यक्ति या क्षेत्र तक सीमित नहीं है। भारत में इससे पहले भी कई नामचीन हस्तियां इसका शिकार हो चुकी हैं। अभिनेत्री रश्मिका मंदाना का डीप फेक वीडियो वर्ष 2023 में वायरल हुआ था, जिसमें किसी अन्य महिला के शरीर पर उनका चेहरा जोड़ दिया गया था। वहीं क्रिकेट के दिग्गज सचिन तेंदुलकर की आवाज़ और चेहरे का इस्तेमाल कर एक फर्जी वीडियो बनाया गया, जिसमें उन्हें ऑनलाइन गेमिंग और निवेश ऐप का प्रचार करते हुए दिखाया गया। अभिनेता आमिर खान की आवाज़ की नकल कर राजनीतिक प्रचार से जुड़ा डीप फेक ऑडियो भी सामने आ चुका है।

डीप फेक एक आधुनिक डिजिटल तकनीक है, जिसके ज़रिये किसी व्यक्ति के चेहरे, आवाज़ और हाव-भाव की हूबहू नकल की जा सकती है। सही हाथों में यह तकनीक फ़िल्म, शिक्षा और मनोरंजन के क्षेत्र में उपयोगी साबित हो सकती है, लेकिन गलत इस्तेमाल के कारण यह फर्जी समाचार फैलाने, आर्थिक ठगी करने और सामाजिक भ्रम पैदा करने का बड़ा माध्यम बनती जा रही है। सोशल मीडिया के तेज़ प्रसार के कारण ऐसा कंटेंट कुछ ही समय में लाखों लोगों तक पहुंच जाता है। अब समय आ गया है कि डीप फेक को लेकर आम लोगों को भी अधिक जागरूक होना पड़ेगा।

# बजट: कंटेंट क्रिएटर्स को प्रोत्साहन दूरदर्शी फैसला

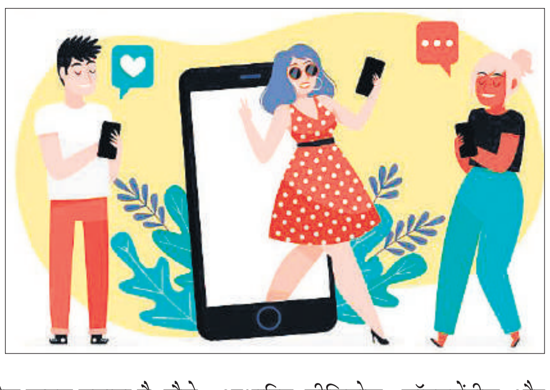

विवेक शुक्ला

पूर्व सूचना अधिकारी यूएई एंबेसी

बजट में आर्थिक विकास, क्षमता निर्माण और सबका साथ, सबका विकास पर जोर दिया गया है। विशेष रूप से, क्रिएटिव इंडस्ट्रीज या 'ऑरेंज इकोनॉमी' को बढ़ावा देने के लिए कई महत्वपूर्ण घोषणाएं की गईं, जो कंटेंट क्रिएटर्स को सीधे लाभ पहुंचाएगी। ऑरेंज इकोनॉमी का मतलब क्रिएटिव सेक्टर से है, जिसमें एनिमेशन, विजुअल इफेक्ट्स, गेमिंग, कॉमिक्स (AVGC) और डिजिटल कंटेंट शामिल हैं। ऑरेंज इकोनॉमी वैश्विक स्तर पर तेजी से बढ़ रही है। भारत में यह सेक्टर न केवल रोजगार सृजन कर रहा है, बल्कि सांस्कृतिक निर्यात को भी बढ़ावा दे रहा है। वित्त मंत्री ने बजट भाषण में कहा कि AVGC इंडस्ट्री को 2030 तक लगभग 20 लाख प्रोफेशनल्स की आवश्यकता होगी। इसे ध्यान में रखते हुए, सरकार ने क्रिएटिव इंडस्ट्रीज को नई ऊर्जा देने का फैसला किया है। यह पहल युवाओं को डिजिटल स्किल्स से लैस करके भविष्य के लिए तैयार करने पर केंद्रित है।

दिल्ली-एनसीआर के युवा वैज्ञानिक श्रेयांस जैन कहते हैं कि वित्त मंत्री ने अपने बजट प्रस्तावों में नई रिसर्च करने वाले तमाम उत्साही युवाओं और अन्य लोगों को तोहफा दिया है। सरकारी सहयोग के अभाव में बहुत सारे लोगों के रिसर्च प्रोजेक्ट आगे नहीं बढ़ पा रहे थे। पर अब यह नहीं होगा। श्रेयांस जैन और आईआईटी के कई सहयोगी बैलून-सहायता प्राप्त रॉकेट लॉन्च सिस्टम विकसित कर रहे हैं। इस तकनीक में एक बड़ा बैलून रॉकेट को ऊपरी वायुमंडल तक ले जाता है, जहां हवा पतली होती है और प्रतिरोध कम। वहां से रॉकेट प्रज्वलित होता है, जिससे ईंधन की बचत होती है और पेलोड क्षमता 2-3 गुना बढ़ जाती है।

बजट में ऑरेंज इकोनॉमी को 'क्रिएटिव जॉब्स का नया इंजन' कहा गया है। यह सेक्टर सेवाओं पर आधारित विकास को बढ़ावा देगा। पहले से ही भारत के क्रिएटिव सेक्टर में स्टार्टअप्स की बाढ़ आ रही है, लेकिन स्किल गैप एक बड़ी चुनौती है। बजट इस गैप को भरने के लिए ठोस कदम उठाता है, जैसे कि एजुकेशनल इंस्टीट्यूशन में लैब्स स्थापित करना। इससे कंटेंट क्रिएटर्स को स्कूल और कॉलेज स्तर से ही ट्रेनिंग मिलेगी, जो उन्हें प्रोफेशनल वर्ल्ड में एंट्री के लिए तैयार करेगा।

बजट की सबसे प्रमुख घोषणा है मुंबई स्थित इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ क्रिएटिव टेक्नोलॉजीज (IICT) को सपोर्ट देकर कंटेंट क्रिएटर लैब्स स्थापित करना। वित्त मंत्री ने प्रस्ताव रखा कि 15,000 सेकेंडरी स्कूलों और 500 कॉलेजों में ये लैब्स सेट अप किए जाएंगे। ये लैब्स छात्रों को एनिमेशन, विजुअल इफेक्ट्स, गेमिंग और कॉमिक्स बनाने की ट्रेनिंग देंगे।

ये लैब्स क्यों महत्वपूर्ण हैं? श्रेयांस जैन कहते हैं कि आज की डिजिटल दुनिया में कंटेंट क्रिएटर्स यूट्यूब, इंस्टाग्राम और अन्य प्लेटफॉर्म्स पर लाखों कमाते हैं, लेकिन कई युवाओं को प्रोफेशनल टूल्स और ट्रेनिंग की कमी होती है। ये लैब्स वीडियो प्रोडक्शन, एडिटिंग, डिजिटल स्टोरीटेलिंग और एक्सटेंडेड रियलिटी (XR) जैसी स्किल्स सिखाएंगी। IICT के नेतृत्व में ये लैब्स ग्रास रूट स्तर पर टैलेंट को निखारेंगी, जिससे भारत का क्रिएटर वर्क फोर्स मजबूत होगा। उद्योग विशेषज्ञों का मानना है कि इससे गेम डेवलपर्स, आर्टिस्ट्स और स्टोरी टेलर्स की नई पीढ़ी तैयार होगी, जो इंटेलेक्चुअल प्रॉपर्टी पर आधारित कंटेंट बनाएगी।

इसके अलावा, बजट में ईस्टर्न रीजन में एक नया नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ डिजाइन एंड डेवलपमेंट स्थापित करने का प्रस्ताव है। यह डिजाइन एजुकेशन को बढ़ावा देगा, जहां कंटेंट क्रिएटर्स विजुअल डिजाइनिंग सीख सकेंगे। एक और महत्वपूर्ण पहल है डिजिटल नॉलेज ग्रिड का निर्माण, जो भारत की ऐतिहासिक, सांस्कृतिक और पर्यटन संपत्तियों को डिजिटली डॉक्यूमेंट करेगा। वित्त मंत्री ने कहा कि इससे हिस्टोरियंस, रिसर्चर्स और कंटेंट क्रिएटर्स के लिए नए जॉब्स बनेंगे। यह ग्रिड एक ओपन प्लेटफॉर्म होगा, जहां कंटेंट क्रिएटर्स भारतीय हेरिटेज पर आधारित वीडियोज, डॉक्यूमेंट्रीज और डिजिटल कंटेंट बना सकेंगे। यह पहल क्यों प्रोत्साहनकारी है? कंटेंट क्रिएटर्स अक्सर ऑथेंटिक सोर्स की तलाश में रहते हैं। डिजिटल नॉलेज ग्रिड उन्हें हाई-क्वालिटी डेटा प्रदान करेगा, जिससे वे एजुकेशनल और एंटरटेनमेंट कंटेंट बना सकेंगे। इससे टूरिज्म को भी बढ़ावा मिलेगा, क्योंकि 20 आइकॉनिक डेस्टिनेशंस पर 10,000 टूरिस्ट गाइड्स को अपस्किल करने का पायलट प्रोग्राम शुरू होगा। कंटेंट क्रिएटर्स इन डेस्टिनेशंस पर वीडियोज बनाकर मोनेटाइज कर सकेंगे।

बजट में क्रिएटिव सेक्टर के लिए अप्रत्यक्ष प्रोत्साहन भी है। इस बाबत 10,000 करोड़ रुपये रखे गए हैं, जो क्रिएटिव स्टार्टअप्स को फंडिंग देगा। साथ ही, म्यूनिसिपल बॉन्ड्स के लिए 100 करोड़ का इंसेंटिव बड़े शहरों में इंफ्रास्ट्रक्चर सुधारने में मदद करेगा, जो क्रिएटिव हब्स विकसित कर सकता है।

इस बीच, आज के समय में यूट्यूबर, पॉडकास्टर, इंस्टाग्राम क्रिएटर, गेमिंग स्ट्रीमर और डिजिटल लेखक एक नई अर्थव्यवस्था का हिस्सा बन चुके हैं। बजट में इन्हें सीधे नाम लेकर भले कुछ न दिया गया हो। सबसे पहले डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर की बात करें। सरकार ने इंटरनेट कनेक्टिविटी, 5G, और डिजिटल सेवाओं को मजबूत करने पर ज़ोर दिया है। इसका सीधा फायदा कंटेंट क्रिएटर्स को मिलता है, क्योंकि बेहतर इंटरनेट का मतलब है तेज़ अपलोड, बेहतर लाइव स्ट्रीमिंग और ज़्यादा दर्शकों तक पहुंचना। ग्रामीण और छोटे शहरों में इंटरनेट फैलने से नए क्रिएटर्स को भी मौका मिल रहा है।

दिल्ली यूनिवर्सिटी के प्रो. प्रभांशु ओझा कहते हैं कि निर्मला सीतारमण का बजट कंटेंट क्रिएटर्स को एजुकेशन, स्किलिंग और जॉब क्रिएशन के माध्यम से प्रोत्साहित करता है। ये लैब्स और डिजिटल नॉलेज ग्रिड जैसी पहलें भारत को क्रिएटिव सुपर पॉवर बनाने की दिशा में कदम हैं। यह बजट युवा-केंद्रित है, जो 'विकसित भारत' के विजन को मजबूत करता है।

> बजट में विशेष रूप से, क्रिएटिव इंडस्ट्रीज या 'ऑरेंज इकोनॉमी' को बढ़ावा देने के लिए कई महत्वपूर्ण घोषणाएं की गईं, जो कंटेंट क्रिएटर्स को सीधे लाभ पहुंचाएगी।

### आमने सामने

मेरे पास नरवणे की किताब में लिखी बातें हैं, जिन्हें पढ़कर यह समझ आ जाएगा कि 'कौन देशभक्त है और कौन नहीं।' नरवणे की किताब में लिखा है कि डोकलाम में चार चीनी टैंक भारत की धरती पर आ रहे थे, वे करीब 100 मीटर दूर थे।

-राहुल गांधी
नेता प्रतिपक्ष

मैं चाहता हूं कि लोकसभा में विपक्ष के नेता सदन के समक्ष वह पुस्तक प्रस्तुत करें, जिसका वे हवाला दे रहे हैं, क्योंकि जिस पुस्तक का वे उल्लेख कर रहे हैं, वह प्रकाशित नहीं हुई है। राहुल गांधी को सदन में बिना तथ्य के बोलने की इजाजत न मिले।

-राजनाथ सिंह
रक्षा मंत्री

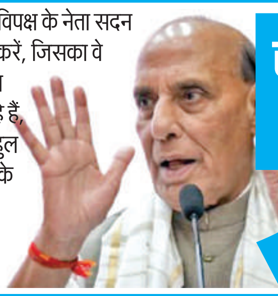

# पाकिस्तान: बलूचिस्तान के विद्रोह के निहितार्थ

अरविंद जयतिलक

लेखक

यह पहली बार नहीं है जब बलूचिस्तान लिबरेशन आर्मी के लड़ाकों द्वारा अपनी आजादी का बिगुल फूंका गया है। वे पाकिस्तान के निर्माण के समय से ही अपनी आजादी की मांग कर रहे हैं। आमतौर पर उनके आंदोलन का आधार लोकतांत्रिक है, लेकिन जब पाकिस्तानी सरकार का अत्याचार बढ़ा तो उन्हें हथियार उठाने की जरूरत आन पड़ी। अब वे अपनी आजादी के लिए किसी भी हद तक जाने को तैयार हैं। देखा भी जा रहा है कि वे पाकिस्तान की सरकार और सेना दोनों को कड़ी चुनौती दे रहे हैं।

गत वर्ष ही बलूच लिबरेशन आर्मी (बीएलए) के लड़ाकों ने जाफर एक्सप्रेस ट्रेन को हाइजैक कर पाकिस्तानी हुकूमत के माथे पर शिकन ला दिया था। इससे निपटने में पाकिस्तानी सेना के पसीने छूट गए थे। उस समय पाकिस्तान ने बीएलए लड़ाकों के हाथ तीस पाकिस्तानी सैनिकों की हत्या की बात कबूली थी। ध्यान देना होगा कि बलोच लिबरेशन आर्मी लगातार मांग करता आ रहा है कि पाकिस्तान सरकार बलूच के राजनीतिक कैदियों, गायब हुए लोगों, अलगाववादी नेताओं, लड़ाकों और उनके कार्यकर्ताओं को बिना किसी शर्त के रिहा करे। अन्यथा उन्हें खतरनाक परिणाम भुगतना होगा, लेकिन पाकिस्तान का अत्याचार जारी है।

जानना आवश्यक है कि बलूचिस्तान तेल और खनिज से संपन्न पाकिस्तान का सबसे बड़ा और कम आबादी वाला राज्य है। यहां सर्वाधिक आबादी बलूचों की है और उनका आरोप है कि पाकिस्तान की सरकार उनके साथ भेदभाव और शोषण करती है। उनके खनिज संपदा का जमकर दोहन करती है, लेकिन उनकी बुनियादी जरूरतों का तनिक भी ख्याल नहीं रखती है। कहना गलत नहीं होगा कि राजनीतिक तौर पर बलूचों के साथ भेदभाव, नाइंसाफी और शोषण ने वहां के लोगों के मन में पाकिस्तानी सरकार के खिलाफ नफरत का भाव भर दिया है।

पाकिस्तानी सेना दशकों से बलूचिस्तान में अलगाववादियों का उत्पीड़न व हत्या कर रही है। अब तक पाकिस्तानी सेना के हाथों हजारों बलूच नागरिक मारे जा चुके हैं। पाकिस्तानी सेना द्वारा 2006 में बलोच नेता नवाब अकबर बुगती की हत्या के बाद बलूचियों पर अत्याचार पहले से बढ़ गया है। 2005 में अकबर बुगती और मीर बलाच मार्री द्वारा पाकिस्तान सरकार के समक्ष 15 सूत्री मांग रखी गई थी। इस मांग में बलूचिस्तान प्रांत के संसाधनों पर ज्यादा नियंत्रण और सैनिक ठिकानों के निर्माण पर रोक का मुद्दा शीर्ष पर था, लेकिन पाकिस्तानी सरकार ने मांगों को खारिज कर दिया। नतीजा टकराव बढ़ गया।

हकीकत यह है कि बलूचिस्तान के नागरिक अलगाववादी नहीं, बल्कि अपने अधिकारों के लिए लड़ रहे हैं। बलूचिस्तान प्राकृतिक संसाधनों से लैस है। पाकिस्तान के कुल प्राकृतिक गैस का एक तिहाई यहीं से निकलता है, लेकिन विडंबना है कि उसका आनुपातिक लाभ बलूचिस्तान को नहीं मिलता है। उदाहरण के लिए 1952 में बलूचिस्तान के डेरा बुगती में गैस के भंडार का पता लगा और 1954 से गैस का उत्पादन शुरू हो गया। पाकिस्तान के अन्य तीनों प्रांतों को उसका लाभ तुरंत मिलने लगा, लेकिन बलूचिस्तान को यह लाभ 1985 में मिला।

इसी तरह चीन के साथ तांबा, सोना और चांदी उत्पादन करने की पाकिस्तानी चगाई मरुस्थल योजना ने 2002 में आकार लिया। तय हुआ कि बलूचिस्तान को उसका वाजिब लाभ मिलेगा, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। इस योजना के तहत प्राप्त लाभ में चीन का हिस्सा 75 फीसद और पाकिस्तान का 25 फीसद है, लेकिन इस 25 फीसद में बलूचिस्तान के हिस्से में सिर्फ दो फीसद ही आता है। यह स्थिति तब है जब पाकिस्तानी संविधान के 18वें संशोधन के मुताबिक बलूचिस्तान को विशेष अधिकार प्राप्त हैं। इसी नाइंसाफी का नतीजा है कि बलूचिस्तान के नागरिक आक्रोशित हैं और पाकिस्तान से अलग होने की मांग कर रहे हैं।

इतिहास में जाएं तो 15 अगस्त, 1947 को भारत के साथ ही बलूचिस्तान ने भी अपनी आजादी का एलान किया था, लेकिन अप्रैल 1948 में पाकिस्तानी सेना ने मीर अहमद यार खान को अपना राज्य कलात छोड़ने पर मजबूर कर दिया। उनसे जबरन कलात की आजादी के खिलाफ समझौते पर हस्ताक्षर करवाया गया, जबकि उनके भाई प्रिंस अब्दुल करीम खान इस समझौते के विरुद्ध थे। वे किसी भी कीमत पर बलूचिस्तान का 23 फीसद हिस्सा पाकिस्तान को देने को तैयार नहीं थे, लिहाजा उन्होंने 1948 में पाकिस्तान के खिलाफ अलगाव का बिगुल फूंक दिया। उनके नेतृत्व में बलूच नागरिकों ने अफगानिस्तान की जमीन से पाक सैनिकों के खिलाफ गुरिल्ला जंग छेड़ दिया।

इस संघर्ष को नवाब नवरोज खान ने आगे बढ़ाया, लेकिन इसकी कीमत उन्हें भारी चुकानी पड़ी। पाकिस्तान की सरकार ने उनके दोनों बेटों और भतीजों को फांसी पर लटका दिया। इस अत्याचार के बाद भी जब बलूचों का स्वर धीमा नहीं पड़ा तो यहां 1973-74 में मार्शल लॉ लागू कर दिया गया और अलगाववादियों के विरुद्ध दमनात्मक कार्रवाई तेज हो गई।

> पहली बार नहीं है जब बलूचिस्तान लिबरेशन आर्मी के लड़ाकों ने आजादी का बिगुल फूंका है। वे पाकिस्तान के निर्माण से ही आजादी की मांग कर रहे हैं।

### सोशल फोरम

## सबसे पहले घोड़ों को डराने में हुआ बारूद का इस्तेमाल

ऐन जलूत के युद्ध (Battle of Ain Jalut) और मामलुक वंश के उदय ने इतिहास की धारा बदल दी थी। ऐन जलूत का युद्ध (1260), जहां मंगोलों का अजेय रथ रुका। बगदाद के पतन के बाद ऐसा लग रहा था कि मंगोल पूरे इस्लाम जगत को मिटा देंगे, लेकिन ऐन जलूत की लड़ाई ने इस धारणा को बदल दिया।

शोएब गाजी

ब्लॉगर

रणनीति और धोखा: मामलुक सेनापति कुतुज़ (Qutuz) और बैबर्स (Baibars) ने मंगोलों की अपनी ही रणनीति (पीछे हटने का नाटक करना) का इस्तेमाल उनके खिलाफ किया। वे मंगोलों को एक संकरी घाटी में खींच लाए, जहां पहले से ही मामलुक घुड़सवार छिपे हुए थे।

हलाकू की अनुपस्थिति: एक महत्वपूर्ण मोड़ तब आया जब मंगोल महान खान (मोंगके खान) की मृत्यु हो गई और हलाकू अपनी सेना का एक बड़ा हिस्सा लेकर वापस लौट गया, पीछे केवल एक छोटी टुकड़ी (करीब 10,000–20,000 सैनिक) छोड़ गया।

परिणाम: यह इतिहास में पहली बार था कि मंगोलों को किसी आमने-सामने की लड़ाई में निर्णायक रूप से हार का सामना करना पड़ा और वे कभी उस हार का बदला नहीं ले पाए।

मामलुक वंश: 'मामलुक' शब्द का अर्थ होता है 'स्वामित्व वाला' या गुलाम। ये योद्धा गुलाम थे, जिन्हें बचपन से ही सैन्य प्रशिक्षण दिया जाता था। वे मध्य युग के सबसे बेहतरीन प्रशिक्षित घुड़सवार योद्धा माने जाते थे।

राजनीतिक बदलाव: जब बगदाद के खलीफा का पतन हुआ, तो मामलुक सुल्तानों ने खुद को इस्लाम का रक्षक घोषित कर दिया। उन्होंने जीवित बचे अब्बासी राजकुमारों को काहिरा (Cairo) में शरण दी और उन्हें नाममात्र का खलीफा बनाए रखा, ताकि उनकी अपनी सत्ता को धार्मिक वैधता मिल सके।

विरासत: उन्होंने न केवल मंगोलों को रोका, बल्कि धर्मयुद्ध (Crusades) करने वाली यूरोपीय सेनाओं को भी मध्य पूर्व से पूरी तरह बाहर कर दिया।

एक रोचक तथ्य: ऐन जलूत के युद्ध में पहली बार हैंड कैनन (Hand Cannons) या शुरुआती बारूद के हथियारों का इस्तेमाल मंगोल घोड़ों को डराने के लिए किया गया था।

-फेसबुक वॉल से

### सामयिकी

## शिक्षा बजट से उम्मीदें और आशंकाएं

सरकार ने शिक्षा बजट में 8.27 प्रतिशत की वृद्धि कर 1,39,289 करोड़ रुपये का प्रावधान किया है, जो निसंदेह यह संकेत देता है कि शिक्षा को विकास की धुरी मानने की सोच अभी जीवित है, हालांकि सवाल यह भी है कि क्या यह वृद्धि देश की विशाल युवा आबादी, क्षेत्रीय असमानताओं और शिक्षा की गुणवत्ता से जुड़ी चुनौतियों के मुकाबले पर्याप्त है या फिर यह केवल एक प्रतीकात्मक कदम बनकर रह जाएगी। इस बजट का सबसे अधिक चर्चित और सामाजिक दृष्टि से महत्वपूर्ण प्रस्ताव देश के हर जिले में गर्ल्स हॉस्टल निर्माण की घोषणा है। 789 जिलों में छात्रावासों की यह योजना बालिका शिक्षा को लेकर लंबे समय से चली आ रही संरचनात्मक बाधाओं को तोड़ने का प्रयास है।

ग्रामीण व पिछड़े इलाकों में शिक्षा छोड़ने की सबसे बड़ी वजह सुरक्षा, आवास और सामाजिक दबाव हैं। यदि यह योजना समयबद्ध, पारदर्शी और गुणवत्तापूर्ण ढंग से लागू होती है, तो यह न केवल उच्च शिक्षा में लड़कियों की भागीदारी बढ़ाएगी बल्कि स्टैम (एसटीईएम) जैसे क्षेत्रों में उनकी मौजूदगी को भी मजबूत करेगी। पूर्व में घोषित कई छात्रावास योजनाएं अधूरी इमारतों, अपर्याप्त सुविधाओं और संचालन के अभाव में दम तोड़ चुकी हैं। बजट घोषणा के साथ-साथ राज्यों के साथ समन्वय, रखरखाव और सामाजिक जागरूकता पर भी उतना ही जोर जरूरी होगा।

योगेश कुमार गोयल

वरिष्ठ पत्रकार

सरकार का 'एजुकेशन टू एम्प्लॉयमेंट एंड एंटरप्राइज' दृष्टिकोण इस बजट की वैचारिक रीढ़ कहा जा सकता है। उच्च शिक्षा और रोजगार के बीच की खाई भारतीय शिक्षा व्यवस्था की सबसे बड़ी विफलताओं में से एक रही है। इस अंतर को पाटने के लिए हाई-पॉवर स्थायी समिति के गठन की घोषणा स्वागत योग्य है, लेकिन भारत जैसे विविधतापूर्ण देश में केवल समितियों से बदलाव की उम्मीद करना बेमानी होगा। जब तक पाठ्यक्रम, मूल्यांकन प्रणाली और फैकल्टी ट्रेनिंग में ठोस सुधार नहीं होंगे, तब तक डिग्रीधारी, लेकिन बेरोजगार युवाओं की समस्या बनी रहेगी। समिति का असली मूल्यांकन उसके सुझावों की गति और जमीन पर उनके क्रियान्वयन से होगा।

पांच यूनिवर्सिटी टाउनशिप विकसित करने का प्रस्ताव शिक्षा, शोध और उद्योग के त्रिकोण को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वाकांक्षी कदम है। औद्योगिक और लॉजिस्टिक्स हब के आसपास विश्वविद्यालयों, शोध केंद्रों और आवासीय परिसरों का एकीकृत विकास, यदि सही ढंग से हुआ, तो यह भारतीय उच्च शिक्षा को वैश्विक मानकों के करीब ला सकता है। इससे इंटर्नशिप, अप्रेंटिसशिप और प्लेसमेंट के अवसर बढ़ेंगे और छात्रों को 'रेडी फॉर इंडस्ट्री' बनाया जा सकेगा। भारत में पहले से मौजूद कई औद्योगिक क्षेत्रों के आसपास शिक्षा संस्थानों का विकास असंतुलित रहा है, जहां निजी संस्थान गुणवत्ता के बजाय मुनाफे को प्राथमिकता देते हैं। ऐसे में यूनिवर्सिटी टाउनशिप मॉडल को केवल रियल एस्टेट प्रोजेक्ट न बनने देने के लिए कड़े नियामक ढांचे और अकादमिक स्वायत्तता की जरूरत होगी।

आयुष और आयुर्वेद को लेकर बजट में की गई घोषणाएं भारत की पारंपरिक ज्ञान प्रणाली को वैश्विक मंच पर स्थापित करने की कोशिश का हिस्सा हैं। तीन नए अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थानों की स्थापना, आयुर्वेदिक दवाओं की टेस्टिंग के लिए नेशनल लैब्स और बायोफार्मा हब बनाने की योजना, यह सब आयुर्वेद को वैज्ञानिक और व्यावसायिक आधार देने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम हैं। कोविड-19 के बाद आयुर्वेद को मिली वैश्विक स्वीकार्यता को यदि मानकीकरण, शोध और गुणवत्ता नियंत्रण के साथ आगे बढ़ाया गया, तो भारत इस क्षेत्र में नेतृत्व कर सकता है।


स्वामी-रुहेलखंड इंटरप्राइजेज के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक त्रिनाथ शुक्ला द्वारा प्लाट नं.-42, निकट बद्री नगर, इंडस्ट्रियल एरिया, नादरगंज, लखनऊ-226008 (उ.प्र.) से मुद्रित एवं 117/एल/320-ए, नवीन नगर काकादेव, कानपुर नगर 208001 (उ.प्र.) से प्रकाशित। **संपादक- राजेश श्रीनेत, कार्यकारी संपादक- दिग्विजय सिंह*** 0512-2548300 (कार्यालय), ईमेल- editorschoice@amritvichar.com, आर.एन.आई नं0-UPHIN/2022/85730 *इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उत्तरदायी।(नोट-सभी विवादों का न्यायक्षेत्र कानपुर होगा)।

# अंतस

# प्राचीन तीर्थों में प्रमुख संभल

गौरीशंकर वैश्य विनम्र
लखनऊ

सृष्टि के आरंभ में ही भगवान विश्वकर्मा ने अड़सठ तीर्थों और उन्नीस पुण्य कूपों के सहित संभल तीर्थ का निर्माण किया था। सत्ययुग में इसका नाम 'सत्यव्रत', त्रेता में 'महागिरि', द्वापर में 'पिंगल' और अब कलियुग में 'शंभल' है। शंभल आजकल 'संभल' नाम से प्रसिद्ध है। संभल माहात्म्य और अन्य पुराणों में भी तालव्य शकार से 'शंभल' नाम का उल्लेख है, किंतु आजकल 'संभल' नाम ही प्रचलित है। यह इसलिए है, क्योंकि कुछ लोग तालव्य 'शकार का उच्चारण नहीं कर पाते। ऐसा माना जाता है कि 'शंभल' और 'संभल' दोनों 'शम्भ्वालय' शब्द के अपभ्रंश हैं। 'शम्भ्वालय' शब्द से 'शंभु का आलय' अर्थ स्पष्ट ध्वनित होता है। इसे गुप्त रखने के लिए ही इस स्थान को 'शंभल' कहा जाता है।

## पृथ्वीराज चौहान की राजधानी

संभल अति प्राचीनकाल से पावन भगवद्धाम के रूप में प्रसिद्ध रहा है। आधुनिक शोधकर्ताओं ने भी इस पर व्यापक रूप से प्रकाश डाला है। प्राप्त निष्कर्षों के आधार पर छठी शताब्दी में हर्ष के शासनकाल में संभल में ब्राह्मणों की प्रधानता थी और उनके माध्यम से ज्ञान का सूर्य संभल में उदयाचल के शिखर पर चमक रहा था। डॉ. ब्रजेन्द्रमोहन शांख्यधर के अनुसार ईसा की बारहवीं शताब्दी के पूर्वार्द्ध में पृथ्वीराज चौहान का संभल में आधिपत्य था तथा उनकी पुत्री बेला वहां सती हुई थी। उन्होंने शत्रुओं पर आक्रमण करने के लिए और उनके आक्रमणों से बचने के लिए संभल को अपनी राजधानी भी बनाया था। यहां सुरंगों के माध्यम से अपनी रक्षा का प्रबंध किया गया था। यहां दिल्ली, अजमेर और कन्नौज को जाने वाली सुरंगें थीं। खुदाई होने पर अब कहीं-कहीं उनके चिह्न मिलते हैं।

## तीनों कोनों पर स्थापित शिवलिंग

संभल माहात्म्य के पढ़ने से ज्ञात होता है कि पूरा संभल हरि-मंदिर ही है। इसके तीनों कोनों पर तीन शिवलिंग स्थापित हैं। दक्षिण में संभलेश्वर, पूर्व में चंद्रेश्वर और उत्तर में भुवनेश्वर। इन तीन कोनों वाले संभल की बाहरी परिक्रमा चौबीस कोस की है। प्रत्येक कार्तिक शुक्लपक्ष की चतुर्थी-पंचमी को इस परिक्रमा में हजारों नर-नारी सम्मिलित होते हैं। इसके बारह कोस के भीतरी क्षेत्र में अड़सठ तीर्थ और उन्नीस कूप हैं। इसके इतने बड़े आकार में ब्रह्मा जी का निवास है। इसके ठीक मध्य में तलवार हाथ में लिए, घोड़े पर सवार श्रीकल्कि भगवान की दिव्यमूर्ति से सुशोभित 'हरिमंदिर' था, जिसे मध्यकाल में विधर्मी आक्रांताओं द्वारा ध्वस्त कर दिया गया। बाद में इंदौर की महारानी अहिल्याबाई होल्कर ने इस स्थान के निकट एक बैष्णव मंदिर का निर्माण करवाया, जो अब श्रीविष्णु कल्कि मंदिर नाम से प्रसिद्ध हैं। कल्कि पुराण तृतीय अंश 18 अध्याय, श्लोक 4 में स्पष्ट उल्लेख है -यत्राष्टषष्टितीर्थानां सम्भवः शम्भलेभवत्। मृत्योर्मोक्षः क्षितौ कल्केरकलस्य पदाश्रयात्।। अर्थात् जहां अड़सठ तीर्थों का संभव हुआ है, वह तीर्थ शिरोमणि संभल भगवान, कल्कि के चरणों के प्रताप से मोक्ष का धाम है।

## पुराणों में वर्णित संभल

कल्कि पुराण में कल्कि भगवान के संभल में अवतरण की विस्तृत कथा वर्णित है। श्लोक 1/1/15 कहता है - प्रलयकाल के अंत में जगत की सृष्टि करने वाले लोकपितामह ब्रह्मा अपनी पीठ से भयंकर मलिन पातक की सृष्टि की, वह अधर्म नाम से विख्यात हुआ। उस अधर्म का प्रचार आरंभ होते ही सब देवता दुखी होकर श्रीनारायण को भूमंडल की दुर्दशा सुनाते हैं। तब विष्णु भगवान संभल (उत्तर प्रदेश) में विष्णुयशा ब्राह्मण के यहां अपने अवतार का वचन देते हैं। लक्ष्मी जी सिंहलद्वीप में बृहद्रथ राजर्षि की धर्मपत्नी कौमुदी की कोख से जन्म लेती हैं। इनका नाम 'पद्मा' है। कल्कि भगवान का वैशाखमास के शुक्लपक्ष की द्वादशी के दिन कन्या लग्न में अवतार होता है। भगवान चतुर्भुजरूप से माता-पिता को दर्शन देकर ब्रह्मा जी की प्रार्थना से द्विभुज रूप धारण करते हैं। भगवान शिव के द्वारा भेजे गए वेदमय शुक के माध्यम से सिंघलद्वीप में पद्मावती के स्वयंवर का समाचार प्राप्त कर श्रीकल्कि भगवान उस स्वयंवर में पधारे। वहां लक्ष्मी रूपिणी के साथ श्रीकल्कि भगवान का विवाह संस्कार संपन्न हुआ। पद्मावती को साथ लेकर भगवान कल्कि ने विश्वकर्मा द्वारा सुसज्जित संभल नगर में प्रवेश किया। श्रीहरि की यह अवतारकथा परममंगलकारिणी है, जैसा कि कल्कि पुराण में कहा गया है- कल्कि महाविष्णु के परम अद्भुत अवतार की यह कथा भक्तिपूर्वक पढ़ने और सुनने वालों के सभी अमंगलों का नाश करने वाली है।

# 30 साल बाद बना शुक्र और शनि का दुर्लभ संयोग

आचार्य मधुरेंद्र पांडेय
ज्योतिष एवं वास्तु विशेषज्ञ

शनि-शुक्र का 30 साल बाद दुर्लभ संयोग मीन राशि में बना है, जिसने ज्योतिष जगत में मालव्य राजयोग का प्रारंभिक स्वरूप रचा है। यह योग स्थिरता के कारक शनि और सुख-वैभव के दाता शुक्र का अनुपम मेल है, जब शुक्र उदय अवस्था में अपनी उच्च राशि मीन की ओर अग्रसर होकर शनि से युति करेंगे। 28 जनवरी का अर्धकेंद्र योग (शनि मीन में, शुक्र मकर में) प्रारंभिक ऊर्जा का संकेत है, जो पूर्ण युति तक (मार्च तक) कार्य करता रहता है। शनि मीन में 29 मार्च 2025 से 3 जून 2027 तक रहेंगे, लेकिन शुक्र के साथ निकट युति केवल 2 मार्च से 26 मार्च तक चरम पर होगी। यह 30 वर्ष बाद का संयोग धन-प्रगति का लंबा प्रभाव छोड़ेगा।

## योग का ज्योतिषीय महत्व

शनि-शुक्र युति मीन में कर्म और भोग का दुर्लभ संतुलन स्थापित करती है। शनि पहले से मीन में स्थित हैं, जबकि शुक्र 1 फरवरी के उदय से ठीक पहले 28 जनवरी को इस योग को सक्रिय किया।

28 जनवरी 2026 से बना शनि-शुक्र का दुर्लभ अर्धकेंद्र योग (45 डिग्री दूरी) मुख्य रूप से एक दिवसीय या अल्पकालिक प्रभाव वाला है, लेकिन इसका व्यापक फल मीन युति तक जारी रहेगा। वास्तविक शनि-शुक्र युति मीन राशि में 2 मार्च 2026 को सुबह लगभग 5 बजे बनेगी और लगभग 26 दिनों तक (26 मार्च 2026 तक) प्रभावी रहेगी। हिंदू पंचांग के अनुसार, शुक्र का मीन गोचर 2 मार्च से शुरू होकर 28 मार्च के आसपास समाप्त होगा, जब शुक्र अगली राशि में प्रवेश करेंगे मीन जल राशि गुरु के अधीन होने से यह युति आध्यात्मिक ऊंचाइयों को भी छूएगी। पिछले 30 वर्षों में ऐसी युति दुर्लभ रही, जो जीवन के कठिन दौर को वैभवपूर्ण मोड़ देती है। वर्तमान गोचर चक्र में यह शनि की साढ़ेसाती और शुक्र की दशा प्रभावित राशियों के लिए वरदान सिद्ध होगा। वास्तु शास्त्र में उत्तर-पूर्व कोण की शुद्धि (जल स्रोत स्थापना) और फेंग-शुई में दक्षिण-पूर्वी क्षेत्र में गुलाबी क्रिस्टल रखने से ग्रह ऊर्जा का अधिकतम लाभ मिलेगा।

## सभी राशियों पर विस्तृत प्रभाव

- **मेष राशि:** 12 वें भाव में यह योग विदेश यात्रा, छिपे खर्चों पर नियंत्रण और आध्यात्मिक जागरण लाएगा। नौकरीपेशा लोगों को अप्रत्याशित लाभ, लेकिन जल्दबाजी से बचें। प्रेम संबंध गहराएंगे।
- **वृषभ राशि:** 11 वें भाव से मित्र मंडली और सामाजिक नेटवर्क से धन लाभ। विवाह योग प्रबल, व्यापारिक साझेदारी मजबूत होगी। सौंदर्य और विलासिता पर निवेश फलदायी।
- **मिथुन राशि:** 10 वें भाव में करियर का स्वर्णिम काल, प्रमोशन, नई जिम्मेदारियां। रचनात्मक क्षेत्रों में मान-सम्मान, प्रेमी से स्थायी बंधन की संभावना।
- **कर्क राशि:** भाग्य स्थान (9 वें भाव) सक्रिय, उच्च शिक्षा, धार्मिक यात्रा या पिता से सहयोग। कानूनी मामलों में विजय, धन संचय में वृद्धि।
- **सिंह राशि:** 8 वें भाव से विरासत, बीमा या रहस्यमय लाभ। वैवाहिक जीवन में मधुरता, स्वास्थ्य में सुधार, लेकिन नियमित जांच जरूरी। आध्यात्मिक साधना फलेगी।
- **कन्या राशि:** 7 वें भाव में साझेदारी मजबूत, व्यापार वृद्धि। नीच प्रभाव कम होकर वैवाहिक सुख बढ़ेगा, लेकिन निर्णय सावधानी से लें।
- **तुला राशि:** 6 वें भाव से शत्रु पर विजय, स्वास्थ्य उन्नति और नौकरी में स्थिरता। विवाद सुलझेंगे, ऋण मुक्ति के योग।
- **वृश्चिक राशि:** 5 वें भाव में संतान सुख, रोमांस चरम पर। रचनात्मकता, शिक्षा और निवेश में सफलता, कलात्मक क्षेत्र चमकेंगे।
- **धनु राशि:** 4 वें भाव से घर-सुख, वाहन खरीद और माता से लाभ। संपत्ति सौदे आदर्श, पारिवारिक शांति स्थापित होगी।
- **मकर राशि:** 3 वें भाव में साहस वृद्धि, भाई-बहन सहयोग। संचार, लेखन या मीडिया क्षेत्र में प्रगति, छोटी यात्राएं सुखद।
- **कुंभ राशि:** 2 वें भाव से धन वर्षा, वाणी शक्ति प्रभावी। पारिवारिक सुख, बचत में इजाफा और स्वादिष्ट भोजन का आनंद।
- **मीन राशि:** लग्न में योग व्यक्तित्व को चुंबकीय बनाएगा। विवाह, करियर और स्वास्थ्य में चरम सफलता यह आपका स्वर्णिम समय है।

पौराणिक कथा

## मौन का वरदान

प्राचीन काल में सरस्वती नदी के तट पर एक समृद्ध राज्य था। उस राज्य में देवदत्त नाम का एक विद्वान ब्राह्मण रहता था। शास्त्रों का उसे गहरा ज्ञान था, वाणी में अद्भुत प्रभाव था, किंतु उसका स्वभाव अत्यधिक वाचाल था। वह हर सभा में बोलता, हर विषय पर अपनी राय देता और प्रायः बिना सोचे-समझे कठोर वचन कह बैठता। उसकी विद्या के कारण लोग उसका सम्मान करते थे, पर उसके वचनों से कई मन आहत भी होते थे। एक दिन देवदत्त ज्ञान-यज्ञ के लिए वन की ओर गया। वहां उसे एक तपस्वी मिले, जो वर्षों से मौन व्रत धारण किए हुए थे। देवदत्त ने उन्हें बार-बार प्रश्न किए, पर वे शांत रहे। उनकी निःशब्द उपस्थिति ने देवदत्त को विचलित कर दिया। अंततः उसने उपहास करते हुए कहा, "हे मुनिवर, यदि आप बोल नहीं सकते तो तपस्या का क्या लाभ?" तभी उस तपस्वी का तेजस्वी रूप प्रकट हुआ। वे स्वयं बृहस्पति थे, देवताओं के गुरु। उन्होंने मधुर स्वर में कहा, "वत्स, वाणी ईश्वर का वरदान है, किंतु उसका संयम उससे भी बड़ा तप है।"

यह कहकर बृहस्पति ने देवदत्त को वरदान दिया- "एक दिन के लिए तुम्हारे मुख से केवल वही वचन निकलेंगे, जो सत्य और कल्याणकारी होंगे।" देवदत्त हंस पड़ा। उसे लगा यह तो साधारण-सा वरदान है। पर जैसे ही वह नगर लौटा, उसे अनुभव हुआ कि वह बिना सोचे कुछ भी नहीं बोल पा रहा है। जहां पहले वह तुरंत प्रतिक्रिया देता था, वहां अब उसे मौन रहना पड़ रहा था। कई बार लोग उससे प्रश्न करते, पर वह उत्तर देने से पहले भीतर झांकता कि क्या उसका वचन किसी को चोट तो नहीं पहुंचाएगा। दिन ढलते-ढलते देवदत्त को अनुभूति हुई कि मौन में एक अद्भुत शांति है। उसके शब्द अब कम थे, पर प्रभावशाली थे। जिन स्थानों पर वह पहले विवाद उत्पन्न करता था, वहां अब सौहार्द बन रहा था। संध्या समय बृहस्पति पुनः प्रकट हुए। देवदत्त ने विनम्र होकर कहा, "गुरुदेव, आज मैंने जाना कि अनियंत्रित वाणी अज्ञान है और संयमित मौन ही सच्चा ज्ञान।" बृहस्पति मुस्कराए और अंतर्धान हो गए। उस दिन से देवदत्त ने व्रत लिया कि वह बोलेगा तो सोचकर और मौन रखेगा तो समझकर।

बोधकथा

## अवसर और विवेक

एक साधारण-सा व्यक्ति अपनी रोजमर्रा की राह पर चला जा रहा था। दिन ढलने को था, धूप मद्धिम पड़ चुकी थी। तभी रास्ते में उसे एक गंभीर, तेजस्वी व्यक्तित्व वाला पुरुष दिखाई दिया। उसके चेहरे पर अद्भुत शांति और आंखों में गहराई थी। उस अजनबी ने थके स्वर में पानी मांगा। व्यक्ति ने बिना कोई प्रश्न किए, बिना यह सोचे कि सामने कौन है, अपना लोटा आगे बढ़ा दिया और उसकी प्यास बुझाई। पानी पीते ही उस पुरुष का स्वर बदल गया। उसने कहा, "वत्स, तुम मुझे पहचान नहीं सके, पर मैं यमराज हूं। आज मैं तुम्हारे प्राण लेने आया था। किंतु तुम्हारे इस निःस्वार्थ कर्म ने मुझे तुम्हें एक अवसर देने के लिए बाध्य कर दिया है।"

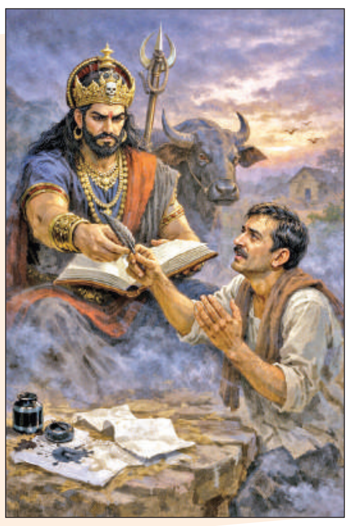

यह कहकर यमराज ने उसे एक डायरी थमाई और बोले, "इसमें जो कुछ भी तुम लिखोगे, वही सत्य हो जाएगा, किंतु ध्यान रहे, तुम्हारे पास केवल पांच मिनट हैं।" व्यक्ति का मन उत्सुकता और लोभ से भर उठा। उसने जल्दी-जल्दी डायरी के पन्ने पलटने शुरू किए। पहले पृष्ठ पर लिखा था कि उसका पड़ोसी लॉटरी जीतकर करोड़पति बनने वाला है। यह पढ़ते ही उसके मन में ईर्ष्या जाग उठी। उसने तुरंत लिख दिया कि पड़ोसी की लॉटरी न निकले। अगले पन्ने पर लिखा था कि उसका मित्र चुनाव जीतकर मंत्री बनने वाला है। उसे यह भी सहन नहीं हुआ। उसने लिख दिया कि वह चुनाव हार जाए। इसी तरह वह एक के बाद एक पन्ने पलटता गया और हर जगह दूसरों के उज्ज्वल भविष्य को अंधकार में बदलता चला गया। समय का ध्यान ही नहीं रहा। अंततः जब उसने अंतिम पन्ना पलटा, तो वहां उसका स्वयं का नाम लिखा था। उसका हृदय धड़क उठा। जैसे ही उसने अपनी किस्मत लिखने के लिए कलम उठाई, यमराज ने डायरी उसके हाथ से ले ली। यमराज गंभीर स्वर में बोले, "वत्स, तुम्हारा समय समाप्त हो चुका है। तुम्हें जो शक्ति अपने जीवन को संवारने के लिए दी गई थी, उसे तुमने दूसरों का अहित करने में व्यर्थ कर दिया। जिसने अपने अवसर का दुरुपयोग किया, वह स्वयं अपने विनाश का कारण बनता है। अब तुम्हारा अंत निश्चित है।" यह सुनते ही व्यक्ति का सिर लज्जा और पश्चाताप से झुक गया। उसकी आंखों से आंसू बहने लगे, किंतु अब समय लौटकर नहीं आ सकता था।

यह कथा हमें सिखाती है कि ईश्वर द्वारा दिया गया समय, शक्ति और अवसर अत्यंत मूल्यवान होते हैं, जो व्यक्ति दूसरों के कल्याण में उन्हें लगाता है, वही सच्चे अर्थों में सुखी और धन्य होता है। दूसरों का बुरा सोचने वाला अंततः स्वयं ही अपना भविष्य बिगाड़ लेता है।

# जीवन को संवारने वाला सर्वोत्तम गुण है संयम

मनुष्य जीवन को सुचारु, सार्थक और सुखद बनाने में कई गुणों की आवश्यकता होती है, जैसे सत्यनिष्ठा (ईमानदारी), करुणा और संवेदनशीलता, आत्मनियंत्रण (क्रोध, लालच, ईर्ष्या जैसी भावनाओं पर नियंत्रण), धैर्य, परिश्रम, अनुशासन, कृतज्ञता (जो मिला है उसकी सराहना करना और अहंकार से दूर रहना), सहयोग भावना, आदर और विनम्रता तथा सकारात्मक सोच आदि, लेकिन संयम उनमें सबसे उत्तम और प्रभावशाली गुण माना गया है। संस्कृत में बड़े ही खूबसूरत शब्दों में संयम के बारे में यह कहा गया है कि-'संयम : सर्वसाधूनां भूषणं परमं स्मृतम्। संयमेनैव जीवन्ति विद्वांसोऽखिलकारिषु॥' तात्पर्य यह है कि संयम सभी सज्जनों का परम आभूषण है। विद्वान लोग अपने सभी कार्यों में संयम के बल पर ही सफल होते हैं। वास्तव में यहां यह जानने और समझने की जरूरत है कि संयम का मतलब क्या है। दरअसल, संयम का अर्थ है-'अपने विचारों, इच्छाओं, भावनाओं और व्यवहार को नियंत्रित रखते हुए संतुलित ढंग से जीवन जीना। सरल शब्दों में कहें, तो वास्तव में यह वह क्षमता है, जिसमें व्यक्ति कठिन परिस्थितियों, क्रोध, लालच, वासना या किसी भी आवेग के समय भी शांति, विवेक और मर्यादा बनाए रखता है।

सुनील कुमार महला
लेखक

संयम जीवन में आत्मनियंत्रण, संतुलन और विवेकपूर्ण आचरण का नाम है। संयम का अर्थ केवल इच्छाओं को दबाना नहीं, बल्कि परिस्थितियों के अनुसार अपने मन, वचन और कर्म को नियंत्रित रखना है, जो व्यक्ति अपनी भावनाओं, क्रोध, लालच, बोलचाल और व्यवहार पर रोक लगा सकता है, वही वास्तव में परिपक्वता की राह पर चलता है। संयमी व्यक्ति जीवन में हर स्थिति में धैर्य बनाए रखता है। कठिन समय में वह घबराता नहीं, बल्कि विवेक से निर्णय लेता है। यही कारण है कि ऐसे लोग जीवन में अधिक सफल होते हैं, क्योंकि जल्दबाजी और आवेश में लिए निर्णय अक्सर नुकसान पहुंचाते हैं। संयमित मन सोचने, समझने और सही दिशा चुनने में सक्षम होता है। सफलता उन्हीं के कदम चूमती है, जिनके विचार नियंत्रित होते हैं और जिनका ध्यान लक्ष्य पर केंद्रित रहता है, जो व्यक्ति सदैव संयम में स्थित रहता है, उसकी सिद्धि और सफलता निश्चित है। संस्कृत में एक श्लोक के माध्यम से यह उल्लेख किया गया है कि यः संयमं न जहाति दुःखसमयेऽपि दूरतः। तं नित्यमभिजानन्ति देवाः साधुवरं नरम्॥'

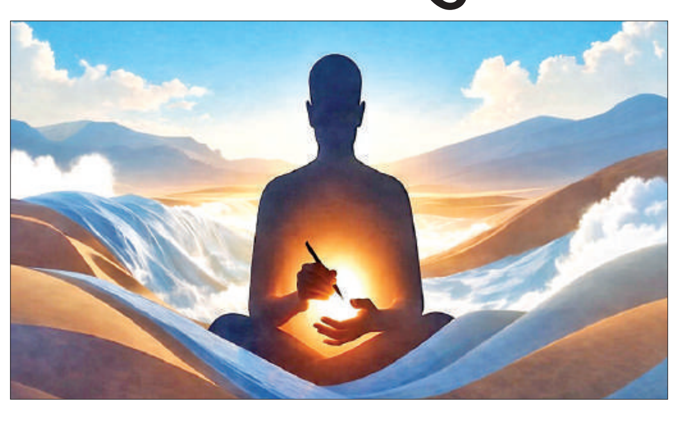

यानी कि जो व्यक्ति दुख या संकट में भी संयम नहीं छोड़ता, देवता भी उसे श्रेष्ठ मनुष्य मानते हैं। वास्तव में, संयम मनुष्य को भीतर से मजबूती देता है। यह ऐसा गुण है, जो हर परिस्थिति में व्यक्ति को सही दिशा देता है और उसे सम्मान व सफलता दिलाता है। यह संयम ही होता है, जो सही निर्णय लेने की क्षमता बढ़ाता है, मानसिक शांति और स्थिरता लाता है।

याद रखिए कि जिस व्यक्ति में संयम होता है, वह छोटी-छोटी बातों पर विचलित नहीं होता। मन स्थिर रहता है, तनाव कम होता है। संयम हमारे संवाद को संतुलित रखता है और संबंध मजबूत बनाता है। मतलब यह है कि यह हमारे रिश्तों में मधुरता लाता है। जीवन में बड़ी उपलब्धियां पाने के लिए धैर्य और निरंतरता चाहिए। संयम व्यक्ति को विचलित होने से बचाता है और लक्ष्य की ओर बनाए रखता है। संयम खाना-पीना, खर्च करना, बोलना, भावनाओं को व्यक्त करना आदि सब पर स्व-नियंत्रण देता है, जिससे जीवन अनुशासित बनता है। सच तो यह है कि संयमी व्यक्ति परिपक्व, विश्वसनीय और संतुलित माना जाता है। यह व्यक्तित्व का श्रेष्ठ गुण है। संयम से व्यक्ति के भीतर एक आत्मिक शांति पैदा होती है। वह दूसरों की बातों पर अनावश्यक प्रतिक्रिया नहीं देता, छोटी बातों पर परेशान नहीं होता। इसलिए वह कभी ज्यादा दुखी नहीं होता, क्योंकि दुख का बड़ा कारण हमारी अनियंत्रित प्रतिक्रियाएं ही होती हैं। संयम हमें सिखाता है कि हर बात पर प्रतिक्रिया देना आवश्यक नहीं, कभी-कभी मौन और धैर्य ही बुद्धिमानी होती है। संयमित जीवन जीने वाला व्यक्ति दूसरों की भावनाओं को समझता है, सम्मान देता है और विवादों से दूर रहता है। उसके व्यवहार में मर्यादा और नम्रता होती है, जिससे समाज में उसका सम्मान बढ़ता है।

आज के तेज रफ्तार जीवन में जहां तनाव, प्रतिस्पर्धा और अनिश्चितता हर कदम पर साथ चलती है, वहां संयम का महत्व और भी बढ़ जाता है। संयम हमें संतुलन, स्थिरता और सकारात्मकता सिखाता है। अतः जो व्यक्ति संयम रखना जानता है, वह न केवल सफल होता है, बल्कि मानसिक रूप से भी सुखी रहता है। संयम ही जीवन का वास्तविक आभूषण है, जो हमें सही दिशा और समृद्ध जीवन की ओर ले जाता है।

| बाजार | सेंसेक्स ↑ | निफ्टी ↑ |
|---|---|---|
| बंद हुआ | 81,666.46 | 25,088.40 |
| बढ़त | 943.52 | 262.95 |
| प्रतिशत में | 1.17 | 1.06 |

सोना 1,52,700 प्रति 10 ग्राम

चांदी 2,60,000 प्रति किलो

अमृत विचार
कानपुर, मंगलवार, 3 फरवरी 2026
www.amritvichar.com



## बिजनेस ब्रीफ

### एप्पल की भारत में रिकॉर्ड 28% मूल्य हिस्सेदारी

**नई दिल्ली।** प्रमुख प्रौद्योगिकी कंपनी एप्पल ने भारतीय स्मार्टफोन बाजार में 28 प्रतिशत की अपनी अब तक की सबसे अधिक मूल्य हिस्सेदारी दर्ज की है। काउंटरपॉइंट रिसर्च की रिपोर्ट के अनुसार यह उपलब्धि प्रीमियम उपकरणों के बढ़ते चलन ls संभव हुई है, जिसमें उपभोक्ता तेजी से महंगे उपकरण चुन रहे हैं। रिपोर्ट में दुनिया के दूसरे सबसे बड़े स्मार्टफोन बाजार में महत्वपूर्ण बदलाव को रेखांकित किया गया है। जहां बिक्री की संख्या में वृद्धि स्थिर है, वहीं बाजार का कुल बिक्री मूल्य बहुत तेजी से बढ़ रहा है। ऐसा इसलिए है क्योंकि भारतीय खरीदार अब महंगे मॉडल ले रहे हैं। काउंटरपॉइंट के अनुसार, 2024 में भारत में एप्पल की मूल्य हिस्सेदारी 23 प्रतिशत थी। आईफोन 16 सीरीज की सफलता, आकर्षक वित्तपोषण योजनाओं और एक्सचेंज ऑफर ने कंपनी को देश में अपनी सर्वोच्च मूल्य हिस्सेदारी तक पहुंचा दिया है।

### रॉयल एनफील्ड की बिक्री 14% बढ़ी

**नई दिल्ली।** मध्यम आकार की मोटरसाइकिल बनाने वाली कंपनी रॉयल एनफील्ड की कुल बिक्री जनवरी में 14 प्रतिशत बढ़कर 1,04,322 इकाई रही। पिछले साल इसी महीने में कंपनी ने 91,132 वाहनों की बिक्री की थी। रॉयल एनफील्ड ने सोमवार को बताया कि पिछले महीने उसकी घरेलू बिक्री 93,781 इकाई रही, जो जनवरी 2025 की 81,052 इकाई के मुकाबले 16 प्रतिशत अधिक है। समीक्षाधीन अवधि में कंपनी का निर्यात पांच प्रतिशत बढ़कर 10,541 इकाई रहा, जो बीते वित्त वर्ष के समान महीने में 10,080 इकाई था।

### अशोक लेलैंड ने 21,920 वाहन बेचे

**नई दिल्ली।** वाणिज्यिक वाहन बनाने वाली कंपनी अशोक लेलैंड की कुल बिक्री जनवरी में 27 प्रतिशत बढ़कर 21,920 इकाई पर पहुंच गई। पिछले साल इसी महीने में कंपनी ने 17,213 वाहन बेचे थे। अशोक लेलैंड ने कहा कि उसकी घरेलू बिक्री 31 प्रतिशत बढ़कर 20,079 इकाई रही, जबकि जनवरी, 2025 में यह 15,327 इकाई थी। घरेलू बाजार में मध्यम और भारी वाणिज्यिक वाहनों की बिक्री 12,833 इकाई रही, जबकि पिछले साल इसी महीने में यह 9,864 इकाई थी।

# 7-8% की वृद्धि दर कायम रखना शीर्ष प्राथमिकता

## सीतारमण बोलीं- वृद्धि की रफ्तार होगी अच्छी तो सभी को होगा फायदा

**नई दिल्ली, एजेंसी**

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा है कि सात से आठ प्रतिशत की वृद्धि दर को कायम रखना सरकार की शीर्ष प्राथमिकता है, क्योंकि इससे सभी नागरिकों को फायदा होता है और रोजगार के ज्यादा अवसर पैदा होते हैं। रविवार को आम बजट पेश करने के बाद देशभर के कॉलेज से आए विद्यार्थियों से सीतारमण ने कहा कि अगर आर्थिक वृद्धि की रफ्तार अच्छी होगी, तो इसका फायदा सभी नागरिकों तक पहुंचेगा।

वित्त मंत्री ने कहा कि आर्थिक वृद्धि से नौकरियां पैदा होती हैं, ज्यादा लोग श्रमबल से जुड़ते हैं और उत्पादकता बढ़ती है। सीतारमण ने आगे कहा कि नियोक्ता महिलाओं की दक्षता और सटीकता से काम करने की प्रतिभा से श्रमबल में उनके योगदान को तेजी से पहचान रहे हैं। अर्द्धकुशल भूमिकाओं में महिलाओं की बढ़ती संख्या से इसका पता चलता है। हालांकि, उन्होंने कहा कि निदेशक मंडल में महिलाओं के सीमित प्रतिनिधित्व को लेकर चिंता बनी हुई है और ज्यादा महिलाओं को नेतृत्व के पदों पर आगे आने की जरूरत है ताकि फैसले लेने में उनकी भूमिका हो और वे दूसरों के लिए रोल मॉडल बन सकें। उन्होंने कहा कि प्रगति हुई है, लेकिन अभी और बहुत कुछ करने की जरूरत है।

वित्त मंत्री ने बताया कि पिछले बजट के बाद से, सरकार ने ऑरेंज'' इकॉनमी (एनिमेशन, विजुअल इफेक्ट्स, गेमिंग, कॉमिक्स क्षेत्र) के लिए लगातार नीतियां, वित्तपोषण और समर्थन सुनिश्चित किया है। आज का टेलीविजन मीडिया भी ऐसी रचनात्मक सामग्री पर निर्भर करता है। यह कई अवसरों वाला शानदार क्षेत्र है। रचनात्मकता को हर दिन चुनौती मिलती है, और अगर आपमें काबिलियत है, तो यह निश्चित रूप से एक ऐसा क्षेत्र है जिसमें आगे बढ़ना चाहिए। वित्त मंत्री ने विद्यार्थियों को बजट तैयार करने में शामिल कदमों के बारे में भी बताया। उन्होंने कहा कि बजट की तैयारी अक्टूबर के आखिर या नवंबर में शुरू होती है, जिसमें उद्योग समूह, कारोबार क्षेत्र, अर्थशास्त्री, ट्रेड यूनियन के साथ-साथ सोआम लोगों के सुझाव भी शामिल होते हैं। इसके बाद इन सुझावों को छांटा जाता है, संबंधित मंत्रालयों और राज्यों के साथ चर्चा की जाती है, और व्यवहार्यता और कार्यान्वयन के लिए उन्हें बेहतर बनाया जाता है।

### वृद्धि के लिए निवेश बढ़ाने पर सरकार का ध्यान

• बोलीं- राजकोषीय घाटे की स्थिति से पता चलता है कि सरकार की प्राथमिकता वृद्धि है

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा कि केंद्रीय बजट में आर्थिक वृद्धि को गति देने के लिए निवेश को प्राथमिकता दी गई है और राजकोषीय घाटे की स्थिति से पता चलता है कि सरकार की प्राथमिकता वृद्धि है। सीतारमण ने सोमवार को कहा कि सोने की कीमतों में उतार-चढ़ाव वैश्विक अनिश्चितता से है और कई केंद्रीय बैंक पीली धातु में निवेश कर रहे हैं। इससे यह भी पता चलता है कि निवेशकों को किसी एक विशेष मुद्रा पर भरोसा नहीं है और इसीलिए सोने की खरीदारी में होड़ मची है। वायदा एवं विकल्प खंड में प्रतिभूति लेनदेन कर (एसटीटी) में वृद्धि पर वित्त मंत्री ने कहा कि यह सट्टेबाजी वाले वायदा एवं विकल्प कारोबार में कदम रखने वालों को हतोत्साहित करने के लिए है। बजट में राजकोषीय मजबूती के रास्ते पर चलते हुए, अगले वित्त वर्ष के लिए राजकोषीय घाटा सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) के 4.3 प्रतिशत रखा गया है, जबकि मार्च, 2026 को समाप्त होने वाले वित्त वर्ष के लिए यह 4.4 प्रतिशत है।

### सरकार बजट सत्र के दूसरे चरण मं आईबीसी संशोधन विधेयक करेगी पेश

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने सोमवार को कहा कि सरकार की नौ मार्च से शुरू होने वाले बजट सत्र के दूसरे चरण में दिवाला एवं ऋण शोधन अक्षमता संहिता (संशोधन) विधेयक, 2025 पेश करने की योजना है। संसदीय समिति ने रिपोर्ट दे दी है। दिवाला कानून में प्रस्तावित संशोधन समयबद्धता और दक्षता को और बेहतर बनाने में मदद करेंगे। साथ ही भारत की ऋण शोधन व्यवस्था को वैश्विक सर्वोत्तम गतिविधियों के अनुरूप बनाएंगे। उन्होंने कहा कि संसदीय समिति ने दिवाला एवं ऋण शोधन अक्षमता संहिता (आईबीसी) से संबंधित प्रस्तावित कानून पर रिपोर्ट दे दी है। कॉरपोरेट मामलों के मंत्रालय की जिम्मेदारी भी संभाल रही सीतारमण ने कहा कि मुझे उम्मीद है कि कुछ शर्तों के अधीन, समिति के सुझावों को शामिल करते हुए दिवाला एवं ऋण शोधन अक्षमता संहिता (संशोधन) विधेयक को नौ मार्च से शुरू होने वाले बजट सत्र के दूसरे चरण में पेश किया जाएगा। यह 2016 में लागू हुए आईबीसी अधिनियम का सातवां संशोधन होगा। अंतिम संशोधन 2021 में हुआ था। उल्लेखनीय है कि सरकार ने 12 अगस्त, 2025 को लोकसभा में दिवाला एवं और ऋण शोधन अक्षमता संहिता (आईबीसी) में संशोधन के लिए एक विधेयक पेश किया था।

# गिरावट से उबरा बाजार, सेंसेक्स 943 अंक उछला

**मुंबई, एजेंसी**

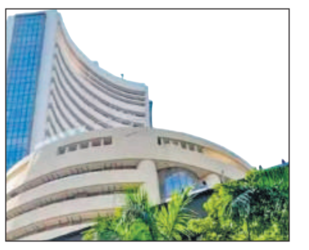

• तेल एवं गैस, बैंक और वाहन कंपनियों के शेयरों में खरीदारी निफ्टी भी 263 अंक की तेजी

आम बजट के दिन भारी गिरावट का सामना करने वाले घरेलू शेयर बाजार ने सोमवार को जोरदार वापसी की। तेल एवं गैस, बैंक और वाहन कंपनियों के शेयरों में खरीदारी आने से बीएसई सेंसेक्स 943 अंक चढ़कर बंद हुआ, जबकि एनएसई निफ्टी में 263 अंक की तेजी दर्ज की गई।

बीएसई का सेंसेक्स 943.52 अंक की बढ़त के साथ 81,666.46 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान एक समय यह 1,009.31 अंक चढ़ा था। वहीं, एनएसई का निफ्टी 262.95 अंक बढ़कर 25,088.40 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान यह 282.65 अंक तक पहुंचा था। विशेषज्ञों के मुताबिक, कच्चे तेल की वैश्विक कीमतों में गिरावट और बजट के दिन की भारी गिरावट से प्रमुख कंपनियों के शेयरों में मूल्य-आधारित खरीदारी से घरेलू शेयर बाजारों को राहत मिली। सेंसेक्स की कंपनियों में से पावर ग्रिड में 7.61 और अडाणी पोर्ट्स में 4.76% की तेजी रही। भारत इलेक्ट्रॉनिक्स, रिलायंस इंडस्ट्रीज, महिंद्रा एंड महिंद्रा, लार्सन एंड टुब्रो, इंटरग्लोब एविएशन (यानी इंडिगो), आईसीआईसीआई बैंक और अल्ट्राटेक सीमेंट लाभ में रहीं। दूसरी तरफ एक्सिस बैंक, इन्फोसिस, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज, ट्रेंट और टाइटन के शेयर नुकसान के साथ बंद हुए। क्षेत्रवार सूचकांकों में उपयोगिता खंड में सर्वाधिक 2.66% की तेजी रही जबकि बिजली खंड में 2.54, सेवा खंड में 2.38 और ऊर्जा खंड में 1.98% की बढ़त दर्ज की गई। जनवरी में विनिर्माण गतिविधियों में हल्के सुधार के आंकड़ों ने भी बाजार धारणा को समर्थन दिया। मौसमी रूप से समायोजित एचएसबीसी इंडिया विनिर्माण खरीद प्रबंधक सूचकांक (पीएमआई) दिसंबर के दो साल के निचले स्तर 55 से बढ़कर जनवरी में 55.4 रहा। हालांकि, कारोबारी भरोसा साढ़े तीन साल के सबसे निचले स्तर पर आ गया है। सोमवार को जारी मासिक सर्वेक्षण में यह बात सामने आई।

### एफपीआई ने निकाले 36,000 करोड़, एसटीटी से जोखिम

**नई दिल्ली।** वैश्विक अनिश्चितताओं के बीच विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) की बिकवाली का सिलसिला जनवरी में भी जारी रहा और उन्होंने करीब 36,000 करोड़ रुपये (3.97 अरब डॉलर) की निकासी की। इस बीच, वायदा एवं विकल्प (एफएंडओ) खंड में सौदों पर प्रतिभूति लेनदेन कर (एसटीटी) बढ़ाने की बजट घोषणा से भविष्य में विदेशी निवेशकों की भागीदारी पर दबाव बढ़ने की आशंका जताई जा रही है। नेशनल सिक्योरिटीज डिपॉजिटरी लिमिटेड (एनएसडीएल) के मुताबिक, एफपीआई ने जनवरी में भारतीय बाजार से 35,962 करोड़ रुपये की शुद्ध निकासी की। एफपीआई ने इससे पहले वर्ष 2025 में भी 1.66 लाख करोड़ रुपये (18.9 अरब डॉलर) की रिकॉर्ड निकासी की थी।

# बजट के बाद उद्योग जगत में दिखाई दे रही आशावादिता

**नई दिल्ली।** वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने सोमवार को मुंबई में नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) के प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) आशीष चौहान के साथ बजट 2026-27 के समग्र लाभों पर चर्चा के लिए बैठक की। इस बैठक में म्यूचुअल फंड और परिसंपत्ति प्रबंधन से जुड़े निवेशक और प्रमुख उद्योग प्रतिनिधि भी शामिल हुए।

• केंद्रीय उद्योग मंत्री गोयल ने की एनएसई के सीईओ, उद्योग प्रतिनिधियों के साथ बैठक

गोयल ने सोशल मीडिया पोस्ट में कहा कि एनएसई में आयोजित बैठक बेहद उपयोगी और संवादपूर्ण रही। बजट के बाद उद्योग जगत में दिख रही आशावादिता, इससे मिलने वाले वृद्धि अवसरों से जुड़ा उत्साह और बैठक में सामने आए नए विचार और सुझाव उत्साहजनक हैं। यह बैठक वित्त वर्ष 2026-27 के बजट में प्रतिभूति लेनदेन कर (एसटीटी) में बढ़ोतरी से जुड़ा प्रस्ताव रखे जाने के एक दिन बाद हुई है। बजट में वायदा अनुबंधों पर एसटीटी को 0.02 से बढ़ाकर 0.05 प्रतिशत करने का प्रस्ताव रखा है। वहीं, विकल्प प्रीमियम पर एसटीटी 0.10 से बढ़ाकर 0.15 और विकल्प सौदे करने पर 0.125 से बढ़ाकर 0.15 प्रतिशत कर लगाने का प्रस्ताव है। सरकार को एसटीटी से 73,700 करोड़ राजस्व मिलने की उम्मीद है।

# विनिर्माण क्षेत्र की गतिविधि में मामूली सुधार : पीएमआई

**नई दिल्ली, एजेंसी**

• नए ऑर्डर में तेजी से वृद्धि के बावजूद कारोबारी विश्वास साढ़े तीन साल के सबसे निचले स्तर पर पहुंचा

देश की विनिर्माण क्षेत्र की गतिविधियों में जनवरी में मामूली सुधार देखने को मिला। हालांकि नए ऑर्डर में तेजी से वृद्धि के बावजूद कारोबारी विश्वास साढ़े तीन साल के सबसे निचले स्तर पर आ गया है। सोमवार को जारी मासिक सर्वेक्षण में यह बात सामने आई।

मौसमी रूप से समायोजित एचएसबीसी इंडिया विनिर्माण खरीद प्रबंधक सूचकांक (पीएमआई) दिसंबर के दो साल के निचले स्तर 55 से बढ़कर जनवरी में 55.4 रहा। खरीद प्रबंधक सूचकांक (पीएमआई) की भाषा में 50 से ऊपर का अंक विस्तार जबकि 50 से नीचे का अंक संकुचन दर्शाता है। एचएसबीसी की मुख्य अर्थशास्त्री (भारत) प्रांजुल भंडारी ने कहा कि भारतीय विनिर्माण कंपनियों में जनवरी में सुधार देखा गया, जिसका कारण नए ऑर्डर, उत्पादन एवं रोजगार में वृद्धि रही। कच्चे माल की लागत में मध्यम वृद्धि हुई जबकि फैक्ट्री-गेट कीमतों में बढ़ोतरी की रफ्तार धीमी पड़ी जिससे विनिर्माताओं के मुनाफे पर हल्का दबाव पड़ा। फैक्ट्री-गेट कीमत का मतलब वह कीमत है जिस पर कोई उत्पाद उसके विनिर्माता के कारखाने या गोदाम से निकलता है।

सर्वेक्षण में शामिल प्रतिभागियों ने कहा कि मांग में मजबूती, नए कारोबार में वृद्धि और प्रौद्योगिकी में निवेश ने उत्पादन को समर्थन दिया। कुल बिक्री को घरेलू बाजार से गति मिली। निर्यात के नए ऑर्डर में भी वृद्धि हुई लेकिन रफ्तार अपेक्षाकृत कमजोर रही। जिन कंपनियों के निर्यात ऑर्डर बढ़े, उन्होंने एशिया, ऑस्ट्रेलिया, कनाडा, यूरोप और पश्चिम एशिया से अधिक मांग का हवाला दिया।



# गुस्साई ममता ने सीईसी की बैठक बीच में छोड़ी

## बनर्जी ने आयोग पर अहंकारी होने और उनके प्रतिनिधिमंडल को अपमानित करने का लगाया आरोप

• शीर्ष अधिकारियों की प्रतिक्रिया सुने बिना ही गुस्से में बैठक से चली गईं ममता : ईसी

**नई दिल्ली, एजेंसी**

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी एसआईआर मुद्दे पर मुख्य निर्वाचन आयुक्त (सीईसी) ज्ञानेश कुमार के साथ सोमवार को बैठक बीच में ही छोड़कर बाहर निकल गईं। बनर्जी ने निर्वाचन आयोग के अधिकारियों पर अहंकारी होने और उनके प्रतिनिधिमंडल को अपमानित करने का आरोप लगाया।

विरोध स्वरूप काला शॉल ओढ़े हुए तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) सुप्रीमो ने पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव अभिषेक बनर्जी और सांसद कल्याण बनर्जी के साथ पश्चिम बंगाल के एसआईआर प्रभावित परिवारों के 12 सदस्यों के साथ यहां मुख्य निर्वाचन आयुक्त कुमार और अन्य निर्वाचन आयुक्तों से मुलाकात की। बनर्जी ने बाद में कहा कि उन्होंने विरोध में बैठक का बहिष्कार किया, जबकि आयोग के अधिकारियों ने दावा किया कि वह अपने द्वारा उठाए मुद्दों पर आयोग के

चुनाव आयोग कार्यालय के बाहर एसआईआर प्रभावित परिवारों और पार्टी नेताओं के साथ मुख्यमंत्री ममता बनर्जी, साथ में सांसद अभिषेक व कल्याण बनर्जी।

शीर्ष अधिकारियों की प्रतिक्रिया सुने बिना ही गुस्से में बैठक से चली गईं। बनर्जी चुनावी राज्य पश्चिम बंगाल में मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को रोकने की मांग कर रही हैं।

अधिकारियों के अनुसार, सीईसी ने टीएमसी नेताओं से कहा कि कानून का शासन सर्वोपरि रहेगा और कानून को अपने हाथ में लेने वालों के खिलाफ कानून के प्रावधानों और निर्वाचन आयोग की शक्तियों के अनुसार सख्त कार्रवाई की जाएगी।

आयोग के मुख्यालय से बाहर आने के बाद मुख्यमंत्री बनर्जी ने आयोग के खिलाफ फिर तीखा हमला बोलते हुए उस पर भाजपा के दलाल के रूप में काम करने का आरोप लगाया। बनर्जी ने आरोप लगाया, इतने सारे लोग मारे गए, इसके लिए कौन जिम्मेदार है? निर्वाचन आयोग जिम्मेदार है। वे भाजपा के इशारे पर काम कर रहे हैं। उन्होंने हमारे साथ बहुत बुरा बर्ताव किया। मैंने कहा कि हमें अफसोस है, हम न्याय के लिए यहां आए थे, हमें न्याय नहीं मिला, और आप झूठ बोल रहे हैं। वह बहुत बड़ा झूठा है...। हमने कहा कि हम ज़मीनी स्तर पर मुकाबला करेंगे। आपके पास भाजपा की ताकत है, हमारे पास जनता की ताकत है। हमने बैठक का बहिष्कार किया और बाहर आ गए। उन्होंने हमारा अपमान किया, हमें बेइज्जत किया... मैंने इस तरह का निर्वाचन आयोग पहले कभी नहीं देखा, वे अहंकारी हैं... वे ऐसे बात करते हैं जैसे वे जमींदार हों और हम नौकर हों।

आयोग के अधिकारियों ने कहा कि टीएमसी नेताओं की बात धैर्यपूर्वक सुनी गई। पहले टीएमसी नेता अभिषेक बनर्जी ने अपनी बात रखी, इसके बाद ममता बनर्जी ने बात की।

### बनर्जी की दिल्ली पुलिस से बहस, बंगाल से आए एसआईआर प्रभावितों को धमकाने का आरोप

**नई दिल्ली।** पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की सोमवार को दिल्ली के चाणक्यपुरी में स्थित बंग भवन के बाहर तैनात सुरक्षाकर्मियों से बहस हुई और उन्होंने अपने राज्य में मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) से प्रभावित परिवारों के उत्पीड़न का आरोप लगाया। बंग भवन के आसपास सुरक्षा बढ़ा दी गई। ममता ने दावा किया कि निर्वाचन आयोग के समक्ष मुद्दे उठाने को बंगाल से लोग आए हैं, लेकिन उन्हें धमकाया जा रहा है। उन्होंने बंग भवन परिसर के बाहर बड़ी तादाद में पुलिसकर्मियों की तैनाती पर सवाल उठाये। हालांकि, मुख्यमंत्री ने केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह का संदर्भ देते हुए कहा कि वह पुलिस को नहीं, बल्कि ऊपर बैठे लोगों को दोषी ठहराती हैं। पश्चिम बंगाल में जारी एसआईआर से प्रभावित 50 परिवारों को दिल्ली लाया गया है और वे चाणक्यपुरी स्थित बंग भवन सहित राज्य सरकार की विभिन्न परिसंपत्तियों में ठहरे हुए हैं। एक नाटकीय घटनाक्रम में बनर्जी सोमवार सुबह चाणक्यपुरी स्थित बंग भवन पहुंचीं, जहां उनकी भारी सुरक्षा तैनाती को लेकर दिल्ली पुलिस से बहस हुई। उन्हें भवन के बाहर सुरक्षाकर्मियों से सीधे बहस करते हुए देखा गया। इस बीच, साकेत गोखले, डोला सेन, काकोली घोष दस्तीदार और बापी हलदर सहित तृणमूल कांग्रेस के सांसद राष्ट्रीय राजधानी के उन विभिन्न स्थानों पर पहुंचे, जहां एसआईआर से प्रभावित परिवार रह रहे हैं। दिल्ली के कैलाश कॉलोनी स्थित पश्चिम बंगाल विद्युत विकास निगम लिमिटेड के अतिथि गृह के बाहर तैनात पुलिसकर्मियों से गोखले की बहस होती दिखाई दी।

# व्यक्ति विशेष की शिकायत पर चुनाव रोका या बाधित नहीं किया जा सकता

• उत्तराखंड हाईकोर्ट के आदेश को चुनौती वाली अपील पर सुप्रीम कोर्ट ने सुनाया फैसला

**नई दिल्ली, एजेंसी**

सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को कहा कि किसी व्यक्ति विशेष की शिकायत पर चुनाव प्रक्रिया को आसानी से रोका या बाधित नहीं किया जा सकता। न्यायमूर्ति विक्रम नाथ और संदीप मेहता की पीठ ने कहा कि व्यक्तिगत शिकायतों के संबंध में अंतिम और उपाय चुनाव याचिका के माध्यम से ही संभव है।

पीठ ने उत्तराखंड हाईकोर्ट के जुलाई 2025 के अंतरिम आदेश को चुनौती देते हुए दायर की गई अपील पर यह फैसला सुनाया। हाईकोर्ट ने निर्वाचन अधिकारी को एक व्यक्ति को एक चुनाव चिह्न आवंटित करने और उसे जिला पंचायत सदस्य के पद का चुनाव लड़ने देने की अनुमति देने का निर्देश दिया था। शीर्ष अदालत ने कहा कि चुनाव में भाग लेने या उस पर सवाल उठाने का अधिकार वैधानिक प्रकृति का होने से, इस क्षेत्र से संबंधित कानून के अनुसार प्रयोग किया जाना चाहिए। पीठ ने कहा कि इसलिए, हाईकोर्ट को व्यक्तियों के पक्ष में उदार अंतरिम राहत देने से बचना चाहिए और इसके बजाय राज्य भर में चुनाव के सुचारू एवं निर्बाध संचालन को सुनिश्चित करने के व्यापक जनहित को ध्यान में रखना चाहिए। आदेश को रद्द करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि किसी व्यक्ति विशेष की शिकायत पर चुनाव प्रक्रिया को रोका या बाधित नहीं किया जा सकता है।

### वांगचुक ने नेपाल, बांग्लादेश जैसे प्रदर्शनों के लिए जेन जेड को उकसाने की कोशिश की : केंद्र

केंद्र और लद्दाख केंद्र शासित प्रदेश के प्रशासन ने सोमवार को उच्चतम न्यायालय को बताया कि जेल में बंद जलवायु कार्यकर्ता सोनम वांगचुक ने नेपाल और बांग्लादेश की तरह विरोध प्रदर्शन के लिए जेन जेड को उकसाने की कोशिश की थी। न्यायमूर्ति अरविंद कुमार और पीवी वराले की पीठ को सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने बताया कि वांगचुक ने अरब स्प्रिंग जैसे आंदोलन का भी जिक्र किया था। इस आंदोलन से अरब जगत के कई देशों में सरकारें गिर गई थीं। मेहता ने कहा कि उन्होंने जेन जेड को उकसाने के लिए अपने भाषण को सावधानीपूर्वक तैयार किया और नेपाल और बांग्लादेश की तरह आंदोलन का आह्वान किया तथा महात्मा गांधी के भाषणों का इस्तेमाल अपने असली इरादे को छिपाने के लिए किया। शीर्ष अदालत जेल में बंद जलवायु कार्यकर्ता सोनम वांगचुक की पत्नी गीतांजलि जे. आंगमो की याचिका पर सुनवाई कर रहा है, जिसमें उन्होंने राष्ट्रीय सुरक्षा अधिनियम (रासुका) के तहत उनकी हिरासत को चुनौती दी थी। मेहता ने कहा कि वांगचुक ने केंद्र सरकार को वे कहकर संबोधित किया और लद्दाख के लोगों को हम बताते हुए जनमत संग्रह की मांग की, ठीक वही मांगें जो पहले जम्मू कश्मीर में की जा चुकी हैं। उन्होंने कहा कि यहां कोई वे या हम नहीं है, बल्कि हम सब भारतीय हैं। लद्दाख एक ऐसा क्षेत्र है जो दो देशों चीन और पाकिस्तान के साथ सीमा साझा करता है, यह इलाका संवेदनशील है।

# नई श्रम संहिता के तहत नियमों को फरवरी के अंत तक दिया जाएगा अंतिम रूप : केंद्र

**नई दिल्ली।** केंद्र सरकार ने सोमवार को दिल्ली उच्च न्यायालय को बताया कि औद्योगिक संबंध संहिता के तहत नियमों को फरवरी के अंत तक अंतिम रूप दे दिया जाएगा। सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता और अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल चेतन शर्मा ने मुख्य न्यायाधीश डीके उपाध्याय और न्यायमूर्ति तेजस कारिया की पीठ को सूचित किया कि लोगों से सुझाव मांगे गए हैं और नियमों को तैयार करने पर विचार किया जा रहा है। अदालत औद्योगिक संबंध संहिता 2020 के कार्यान्वयन से संबंधित एक याचिका पर सुनवाई कर रही थी, जो ट्रेड यूनियन, औद्योगिक प्रतिष्ठान में रोजगार की शर्तों और औद्योगिक विवादों के निपटारे से संबंधित सभी कानूनों को एकीकृत करती है। याचिकाकर्ताओं एन ए सेबेस्टियन और सुनील के अनुसार केंद्र ने 21 नवंबर, 2025 को अधिसूचना प्रकाशित की, जिसमें औद्योगिक संबंध संहिता 2020 को अधिसूचित किया गया लेकिन नई व्यवस्था को लागू करने के लिए नियम नहीं बनाए गए।

# राज्यसभा : राष्ट्रीय हितों पर एकसमान रुख अपनाए विपक्ष

**नई दिल्ली, एजेंसी**

• राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर चर्चा की शुरुआत करते हुए भाजपा सांसद सदानंदन बोले

राज्यसभा में सोमवार को भाजपा सदस्य सदानंदन मास्टर ने विपक्षी दलों से अपील की कि वे सिर्फ विरोध के लिए विरोध न करें और उनसे राष्ट्रीय हितों पर समान रुख अपनाना चाहिए। सदानंदन ने उच्च सदन में राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर चर्चा की शुरुआत करते हुए यह बात कही। उन्होंने सत्ता पक्ष की तरफ से धन्यवाद प्रस्ताव पेश किया। सदानंदन ने आसन की अनुमति से अपनी सीट पर बैठकर अपनी बात रखी।

सदानंदन द्वारा पेश धन्यवाद प्रस्ताव का समर्थन करते हुए भाजपा की विश्राम मेधा कुलकर्णी ने कहा कि विकसित भारत बनाने के लिए हमें अथक परिश्रम करना है और आर्थिक समीक्षा बताती है कि हमारी अर्थव्यवस्था कितनी मजबूत है। उन्होंने कहा कि बीते वर्षों में तीन करोड़ करदाता बढ़े हैं। इसका मतलब है कि युवाओं को रोजगार मिल रहा है, लोगों की आर्थिक क्षमता बढ़ी, वह क्रय कर रहे हैं और कर भी दे रहे हैं। उन्होंने कहा कि 25 करोड़ से अधिक लोगों का गरीबी रेखा से ऊपर आना बहुत बड़ी बात है। उन्होंने कहा कि चार करोड़ से अधिक आवास बनाए गए, 80 करोड़ लोगों को अनाज दिया गया, 56 करोड़ से अधिक लोगों को रोजगार मिला, 20 लाख से अधिक लोग स्टार्टअप में काम कर रहे हैं। यह उपलब्धियां बताती हैं कि मेहनत भी की और मेहनत सफल भी हुई। उन्होंने कहा कि 12 करोड़ से अधिक लाभार्थी मुद्रा योजना के हैं जिनमें बड़ी संख्या महिलाओं की है। महिला सशक्तिकरण का इससे बेहतर उदाहरण और क्या होगा।

### डिजिटल इंडिया कहीं जॉबलेस इंडिया न बन जाए : कांग्रेस

एआई को वर्तमान की सचाई करार देते हुए राज्यसभा में कांग्रेस सदस्य ने कहा कि सरकार को एआई पर श्वेतपत्र जारी करना चाहिए और भविष्य के लिए बेहतर रणनीति बनानी चाहिए ताकि डिजिटल इंडिया कहीं जॉबलेस इंडिया न बन जाए। शून्यकाल के दौरान कांग्रेस के अशोक सिंह ने आईटी क्षेत्र से जुड़ा मुद्दा उठाया उन्होंने कहा कि हमारे देश की मध्यम वर्गीय आकांक्षाओं की रीढ़ कहलाने वाला यह क्षेत्र आज संकट के दौर से गुजर रहा है क्योंकि इस पर कृत्रिम बुद्धिमत्ता यानी एआई हावी होता जा रहा है। भाजपा के डॉ के लक्ष्मण, रामभाई हरजीभाई मोकारिया, बाबूभाई जेसंगभाई देसाई ने, लक्ष्मीकांत बाजपेयी और मनोनीत हर्षवर्द्धन श्रंगला ने भी आसन की अनुमति से लोक महत्व से जुड़े अपने-अपने मुद्दे उठाए।

# पत्नी की हत्या में व्यक्ति को अदालत ने सुनाई दोहरी उम्रकैद की सजा

**अलाप्पुझा (केरल), एजेंसी**

केरल में अलाप्पुझा की अदालत ने पत्नी की हत्या करने के जुर्म में सोमवार को एक व्यक्ति को दोहरी उम्रकैद की सजा सुनाई। अलाप्पुझा की अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश भारती एस. ने चेरथला के पास पल्लीपुरम के निवासी राजेशकुमार उर्फराजन को पत्नी एंबिली की हत्या के लिए सजा सुनाई। अदालत ने अभियुक्त को संबंधित धाराओं में दोषी पाया। अदालत ने धारा 341 के तहत एक महीने का साधारण कारावास जबकि 302 के तहत आजीवन कारावास और एक लाख का जुर्माना लगाया। धारा 397 के तहत आजीवन कारावास और एक लाख रुपये का जुर्माना लगाया गया। अभियोजन पक्ष के अनुसार, एंबिली ने राजेशकुमार से उसके विवाहेत्तर संबंधों के बारे में पूछा, जिसके बाद वह गुस्सा हो गया। इसके बाद 18 मई 2024 को शाम साढ़े छह बजे उसने पल्लीपुरम में पल्लीचंदा जंक्शन के निकट एंबिली को रोका, उसे उसके स्कूटर से धक्का दिया और चाकू से 17 वार किए, जिससे एंबिली की मौत हो गई।

# वैश्विक शांति के लिए अमेरिका भारत संबंधों की मजबूती अहम

● शीर्ष अमेरिकी नेताओं की द्विपक्षीय संबंधों की सुदृढ़ता का आह्वान

न्यूयॉर्क, एजेंसी

अमेरिका के दोनों दलों के शीर्ष सांसदों और नेताओं ने भारत-अमेरिका संबंधों तथा प्रवासी भारतीयों के योगदान की सराहना करते हुए कहा कि यह साझेदारी विश्व भर में शांति और स्थिरता के लिए बहुत महत्वपूर्ण है तथा उन्होंने द्विपक्षीय संबंधों को अधिक मजबूत करने का आह्वान किया।

न्यूयॉर्क स्थित भारतीय वाणिज्य दूतावास ने भारत के 77वें गणतंत्र दिवस के उपलक्ष्य में शनिवार को यहां एक विशेष स्वागत समारोह का आयोजन किया। न्यूयॉर्क में भारत के महावाणिज्यदूत बिनय श्रीकांत प्रधान और उप महावाणिज्यदूत विशाल हर्ष ने समारोह में मौजूद गणमान्य व्यक्तियों का स्वागत किया। इस समारोह में सरकारी अधिकारी, कारोबारी नेता, शिक्षा और संस्कृति जगत के नेता, भारतीय-अमेरिकी समुदाय के कई प्रमुख सदस्य, राजनयिक कोर के सदस्य और विभिन्न क्षेत्रों से आए अतिथि शामिल हुए।

सभा को संबोधित करते हुए डेलवेयर के गवर्नर मैट मेयर ने इस बात पर जोर दिया कि उनके राज्य में भारतीय समुदाय सबसे तेजी से बढ़ने वाला प्रवासी समुदाय है। उन्होंने डेलवेयर की विदेश सचिव चारुनी पतिबांडा-सांचेज के माता-पिता की प्रवासी यात्रा को याद किया, जो अमेरिका में इस पद को संभालने वाली पहली भारतीय-अमेरिकी थीं।

मेयर मार्च में भारत की यात्रा करने वाले हैं, जिसमें वह मुंबई, दिल्ली और हैदराबाद में एक व्यापारिक प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व करेंगे। सफोल्क काउंटी से रिपब्लिकन अमेरिकी प्रतिनिधि निक ला लोटा ने न्यूयॉर्क के लॉन्ग आइलैंड में इतालवी और आयरिश समुदायों के बाद बढ़ते भारतीय समुदाय को तीसरा समुदाय बताया।

## फिर से वैश्विक चिंता का सबब

# निपाह वायरस

निपाह वायरस स्वास्थ्य जगत के लिए एक गंभीर चुनौती बनकर उभरा है। वर्तमान में भारत के कुछ राज्यों, विशेषकर पश्चिम बंगाल और केरल में कुछ मामले आने के बाद स्वास्थ्य एजेंसियां हाई अलर्ट पर हैं। यह केवल भारत तक सीमित चिंता नहीं है; ऑस्ट्रेलिया, दक्षिण अफ्रीका, वियतनाम और सिंगापुर जैसे देशों ने भी अपनी सीमाओं पर सुरक्षा प्रावधान और हवाई अड्डों पर स्क्रीनिंग तेज कर दी है। दक्षिण अफ्रीका ने हाल ही में भारत में मिले मामलों के बाद जनता से सतर्क रहने की अपील की है। निपाह एक जूनोटिक वायरस है, यह जानवरों से इंसानों में फैलता है। इसके प्राकृतिक वाहक फ्रूट बैट्स (फल खाने वाले चमगादड़) हैं। इसकी मृत्यु दर चौंकाने वाली है, जो 40 से 75% के बीच रहती है, जिससे यह कोविड-19 जैसे अन्य वायरस की तुलना में कहीं अधिक घातक हो जाता है।

### लक्षण और पहचान

● पहले सामान्य फ्लू : निपाह के लक्षण संक्रमण के 4 से 14 दिनों के भीतर दिखाई देते हैं। शुरुआत में यह सामान्य फ्लू जैसा लगता है, लेकिन बहुत तेजी से गंभीर हो जाता है।

● शुरुआती लक्षण : तेज बुखार आना, सिरदर्द होना, मांसपेशियों में भी दर्द, उल्टी और गले में खराश भी होती है।

● गंभीर लक्षण : संक्रमित व्यक्ति को चक्कर आने के साथ मानसिक भ्रम, सांस लेने में गंभीर समस्या और मस्तिष्क में सूजन हो सकता है।

● अंतिम स्थिति : संक्रमण से मरीज 24-48 घंटों में कोमा में जा सकता है।

### डब्ल्यूएचओ रख रहा नजर

● विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) और भारत सरकार का नेशनल सेंटर फॉर डिजीज कंट्रोल (एनसीडीसी) इस स्थिति पर करीब से नजर रख रहे हैं। जनवरी 2026 के अंत तक पश्चिम बंगाल के बारासात में दो स्वास्थ्य कर्मियों में इसके संक्रमण की पुष्टि हुई थी, जिसके बाद लगभग 196 लोगों की निगरानी की गई। हालांकि डब्ल्यूएचओ ने इसे वैश्विक स्तर पर कम जोखिम वाली श्रेणी में रखा है क्योंकि इसका मानव-से-मानव प्रसार बहुत अधिक नहीं है, फिर भी इसकी गंभीरता को देखते हुए बचाव ही सबसे बड़ा उपाय माना जा रहा है। भारत सरकार ने इसके लिए विशेष आइसोलेशन वार्ड, मोबाइल लैब (बीएसएल-3) और त्वरित प्रतिक्रिया टीमों (आरआरटी) को तैनात किया है ताकि किसी भी संभावित प्रकोप को तुरंत नियंत्रित किया जा सके। ऑस्ट्रेलिया, सिंगापुर, वियतनाम, दक्षिण अफ्रीका जैसे देश अपने स्तर पर सतर्कता बरत रहे हैं। उन्होंने नागरिकों के लिए सुझाव भी जारी किए हैं।

### अभी कोई इलाज नहीं

● वर्तमान में निपाह वायरस के लिए कोई स्वीकृत टीका या विशेष एंटीवायरल दवा उपलब्ध नहीं है।

● इलाज का तरीका : अस्पताल में सपोर्टिव केयर ही मुख्य सहारा है। इसमें बुखार कम करने की दवाएं और सांस लेने के लिए वेंटिलेटर सहायता शामिल है।

● अनुसंधान की स्थिति : ऑक्सफोर्ड विवि बांग्लादेश में एक वैक्सीन का फेज-2 ट्रायल कर रहा है। ऑस्ट्रेलिया में मोनोक्लोनल एंटीबॉडी का परीक्षण भी जारी है।

### क्या न करें

● जमीन पर गिरे या पक्षियों द्वारा कुतरे गए फलों को बिल्कुल न खाएं। खुले बर्तनों में रखी खजूर की ताड़ी का सेवन न करें। चमगादड़ों के रहने वाले इलाकों से दूर रहें। यदि किसी को तेज बुखार और भ्रम हो, तो उसे तुरंत अस्पताल ले जाएं, खुद इलाज न करें।

## वर्ल्ड ब्रीफ

### वेनेजुएला में जेवियर ताराजोना जेल से रिहा

**काराकस।** वेनेजुएला में विपक्षी नेता मारिया कोरीना मचाडो के सहयोगी एवं मानवाधिकार कार्यकर्ता जेवियर ताराजोना को सरकार द्वारा लाए गए माफी विधेयक के तहत जेल से रिहा कर दिया गया है। मानवाधिकार संगठनों और उनके परिवार के सदस्यों ने रविवार को यह जानकारी दी। वेनेजुएला की कार्यवाहक राष्ट्रपति डेल्सी रोड्रिगेज ने शुक्रवार को माफी विधेयक की घोषणा की थी, जिसके जरिए सैकड़ों कैदियों की रिहाई का रास्ता खुला है। जेवियर ताराजोना वेनेजुएला के गैर-लाभकारी मानवाधिकार संगठन फंडारेडेस के निदेशक हैं।

### अमेरिकी कवि एक्सजे कैनेडी का निधन

**न्यूयॉर्क।** पुरस्कार विजेता अमेरिकी कवि, लेखक, अनुवादक एवं शिक्षक एक्स. जे. कैनेडी का निधन हो गया है। वह 96 वर्ष के थे। कैनेडी ने 'द बेडफोर्ड रीडर' और अन्य पाठ्यपुस्तकों के जरिए करोड़ों विद्यार्थियों को शिक्षित किया और बाल कथाओं एवं चुटीली कविताओं के जरिए पाठकों को आकर्षित किया। 'द बेडफोर्ड रीडर' कॉलेज विद्यार्थियों द्वारा व्यापक रूप से इस्तेमाल की जाने वाली पाठ्यपुस्तक है। कैनेडी की पुत्री डॉ. केट कैनेडी के अनुसार, एक्स जे कैनेडी का रविवार को मैसाचुसेट्स के पीबॉडी स्थित अपने घर पर निधन हो गया।

### पोलैंड में ठंड से 50 से अधिक की मौत

**वॉरसॉ।** पोलैंड में कड़ाके की ठंड के कारण अब तक 50 से अधिक लोगों की मौत हो गई है। आंतरिक मामलों और प्रशासन के उपमंत्री विस्लाव श्चेपान्स्की ने सोमवार को बताया कि कड़ाके की ठंड और शीतलहर अपने चरम पर है। ठंड से पीड़ितों के बारे में दुखद खबर है। अब तक 54 लोगों की मौत और 36 हाइपोथर्मिया के मामलों की जानकारी सामने आई है। उन्होंने कहा कि परित्यक्त इमारतों में रहने वाले लोग विशेष रूप से जोखिम में हैं।

### चीन ने म्यांमार गिरोह के चार को फांसी दी

**ताइपे।** चीन ने छह चीनी नागरिकों की मौत का कारण बने और म्यांमार से चार अरब अमेरिकी डॉलर से अधिक के घोटाले और जुए का नेटवर्क संचालित करने के दोषी पाए गए चार लोगों को फांसी दे दी। दक्षिण चीन की शेनझेन इंटरमीडिएट पीपुल्स कोर्ट ने सोमवार सुबह जारी एक बयान में इन सजाओं की पुष्टि की। हालांकि, यह स्पष्ट नहीं किया गया कि फांसी कब दी गई। म्यांमार में इसी मामले में 11 अन्य लोगों को पिछले सप्ताह सजा सुनाई गई।

# ट्रंप को ईरान से समझौते की उम्मीद खामेनेई की युद्ध के विरुद्ध चेतावनी

## ट्रंप बोले-हमने जंगी पोत तैनात किए लेकिन समस्या का चाहते हैं कूटनीतिक हल

● ट्रंप ने कहा-आने वाले दो दिनों में हमें समझौते की है उम्मीद

तेहरान/वाशिंगटन, एजेंसी

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान के साथ समझौता होने की उम्मीद जताई है, जबकि ईरान के सर्वोच्च नेता आयतुल्लाह अली खामेनेई ने चेतावनी दी है कि अगर अमेरिका कोई भी टकराव शुरू करता है तो वह क्षेत्रीय युद्ध में बदल सकता है। ट्रंप ने फ्लोरिडा के पाम बीच पर अपने मार-आ-लागो आवास से कहा कि अमेरिका ने पश्चिमी एशिया में भले ही अपने युद्ध पोत तैनात किए हैं लेकिन वह इस समस्या का कूटनीतिक हल चाहता है।

ट्रंप ने कहा कि हमने वहां दुनिया के सबसे बड़े, सबसे ताकतवर युद्ध पोत तैनात किए हैं। उम्मीद है कि आने वाले दो दिनों में हम कोई समझौता कर लेंगे। अगर समझौता नहीं होता है तो हमें पता चल जायेगा कि वह सही थे या नहीं। ट्रंप का यह बयान ऐसे समय में आया जब खामेनेई ने सोशल मीडिया एक्स पर जारी कई बयानों में अमेरिका को सैन्य कार्रवाई के खिलाफ चेतावनी दी थी। खामेनेई ने पोस्ट किया कि अमेरिका युद्ध शुरू करेगा तो इस बार एक क्षेत्रीय युद्ध होगा। अमेरिकी कभी-कभी युद्ध की बात करते हैं और कहते हैं कि वे युद्ध पोतों और लड़ाकू विमानों के साथ आएंगे। यह कोई नई बात नहीं है। ईरान ऐसी बातों से डरता नहीं। उन्हें ईरानियों को ऐसी चीज़ों से डराने की कोशिश नहीं करनी चाहिए। खामेनेई ने कहा कि ईरान संघर्ष नहीं चाहता लेकिन अगर जरूरत पड़ी तो ईंट का जवाब पत्थर से देगा। उन्होंने अमेरिका पर संसाधनों के लालच में ईरान पर दबाव बनाने का आरोप लगाया। खामेनेई ने कहा, हम लड़ाई शुरू करने वालों में नहीं हैं। हम किसी पर जुल्म नहीं करना चाहते। हम किसी देश पर हमला नहीं करना चाहते लेकिन अगर कोई हम पर हमला करता है तो उसे ईरान से करारा जवाब मिलेगा।

### ईरान ने ईयू के सभी राजदूतों को किया तलब

**दुबई।** ईरान ने सोमवार को कहा कि उसने अर्धसैनिक बल रिवोल्यूशनरी गार्ड को आतंकवादी संगठन घोषित किए जाने के यूरोपीय संघ (ईयू) के फैसले पर विरोध दर्ज कराने के वास्ते इसके सभी राजदूतों को तलब किया है। यह कदम ऐसे समय में उठाया गया है जब ईरान को शांतिपूर्ण प्रदर्शनकारियों की कथित हत्या और सामूहिक फांसी के मामलों को लेकर अमेरिका की सैन्य कार्रवाई का खतरा झेलना पड़ रहा है। अमेरिकी सेना ने यूएसएस अब्राहम लिंकन विमानवाहक पोत और कई मिसाइल विध्वंसक जहाजों को पश्चिम एशिया में तैनात कर दिया है। हालांकि, यह अब भी स्पष्ट नहीं है कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप बल प्रयोग का फैसला करेंगे या नहीं।

### ट्रंप समझदारी से लेंगे कोई फैसला

इससे पहले ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने कहा था कि अमेरिका से उनका विश्वास उठ चुका है लेकिन वे परमाणु हथियारों पर निष्पक्ष और न्यायसंगत समझौते के लिए तैयार हैं। उन्होंने कहा कि मुझे युद्ध की चिंता नहीं है। मुझे गलत सूचना और दुष्प्रचार अभियान के कारण लिए जाने वाले सैन्य फैसलों की चिंता है। जाहिर है कि कुछ लोग हैं जो अपने फायदे के लिए राष्ट्रपति ट्रंप को इस युद्ध में खींचना चाहते हैं। मुझे लगता है कि राष्ट्रपति ट्रंप इतने समझदार हैं कि वह अपने फैसले खुद ले सकते हैं। कहा कि अमेरिका हमारे देश पर पहले की तरह कब्जा करना चाहता है लेकिन अब यह संभव नहीं है। उसे किसी भी हिमाकत का बहुत करारा जवाब मिलेगा।

# साल 2026 के ग्रैमी पुरस्कारों की हुई घोषणा, दलाई लामा ने रचा इतिहास

● 90 की उम्र में ग्रैमी पाने वाले पहले व्यक्ति बने दलाई लामा

लॉस एंजेलिस, एजेंसी

संगीत के सबसे बड़े पुरस्कार ग्रैमी के 68वें संस्करण के विजेताओं की घोषणा यहां रविवार को हुई। रैपर बैड बनी के एल्बम डेबी तिरार मास फोतोज़ ने साल के सर्वश्रेष्ठ एल्बम का पुरस्कार जीता, जबकि साल के सबसे बेहतरीन रिकॉर्ड का पुरस्कार रैपर एवं गीतकार केंड्रिक लैमर तथा गायक एवं गीतकार सिज़ा के गीत लुथर ने जीता।

साल के सबसे बेहतरीन गीत का पुरस्कार वाइल्डफ्लावर ने जीता जिसे बिली एलिश और फिनीयस ओ'कॉनेल ने गाया है, जबकि साले के सबसे बेहतरीन नए कलाकार का खिताब ओलिविया डीन ने जीता। सर्वश्रेष्ठ पॉप वोकल एल्बम का खिताब मेहेम ने जीता जिसे मशहुर गायिका लेडी गागा ने गाया है। सर्वश्रेष्ठ सोलो पॉप का खिताब लोला यंग को मेसी के लिए मिला। सर्वश्रेष्ठ रैप एल्बम का पुरस्कार केंड्रिक लैमर ने जीएनएक्स के लिए जीता। जहां, बेस्ट पॉप डुओ या बेस्ट ग्रुप परफॉर्मेंस का खिताब सिन्थिया एरिवो और एरियाना ग्रांडे ने डिफाइंग ग्रैविटी के लिए जीता, वहीं सर्वश्रेष्ठ रॉक एल्बम का खिताब टर्नस्टाइल के नेवर इनफ ने जीता। पहली बार किसी स्पैनिश भाषा के एल्बम ने सर्वश्रेष्ठ एल्बम का खिताब जीता। केंड्रिक लैमर ने पांच खिताब जीतकर इतिहास रच दिया। वाइल्डफ्लावर के लिए सबसे बेहतरीन गीत का खिताब जितने वाले बिली एलिश और उनके भाई फिनीयस ओ'कॉनेल ने तीसरी बार इस श्रेणी में खिताब जीतकर इतिहास रच दिया। सबसे आश्चर्यजनक नाम दलाई लामा का रहा। अडियो-बुक रिकॉर्ड करने के लिए उन्हें ग्रैमी पुरस्कार दिया गया, जो कि 90 की उम्र में पहला ग्रैमी पाने वाले पहले व्यक्ति बन गए हैं।

### चीन ने किया दलाई को पुरस्कार देने का विरोध

**बीजिंग।** चीन ने दलाई लामा को दिए गए ग्रैमी पुरस्कार की निंदा करते हुए कहा कि वह तिब्बती आध्यात्मिक नेता द्वारा इस सम्मान का उपयोग चीन विरोधी गतिविधियों को अंजाम देने के लिए किए जाने का कड़ा विरोध करता है। दलाई लामा को पुरस्कार मिलने पर उनकी प्रतिक्रिया पूछे जाने पर, चीनी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता लिन जियान ने चीन के इस आरोप को दोहराया कि 90 वर्षीय आध्यात्मिक नेता धर्म के नाम पर अलगाववादी गतिविधियां चला रहे हैं। कहा कि दलाई लामा विशुद्ध रूप से धार्मिक व्यक्ति नहीं हैं।

### पुरस्कार पाने से फिर चूकीं अनुष्का शंकर

**लॉस एंजिलिस।** सितार वादक अनुष्का शंकर ग्रैमी पुरस्कार समारोह में दो नामांकन मिलने के बावजूद कोई पुरस्कार नहीं जीत पाईं। ग्लोबल म्यूजिक परफॉर्मेंस श्रेणी में बैड बनी के ईओओ को पुरस्कार के लिए चुना गया। इस श्रेणी में अनुष्का के फ्यूजन बैंड शक्ति के सहयोग से बने गीत शिरिनीज ड्रीम (लाइव) को नामांकित किया गया था। अनुष्का को ग्लोबल म्यूजिक एल्बम श्रेणी में भी भारतीय संगीतकार सिद्धांत भाटिया (साउंड्स ऑफ कुंभ) और शक्ति के माइंड एक्सप्लोजन के साथ नामांकित किया गया था लेकिन पुरस्कार कैटानो वेलोसो व मारिया बेथनिया के कैटेनो ई बेथनिया आओ वीवो को मिला। अनुष्का शंकर को अब तक ग्रैमी में 13 बार नामांकन मिल चुका है।

## जार्जिया में होटल में गोलीबारी, पुलिस कर्मी की गई जान

**लॉरेंसविले।** अटलांटा के उपनगरीय इलाके पर स्थित एक होटल में एक व्यक्ति ने पूछताछ के लिए पहुंची पुलिस पर गोली चला दी, जिससे एक पुलिसकर्मी की मौत हो गई जबकि दूसरा गंभीर रूप से घायल हो गया। ग्विनेट काउंटी पुलिस प्रमुख जे.डी. मैक्लुर ने बताया कि गोलीबारी के संदिग्ध को भी एक अधिकारी ने गोली मार दी थी, उसका इलाज किया जा रहा है। पुलिस प्रमुख ने बताया कि अटलांटा से करीब 40 किलोमीटर उत्तर-पूर्व में स्टोन माउंटेन के पास रविवार सुबह यह घटना हुई। एक व्यक्ति ने फोन पर बताया कि होटल में कमरा लेने के लिए एक व्यक्ति धोखाधड़ी या जालसाजी का सहारा ले रहा है। सूचना मिलने के बाद पुलिस को होटल भेजा गया।

## शेख हसीना को दी भ्रष्टाचार मामले में 10 साल की सजा

● बांग्लादेश की अदालत ने दो अलग-अलग केस में सुनाई सजा

ढाका, एजेंसी

बांग्लादेश की एक अदालत ने अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना को सरकारी आवास परियोजना में भूमि आवंटन से जुड़ी अनियमितताओं से संबंधित भ्रष्टाचार के दो अलग-अलग मामलों में सोमवार को 10 साल के कठोर कैद की सजा सुनाई।

ढाका की विशेष अदालत ने 79 वर्षीय शेख हसीना को सरकारी पद का गलत इस्तेमाल कर पुरबाचोल स्थित राजधानी उन्नयन कर्तृपक्ष (राजुक) न्यू टाउन परियोजना में अपनी भतीजी एवं ब्रिटेन की लेबर पार्टी की सांसद व वहां की पूर्व मंत्री ट्यूलिप सिद्दीक सहित अन्य लोगों को आवासीय भूखंड दिलाने के मामले में 10 साल के कठोर कारावास की सजा सुनाई। न्यायाधीश रोबी-उल आलम ने इसी मामले में शेख हसीना की दो भतीजियों और एक भतीजे को भी अलग-अलग अवधि की जेल की सजा सुनाई। सिद्दीक की छोटी बहन आजमान सिद्दीक और भाई रदवान मुजीब सिद्दीक बॉबी को सात साल के कठोर कारावास की सजा सुनाई गई। अपदस्थ प्रधानमंत्री और उनके रिश्तेदारों को यह सजा उनकी अनुपस्थिति में हुई सुनवाई के बाद दी गई। 16 आरोपियों में से केवल एक, भूखंड आवंटित करने वाली संस्था राजुक के वरिष्ठ अधिकारी खुर्शीद आलम पर ही व्यक्तिगत रूप से मुकदमा चला और फैसले के समय वह अदालत में मौजूद थे।

## वैज्ञानिक रामनाथन को क्रैफोर्ड पुरस्कार

**ह्यूस्टन।** भारतीय मूल के जलवायु वैज्ञानिक वीरभद्रन रामनाथन को रॉयल स्वीडिश एकेडमी ऑफ साइंसेज ने भू-विज्ञान में 2026 का क्रैफोर्ड पुरस्कार देने की घोषणा की है। भू-विज्ञान का नोबेल कहे जाने वाले इस प्रतिष्ठित पुरस्कार के तहत रामनाथन को सुपर-प्रदूषकों और वायुमंडलीय ब्राउन क्लाउड्स पर शोध के लिए सम्मानित किया गया है, जिसने ग्लोबल वॉर्मिंग की समझ को नई दिशा दी।

रामनाथन (82) ने 1975 में नासा में काम करते हुए एक ऐतिहासिक खोज की थी। उन्होंने बताया कि क्लोरोफ्लोरोकार्बन (सीएफसी), जो एरोसोल और रेफ्रिजरेशन में व्यापक रूप से इस्तेमाल होते थे, वायुमंडल में कार्बन डाइऑक्साइड की तुलना में 10,000 गुना अधिक प्रभावी तरीके से गर्मी खींचते हैं।

## आर्मेनिया से सुरक्षा सहयोग को मजबूत करेगा भारत

● आधिकारिक यात्रा पर पहुंचे सीडीएस जनरल चौहान

नई दिल्ली/यरेवन, एजेंसी

भारत के प्रमुख रक्षा अध्यक्ष (सीडीएस) जनरल अनिल चौहान के नेतृत्व में एक भारतीय प्रतिनिधिमंडल फिलहाल आर्मेनिया की आधिकारिक यात्रा पर है। इस दौरे को दोनों देशों के साझा रणनीतिक हितों और दीर्घकालिक रक्षा व सुरक्षा सहयोग को मजबूत बनाने के लिए महत्वपूर्ण पहल बताया गया है।

इंटीग्रेटेड डिफेंस स्टाफ मुख्यालय (आईडीएस एचक्यू) ने एक्स पर इस चार दिवसीय दौरे से जुड़ी कुछ जानकारी और तस्वीरें साझा कीं। आईडीएस एचक्यू ने एक पोस्ट में लिखा, प्रमुख रक्षा अध्यक्ष जनरल अनिल चौहान के नेतृत्व में भारतीय रक्षा प्रतिनिधिमंडल एक फरवरी को आर्मेनिया पहुंचा। यह दौरा दोनों देशों के साझा रणनीतिक हितों और दीर्घकालिक रक्षा एवं सुरक्षा सहयोग को मजबूत बनाने में एक महत्वपूर्ण कदम है। प्रतिनिधिमंडल का स्वागत यरेवन में भारत की राजदूत नीलाक्षी साहा सिन्हा और आर्मेनिया गणराज्य की सशस्त्र सेनाओं के उप प्रमुख मेजर जनरल टेमूर शहनजरयान ने किया।

आईडीएस एचक्यू ने एक अन्य पोस्ट में लिखा कि जनरल चौहान ने यरेवन में आर्मेनियाई जनसंहार स्मारक और संग्रहालय पर पुष्पांजलि अर्पित कर जनसंहार में जान गंवाने वाले 15 लाख आर्मेनियाई नागरिकों को श्रद्धांजलि दी।

## एआई के लिए ऑप्टिकल चिप्स बना रहा चीन

**बीजिंग।** आर्टिफ़िशियल इंटेलिजेंस (एआई) के तेज़ी से बढ़ते इस्तेमाल और उसकी बढ़ती ऊर्जा खपत के बीच चीन अब पारंपरिक इलेक्ट्रॉनिक चिप्स के विकल्प के रूप में ऑप्टिकल चिप्स पर बड़ा दांव लगा रहा है। इन चिप्स को फ़ोटोन चिप्स भी कहा जाता है। ये चिप्स भविष्य में एआई की प्रोसेसिंग रफ्तार बढ़ाने और बिजली की खपत कम करने में अहम भूमिका निभा सकती हैं। ऑप्टिकल चिप्स ऐसे सेमीकंडक्टर होते हैं, जो बिजली (इलेक्ट्रॉन्स) की बजाय रोशनी (फोटॉन्स) के ज़रिए सूचना को प्रोसेस करते हैं। फोटॉन्स बहुत तेज़ गति से चलते हैं और इनमें गर्मी के रूप में ऊर्जा का नुकसान नहीं होता, इसलिए ये चिप्स पारंपरिक चिप्स से ज्यादा तेज़ हो सकते हैं।

## आज का भविष्यफल -पं.मनोज कुमार द्विवेदी

आज की ग्रह स्थिति : 3 फरवरी, मंगलवार 2026 संवत-2082, शक संवत 1947 मास-फाल्गुन, पक्ष-कृष्ण पक्ष, द्वितीया 4 फरवरी 00.40 तक तत्पश्चात तृतीया।

### आज का पंचांग

(कुंडली: श. 12; रा. 11; मं. बु. सू. शु. 10; 9; 8; 1; 7; 4; 2; 6; 3 गु.; 5 चं. के.)

**दिशाशूल**- उत्तर, **ऋतु**- शिशिर।
**चन्द्रबल**- मिथुन, सिंह, तुला, वृश्चिक, कुंभ, मीन।
**ताराबल**- अश्विनी, भरणी, कृत्तिका, मृगशिरा, पुनर्वसु, आश्लेषा, मघा, पूर्वा फाल्गुनी, उत्तरा फाल्गुनी, चित्रा, विशाखा, ज्येष्ठा, मूल, पूर्वाषाढ़ा, उत्तराषाढ़ा, धनिष्ठा, पूर्वाभाद्रपद, रेवती।
**नक्षत्र**-मघा 22.10 तक तत्पश्चात पूर्वाफाल्गुनी।

**मेष** — आज अनैतिक कार्यों से दूरी बनाकर रखें। मन में किसी कारण दबाव रहेगा। अति आत्मविश्वास के कारण काम बिगड़ सकते हैं। दांपत्य संबंधों में स्वार्थ की भावना को न आने दें। करियर में नए प्रयोग कर सकते हैं। दिनचर्या अस्त-व्यस्त न रखें।

**वृष** — आज आपकी दिनचर्या अत्यधिक अनुशासित रहेगी। सभी कार्यों को सुनियोजित तरीके से करने से सफलता मिलेगा। जॉब में मनोनुकूल स्थानांतरण हो सकता है। व्यवसाय में आपकी आय बढ़ सकती है। अपनी इच्छाओं को पूर्ण करने के लिए तत्पर रहेंगे।

**मिथुन** — आज महिलाओं को स्वास्थ्य समस्या हो सकती है। संतान की उन्नति से मन उत्साहित रहेगा, लेकिन आपको उन पर अधिक दबाव नहीं बनाना चाहिए। महत्वपूर्ण कार्य किसी कारणवश टल सकते हैं। पुराने मित्रों से चर्चा होगी।

**कर्क** — आज आपका मन प्रसन्न रहेगा। आध्यात्मिक विचारों के प्रभाव में रहेंगे। व्यय की तुलना में आपकी आय बढ़ेगी। रुकी हुई परियोजनाओं को प्रारंभ कर सकते हैं। जीवनसाथी को करियर में बड़ी सफलता मिल सकती है।

**सिंह** — आज बिना पूछे दूसरों को ज्ञान न दें। गर्भवती स्त्रियों को अपने स्वास्थ्य का ध्यान रखना चाहिए। आपको अपने सम्मान की चिंता रहेगी। लंबी दूरी की यात्रा करने से बचें। कार्यक्षेत्र में अधिकारी वर्ग से बहस न करें।

**कन्या** — आज स्थायी संपत्ति प्राप्त होने की संभावना है। अपने काम पर फोकस करेंगे। साझेदारी वाले व्यवसाय में आपको लाभ हो सकता है। सरकारी कार्यों में आपको सफलता मिलेगी। बेरोजगार लोगों को नौकरी मिल सकती है।

**तुला** — आज नए काम में मन लगेगा। व्यवसाय में सुगमता रहेगी। अपने विरोधियों पर भारी पड़ेंगे। आपकी सामाजिक स्थिति मजबूत होगी। महंगी वस्तुओं की खरीदारी कर सकते हैं। वैवाहिक संबंधों में परस्पर सम्मान का भाव बढ़ेगा।

**वृश्चिक** — आज शेयर मार्केट में निवेश लाभकारी होगा। छात्र पढ़ाई में अच्छा प्रदर्शन करेंगे। बौद्धिक चर्चाओं में भाग ले सकते हैं। व्यापार को लेकर बड़ी डील हो सकती है। कार्यक्षेत्र में बॉस आपसे अत्यधिक प्रसन्न रहेंगे। मन में आध्यात्मिक विचार जन्म लेंगे।

**धनु** — आज आपको धन हानि होने की आशंका है। इसीलिए उधार लेन-देन बिल्कुल न करें। छोटी-छोटी बातों को लेकर परेशान न हों। वरना मुख्य बातों से आपका ध्यान भटक सकता है। अधिक गर्म व ठंडे खाद्य पदार्थों का सेवन न करें।

**मकर** — आज व्यापार में अपनी उन्नति से संतुष्ट रहेंगे। विलासिता के साधनों में आप धन खर्च करेंगे। धन की कमी दूर होगी। कार्यक्षेत्र में सभी कार्य आपके अनुसार होते जाएंगे। आपकी जीवनशैली बहुत अच्छी रहेगी। अपने खानपान की आदतों पर नियंत्रण रखें।

**कुंभ** — आज सहकर्मियों के माध्यम से आपको धन लाभ होगा, लेकिन आपको सभी कार्य अपने दम पर करने चाहिए। दूरस्थ क्षेत्र की यात्रा हो सकती है। दूसरों के मामलों में टांग न अड़ाएं। युवा अपने करियर को लेकर महत्वपूर्ण निर्णय ले सकते हैं।

**मीन** — आज महाविद्यालयीन विद्यार्थियों को जॉब के अवसर प्राप्त होने की संभावना है। नई विद्या या स्किल्स को सीखने का प्रयास करेंगे। नई परियोजनाओं में धन निवेश कर सकते हैं। लंबित कानूनी मामलों को लेकर थोड़े परेशान होंगे।

## सुडोकू -50

सुडोकू एक तरह का तर्क वाला खेल है, जो एक वर्ग पहेली की तरह होता है। जब आप इस खेल को खेलना सीख जाते हैं तो यह बहुत ही सरलता से खेला जा सकता है। सुडोकू खेल में बॉक्स में 1 नंबर से 9 नंबर तक आने वाले अंक दिए हैं। इसमें कुछ बॉक्स खाली हैं, जिन्हें आपको भरना है। कोई भी अंक दोबारा नहीं आना चाहिए। एक सीधी लाइन और एक खड़ी लाइन तथा बॉक्स में नंबर रिपीट नहीं होना चाहिए।

| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | 8 | | 4 | | 7 | | 1 | |
| | 6 | | 2 | | | | 9 | |
| 3 | | | | | 5 | | | |
| | | 6 | | | | 2 | | 1 |
| | | | 3 | | 6 | 5 | | |
| 8 | | 1 | | | | | | |
| | 9 | | 1 | | | | | 6 |
| | 5 | | | | 3 | | 4 | |
| | 4 | | 5 | 7 | 8 | | 2 | |

### सुडोकू - 49 का हल

| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 2 | 7 | 5 | 6 | 9 | 1 | 4 | 8 | 3 |
| 6 | 8 | 9 | 3 | 7 | 4 | 2 | 1 | 5 |
| 3 | 1 | 4 | 2 | 5 | 8 | 7 | 6 | 9 |
| 1 | 2 | 3 | 4 | 8 | 9 | 5 | 7 | 6 |
| 8 | 4 | 7 | 5 | 2 | 6 | 3 | 9 | 1 |
| 9 | 5 | 6 | 7 | 1 | 3 | 8 | 4 | 2 |
| 5 | 3 | 1 | 9 | 4 | 7 | 6 | 2 | 8 |
| 4 | 6 | 8 | 1 | 3 | 2 | 9 | 5 | 7 |
| 7 | 9 | 2 | 8 | 6 | 5 | 1 | 3 | 4 |

> पाकिस्तान के बहिष्कार पर आईसीसी ने एक बड़ा बयान जारी किया है। उन्होंने खेल भावना के बारे में बात की है और हम आईसीसी से पूरी तरह सहमत हैं। जब तक हम आईसीसी से बात नहीं कर लेते। बीसीसीआई इस पर कोई टिप्पणी नहीं करेगा।
> –राजीव शुक्ला

# स्टेडियम

अमृत विचार

www.amritvichar.com

कानपुर नगर, मंगलवार, 3 फरवरी 2026

## हाईलाइट

### हरमनप्रीत, मंधाना और दिव्या अवाड्र्स के लिए नामांकित

**नई दिल्ली।** भारत की महिला विश्व कप 2025 की ऐतिहासिक जीत में अहम भूमिका निभाने वाली कप्तान हरमनप्रीत कौर और उप-कप्तान स्मृति मंधाना तथा शतरंज की प्रतिभाशाली खिलाड़ी दिव्या देशमुख '2025 बीबीसी इंडियन स्पोर्ट्सवुमन ऑफ द ईयर' पुरस्कारों के लिए नामांकित हैं। पिस्टल निशानेबाजी में सनसनी मचाने वाली सुरुचि सिंह और ट्रैक एवं फील्ड एथलीट ज्योति याराजी इस प्रतिष्ठित वार्षिक पुरस्कार के लिए नामांकित अन्य दो खिलाड़ी हैं।

### अब्दुसत्तोरोव ने मास्टर्स खिताब जीता

**विक आन जी (नीदरलैंड्स)।** उज्बेकिस्तान के नोदिरबेक अब्दुसत्तोरोव ने खराब फॉर्म से जूझ रहे अर्जुन एरिगेसी को हराकर सोमवार को यहां टाटा स्टील मास्टर्स का खिताब जीत लिया। जबकि विश्व चैंपियन डी गुकेश संयुक्त आठवें स्थान के साथ भारतीय खिलाड़ियों के बीच शीर्ष पर रहे। गुकेश ने अंतिम दौर में जर्मनी के विन्सेंट केमर से ड्रॉ खेला और 6 .5 अंक के साथ भारतीय खिलाड़ियों के बीच शीर्ष स्थान हासिल किया। उन्होंने हालांकि प्रतियोगिता के दौरान आधे अंक जुटाकर उम्मीद से खराब प्रदर्शन किया और 2750 रेटिंग अंक से नीचे खिसक गए। आर प्रज्ञानानंद ने भी नीदरलैंड के जोर्डन वैन फोरेस्ट के साथ ड्रॉ खेला व 5 .5 अंक के साथ टूर्नामेंट खत्म किया।

### फार्मूला वन फिर शुरू करना चाहता है मंत्रालय

**नई दिल्ली।** खेल मंत्रालय भविष्य में बुद्ध इंटरनेशनल सर्किट पर फार्मूला वन फिर शुरू करने का इच्छुक है और 2013 में आखिरी बार भारत में हुई रेस फिर शुरू करने के लिये ट्रैक अधिकारियों से बातचीत का सिलसिला शुरू हो चुका है। मंत्रालय के एक सूत्र ने बताया कि खेलमंत्री मनसुख मांडविया पिछले सप्ताह ग्रेटर नोएडा में ट्रैक का दौरा कर चुके हैं। उन्होंने यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण के अधिकारियों से बात भी की है जिसने अब दिवालिया को चुके ट्रैक के मालिक जेपी समूह से परिसर अपने नियंत्रण में ले लिया है। अडानी समूह जेपी समूह खरीदने की दौड़ में है और अगर ऐसा हो गया तो भारत में रेस को वापिस लाने की कोशिशों को बल मिलेगा।

### भारत बड़े अंतर्राष्ट्रीय टूर्नामेंटों का भरोसेमंद मेजबान : मांडविया

**नई दिल्ली।** ओलंपिक 2036 की मेजबानी के इच्छुक भारत को अंतरराष्ट्रीय आयोजनों के लिये भरोसमंद और सफल मेजबान बताते हुए खेलमंत्री मनसुख मांडविया ने सोमवार को कहा कि पिछले एक साल में 20 से अधिक खेलों में 45 अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट की मेजबानी करके भारत ने यह साबित कर दिया है। पिछले महीने इंडिया ओपन बैडमिंटन के आयोजन से जुड़े मसलों के लिये हुई आलोचना के बीच खेलमंत्री ने अंतरराष्ट्रीय महासंघों से मिले समर्थन का हवाला दिया। भारत में 2030 राष्ट्रमंडल खेल अहमदाबाद में होंगे और इसी शहर को ओलंपिक 2036 की मेजबानी के दावेदार के रूप में चुना गया है।

## दिल्ली की नजरें लगातार चौथी बार फाइनल के टिकट पर

दिल्ली की कप्तान जेमिमा रॉड्रिग्स व गुजरात की कप्तान एशले गार्डनर।

**वडोदरा, एजेंसी**

लगातार तीन बार उपविजेता रही दिल्ली कैपिटल्स की टीम महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) के एलिमिनेटर मुकाबले में मंगलवार को यहां जब पहली बार प्लेऑफ में पहुंची गुजरात जाएंट्स के खिलाफ उतरेगी तो उसकी कोशिश चौथी बार फाइनल में पहुंचने की होगी।

डब्ल्यूपीएल के छोटे से इतिहास में सबसे निरंतर प्रदर्शन करने वाली टीमों में शामिल दिल्ली कैपिटल्स ने एक बार फिर लीग चरण को सफलतापूर्वक पार करते हुए शीर्ष तीन में जगह बनाई। इसके साथ ही वह अब तक के सभी चार सत्रों में प्लेऑफ के लिए क्वालीफाई करने वाली एकमात्र टीम बन गई है। मौजूदा सत्र में हालांकि दिल्ली का अभियान उतार-चढ़ाव भरा रहा है, जिसमें दबदबे वाले प्रदर्शन के साथ-साथ गिरावट भी देखने को मिली। टीम ने अब तक चार मैच जीते हैं और उसे इतने में हार का सामना करना पड़ा है। दिल्ली की गेंदबाजी की अगुवाई तेज गेंदबाज नंदिनी शर्मा ने की है। मौजूदा सत्र में 14 विकेट लेने वाली इस गेंदबाज ने आखिरी ओवरों में काफी प्रभावित किया है। उन्हें बाएं हाथ की स्पिनर श्री चरनी (14 विकेट) का अच्छा साथ मिला है, जबकि दक्षिण अफ्रीका की अनुभवी हरफनमौला मारिजेन कैप (10 विकेट) ने गेंदबाजी में नियंत्रण और भरोसेमंद प्रदर्शन जारी रखा है। बल्लेबाजी में कैप की हमवतन लौरा वोल्वार्ट (241 रन) और लिजेल ली (240 रन) ने शीर्ष क्रम में मजबूती प्रदान की है। भारतीय सलामी बल्लेबाज शेफाली वर्मा (208 रन) के प्रदर्शन में निरंतरता की कमी हालांकि चिंता का विषय बनी हुई है। पिछले मैच में कप्तान जेमिमा रोड्रिग्स ने दबाव की स्थिति में अपनी फॉर्म दोबारा हासिल की। वह इससे पहले पूरे सत्र में निरंतरता के लिए जूझती नजर आई थीं। गुजरात जायंट्स की टीम दूसरी ओर एलिमिनेटर में जबरदस्त आत्मविश्वास के साथ उतरेंगी। उन्होंने लगातार तीन मैचों की हार के बाद शानदार वापसी करते हुए जीत की हैट्रिक लगाई। टीम ने इस दौरान गत चैंपियन मुंबई इंडियंस के खिलाफ 11 रन की अहम जीत भी हासिल की। यह दो बार की चैंपियन टीम के खिलाफ उनकी पहली जीत थी। टीम ने जीत से ही नॉकआउट में अपनी जगह पक्की की।

**महिला प्रीमियर लीग : एलिमिनेटर मुकाबला**

**दिल्ली कैपिटल्स :** जेमिमा रॉड्रिग्स (कप्तान), तानिया भाटिया, चिनेल हेनरी, लिजेल ली, निकी प्रसाद, शेफाली वर्मा, लौरा वोल्वाड्ट, लुसी हैमिल्टन, मारिजेन कैप, अलाना किंग, स्नेह राणा, प्रगति सिंह, मिन्नू मणि, नंदिनी शर्मा, श्री चरणी, एड्डुला स्रुजना।

**गुजरात जायंट्स :** एश्ले गार्डनर (कप्तान), कनिका आहूजा, सोफी डिवाइन, भारती फुलमाली, किम गार्थ, काशवी गौतम, राजेश्वरी गायकवाड़, हैप्पी कुमारी, जिंतिमनी कलिता, तनुजा कंवर, बेथ मूनी (विकेटकीपर), रेणुका सिंह, अनुष्का शर्मा, शिवानी सिंह, आयुषी सोनी, जॉर्जिया वेयरहम, डैनी व्याट-हॉज।

● **गुजरात जाएंट्स के खिलाफ भिड़ंत आज शाम 7:30 बजे से**

# भारत के खिलाफ मैच बहिष्कार पर आईसीसी ने पाक को दी चेतावनी

## प्रतिबंध और राजस्व पर रोक सहित अन्य कड़े कदम उठाए जाने की संभावना

**दुबई, एजेंसी**

**टी-20 विश्व कप**
**4 दिन शेष**

● **15 फरवरी को तय है भारत-पाकिस्तान का मुकाबला**

अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने पाकिस्तान सरकार द्वारा भारत के खिलाफ टी-20 विश्व कप मैच के बहिष्कार ''चुनिंदा भागीदारी'' की घोषणा के बाद कहा है कि उन्हें उम्मीद है कि पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) सभी हितधारकों के हितों की रक्षा करते हुए आपसी सहमति से कोई समाधान तलाशेगा। ऐसा माना जा रहा है कि आईसीसी इस मुद्दे पर जल्द ही बैठक करने जा रहा है। इस बैठक में आईसीसी भारत के खिलाफ मैच का बहिष्कार करने पर प्रतिबंध लगा सकता है और आईसीसी की ओर से पाकिस्तान के राजस्व पर भी रोक सहित अन्य कड़े कदम उठा सकता।

15 फरवरी को होने वाला भारत-पाकिस्तान मुकाबला टूर्नामेंट का सबसे अधिक व्यावसायिक रूप से लाभदायक ग्रुप मैच माना जा रहा है। पाकिस्तान सरकार द्वारा सोशल मीडिया मंच एक्स पर की गई पोस्ट के कुछ ही घंटों बाद आईसीसी ने इस पर अपनी प्रतिक्रिया दी है। आईसीसी की ओर से जारी एक बयान में कहा है कि उन्हें उम्मीद है कि इस निर्णय से पीसीबी अपने देश पर होने वाले क्रिकेट के दीर्घकालिक प्रभावों पर विचार करेगा, क्योंकि इसका असर वैश्विक क्रिकेट पारिस्थितिकी तंत्र पर पड़ने की संभावना है, जिसका पाकिस्तान स्वयं सदस्य और लाभार्थी है। आईसीसी के नियमों के अनुसार किसी मैच का बहिष्कार होने की स्थिति में पाकिस्तान को अपने अंक गंवाने पड़ेगे और उसके नेट रन रेट पर असर पड़ेगा, लेकिन भारत के नेट रन रेट पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा। इसके अलावा भारत को जीत के दो अंक भी मिलेंगे। बयान में कहा गया कि आईसीसी को अब तक इस मामले पर पीसीबी से कोई औपचारिक संवाद प्राप्त नहीं हुआ है। आईसीसी के बयान में कहा गया आईसीसी पाकिस्तान सरकार द्वारा दिए गए उस बयान को संज्ञान में ले रहा है, जिसमें उन्होंने 2026 आईसीसी पुरूष टी-20 विश्व कप में अपनी राष्ट्रीय टीम को चुनिंदा मैचों में भाग लेने का निर्देश दिया है। आईसीसी अभी भी इस संबंध में पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) से आधिकारिक संवाद की प्रतीक्षा कर रहा है। हालांकि चयनात्मक भागीदारी की यह स्थिति किसी वैश्विक खेल आयोजन की मूल भावना से मेल नहीं खाती, जहां सभी क्वालिफाई कर रही टीमों से तय कार्यक्रम के अनुसार समान शर्तों पर प्रतिस्पर्धा करने की अपेक्षा की जाती है।

उन्होंने कहा आईसीसी के टूर्नामेंट खेल भावना, प्रतिस्पर्धा, निरंतरता और निष्पक्षता पर आधारित होते हैं और चयनात्मक भागीदारी प्रतियोगिताओं की भावना और पवित्रता को कमजोर करती है। हालांकि आईसीसी राष्ट्रीय नीति से जुड़े मामलों में सरकारों की भूमिका का सम्मान करता है, लेकिन यह निर्णय वैश्विक खेल या पाकिस्तान के लाखों प्रशंसकों सहित दुनिया भर के प्रशंसकों के हित में नहीं है।

आईसीसी को उम्मीद है कि पीसीबी अपने देश में क्रिकेट पर पड़ने वाले इसके महत्वपूर्ण और दीर्घकालिक प्रभावों पर विचार करेगा, क्योंकि इसका असर वैश्विक क्रिकेट पारिस्थितिकी तंत्र पर पड़ सकता है, जिसका वह स्वयं सदस्य और लाभार्थी है। आईसीसी की प्राथमिकता में आईसीसी पुरूष टी-20 विश्व कप का सफल आयोजन करना है और यह पीसीबी सहित उसके सभी सदस्यों की जिम्मेदारी भी होनी चाहिए। आईसीसी को उम्मीद है कि पीसीबी सभी हितधारकों के हितों की रक्षा करते हुए आपसी सहमति से कोई समाधान तलाशेगा।

पाकिस्तान ग्रुप ए में भारत, नामीबिया, नीदरलैंड्स और अमेरिका के साथ है। वे अपने सभी मैच श्रीलंका में खेलेंगे, जो भारत के साथ टूर्नामेंट का सह-मेजबान है। पाकिस्तान सात फरवरी को टी-20 विश्व कप के उद्घाटन दिन नीदरलैंड्स के खिलाफ अपना पहला मैच खेलेगा।

### सरकार का फैसला मानेगा पीसीबी : सूत्र

**कराची।** पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने भारत के खिलाफ टी20 विश्व कप के बहिष्कार के सरकार के फैसले पर चुप्पी साध रखी है लेकिन उच्च पदस्थ सूत्रों ने स्वीकार किया कि उनके पास सरकार के निर्देश मानने के अलावा कोई चारा नहीं है। तमाम नाटकीयता के बीच पाकिस्तानी टीम सात फरवरी से शुरू हो रहा विश्व कप खेलने कोलंबो रवाना हो गई है। पीसीबी के एक शीर्ष सूत्र ने बताया कि अगर भारत के खिलाफ नॉकआउट चरण में कोई मैच खेलना पड़ता है तो बोर्ड सरकार का फैसला मानेगा। सूत्र ने कहा सरकार ने बोर्ड को भी बता दिया है कि टीम भारत के खिलाफ विश्व कप का मैच नहीं खेलेगी और अंक जाने देगी। अगर नॉकआउट चरण में भारत से खेलने की नौबत आई तो उस समय सरकार के फैसले पर अमल किया जाएगा।

## आईसीसी को करनी चाहिए कार्रवाई : गावस्कर, भज्जी

**नई दिल्ली, एजेंसी**

भारत के पूर्व कप्तान सुनील गावस्कर का अनुमान है कि पाकिस्तान 'यू टर्न' लेगा, लेकिन उन्होंने कहा कि भारत के खिलाफ 15 फरवरी को टी-20 विश्व कप के मैच का बहिष्कार करने पर आईसीसी को उसके खिलाफ कानूनी कार्रवाई करनी चाहिए।

पाकिस्तान सरकार ने फैसला किया है कि उसकी टीम कोलंबो में भारत के खिलाफ यह मैच नहीं खेलेगी और इसका कोई आधिकारिक कारण भी नहीं दिया। ऐसा माना जा रहा है कि बांग्लादेश के साथ एकजुटता दिखाने के लिए यह कदम उठाया गया है। बांग्लादेश को विश्व कप से बाहर कर दिया गया है जिसने सुरक्षा कारणों से भारत में खेलने से इनकार किया था।

गावस्कर ने कहा मुझे लगता है कि अगले चार या पांच दिन में दुनिया भर से प्रतिक्रिया आने लगेगी तो संभव है कि पाकिस्तान अपना फैसला बदल ले। टूर्नामेंट सात फरवरी से शुरू होगा और पाकिस्तान को सारे मैच श्रीलंका में खेलने हैं। गावस्कर ने कहा इसमें क्या नया है। हम सभी को पता है कि पाकिस्तानी क्रिकेटर रिटायर होते हैं और चार दिन बाद फैसला बदलकर कहते हैं कि हमारे प्रशंसकों ने और खेलने के लिए कहा है। उन्होंने कहा पाकिस्तानी खिलाड़ियों ने मिसाल कायम की है। वे संन्यास का फैसला बदलते रहते हैं लिहाजा 15 फरवरी से पहले ऐसा कुछ हो सकता है। गावस्कर और हरभजन सिंह दोनों ने कहा कि अगर आईसीसी पाकिस्तान के खिलाफ कार्रवाई करती है तो यह सही होगा। उन्होंने कहा पाकिस्तान के पास भारत के खिलाफ बड़े मैच से पीछे हटने का कोई कारण नहीं है। अनुबंध का उल्लंघन करने का कारण नहीं बता पाने पर उसके खिलाफ कार्रवाई की जानी चाहिए। हरभजन ने अपने यूट्यूब चैनल पर कहा पहले उन्हें कोई दिक्कत नहीं थी लेकिन बांग्लादेश के मसले के बाद वे इसमें कूद पड़े। इस फैसले का असर आईसीसी पर पड़ सकता है लिहाजा आईसीसी को कानूनी कार्रवाई करने का पूरा अधिकार है। इससे पूरे टूर्नामेंट पर असर पड़ सकता है।

## भारत ए ने अमेरिका को हराया

**नवी मुंबई, एजेंसी**

**अभ्यास मैच**

● **तिलक वर्मा ने पास किया फिटनेस टेस्ट, टीम को राहत**

तिलक वर्मा पेट के निचले हिस्से की सर्जरी के बाद प्रतिस्पर्धी क्रिकेट में वापसी करते हुए सभी मानकों पर खरे उतरे जिससे भारतीय टीम प्रबंधन ने राहत की सांस ली होगी। उनकी और अन्य आईपीएल सितारों की मौजूदगी वाली भारत ''ए'' टीम ने सोमवार को यहां बड़े स्कोर वाले अभ्यास मैच में अमेरिका को 38 रनों से हरा दिया। पहले बल्लेबाजी करते हुए भारत ए के बल्लेबाजों ने सीनियर टीम द्वारा तय किए गए 'हर कीमत पर आक्रामक होकर खेलने' के रवैये को अपनाया।

तमिलनाडु के विकेटकीपर नारायण जगदीशन की 11 चौकों और पांच छक्कों की मदद से 55 गेंद में 104 रन की पारी से टीम ने तीन विकेट पर 238 रन बनाए। इसके जवाब में अमेरिका ने सपाट पिच पर अच्छा प्रदर्शन किया लेकिन आखिरकार 200 रन ही बना पाई। संजय कृष्णमूर्ति के 18 गेंद पर 41 रन की पारी खेली। राष्ट्रीय चयन समिति, मुख्य कोच गौतम गंभीर और कप्तान सूर्यकुमार यादव के लिए प्राथमिकता तिलक की मैच फिटनेस की जांच करना था जिन्होंने बेंगलुरु में सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में तीन सप्ताह का 'रिटर्न टू प्ले' (खेलने के लिए वापसी) प्रोटोकॉल पूरा किया था।

### 25 करोड़ डॉलर के नुकसान की आशंका

**नई दिल्ली।** आईसीसी के किसी टूर्नामेंट में भारत और पाकिस्तान के बीच खेले जाने वाला मुकाबला अनुमान के मुताबिक करीब 25 करोड़ डॉलर (2200 करोड़ रुपये से अधिक) का राजस्व पैदा करता है और ऐसे में आगामी टी20 विश्व कप में इस अहम मुकाबले के नहीं होने से सभी हितधारकों को भारी वित्तीय नुकसान हो सकता है। दोनों देशों के बीच तनावपूर्ण रिश्तों के चलते भारत और पाकिस्तान केवल बहु-टीम टूर्नामेंटों में ही आमने-सामने होते हैं, लेकिन इस मुकाबले को लेकर रोमांच इतना जबरदस्त होता है कि आईसीसी हर वैश्विक आयोजन में दोनों टीमों को एक ही ग्रुप में रखता है। पाकिस्तान सरकार ने 15 फरवरी को कोलंबो में होने वाले इस बहु-प्रतीक्षित मुकाबले के बहिष्कार की घोषणा की।

### मुट्ठी में आसमां

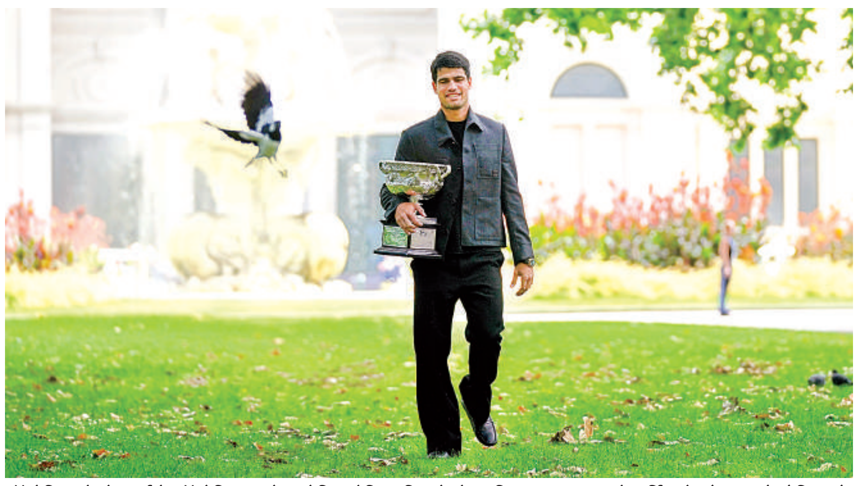

ऑस्ट्रेलिया के मेलबर्न में ऑस्ट्रेलियन ओपन टेनिस चैंपियनशिप के मेन्स सिंगल्स फाइनल में सर्बिया के नोवाक जोकोविच को हराने के बाद नॉर्मन ब्रूक्स चैलेंज कप पकड़े स्पेन के कार्लोस अल्काराज। ● एजेंसी

## सिंधु बगैर एशिया टीम चैंपियनशिप में भारत के सामने कड़ी चुनौती

**किंगदाओ (चीन), एजेंसी**

● **पुरुष बैडमिंटन टीम की नजरें पोडियम पर**

स्टार खिलाड़ी पीवी सिंधु के बिना कमजोर पड़ी भारतीय महिला टीम को यहां मंगलवार से शुरू हो रही बैडमिंटन एशिया टीम चैंपियनशिप में अपना खिताब बचाने में कड़ी चुनौती का सामना करना पड़ेगा जबकि पुरुष टीम पोडियम पर जगह बनाने के लिए अनुभवी खिलाड़ियों पर निर्भर रहेगी। भारत ने पिछले सत्र में मलेशिया में अपना पहला महिला टीम स्वर्ण जीतकर इतिहास रचा था लेकिन चोट के कारण सिंधू के हटने से उनकी पदक जीतने की उम्मीदों को बड़ा झटका लगा है।

दो बार की ओलंपिक पदक विजेता सिंधू की गैरमौजूदगी में भारतीय अभियान की जिम्मेदारी तन्वी शर्मा की अगुआई वाले खिलाड़ियों के युवा समूह पर होगी। पंजाब की 17 साल की तन्वी 2024 में चैंपियन टीम का हिस्सा थी लेकिन उन्हें कोई मैच खेलने का मौका नहीं मिला था। इसके अगले दो साल में तन्वी गुवाहाटी में विश्व जूनियर चैंपियनशिप में रजत पदक और अमेरिकी ओपन सुपर 300 में फाइनल तक पहुंचकर महिला एकल में अगली बड़ी उम्मीद बनकर उभरी हैं। उन्होंने सत्र की शानदार शुरुआत की। इंडिया ओपन और इंडोनेशिया मास्टर्स में दुनिया की दूसरे नंबर की खिलाड़ी वांग झी यी और दुनिया की नौवें नंबर की खिलाड़ी टोमोका मियाजाकी को तीन गेम तक चुनौती पेश की जिससे यह साबित हुआ कि वह दुनिया की सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों के साथ मुकाबला कर सकती हैं। उन्नति हुड्डा भी 2025 के सफल सत्र के बाद इस टूर्नामेंट में आ रही हैं। यह 18 वर्षीय खिलाड़ी पिछले साल अपने करियर की सर्वश्रेष्ठ 23वीं रैंकिंग हासिल करने में सफल रहीं। उन्होंने चीन ओपन में सिंधु को भी हराया। बीडब्ल्यूएफ सुपर 100 खिताब जीतने वाली सबसे कम उम्र की भारतीय उन्नति ने 2025 में ओडिशा मास्टर्स का खिताब भी जीता। एकल में जिम्मेदारी अब मालविका बंसोड़ और रक्षिता श्री संतोष रामराज पर भी होगी।

**उत्साह** | अनुभवी गोलकीपर सविता पूनिया को महिला हॉकी विश्व कप क्वालीफायर में भारतीय टीम की जीत पर यकीन

## मनचाहा कोच व ट्रेनर मिला, टीम का अच्छा हुआ माहौल : सविता

**नई दिल्ली, एजेंसी**

अनुभवी गोलकीपर सविता पूनिया ने स्वीकार किया कि अगले महीने हैदराबाद में होने वाला महिला हॉकी विश्व कप क्वालीफायर भारतीय टीम के लिए करो या करो की तरह है, लेकिन उन्हें यकीन है कि कोच शोर्ड मारिन की टीम जीत के साथ इस चुनौतीपूर्ण वर्ष का आगाज करेगी। इस साल पद्मश्री सम्मान के लिये चुनी गई सविता ने भाषा को दिए इंटरव्यू में कहा हमारी टीम पहले भी अच्छी थी और आज भी अच्छी है। हमने जो ट्रेनर मांगा, वह हमें मिला और जो कोच चाहा, वह भी मिला और टीम का माहौल बहुत अच्छा है। तीन सौ से अधिक अंतर्राष्ट्रीय मैच खेल चुकी इस गोलकीपर ने कहा पूरी टीम को पता है कि विश्व कप क्वालीफायर हमारे लिये ''करो या मरो'' की तरह है लेकिन इतना यकीन है कि हमें उस तरह की हॉकी खेलनी आती है कि इसे जीत सकें।

एशिया कप के जरिये अगस्त में बेल्जियम और नीदरलैंड में होने वाले विश्व कप के लिये सीधे क्वालीफाई करने में नाकाम रही भारतीय टीम को अब हैदराबाद में आठ से 14 मार्च तक क्वालीफायर खेलना होगा जिसमें इंग्लैंड, स्कॉटलैंड, कोरिया, इटली, उरूग्वे, वेल्स और आस्ट्रिया भी शामिल है। प्रत्येक क्वालीफायर में शीर्ष तीन टीमें विश्व कप के लिए क्वालीफाई करेंगी, साथ ही दोनों प्रतियोगिताओं में चौथे स्थान पर रहने वाली उच्च रैंकिंग वाली टीम भी क्वालीफाई करेगी। आगे की चुनौतियों के बारे में उन्होंने कहा कि प्रो लीग के लिये क्वालीफाई करना बहुत जरूरी है जिसके लिये नेशंस कप जीतना होगा। उन्होंने कहा प्रो लीग से बाहर होना बड़ा झटका है और अब नेशंस कप जीतकर इसके लिये क्वालीफाई करना है। हम इसके जरिये विश्व की शीर्ष आठ टीमों के खिलाफ खेल सकते हैं जिससे काफी अच्छा अनुभव मिलता है। पैंतीस वर्ष की इस पूर्व कप्तान ने कहा इस साल विश्व कप और एशियाई खेल भी हैं। दोनों टूर्नामेंटों के बीच में काफी कम समय है लिहाजा फिटनेस पर काम करना होगा। एशियाई खेलों में रजत और कांस्य है लेकिन अब नजरें स्वर्ण पर है ताकि लॉस एंजिलिस ओलंपिक के लिये सीधे क्वालीफाई कर सकें। उन्होंने कहा एशियाई खेलों में चीन से चुनौती मिलेगी लेकिन हमें उनकी और अपनी ताकत पता है। हमें विरोधी टीम की नहीं बल्कि अपनी ताकत पर फोकस करना है और इसी फलसफे से हमने नेशंस कप जीतकर प्रो लीग के लिये क्वालीफाई किया था और आगे भी करेंगे। टोक्यो ओलंपिक 2021 में चौथे स्थान पर रहने वाली भारतीय महिला हॉकी टीम के प्रदर्शन में पिछले साल आई गिरावट के लिये सविता ने फिटनेस के खराब स्तर को कसूरवार ठहराया।

उन्होंने कहा खेल में उतार-चढाव आते रहते हैं और पिछले साल ऐसा ही एक दौर था। इसका सबसे बड़ा कारण यही था कि हमारी फिटनेस में कहीं न कहीं कमी रह गई थी। टोक्यो ओलंपिक में अच्छे प्रदर्शन के पीछे फिटनेस बहुत बड़ा कारण था।

### नए कोच के आने से हुई प्रेरित

पूर्व कोच हरेंद्र सिंह के इस्तीफे के बाद शोर्ड 2017 से 2021 तक कोच रहने के बाद एक बार फिर भारतीय टीम से जुड़े हैं। सविता ने कहा शोर्ड हमें काफी प्रेरित करते हैं और सकारात्मक माहौल रखते हैं। मैदान पर वह काफी डिमांडिंग कोच हैं और खिलाड़ियों को जिम्मेदारी का अहसास कराते हैं। फिटनेस समस्याओं से उबरकर हॉकी इंडिया लीग के जरिये वापसी करने वाली इस धुरंधर ने कहा अगर मैं अपनी बात करूं तो 2017 में मेरा कैरियर लगभग खत्म होने वाला था क्योंकि रियो ओलंपिक में प्रदर्शन अच्छा नहीं था। उन्होंने मुझे एक मौका दिया और वहीं से मैंने अपनी गोलकीपिंग का मजा लेना शुरू किया। उनके भरोसे से मुझे अच्छे प्रदर्शन में काफी मदद मिली।